महानगर नई दिल्ली रविवार 2 जून, 2019, रु. 5.00 (12+4 पेज) दिल्ली, कोलकाता, लखनऊ और चंडीगढ़ से प्रकाशित

जनसत्ता

jansatta.com | epaper.jansatta.com | facebook.com/jansatta | twitter.com/jansatta

तीन दिन तक गरमी से राहत नहीं

राजस्थान के चुरू में पारा 50 .8 और गंगानगर में 49 .6 डिग्री सेल्सियस

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली , 1 जून।

मौसम विभाग के अनुसार आने वाले चौबीस घंटे में भी राज्य को गर्म हवाओं से कोई राहत नहीं मिलेगी और अनेक हिस्सों में लू व तेज लू चलेगी। बीते चौबीस घंटे में राजस्थान के चुरू में तापमान 50.8 और गंगानगर में 49.6 डिग्री सेल्सियस पहुंच जाने के साथ ही देश का अधिकतर हिस्सा लाल चेतावनी (रेड अलर्ट) के दायरे में आ गया है। मौसम विभाग ने कहा है कि अगले 72 घंटे तक गरमी से राहत मिलने के कोई आसार नहीं हैं बल्कि कुछ हिस्सों के तापमान में और बढ़ोत्तरी की आशंका है। मैदानी ही नहीं, **बाकी पेज ८ पर**

- चार जून से दिल्ली में हल्के बादल छाने के आसार
- देश का अधिकतर हिस्सा लाल चेतावनी के दायरे में

नई दिल्ली में शनिवार को तालाब में धमाचौकड़ी मचाते गरमी से बेहाल बच्चे।

गृह मंत्री का कार्यभार संभालने के बाद अमित शाह ने कहा

सुरक्षा और जनकल्याण सरकार की प्राथमिकताएं

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 1 जून।

गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि देश की सुरक्षा और जनता का कल्याण मोदी सरकार की प्रमुख प्राथमिकताएं हैं। शाह ने शनिवार को इस संवेदनशील मंत्रालय का कार्यभार संभाला। उन्होंने कहा कि वे इन सभी प्राथमिकताओं को अमली जामा पहनाने का भरपूर प्रयास करेंगे। उन्होंने ट्वीट किया कि देश की सुरक्षा और जनता का कल्याण मोदी सरकार की प्राथमिकताएं हैं। मोदी जी के नेतृत्व में मैं इन सभी प्राथमिकताओं को पूरा करने का भरपूर प्रयास करूंगा। इतने संवेदनशील मंत्रालय की जिम्मेदारी सौंपने के लिए शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया।

शाह ने कहा कि आज मैंने भारत के गृहमंत्री का कार्यभार संभाल लिया। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभारी हूं कि उन्होंने मुझमें भरोसा जताया। केंद्रीय गृह सचिव राजीव गाबा, गुप्तचर ब्यूरो के प्रमुख राजीव जैन और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने गृह मंत्रालय के नॉर्थ ब्लॉक स्थित कार्यालय में शाह का स्वागत किया। गृह मंत्रालय के लिए दोनों नवनियुक्त राज्य मंत्रियों जीके रेड्डी और नित्यानंद राय ने भी शनिवार को कार्यभार संभाला। केरल के राज्यपाल पी सदाशिवम और महाराष्ट्र के राज्यपाल सी विद्यासागर राव गृह मंत्री को शिष्टाचार फोन करने **बाकी पेज ८ पर**

दोनों नवनियुक्त राज्य मंत्रियों जीके रेड्डी और नित्यानंद राय ने भी कार्यभार संभाला।

आज मैंने भारत के गृहमंत्री का कार्यभार संभाल लिया। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभारी हूं कि उन्होंने मुझमें भरोसा जताया।

पहले दिन की वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक, अहम मुद्दों पर ली जानकारियां

रक्षामंत्री का काम संभाला राजनाथ ने

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 1 जून।

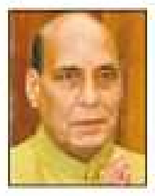

राजनाथ सिंह ने शनिवार को रक्षा मंत्रालय का कार्यभार संभालने के बाद थल सेना, नौसेना व वायुसेना प्रमुखों को अपने-अपने बलों की चुनौतियों और संपूर्ण कामकाज पर अलग-अलग प्रस्तुतियां तैयार करने को कहा। रक्षा मंत्रालय में उन्होंने थल सेना प्रमुख जनरल बिपिन रावत, वायुसेना **बाकी पेज ८ पर**

ट्रंप ने खत्म की भारत के लिए व्यापार में शुल्क-छूट

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 1 जून।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्यापार में सामान्य तरजीही व्यवस्था (जीएसपी) के तहत भारत को विकासशील देश के रूप में प्रशुल्क में छूट का लाभ समाप्त कर दिया है। इस फैसले से भारत के कुछ उत्पाद अमेरिका में महंगे हो जाएंगे और वे प्रतिस्पर्द्धी बाजार में नहीं टिक पाएंगे। यह व्यवस्था पांच जून से लागू होगी। ट्रंप के फैसले पर भारत ने शनिवार को कहा कि वह अमेरिका के साथ आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए उसके साथ मिलकर काम करना जारी रखेगा। वाणिज्य मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि किसी भी संबंध में, खास तौर पर आर्थिक संबंधों में कई मुद्दे समय के साथ चलते रहते हैं और उन्हें बातचीत और परस्पर सहयोग से हल कर लिया जाता है। मंत्रालय ने कहा कि भारत इन मामलों में अपने राष्ट्रीय हितों का बचाव करेगा।

- भारत ने कहा, बातचीत से हल होते हैं मुद्दे
- अमेरिकी जीएसपी के तहत भारत के माल का निर्यात सालाना 5.6 अरब डॉलर और शुल्क लाभ 19 करोड़ डॉलर है।

सामान्य तरजीही व्यवस्था (जीएसपी) अमेरिका का सबसे बड़ा और पुराना व्यापार तरजीही कार्यक्रम है। यह कार्यक्रम चुनिंदा लाभार्थी देशों के हजारों **बाकी पेज ८ पर**

कांग्रेस संसदीय दल की नेता चुनी गईं सोनिया

- पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने उन्हें नेता चुने जाने का प्रस्ताव रखा और सभी सदस्यों ने उसका अनुमोदन किया
- इससे पहले भी सोनिया यह भूमिका निभा रही थीं

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 1 जून ।

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) की अध्यक्ष सोनिया गांधी को शनिवार को एक बार फिर से कांग्रेस संसदीय दल का नेता चुना गया और इस मौके पर उन्होंने कहा कि पार्टी को मजबूत करने के लिए कई निर्णायक कदमों पर विचार चल रहा है। इससे पहले भी सोनिया यह भूमिका निभा रही थीं।

संसद के केंद्रीय कक्ष में हुई कांग्रेस संसदीय दल की बैठक में सोनिया को नेता चुना गया। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने उन्हें नेता चुने जाने का प्रस्ताव रखा और सभी सदस्यों ने उसका अनुमोदन किया। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि पार्टी के संविधान के मुताबिक संसदीय दल का नेता लोकसभा और राज्यसभा में पार्टी के नेताओं का चुनाव करता है, ऐसे में सोनिया गांधी ही दोनों सदनों **बाकी पेज ८ पर**

'अपने 52 सांसदों के साथ हम इंच-इंच लड़ेंगे और जीतेंगे'

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 1 जून ।

लोकसभा चुनाव में करारी हार के बाद निराश पड़े कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं नेताओं में जोश भरते हुए पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि लोकसभा में 52 सांसद होने के बावजूद उनकी पार्टी अगले पांच वर्षों तक भाजपा के खिलाफ इंच-इंच लड़ेगी और जीतेगी। उन्होंने कहा कि संविधान और देश की संस्थाओं को **बाकी पेज ८ पर**

कांग्रेस संसदीय दल की पहली बैठक में बोले राहुल गांधी

नंदा देवी पर्वत पर जा रहा विदेशियों का दल लापता

पिथौरागढ़ (उत्तराखंड), 1 जून (भाषा)।

उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में नंदा देवी पर्वत की पूर्वी चोटी पर चढ़ाई कर रहा विदेशी पर्वतारोहियों का दल लापता हो गया है। इस दल में सात विदेशी और एक भारतीय शामिल थे।

सात विदेशी पर्वतारोहियों में ब्रिटेन, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के नागरिक शामिल थे जबकि आठवां व्यक्ति भारतीय पर्वतारोहण संस्थान का अधिकारी था। दल 13 मई को मुनस्यारी से निकला था। इन्हें 7,434 मीटर ऊंची चोटी पर चढ़ाई के बाद शुक्रवार को ही बेस कैंप वापस लौटना था। दल की वापसी में देरी होने के बाद जिला प्रशासन ने एक खोजी दल को रवाना किया है। मुनस्यारी के उपजिलाधिकारी आरसी गौतम ने बताया कि खोजी दल में राज्य आपदा मोचन बल, पुलिस और चिकित्सा कर्मचारी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि पर्वतारोहियों के इस दल को शुक्रवार को बेस कैंप और शनिवार को मुनस्यारी लौट आना था।

चढ़ाई कर रहे पर्वतारोहियों के इस दल में ब्रिटेन, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के कुल सात नागरिक शामिल थे, जबकि आठवां व्यक्ति भारतीय था

ईडी ने प्रफुल्ल पटेल को पूछताछ के लिए बुलाया

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 1 जून।

प्रवर्तन निदेशालय ने यूपीए शासनकाल में सरकारी विमानन कंपनी एअर-इंडिया में हुए करोड़ों रुपए के कथित घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले की जांच के सिलसिले में राकांपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व नागर विमानन मंत्री प्रफुल्ल पटेल को अगले हफ्ते पूछताछ के लिए तलब किया है। ईडी के मुताबिक, राज्यसभा सदस्य पटेल को छह जून को जांच अधिकारियों के समक्ष उपस्थित होने को कहा गया है। ईडी के नोटिस **बाकी पेज ८ पर**

भारतीय क्षेत्र में करतारपुर गलियारे का काम सितंबर तक पूरा होगा

चंडीगढ़, 1 जून (भाषा)।

पंजाब के लोक निर्माण विभाग (पीडब्लूडी) मंत्री विजय इंदर सिंगला ने शनिवार को कहा कि भारतीय सीमा की ओर करतारपुर गलियारे का निर्माण 30 सितंबर तक पूरा कर लिया जाएगा। यह गलियारा भारत में पंजाब के गुरदासपुर में डेराबाबा नानक गुरुद्वारे को पाक के करतारपुर स्थित गुरुद्वारा दरबार साहिब से जोड़ेगा।

सिंगला ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि गलियारे का निर्माण 30 सितंबर तक पूरा हो जाएगा जो सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानकदेव के 550वें प्रकाश पर्व (जन्मदिन) के पहले ही होगा। मौका मुआयना करने के बाद पीडब्लूडी मंत्री ने कहा कि गलियारे का निर्माण अत्याधुनिक एक्सप्रेसवे की तरह किया जाएगा। श्रद्धालुओं के लिए विश्व स्तरीय कोरिडोर बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि भारतीय सीमा की ओर गलियारे की लंबाई 4.2 किलोमीटर होगी। **बाकी पेज ८ पर**

मंत्री विजय इंदर सिंगला ने कहा, यह गलियारा पंजाब के गुरदासपुर में डेराबाबा नानक गुरुद्वारे को पाक के करतारपुर स्थित गुरुद्वारा दरबार साहिब से जोड़ेगा

नीतीश मंत्रिमंडल में चार नए मंत्री हो सकते हैं शामिल

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 1 जून।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार रविवार को अपने मंत्रिमंडल का विस्तार करेंगे। नीतीश के मंत्रिमंडल में चार नए मंत्रियों को शामिल किया जा सकता है। नए मंत्रियों को बिहार के राज्यपाल लालजी टंडन शपथ दिलाएंगे।

नीतीश कुमार ने शनिवार को राज्यपाल से मुलाकात कर अपने मंत्रिमंडल में विस्तार की जानाकारी दी। राजभवन से जारी बयान के मुताबिक, नीतीश कुमार ने राज्यपाल से मुलाकात कर मंत्रिमंडल विस्तार पर चर्चा की है। रविवार को शपथ लेने वाले मंत्रियों के नाम सामने आए हैं और इसमें भाजपा का कोई नेता शामिल नहीं।

जो नाम चर्चा में हैं, उनमें दलित कोटे से ललन पासवान, श्याम रजक व अशोक चौधरी, भूमिहार कोटे से नीरज कुमार, महिला व यादव कोटे से रंजू गीता, ब्राह्मण कोटे से संजय झा शामिल हैं। संजय झा को शनिवार को एमएलसी बनाया गया। जो नाम चल रहे हैं, उनमें से किसी चार को मौका मिलेगा। रविवार को साढ़े 11 बजे शपथ ग्रहण की बात सामने आ रही है।

इस बार के लोकसभा चुनाव में नीतीश मंत्रिमंडल के दो मंत्री ललन सिंह और दिनेश चंद्र यादव लोकसभा चुनाव जीतकर सांसद बन गए हैं। ये दोनों जद (एकी) से ही हैं। इसके अलावा लोक जनशक्ति पार्टी के पशुपति कुमार पारस सांसद बने हैं। ललन सिंह बिहार सरकार में जल संसाधन मंत्री थे, दिनेश चंद्र यादव लघु सिंचाई और आपदा प्रबंधन मंत्री थे। लोजपा के पशुपतिकुमार पारस, पशु व मछली संसाधन मंत्रालय देख रहे थे।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह से ठीक पहले नीतीश कुमार ने टिप्पणी की थी कि वह भाजपा के साथ हैं लेकिन मंत्रिमंडल में सांकेतिक रूप से शामिल होने के औपचारिक न्योते को स्वीकार करने के प्रस्ताव पर उनकी पार्टी के लोगों ने अपनी सहमति नहीं दी। नीतीश इस बात को लेकर नाराज थे कि दो सांसदों वाली पार्टी अकाली दल छह सांसदों वाली लोजपा को कैबिनेट स्तर के एक-एक मंत्री का पद दिया गया जबकि 16 सांसदों वाली उनकी पार्टी को भी एक ही कैबिनेट पद देने की पेशकश की गई थी।

- सुबह 11 बजे नए मंत्रियों को शपथ दिलाएंगे राज्यपाल लालजी टंडन • ललन सिंह, दिनेश यादव, पशुपति कुमार पारस के सांसद बनने से खाली हुई जगहें • अभी बिहार मंत्रिमंडल में 11 मंत्री पद खाली

रविवारी

2 जून, 2019

राजनीति में महिला भागीदारी

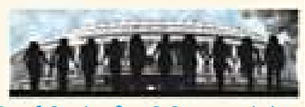

भारतीय संसद में महिलाओं की एक तिहाई हिस्सेदारी सुनिश्चित करने के मकसद से तैयार किया गया विधेयक अभी तक मंजूरी का इंतजार कर रहा है। इसके पीछे की वजहों का विश्लेषण कर रहे हैं श्रीश चंद्र मिश्र।

• कहानी/ मधु अरोड़ा • ललित प्रसंग/ सुरेश सेठ • योग दर्शन/ डॉ. वरुण वीर • शख्सियत/ नरगिस • दाना-पानी/ मानस मनोहर • सेहत/ रविवारी डेस्क

खुशनसीब हूं कि मुझे आज भी दर्शक प्यार करते हैं : सलमान खान

• कविता/ जगदीश शर्मा • कहानी/ सोनाली मिश्रा

दरअसल

चौटाला ने की थी जंगली जानवरों से तुलना

सियासी विद्रूप

खट्टर ने कहा, भगवान आपको सद्बुद्धि दें

चौटाला के अमर्यादित बयान पर खट्टर का पलटवार

चंडीगढ़, 1 जून (जनसत्ता)।

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला के सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर की तुलना नाकार जानवरों से करने के बाद मुख्यमंत्री ने जवाब में कहा, 'चौटाला जी, भगवान आपको सद्बुद्धि दें और आपकी आयु लंबी करें।'

जेबीटी भर्ती घोटाले में सजा काट रहे पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला इस समय 14 दिन के फरलो पर जेल से बाहर हैं और प्रदेश का दौरा करते हुए कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर रहे हैं। हालांकि इन कार्यक्रमों के दौरान चौटाला ने मीडिया से निरंतर दूरी बनाई हुई है लेकिन उनके वीडियो आए दिन वायरल हो रहे हैं।

चाहे वह दूध देने वाले पशु हों या कोई और, जब वे बेकार हो जाते हैं, नाकारा हो जाते हैं तो हम उनको खट्टर कहा करते हैं। एक नाकारा हरियाणा प्रदेश में आ गया है।

- ओमप्रकाश चौटाला

ओम प्रकाश चौटाला जी आपकी इसी अमर्यादित भाषा की वजह से जनता ने आपको सबक सिखाया है। मैं भगवान से प्रार्थना करूंगा कि वे आपको सद्बुद्धि दें और आपकी उम्र लंबी करें।

- मनोहर लाल खट्टर

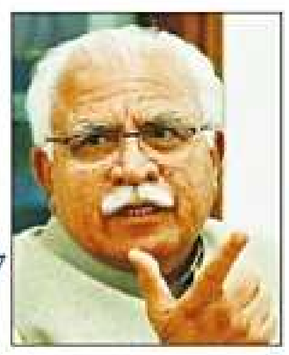

शुक्रवार को ओम प्रकाश चौटाला ने जहां रोहतक के पूर्व सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा की तारीफ की वहीं मुख्यमंत्री को आड़े हाथों लिया। एक कार्यक्रम के दौरान चौटाला ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल की तुलना जानवरों से करते हुए उन्हें कथित तौर पर नाकारा व नालायक तक कह डाला था। उन्होंने कहा, 'चाहे वह दूध देने वाले पशु हों या कोई और, जब वे बेकार हो जाते हैं, नाकारा हो जाते हैं तो हम उनको खट्टर कहा करते हैं। एक नाकारा हरियाणा प्रदेश में आ गया है। कभी सोचा ही नहीं था कि उन्हें मौका (राज्य में शासन का) मिलेगा। यह देश की बदकिस्मती थी। यह प्रदेश के लिए भारी नुकसान जैसा है।'

चौटाला के इस बयान पर मुख्यमंत्री खट्टर ने सार्वजनिक रूप से अथवा मीडिया में तो कोई टिप्पणी नहीं की लेकिन ट्वीट के माध्यम से उन्होंने चौटाला को जवाब दे दिया है। उन्होंने शनिवार सुबह **बाकी पेज ८ पर**

जनसत्ता क्लासीफाइड

व्यक्तिगत

This is to Inform that I, Abrez Jeelani, S/o Mr. Aijaz Jilani R/o 232-C, Express View Apartments, Sector-93, Noida-201305, have changed my name to Abrez Jilani as per my class 10th CBSE Gradesheet cum Certificate of performance for all future purposes. 0040497687-1

The general public is hereby informed that I Mohammad Ibrahim son of Late Shree Gopal Chandra residing at B-9/79-A, Ground floor, Udaigiri-II, sector-34, Noida-201301 have renounced Islam and embraced Hindu religion and changed my name as well. I shall hereafter be known as Rajesh Kumar with the affect from date 24.05.2019. I have complied with other leagal requirements in this regard. 0040497703-1

I, Yogesh Chandra Sharma urf Y.C.Sharma S/o Sudeshwar Sharma R/o.Plot.No.104, G/F, Meera-Enclave, Chaukhandi Tilak-Nagar Delhi-18,have changed my name to Yogesh Chander Sharma. 0040497748-5

I, Virender Singh S/O Shri Vijay Singh R/O 13, Extension-1A, Nangloi, Delhi-110041 have changed my name to Virender Singh Joon. 0040497707-1

I, Vijaya Kumari D/o Late Shri Mam Raj Sharma alias Mom Raj R/o B-402, New Ashok Nagar, Delhi-110096, have changed my name from Vijay Bala to Vijaya Kumari 0040497728-1

I, Vijay Kumar S/o Bijender Singh R/o-H.No.453, Pooth-Kalan, Delhi-110086, inform that in my 10th-Class Certificate my father name was wrongly-written as Bijender Singh Solanki, whereas his correct name is Bijender Singh. 0040497707-2

I, Sumit S/o Late Vinod Kumar R/o D-1/3 Jeevan Jyoti Apartments Pitampura Delhi-110034, changed my name to Sumit Makhija. 0040497748-2

I, Shikha Rani W/o Shri. Rajneesh Bhayana R/o H.No. 94, FF G+3 Society-North Avenue-2, Sector-15, Omaxe-City Bahadurgarh Distt.Jhajjar, Haryana, changed my name to Shikha Bhayana. 0040497707-8

I, Sanjay Gupta H/o Kalpana Gupta & S/o Late. Gopi Shyam Gupta R/o-Flat.No.2301,Tower-Marvella,Mahagun Moderne, Sector-78,Noida,U.P-201301, have changed my name to SANJAY KUMAR GUPTA. 0040497727-2

I, Sangeeta W/O-Parveen Kumar R/o M.No-60-61, 2nd Floor Pocket-19, Sector-24, Rohini Delhi-110085-have changed my name to Sangeeta Nain for all purposes. 0040497748-7

I, Sandeep Kumar S/o-Jwala Parsad R/o-C-31, New Sarswati Society, Sector-9, Rohini, Delhi-85, changed my name to Sandeep Kumar Garg. 0040497769-4

I, Samnit S/o Sh. Surinder Singh R/o 5/291, Sant Nirankari Colony, Delhi-09, have changed my name to Samnit Singh for all purposes. 0040497716-1

I, Ritu Sharma W/o Surender Kumar R/o B-65 Prashant Vihar Sector-14 Rohini Delhi-110085, changed my name to Rita Kumari. 0040497729-4

I, Priyanka Chouhan W/o Gaurav Bhadhoria R/o 2796, Gali Aryasamaj, Sitaram Bazar, Delhi-110006, changed my name to Priyanka. 0040497729-7

I, Poonam Kaur D/o Harcharan Singh W/o Suraj Yadav R/o 226/5, Top Floor, Arjun Nagar, near Gurudwara, Safdarjung Enclave, New Delhi-110029, that I want to change my name from Poonam Kaur to Poonaam Kaurr for future purposes. 0040497704-1

I, Pawan Kumar S/o Ved Parkash R/o 342, Shivaji Market, Vill. Pitampura, Delhi-110034, have changed my name to Pawan Kaushik. 0040497707-5

I, Pallavi Goyal W/o Vipul Goyal H.No-579 Sector-17, Faridabad -121002, have changed my name to Pallavi Goel. 0040497729-5

I, Nisha W/o Late shri Harish kumar varshney R/o.T-Huts No.1 MCD-Nursery Amar-Colony Lajpat-nagar-IV, N.D-24.have changed my name from Nisha to Nisha sharma both are same person for all future purposes. 0040497707-7

I Nitin Jaiswal And Rumita Jaiswal, R/O-D-219, Anand Vihar, Delhi-110092,Have Changed My Minor Son Name Yuvaan Chawla To Yuvaan Jaiswal. 0040497748-3

I Kumkum Kumari W/O Ashish Kumar Mallik R/O of Plot No.955, H No 103, Shalimar Garden Ext1, Sahibabad, Ghaziabad, U.P 201005 shall henceforth be known as Kumkum Mallik affidavit no 75AD 761400 sworn before notary Vijay Pandit, Ghaziabad dated 29/05/19 0050149540-1

I, Neelam Kaur W/o Manmohan Singh R/o-Tikhowal Mohalla-Mukerian, PO &Tehsil-Mukeriyan, Distt.Hosiyarpur (PB) have changed my name from Neelam Kaur to Kamlesh Rani for all purposes. 0040497707-10

I, Mukul Aggarwal S/o Sh.Meghraj Aggarwal R/o H. No.-J-30, Lane W 15 F, Western Avenue, Sainik Farm, Delhi-110062, have changed my name to Mukul Agarval for all future purpose. 0040497685-1

I, Mohit S/o Suresh Chander R/o S.R.S.-232, Peeragarhi, Village, Sunder Vihar, Delhi-110087,have changed my name to Mohit Kumar for all purposes. 0040497707-4

I, Minakshi Kumari W/o Kosal Kumar, R/O S-5, School-Block, Shakarpur, Delhi-110092. changed my name to Minakshi Sharma. 0040497729-8

I, Meenakshi Gupta R/o CA-100D, DDA flat, Harinagar, New Delhi-64, have changed my minor daughter's name from Navneet to Kanishka for all future purposes. 0040497698-1

I, Md Firoj S/o-Md Naseem R/O- E-143, Wazir Pur, J J Colony, Delhi-52, changed my name to Md. Firoz. 0040497769-3

I, Manvinder Singh Bindra S/o Kuldeep Singh Bindra R/o 432, Begum Bagh, Meerut (U.P.), have changed the name of my minor son Jashanjot Bindra aged 17 years and he shall hereafter be known as Jashanjot Singh Bindra. 0040497704-2

I, Manoj S/o Bharat Singh H.No.A-19, Street No-3, Near Prshadi Lal Kothi, Dayalpur, Delhi-110094, changed my name to Manoj Kashyap. 0040497729-6

I, Manoj Kumar Malik S/o Kirpal Singh Malik R/o-473/18 Bhikam Colony Ballabgarh Faridabad have changed my name to Manoj Malik 0040497679-1

I, Mamta Malik D/o Suraj Malik W/o Amit Chawla R/o-Wz-106/72,Rajouri Garden Extn.New Delhi-27 have changed to Mamta Chawla for,all purposes 0040497727-5

I, Kulwant Singh Jass S/o Joginder Singh R/o W-Z H-85, S/F, Street No.6, Sant nagar Extn. Tilak Nagar, New Delhi-110018 have changed my name to Kulwant Singh for all purposes 0040497696-1

I, Jyoti Rani W/o Naveen Jindal R/o C-85, Street.No.2, Bhajan Pura, Delhi-53, changed my name to Jyoti Rai. 0040497729-1

I, Jyoti Lata, D/o Shri.Brajendra Kumar, R/o.Flat.No.97, Deshbandhu-Apartment, Plot.No.15, I.P. Extension, Delhi-110092.state that the Corrected name of my Mother is USHA DEVI as against Usha Singh, wrongly-mentioned in my passport. 0040497748-6

I, Jaspreet Singh S/o Bhagwant Singh Chawla R/o H.No-33 Third Floor Jangpura Road Bhogal New Delhi-110014 have changed my name from Jaspreet Singh to Jaspreet Singh Chawla for all purposes. 0040497683-2

I, Jaspreet Singh S/o Bhagwant Singh Chawla R/o H.No-33 Third Floor Jangpura Road Bhogal New Delhi-110014 have changed my minor daughter name from Jessica Chawla to Jessica Kaur for all purposes. 0040497683-1

I, Deepshikha D/o Anil Sabharwal R/o 425, Rishi Nagar, Rani Bagh, Delhi-110034, have changed name to Deepshikha Sabharwal. 0040497707-3

I, Chander Prakash S/o Lekh Raj Ahuja R/o: RZ-A-28, Mahavir-Enclave, New Delhi-110045.Have Changed My Name to Chander Prakash Ahuja,for all future Purposes. 0040497748-4

I, Bharti W/o Sumit Makhija R/o D-1/3 Jeevan Jyoti Apartments Pitampura Delhi-110034. changed my name to Bharti Makhija. 0040497748-1

I, Amarjeet Singh Manocha R/o G-22 School Road Uttam Nagar New Delhi-110059 have changed my name from Amarjeet Singh Manocha to Amarjeet Singh for all purposes. 0040497683-3

I, Ajay Chakraborty s/o Binoy Bhushan Chakraborty r/o 86/202, Block-B, Vishwakarma Colony, Lal Kuan, Delhi-110044, have changed my name to Ajoy Chakraborty. 0040497690-1

I, Abrez Jeelani, S/o Mr. Aijaz Jilani R/o 232-C, Express View Apartments, Sector-93, Noida-201305. My Mother's Name Shabina Aijaz mentioned in my previous passport No. (M4893669). My Mother's correct name is Shabina Jilani as per my class 10th CBSE Gradesheet Cum Certificate of performance for all Future Purposes. 0040497688-1

I Deepanshi Bhatti D/o Sh.Ajay Kumar Bhatti W/o Sh.Aman Duggal R/o H.No.S-13, Naveen Shahdara, Delhi-110032, have changed my name after marriage to Lisha Duggal for all purposes. 0040497680-2

I Chetan Chauhan S/o Sh. Neelam Singh Chauhan R/o House No.10/10, Under Hill Lane, Civil Lines,Delhi, have changed my name to Chetan Neelam Chauhaan for all purposes. 0040497680-1

मैं श्यामभवी पुत्री दिलीप छाबड़ा निवासी 69 FF, I.P. कॉलोनी फरीदाबाद, हरियाणा ने अपना नाम सभी उदेश्यों के लिये बदलकर श्यामभवी छाबड़ा रख लिया है।

I, Aarti Bhardhan W/o Abhra Bardhan R/o Sfs Flat-128, Rajouri Apartments, Rojouri Garden, Delhi-64, changed my name to Aarti Bardhan. 0040497729-2

I, Raveen S/O Jagat Singh R/O-1752, Tigri-Pana, Nindana (107), Rohtak, Haryana-124513, informs that Raveen Nehra And Raveen Both Name Are Same And Only One Person. 0040497707-9

I hitherto known as Rasika Aggarwal W/o Sameer Gupta D/o Harish Chand Aggarwal R/o A 1/4, CH. Chhandu Mal Marg, Safdar Jung Development Area, Opp. B-4/60, New Delhi- 110016, have changed my name and shall hereafter be known as Rasika Gupta. 0070658387-1

I hitherto known as Girdhari alias Girdhari Chauhan S/o Ram Govind Chauhan, residing at, H.No.22, Gali No.41, B-Block, Kaushik-Enclave, Burari, Delhi-110084,have changed my name and shall hereafter be known as Dev Raj Chauhan. 0040497707-6

I Karuna Kumari W/O Naresh Prasad Swarnkar R/O Of Vill & Po Urain, Distt Lakhisarai, Bihar shall henceforth be known as Karuna Swarnkar affidavit no IN-DL87622345851848R sworn before notary ADV. R V Singh dated 13 May 19 0050149541-1

I, Rohit Gupta S/o Anil Kumar Gupta R/o F-2/23, Budh Vihar, Delhi-110086, have changed my name to Rohit Kumar Gupta. 0040497729-3

खोया+पाया

मेरी उ.प्र. बोर्ड की कक्षा दसवीं (रोल नं. 0577963) की ऑरिजनल मार्कशीट व सनद, कक्षा बारहवीं (रोल नं. 2301607) की ऑरिजनल मार्कशीट, डायलाइसिस टेक्नोलॉजी का 1 वर्ष का डिप्लोमा, जिसका रोल नं. DL760054 है एवं अस्पताल का आई कार्ड खो गया है। प्राप्तकर्ता कृपया सुभम पंवार निवासी ए-31, सुदर्शन पार्क, नई दिल्ली, मोती नगर, वेस्ट दिल्ली को सूचित करें। मो.: 9953370414

I, Drishti Jindal D/o Sanjeev Jindal R/o Shop Plot D-8, 2nd Floor, Pandav Nagar, Delhi-110092 have host my Original Certificate Class-10th, Year 2017, Roll No.8171279, CBSE, Delhi. 0040497696-2

I, Ram Narayan S/o-Late Sh. Pishori Lal C-27,Rajouri Garden,New.Delhi-110027, have lost Sale Deed property.No.3023/1,Gali Kayastan Bahadur Garh Road,Sadar Bazar,Delhi-5 please contact 0040497727-1

I, Balbir Kaur S/D/W/O Kartar Singh R/o D-182, Anand Vihar, Delhi-110092 have lost Conveyance Deed of my Property D-182, Anand Vihar, Delhi-110092 (Registration No.4791 in Book No.1, Vol. No.1524 on Page 29 to 31 Registered on 26th May 2005 (Thursday) If Found # 9811259799 0040497686-1

PUBLIC NOTICE

KNOW ALL GENERAL PUBLIC THAT MY CLIENT MS. ZAIBUN NISA W/O LATE SH. MOHD. YAQOOB, R/O 3H.N. B-42 A, NEW SEELAMPUR DELHI 110053, HAS DISOWNED FROM HER LIFE AND MOVEABLE OR IMMOVABLE PROPERTIES AND SEVERED ALL HER SOCIAL RELATIONS FROM HER SON MOHD NAZIM AND HIS WIFE RAHILA WITH IMMEDIATE EFFECT BECAUSE OF THEIR DISOBIDIENCE AND DISRESPECTFUL CONDUCT AND BEHAVIOR TOWARDS MY ABOVE NAMED CLIENT. ANY PERSON DEALING IN ANY MANNER WITH ABOVE SAID DISOWNED PERSONS SHALL DO SO AT HIS OWN RISK AND CONSEQUECES AND MY CLIENT SHALL NOT BE RESPONSIBLE FOR ANY ACT OR DEEDS OF THE ABOVE SAID DISOWNED PERSONS.

Sd/-
(MOHD. ASLAN) ADVOCATE
Chamber No. K-50
Tis Hazari Courts, Delhi-54

PUBLIC NOTICE

My Clients Naresh S/o Mangu and Roshani W/o Naresh, both R/o L-448, Shakurpur, J.J. Colony, Delhi-110034, have disowned and debarred their son Pawan and his wife Vinti Kumari from their all moveable and immoveable properties due to their misconduct and ill-behaviour. If anybody deals with them, shall do so at his/her/their own risk, cost and responsibility. My clients and their family members shall not be responsible in any manner in future.

Kamal Singh (Advocate)
Ch.no.512, Rohini Courts, Delhi-85

PUBLIC NOTICE

Under instructions from and on behalf of my client general public is hereby informed that my client Surinder Singh S/o Rawail Singh R/o F-336-A/3, Sudershan Park, New Delhi-110015 has disowned/ debarred his son Taranjit Singh daughter-in-law Jaspreet Kaur W/o Taranjit Singh and their children Banipreet Kaur and Tanmeet Kaur due to misbehaviour & dishonesty from all his moveable and immovable assets & ceased all relations with them. Anybody dealing with them will do so at his/her/their own risks. My client will not be responsible for their any act, transaction in any manner. J.C. Trikha (Advocate) C.S. Tishazari Courts, Delhi

PUBLIC NOTICE

To be known to all that My client Kamlesh Rani W/o Sh. Shri Chand R/o BK-1/135-B, Janta Flat, Shalimar Bagh, Delhi-110088, purchaser of Flat no.BK-1/135-B, Category Janta in the area of Shalimar Bagh has applied for conversion of the aforesaid flat from lease hold to free hold vide application dated 15.02.2019 in DDA. The original Side Possession Slip of above said flat has been lost. An FIR on this effect has been lodged in Police Station Crime Branch Delhi vide (LR No. 1007761/2019, dated 28.05.2019). Any person (s) claiming any right, interest, having any objection or found in possession of original documents, may write/contact with above named person at above address/Phone no.9811654474 within 15days from the date of publication of this notice. The person claiming any right, interest, objections with respect to this property, can personally inform or write to Dy. Director (Janta) Housing or Director (Housing)-II, D-Block, 3rd floor, Vikas Sadan, New Delhi-110023.

HEMANT KUMAR JHA (Advocate)
CH No.1104, Rohini Courts, Delhi-85

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण सूचित हो कि मेरे मुवक्किल श्री राजकुमार पुत्र स्व. यादवनन्द व श्रीमती सरोज उर्फ दर्शना पत्नी श्री राजकुमार निवासी म.नं. 1776, गली नं. 5/26, समता विहार, मुकन्दपुर, दिल्ली-110042 ने अपने पुत्र कमल से उसके बुरे आचरण एवं असामाजिक गतिविधियों और अनुचित कार्यों में लिप्त होने के कारण अपनी सभी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करके उससे अपने सभी सम्बन्ध समाप्त कर लिये हैं। उपरोक्त कमल के किसी भी प्रकार के दीवानी और फौजदारी व लेन-देन के मामले में वह स्वयं ही जिम्मेदार होगा और मेरे उक्त मुवक्किलों का उससे कोई सरोकार नहीं होगा।

हस्ता./-
दलीप सिंह
अधिवक्ता
चै.नं. 259-260, वैस्टर्न विंग,
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

PUBLIC NOTICE

THAT IS FOR THE INFORMATION THAT MY CLIENT SH. SIS RAM S/O SH. MAI CHAND R/O 361, HASTSAL VILLAGE, UTTAM NAGAR, NEW DELHI- 110059 WAS LOST/MISPLACED PREVIOUS ORIGINAL CHAIN OF DOCUMENTS SUCH AS GPA, AGREEMENT TO SELL AFFIDAVIT, RECIEPT, ETC. OF OLD BUILT UP PLOT NO. 361, AREA MEASURING 423 SQ. YDS. OUT OF KHASRA NO. 107-1 (WITH OLD LAL DORA 1908-09, VIDE LAL DORA CIRTIFICATE NO. S.D.M. /PB/733 DATED 02/12/1981) SITUATED AT THE AREA OF VILLAGE HASTSAL WHICH WAS EXECUTED BY SH. GHEESA RAM S/O LATE SH. BHAGMAL IN FAVOUR OF LATE SMT. DHARAM DEVI D/O GHEESA RAM AND W/O SH. SIS RAM.
AND WHEREAS SAID STATEMENT PROVIDED BY SH. SIS RAM S/O LATE SH. MAI CHAND AS PER FIR/LR NO. 1081510/2019 ON DATED 22/05/2019.

A.K. SHARMA (Advocate)
(M.) 9811658704

PUBLIC NOTICE

MY CLIENT NOOR JAHAAN W/O MD. ALLUDDIN R/O D-172, BLOCK-D, POCKET-16, J.J. COLONY, PHASE-1, DWARKA SECTOR-3, DELHI-78 SEVERE ALL RELATIONS AND DEBARRED HER SON GYASUDDIN AND ASLAM FROM ALL MOVABLE AND IMMOVABLE PROPERTIES AS THEIR CONDUCT IS HIGHLY IMMORAL AND UNRESPONSIBLE. MY CLIENT WILL NOT BE RESPONSIBLE FOR THEIR ACTS AND CONDUCTS. THE PERSON WHO DEALS WITH THEM WILL BE SOLE RESPONSIBLE FOR THAT.

Sd/-
AJAY KUMAR JHA
(Advocate)
C-20, Kiran Garden,
Uttam Nagar, Delhi-59

PUBLIC NOTICE

Flat/Unit bearing no. M 169A, Ground Floor at Blossoms-II, Sector-51, Gurugram, Haryana was allotted in the name of Mr. Abhishek Singh S/o Vijay Pratap Singh R/o 201, Crystal Residency, Sector-11, Koperkhairane, Navi Mumbai, 400709, who has expired on 28-05-2016 at Pune and accordingly the name of his wife Mrs. Preeti Singh is being noted in M/s Today Homes and Infrastructure Pvt Ltd. record in respect of the captioned property. If anybody has any objection to this he or she may approach M/s Today Homes and Infrastructure Pvt. Ltd. or the undersigned within 21 days publication of the notice.

Shashi Ranjan (Advocate)
Mobile No.- 9953311385

PUBLIC NOTICE

MY clients Raja Ram and his wife Smt. Sudhami Devi both R/o H.No.T-169, street No.5, Gautam Puri, New Seelampur, Delhi-110053 have severed all their relations from their son Amit Kumar, his wife Smt. Sucheta Rani and their children Tanmay and palak and debbarred them from all their movable/ immovable properties due to their misbehaviour. My clients shall not be responsible for their any acts in future.

Sd/-
TANYA KATHURIA
(Advocate)
Ch.No. E-220,
Karkardooma courts, Delhi-32

PUBLIC NOTICE

My client Smt. Shakuntala Devi W/o Sh. Piare Lal R/o House No. 3026, Aryapura, Subzi Mandi, Delhi-110007 (present address at 6/A-3, Sector-5, Rohini, Delhi) is the owner of plot No. C-30, Khasra No. 18/24, Begumpur Village, Delhi. That my client is going to construct this plot very soon, if anybody has any objection he/she may contact me within 15 days at my above said mobile.

Sd/-
Yogander Singh
(Advocate)
(M) 9990274933

PUBLIC NOTICE

My Client Maya Sharma (UID No. 284432682765) wife of Late Siris Chand Sharma R/o RZ 542/313, Gali No. 6A, Geetanjali Park West Sagarpur, New Delhi-110046 have disowned her son Shri Lokesh Sharma and his wife Smt. Jyoti and have debarred them from inheriting any movable and immovable property owned by my above said client and have also served all kinds of relation with them. Any person dealing with them will do so at their own risk.

Praveen Rastogi (Adv.)
D-244/06

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to public at large that my client Smt. Kiran W/o Late Sh. Babu Lal R/o WZ 68/1, Street No. 2A, Varinder Nagar, New Delhi-110058 has severed all her relations from her Son Sh. Parminder, his wife Smt. Shweta & Their associates, disowned & debarred all of them from all her moveable & immovable properties with immediate effect because of harassment, torture, cruelty & atrocities committed by them against my client. Any person dealing with them, shall be doing so at their own risk, cost & consequences. My client shall not be responsible in any manner for the same.

Advocate A. K. Verma
319, DC, Janakpuri

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुव्वाकिल श्रीमती केसरी देवी, पत्नी स्व. चिरंजी लाल निवासी मकान नं. बी-1, 954, जे.जे. कॉलोनी, मदनपुर खादर, नई दिल्ली ने अपने पुत्र भगवान साहनी, उसकी पत्नी शान्ती और रेखा पत्नी स्व. मनी, और उनके बच्चों (पौत्र और पौत्री) को उनके गलत आचरण, स्वभाव व दुर्व्यवहार के कारण अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करके अपने सम्बन्ध विच्छेद कर लिये हैं तथा भविष्य में उनके किसी भी कार्य के लिए मेरे मुव्वाकिल जिम्मेदार नहीं होगा।

हस्ता./-
अमित कुमार
एडवोकेट
Ch. No. 701, Patiala House Court,
New Delhi-110001
Mob. 9810795280

PUBLIC NOTICE

Be it known to all that my Client Sardar Jagjit Singh son of Late Sardar Sardul Singh Resident of J-191, Vishnu Garden, New Delhi-110018 has severed all his relations and connections with his son Sardar Ravinder Singh & daughter-in-law Smt. Rajni Kaur and their legal heirs and has debarred and disowned them from all his immovable and movable properties, with immediate effect, as they are acting beyond uncontrol of my client. Whomsoever deals with them in monetary form or in any other nature shall do so at her/his/their own cost, risk and responsibility.

S.K. Shrivastva (Advocate)
Reg. No. : D/73-IB/1991
Ch.No. : 618, Dwarka Court, Delhi-75

PUBLIC NOTICE

My clients, Sh. ASHOK KUMAR SHARMA S/o Late Sh. CHOTE LAL SHARMA & Smt. PUSHPA SHARMA W/o Sh. ASHOK KUMAR SHARMA, R/o House no. 68, J&K Block, Laxmi Nagar, Delhi 110092, have disowned and debarred their younger son, Mr. NIKHIL SHARMA, aged about 35 years old and his wife Mrs. Vimlesh @ Shallu, from all our movable and immovable properties in all respect w.e.f. 31.05.2019, due to their marriage against our permission and uncordial behavior in all respect. In future my clients will not responsible for any act or omission.

Sd/-
LOKESH KUMAR GUPTA
ADVOCATES
D-1032/2000

त्रिभाषा फार्मूले का तमिलनाडु में विरोध

चेन्नई, 1 जून (भाषा)।

तमिलनाडु में द्रमुक सहित विभिन्न राजनीतिक दलों ने मसविदा राष्ट्रीय शिक्षा नीति में प्रस्तावित तीन भाषा फार्मूले का कड़ा विरोध किया है। उन्होंने इसे ठंडे बस्ते में डालने की मांग करते हुए दावा किया कि यह हिंदी को थोपने के समान है। तमिलनाडु सरकार ने मामले को शांत करने का प्रयास करते हुए कहा कि वह दो भाषा फार्मूले को जारी रखेगी।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने तमिल में किए गए विभिन्न ट्वीट में कहा कि स्कूलों में तीन भाषा फार्मूले का क्या मतलब है? इसका मतलब है कि वे हिंदी को एक अनिवार्य विषय बनाएंगे। उन्होंने ट्वीट किया कि भाजपा सरकार का असली चेहरा उभरना शुरू हो गया है। इस बीच ट्विटर पर #स्टॉपहिंदीइंपोजिशन, #टीएनएअगेंस्टहिंदीइंपोजिशन ट्रेंड करने लगा।

द्रमुक प्रमुख एमके स्टालिन ने कहा कि तीन भाषा फार्मूला प्राथमिक कक्षा से कक्षा 12 तक हिंदी पर जोर देता है। यह बड़ी हैरान करने वाली बात है, यह सिफारिश देश को बांट देगी।

● कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने तमिल में किए गए विभिन्न ट्वीट में कहा कि स्कूलों में तीन भाषा फार्मूले का क्या मतलब है? इसका मतलब है कि वे हिंदी को एक अनिवार्य विषय बनाएंगे। भाजपा सरकार का असली चेहरा उभरना शुरू हो गया है।

मसविदा नीति जानेमाने वैज्ञानिक के कस्तूरीरंगन के नेतृत्व वाली एक समिति ने तैयार की है जिसे शुक्रवार को सार्वजनिक किया गया।

द्रमुक नेता स्टालिन ने तमिलनाडु में 1937 में हिंदी विरोधी आंदोलनों को याद करते हुए कहा कि 1968 से राज्य दो भाषा फार्मूले का ही पालन कर रहा है, जिसके तहत केवल तमिल और अंग्रेजी पढ़ाई जाती है।

जावड़ेकर ने दी सफाई : मानव संसाधन विकास मंत्रालय की समिति की सिफारिश से उपजे विवाद के बीच केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने शनिवार को स्पष्टीकरण दिया कि समिति ने सिर्फ मसविदा रिपोर्ट तैयार की थी और इसे लागू करने पर कोई फैसला नहीं लिया गया है।

उद्योगपति ब्रजमोहन खेतान का निधन

कोलकाता, 1 जून (भाषा)।

देश के जाने-माने उद्योगपति ब्रज मोहन खेतान का शनिवार सुबह उनके आवास पर निधन हो गया। वह 92 वर्ष के थे और वृद्धावस्था से जुड़ी बीमारियों से पीड़ित थे। पारिवारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी।

खेतान 1990 में यूनियन कार्बाइड के भारतीय कारोबार का अधिग्रहण करके सुर्खियों में आए थे। खेतान विलियमसन मैगर समूह के मुखिया थे। समूह का बैटरी, चाय से लेकर इंजीनियरिंग सेवाओं तक का कारोबार है।

हाल ही में, वृद्धावस्था का हवाला देते हुए खेतान ने समूह की दो प्रमुख कंपनियों एवरेडी इंडस्ट्रीज इंडिया लिमिटेड और मैकलॉड रसेल इंडिया लिमिटेड के निदेशक मंडल से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि, वह समूह की दोनों कंपनियों के मानद चेयरमैन थे।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और विभिन्न उद्योग संगठनों ने खेतान के निधन पर संवेदना व्यक्त की है।

'जांच में सहयोग नहीं कर रहा गिरफ्तार वकील'

दाभोलकर मामला

पुणे, 1 जून (भाषा)।

सीबीआइ ने शनिवार को विशेष अदालत से कहा कि तर्कवादी नरेंद्र दाभोलकर की हत्या के सिलसिले में गिरफ्तार वकील संजीव पुनालेकर और उनके सहायक विक्रम भावे जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं।

अतिरिक्त सत्र अदालत के न्यायाधीश एवी रोट्टे ने सीबीआइ के अनुरोध पर इन दोनों आरोपियों की रिमांड चार जून तक बढ़ा दी है। हालांकि, सीबीआइ ने 14 दिनों की हिरासत मांगी थी। हिंदू विधिज्ञा परिषद के कथित पदाधिकारी पुनालेकर ने 2013 के इस हत्याकांड में कुछ आरोपियों की पैरवी की थी। सीबीआइ ने कहा कि पुनालेकर ने दाभोलकर के कथित शूटर में एक शरद कालास्कर को हथियारों को नष्ट करने के लिए कहा था, जबकि भावे ने इसमें उसकी मदद की थी।

विशेष लोक अभियोजक (एसएसपी) प्रकाश सूर्यवंशी ने शनिवार को अदालत को बताया कि पुनालेकर और भावे जांचकर्ताओं के साथ सहयोग नहीं कर रहे हैं। उनसे पूछताछ के लिए और वक्त चाहिए। उन्होंने कहा कि पुनालेकर का एक मोबाइल फोन, दो लैपटॉप बरामद किया गया है और मोबाइल के डेटा का विश्लेषण किया जा रहा है। आगे जांच के लिए उनसे पूछताछ की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पुनालेकर केवल वकील नहीं हैं, बल्कि वह सनातन संस्था से भी जुड़ा हुए हैं। उन्होंने मामले में अन्य आरोपियों के साथ साजिश रची थी। उन लोगों के साथ भी, जो आरोपपत्र में नामजद हैं।

भावे के बारे में सूर्यवंशी ने कहा कि आरोपी 2008 के ठाणे बम विस्फोट मामले में दोषी है। उन्होंने कहा कि भावे भी जांच के दौरान सहयोग नहीं कर रहा है। दाभोलकर मामले में सीबीआइ ने सनातन संस्था के सदस्य और ईएनटी सर्जन विरेंद्र सिंह तावड़े, कथित शूटर सचिन अंडुरे और शरद कालस्कर को गिरफ्तार किया है।

PUBLIC NOTICE

My client, namely Rajender Singh S/o Late Sh. Ram Chander & Smt. Savitri Devi R/o Rajender Singh B/400 Village Taj Pur, Delhi-110036, have severed all type of relationship with his son namely Kaushal @ Monu, daughter-in-law namely Ms. Poonam and grandson Master Preet Singh and also debar them from their all moveable and immoveable property, due to misconduct and hostile behavior of their son and daughter in-law named above, towards the family. Anybody dealing with them in any manner shall do so at his own cost, risk, responsibilities and consequences and my clients shall not be responsible for the same.

ANUJ SAINI-ADVOCATE
Ch. No.: K-83,
Tis Hazari Court, Delhi -110054

"IMPORTANT"

Whilst care is taken prior to acceptance of advertising copy, it is not possible to verify its contents. The Indian Express (P) Limited cannot be held responsible for such contents, nor for any loss or damage incurred as a result of transactions with companies, associations or individuals advertising in its newspapers or Publications. We therefore recommend that readers make necessary inquiries before sending any monies or entering into any agreements with advertisers or otherwise acting on an advertisement in any manner whatsoever.

छत्तीसगढ़ : कनक तिवारी हटाए गए, वर्मा राज्य के नए महाधिवक्ता

रायपुर, 1 जून (भाषा)।

छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य के महाधिवक्ता कनक तिवारी को हटा कर नए महाधिवक्ता सतीश चंद्र वर्मा की नियुक्ति कर दी है। राज्य शासन की इस कार्रवाई के बाद विवाद शुरू हो गया है।

राज्य के विधि और विधायी कार्य विभाग ने आदेश जारी कर कहा है कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 165 के खंड (एक) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए छत्तीसगढ़ के राज्यपाल, महाधिवक्ता कनक तिवारी के स्थान पर अतिरिक्त महाधिवक्ता सतीश चंद्र वर्मा को तत्काल प्रभाव से महाधिवक्ता छत्तीसगढ़ के पद पर नियुक्त करते हैं। राज्य में नई सरकार के गठन के बाद रमन सिंह सरकार के दौरान महाधिवक्ता रहे जुगल किशोर गिल्डा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद राज्य सरकार ने वरिष्ठ अधिवक्ता कनक तिवारी को महाधिवक्ता नियुक्त किया था। लेकिन राज्य शासन ने अब तिवारी को हटाकर वर्मा को महाधिवक्ता नियुक्त कर दिया है।

प्रस्ताव ठुकराने पर किशोरी को जलाया, हालत गंभीर

कोरापुट, 1 जून (भाषा) ।

ओड़ीशा के कोरापुट जिले के सेमिलिगुड़ा में एक व्यक्ति ने अपना प्रस्ताव ठुकराने पर एक किशोरी को कथित रूप से आग लगा दी। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने कहा इंजीनियरिंग (डिप्लोमा) की द्वितीय वर्ष की छात्रा गंभीर रूप से जल चुकी है। सुनाबेड़ा के अनुमंडल पुलिस अधिकारी निरंजन बेहरा ने कहा कि गंजना गांव का रहने वाला आरोपी गोपी खेमुंडू लड़की द्वारा अपना प्रस्ताव ठुकराए जाने से बहुत परेशान था। उन्होंने कहा कि लड़की अपने दोस्त के साथ सेमिलिगुड़ा में किराए के मकान में रह रही है और आरोपी हमलावर ने शुक्रवार दोपहर उसे आग लगाई। बेहरा ने कहा कि उसके पास पेट्रोल की बोतल थी और उसी से उसने इस वारदात को अंजाम दिया।

The Indian EXPRESS Classifieds

EXPRESS EDUCATION

VIJETHA IAS ACADEMY
WWW.VIJETHAIASACADEMY.COM
ANTHROPOLOGY
OPTIONAL+TEST SERIES
Congratulations to our toppers 2018
(GS Student)
AIR 17 | AIR 331 | AIR 562 | AIR 180

Rahul Sankanur | Sruthi Sreyaskanth | Pulomi Sharma | Kundala R Raghavendra
+ Comprehensive coverage of the syllabus both for Paper-I & Paper-II
+ Timely Completion of the course
+ Special focus on case studies of each topic
+ Daily Answer Writing
+ Test Series included (40 Tests)
New Batch Starts From 5th June | 12th June
Add: 7/50, 1st Floor, Near Roop Vatika, Shankar Road, Old Rajinder Nagar, New Delhi-60
011-42473555, 9650852636, 7678508541

YDM
Y.D. Misra's IAS
Wish and pray for your success in Prelim Exam 2019 with blessings YDM
ENQUIRY OFFICE
625, First Floor, Main Road, Near Aggarwal Sweet, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
011-43045306 | 8929430710 | 8929630710

Contact for Advt. Booking: M/s Friends Publicity Service
Ph.23276901, 23282028 (M): 9212008155, 9212665841.

पंजाब मेल का 107वां जन्मदिन, 89 साल की हुई डेक्कन क्वीन

मुंबई, 1 जून (भाषा)।

देश की लंबी दूरी की सबसे पुरानी रेलगाड़ियों में से एक पंजाब मेल ने शनिवार को 107 बरस पूरे कर लिए। एक जून को ही मुंबई और पुणे को जोड़ने वाली डेक्कन क्वीन का भी जन्मदिन है। यह प्रसिद्ध रेलगाड़ी शनिवार को 89 बरस की हो गई।

एक समय 'पंजाब लिमिटेड' के नाम से जानी जाने वाली पंजाब मेल की शुरुआत एक जून 1912 को मुंबई से पेशावर (अब पाकिस्तान का शहर) के बीच हुई थी। पंजाब मेल शुरूआत में श्वेत साहबों को सेवाएं देती थी, जल्द ही इसमें निचले वर्ग के लोगों को भी सफर करने की अनुमति मिल गई और 1930 के दशक के मध्य में। 1945 में इसे वातानुकूलित किया गया। अब यह बिजली के इंजन से चलती है।

मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुनील उदासी ने बताया कि विभाजन से पहले पंजाब मेल मुंबई के बलार्ड पियर मोल स्टेशन से पेशावर के बीच चलती थी। यह 47 घंटे में 2,496 किलोमीटर का सफर पूरा करती थी। यह ब्रिटिश भारत की सबसे तेज रफ्तार वाली रेलगाड़ी के रूप में जानी जाती थी। अब यह ट्रेन मुंबई से फिरोजपुर छावनी के बीच चलती है तथा 34 घंटे, 15 मिनट में 1,930 किलोमीटर का सफर पूरा करती है।

वहीं डेक्कन क्वीन की शुरुआत एक जून 1930 को मध्य रेलवे के अग्रदूत ग्रेट इंडियन पेनिन्सुला रेलवे ने की। उदासी ने कहा कि यह पहली डीलक्स ट्रेन थी, जो क्षेत्र के दो महत्त्वपूर्ण शहरों को जोड़ती थी। इसका नाम उस समय 'क्वीन ऑफ डेक्कन' कहे जाने वाले पुणे के नाम पर रखा गया था।

पवार ने कांग्रेस के साथ विलय की अटकलों को किया खारिज

मुंबई, 1 जून (भाषा) ।

राकांपा अध्यक्ष शरद पवार ने अपनी पार्टी के कांग्रेस में विलय की अटकलों को खारिज कर दिया।

यहां पार्टी की एक बैठक में पवार ने ईवीएम के साथ कथित छेड़छाड़ का मुद्दा भी उठाया और कहा कि उन्हें इस तकनीक पर शुरुआत से ही संदेह है। लोकसभा परिणाम और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर चर्चा करने के लिए शनिवार को यह बैठक आयोजित की गई थी। पवार ने कहा, राकांपा की अपनी एक पहचान है और वह इसे बरकरार रखेगी। कांग्रेस के साथ पार्टी के विलय की बात कुछ पत्रकारों ने उड़ाई है जो नहीं चाहते कि सहयोगी दलों के साथ हमारा साथ बना रहे।

'ममता को दस लाख 'जय श्रीराम' लिखे पोस्टकार्ड भेजेंगे'

कोलकाता, 1 जून (भाषा)।

भाजपा ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को 'जय श्रीराम' लिखा दस लाख पोस्टकार्ड भेजने का निर्णय किया है।

बंगाल से भाजपा के नवनिर्वाचित सांसद अर्जुन सिंह ने कहा कि हमने मुख्यमंत्री के आवास पर दस लाख पोस्टकार्ड भेजने का निर्णय किया है जिन पर 'जय श्रीराम' लिखा होगा। तृणमूल कांग्रेस के विधायक रह चुके सिंह आम चुनाव से पहले भाजपा में शामिल हुए थे। उन्होंने यह बात भाजपा कार्यकर्ताओं के समूह पर पुलिस द्वारा लाठीचार्ज किए जाने के बाद कही, जो उस स्थान के बाहर प्रदर्शन के दौरान जय श्रीराम के नारे लगा रहे थे, जहां तृणमूल कांग्रेस के नेता बैठक कर रहे थे।

कमल खिलाने को शुरू हुआ मंथन

पंकज रोहिला
नई दिल्ली, 1 जून।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर चुनाव लड़ने के बाद देश व दिल्ली में भाजपा की पकड़ और मजबूत हुई है। यह मजबूती आने वाले विधानसभा चुनाव में भी पार्टी को सरकार बनाने का मौका दे इसके लिए अभी से मंत्रणा शुरू हो गई है। पार्टी के उच्च पदस्थ सूत्रों का कहना है कि इस बार नए चेहरों को विधानसभा चुनाव मैदान में उतारा जाए, तो पार्टी को अधिक लाभ होगा। इस मॉडल को भाजपा ने दिल्ली, छत्तीसगढ़, बिहार, नागपुर समेत अन्य कई राज्यों में लागू किया था। यह मॉडल सफल रहा है और गंभीर संकट के बाद भी भाजपा ने इन क्षेत्रों में कब्जा जमाया है।

दिल्ली की सत्ता पाने के लिए भाजपा लगातार 20 सालों से कोशिश कर रही है। इन सालों में लगातार पार्टी के विधायकों की संख्या में कमी आई है। इस कमी को ही पार्टी के पुराने नेताओं की लोकप्रियता का आधार माना जा रहा है। पार्टी के नेता यह भी मानते हैं कि नए चेहरों के उतारने से दो स्तरीय लाभ पार्टी को मिलेगा। नए चेहरे अधिक जोश के साथ मैदान में आएंगे और पुराने चेहरों को लेकर पार्टी में अंदरूनी घमासान समाप्त हो जाएगा।

भाजपा को कहां मिले हैं कितने वोट

लोकसभा	कुल वोट	वोट फीसद
चांदनी चौक	980390	52.94
पूर्वी दिल्ली	1257821	55.35
नई दिल्ली	920541	54.41
उत्तर पूर्व	1461475	53.9
उत्तर पश्चिम	1402962	60.49
दक्षिणी दिल्ली	1214222	56.58
पश्चिमी दिल्ली	1441601	60.05

‘आप’ ने 67 सीट के प्रचंड बहुमत के बाद दिल्ली में सरकार बनाई है और 2020 में इस सरकार का कार्यकाल पूरा हो रहा है।

20 साल से बहुमत के इंतजार में भाजपा

पूर्व मुख्यमंत्री मदनलाल खुराना के कार्यकाल के बाद से ही दिल्ली में भाजपा सत्ता के लिए इंतजार कर रही है। मदनलाल खुराना, मोती नगर विधानसभा सीट से चुनकर आए थे और 1993 में दिल्ली में मुख्यमंत्री बने थे। इसके बाद साहिब सिंह वर्मा व सुषमा स्वराज भी दिल्ली की मुख्यमंत्री बनीं। इसके बाद से ही पार्टी दिल्ली की सत्ता से बाहर है। 15 साल तक दिल्ली में कांग्रेस का राज रहा और शीला दीक्षित दिल्ली की मुख्यमंत्री रहीं। वर्तमान में आम आदमी पार्टी सरकार में है।

विस में 60 सीट जीतने का दावा

दिल्ली की लोकसभा सीट के चुनाव परिणाम में दिल्ली भाजपा ने लाखों वोट के अंतर से जीत दर्ज कराई है। यह जीत सभी सातों सीट पर रही है। इन चुनावों में जो ताजा समीकरण सामने आए हैं उनमें भाजपा ने 70 विधानसभाओं के हिसाब से कांग्रेस के अधिक सीट पर सीधी टक्कर दी है। जबकि आम आदमी पार्टी विधानसभा के वोटों के हिसाब से तीसरे नंबर पर रही है। इस आंकड़ों के अनुमान पर ही भाजपा इस बार फरवरी में होने वाले विधानसभा चुनाव में करीब 60 सीट तक जीतने का दावा कर रही है।

विधानसभा का रण जीतने के लिए ‘आप’ की घेराबंदी तेज

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 1 जून।

लोकसभा चुनाव के बाद अब विधानसभा की तैयारियों के लिए जोर आजमाइश शुरू हो गई है। भाजपा नेता एक तरफ पांच साल की केंद्र सरकार का रिपोर्ट कार्ड जनता के बीच रख रहे हैं वहीं दूसरी तरफ दिल्ली में ‘आप’ सरकार के काम पर भी घेराबंदी कर रहे हैं। शनिवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद मनोज तिवारी ने केंद्र सरकार के कामकाज की रिपोर्ट दी।

राहुल से इस्तीफा वापस लेने की मांग

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 1 जून।

दलित एवं पिछड़े वर्गों से जुड़ी सामाजिक संस्थाओं के सैकड़ों लोगों ने शनिवार को राहुल गांधी से अपने इस्तीफे को वापस लेने की मांग को लेकर उनके निवास स्थान पर पूर्व विधायक और कांग्रेस पूर्व सचिव जयकिशन के नेतृत्व में धरना दिया। इस धरने में सैकड़ों लोगों ने अपने बच्चों के साथ राहुल गांधी के समर्थन में ‘राहुल गांधी संघर्ष करो हम तुम्हारे साथ हैं’ और ‘दलित पिछड़ों की आई आवाज राहुल गांधी जिन्दाबाद’ जैसे नारे लिखी पट्टिया झंडे और बैनर लेकर शामिल हुए।

कांग्रेस कार्यालय में इफ्तार का आयोजन

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 1 जून।

प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजित रोजा इफ्तार पार्टी में शिरकत करने आए हजारों कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ प्रदेश अध्यक्ष शीला दीक्षित सहित अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष नदीम जावेद, पूर्व विधायक हारून युसुफ, हसन अहमद, मतीन अहमद, मंगतराम सिंघल व जितेंद्र कोचर, रमाकांत गोस्वामी, रोहित मनचंदा, हरनाम सिंह, डॉ नरेंद्र नाथ, जिला अध्यक्ष मो उस्मान तथा अल्पसंख्यक विभाग के चेयरमैन अली मेंहदी भी मौजूद थे। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष शीला दीक्षित ने कहा कि रोजा इफ्तार हमें आपसी भाईचारे और एकता का संदेश देते हुए आपस में मिलकर बैठने का अवसर प्रदान करता है।

शुद्धिपत्र

यह शुद्धिपत्र कटारिया ग्लोबल वेन्चर्स लिमिटेड द्वारा कम्पनी का 31 मार्च, 2019 को समाप्त तिमाही एवं वर्ष के लिए अंकेक्षित वित्तीय परिणामों का सार के विषय में जारी जनसत्ता 1 जून, 2019 अंक में प्रकाशित विज्ञापन के संदर्भ में है।
इस संबंध में, यह सूचित किया जाता है कि असावधानीवश उक्त विज्ञापन में एक त्रुटि हुई है, जिसके फलस्वरूप कम्पनी का "CIN : L74110DL1987PLC350280" के स्थान पर "CIN :L74110HR1987PLC049459" प्रकाशित हुआ है।
अतः कृपया निम्नलिखित शुद्धि नोट करें :
शुद्धि :
विज्ञापन में कम्पनी का "CIN :L74110HR1987PLC049459" के स्थान पर "CIN : L74110DL1987PLC350280" पढ़ें।
शेष सूचना यथावत रहेगी।

प्रारूप संख्या 25क
पब्लिक कंपनी से प्राइवेट कंपनी में संपरिवर्तन के लिए समाचार पत्र में प्रकाशित किया जाने वाला विज्ञापन
क्षेत्रीय निदेशक कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय के समक्ष नॉर्दर्न रीजन नई दिल्ली

कंपनी अधिनियम 2013 कंपनी अधिनियम की धारा 14 और कंपनी (निगमन) नियम, 2014 के नियम 41 के मामले में

मैसर्स "हाई-टेक हॉस्पिटल एंड हेल्थकेयर कॉर्पोरेशन लिमिटेड, जिसका पंजीकृत कार्यालय तीसरी मंजिल, बर्लिंगटन स्क्वायर, बर्लिंगटन क्रॉसिंग, विधानसभा मार्ग, लखनऊ, उत्तर प्रदेश-226001", में स्थित है के मामले में.
आवेदक

आम जनता को यह सूचना दी जाती है कि कंपनी को ऐसे संपरिवर्तन का अधिकार देने के लिए तारीख 06.04.2019 को आयोजित विशेष आम अधिवेशन में पारित विशेष संकल्प कि शर्तों के अनुसार प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में संपरिवर्तन करने कि इच्छा रखने वाली कंपनी ने पूर्वोक्त नियमों के साथ पठित कम्पनी अधिनियम, 2013 कि धारा 14 के अधीन आवेदन किया है।

कंपनी के प्रस्तावित परिवर्तन / स्थिति के कारण यदि किसी व्यक्ति के हित पर प्रभाव पड़ने कि संभावना है तो वह व्यक्ति इस सूचना के प्रकाशन कि तारीख से 14 दिन के भीतर निम्नलिखित पते पर आवेदक कंपनी के रजिस्ट्रीकृत कार्यालय को भेजी गई प्रति सहित किसी हलफनामे द्वारा अपनी आपत्ति भेज सकता है या किसी के माध्यम से भिजवा सकता है या रजिस्ट्रीकृत पोस्ट द्वारा भेज सकता है जिसमें सम्बन्धित क्षेत्रीय निदेशक कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय, नॉर्दर्न रीजन नई दिल्ली को उसके हित और आपत्ति के आधार की प्रकृति का उल्लेख किया जायेगा।

आवेदक के लिए या उसकी ओर से
मोहम्मद उस्मान
प्रबंध निदेशक
'हाई-टेक हॉस्पिटल एंड हेल्थ केयर कॉर्पोरेशन लिमिटेड,
पंजीकृत कार्यालय : तीसरी मंजिल, बर्लिंगटन स्क्वायर, बर्लिंगटन क्रॉसिंग, विधानसभा मार्ग, लखनऊ, उत्तर प्रदेश - 226001
तारीख : 01/06/2019
स्थान : लखनऊ

बैंक ऑफ बड़ौदा Bank of Baroda
क्षेत्रीय दबावग्रस्त आस्ति वसूली शाखा
चतुर्थ तल, राजेन्द्र भवन, राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली

सार्वजनिक सूचना
संदर्भ : हमारी क्षेत्रीय दबावग्रस्त आस्ति वसूली शाखा, नई दिल्ली में ऋण खाता : श्री पन्ना लाल तथा श्री धीरज कुमार इरादतन चूककर्ता" (विलफुल डिफ़ाल्टर) की फोटो प्रकाशन

पन्ना लाल धीरज कुमार रंजीत कौर

एततद्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि बैंक ऑफ बड़ौदा ने बैंक के / आर. बी. आई. के वर्तमान नियमों तथा विनियमों के निबंधनों में, उनमें निर्धारित सम्यक प्रक्रिया का अनुपालन करते हुये, निम्नलिखित व्यक्तियों को "इरादतन चूककर्ता" (विलफुल डिफ़ाल्टर) घोषित किया है।

खाता : पन्ना लाल तथा धीरज कुमार
1. श्री पन्ना लाल पुत्र श्री रामजी लाल (ऋणी)
2. श्री धीरज कुमार पुत्र श्री पन्ना लाल (ऋणी)
3. श्रीमती रंजीत कौर पत्नी श्री मोहित सचदेवा (गारंटर/जमानतदार)

बैंक कर्जदार/गारंटर को बैंक द्वारा उनको "इरादतन चूककर्ता" (विलफुल डिफ़ाल्टर) घोषित किए जाने के निर्णय की जानकारी हेतु उपयुक्त सूचना प्रेषित कर चुका है।
जैसे कि भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अनुमति दी गई है, बैंक सर्वसाधारण के सूचनार्थ "इरादतन चूककर्ता" (विलफुल डिफ़ाल्टर) की फोटो प्रकाशित कर रहा है।

तिथि : 02.06.2019
मुख्य प्रबन्धक,
बैंक ऑफ बड़ौदा

PTC INDUSTRIES
CIN: L27109UP1963PLC002931
Registered Office: Advanced Manufacturing & Technology Centre, NH-25A, Sarai Shahjadi, Lucknow, Uttar Pradesh - 227101, India
Ph: +91 522 7111017 ; Fax: +91 522 7111020 ;
Web: www.ptcil.com ; email: ptc@ptcil.com

CORRIGENDUM

Due to typographical mistake in published Statement of Audited Financial Results for the Quarter and Year ended 31st March 2019, in Financial Express, New Delhi & Jansatta, Lucknow edition on 29.05.2019, some figures have been wrong:
Sl.No. 6 **Tax Expenses (a) Current tax** (Including Earlier Years)(3rd Column) Corresponding 3 months ended in the previous year 31 March, 2018 (Audited), please read **115.23** instead of (76.25), **(b) Deferred tax** (Including Earlier Years)(3rd Column), please read **(153.72)** instead of 37.76, Sl.No. 6 (5th Column) Previous Year ended 31 March, 2018 (Audited) **(a) Current tax** (Including Earlier Years) Please read **296.52** instead of 105.04, **(b) Deferred tax** (Including Earlier Years) please read **(191.48)** instead of - .
Sl. No. 11 **Earnings per share (Face value of ₹ 10/- each): (a) Basic** (1st Column) 3 months ended 31 March, 2019 (Audited), Please Read **5.52*** instead of 4.79 *, **(b) Diluted** (1st Column) 3 months ended 31 March, 2019 (Audited), please read **5.52*** instead of 4.79*.
Inconvenience caused is deeply regretted.

FORM A - PUBLIC ANNOUNCEMENT
[Under Regulation 6 of the Insolvency and Bankruptcy Board of India (Insolvency Resolution Process for Corporate Persons) Regulations, 2016]
FOR THE ATTENTION OF THE CREDITORS OF J N C CONSTRUCTIONS PRIVATE LIMITED

RELEVANT PARTICULARS

1	Name of corporate debtor	J N C CONSTRUCTIONS PRIVATE LIMITED
2	Date of incorporation of corporate debtor	01/04/1998
3	Authority under which corporate debtor is incorporated / registered	ROC- Delhi
4	Corporate Identity No. / Limited Liability Identification No. of corporate debtor	U74899DL1998PTC093071
5	Address of the registered office and principal office (if any) of corporate debtor	G-128 Preet Vihar, New Delhi- 110092.
6	Insolvency commencement date in respect of corporate debtor	30th May, 2019 (Order received on 31st May, 2019)
7	Estimated date of closure of insolvency resolution process	26th November, 2019
8	Name and registration number of the insolvency professional acting as interim resolution professional	Mr. Ajay Kumar Jain Reg. No. IBBI/IPA-002/IP-N00415/2017-2018/11188
9	Address and e-mail of the interim resolution professional, as registered with the Board	Address: E-15/209, Sector-8, Rohini, New Delhi, National Capital Territory of Delhi- 110085 Email: ajayjain721@gmail.com
10	Address and e-mail to be used for correspondence with the interim resolution professional	Address: C-100, Sector-2, Noida- 201301, Uttar Pradesh Email: jnc.cirp@gmail.com
11	Last date for submission of claims	15th June, 2019
12	Classes of creditors, if any, under clause (b) of sub-section (6A) of section 21, ascertained by the interim resolution professional	Home Buyers
13	Names of Insolvency Professionals identified to act as Authorised Representative of creditors in a class (Three names for each class)	1. Name: Mr. Vijay Kumar Regn. No.: IBBI/IPA-002/IP-N00652/2018-2019/12020 2. Name: Mr. Sumit Shukla Regn. No.: IBBI/IPA-003/IP-N00064/2017-18/10559 3. Name: Mr. Munish Mehta Regn. No.: IBBI/IPA-001/IP-P00115/2017-18/10254
14	(a) Relevant Forms and (b) Details of authorized representatives are available at:	a) Relevant Forms: Mentioned at Point 5 below. b) Details of Authorized Representatives: 1. Name: Mr. Vijay Kumar Address: Chopra Apartment Flat No 264, Sector -8 Sector 23 Dwarka, New Delhi, National Capital Territory Of Delhi ,110077 Email Id: vk_fin@yahoo.co.in 2. Name: Mr. Sumit Shukla Address: B-4/702, Krishna Apra Garden, Plot-7, Vaibhav Khand Indirapuram, Ghaziabad, U.P. Email: sumit_shukla@rediffmail.com 3. Name: Mr. Munish Mehta Address: 3/31, First Floor, West Patel Nagar, New Delhi- 110008 Email Id: munish@gmcs.in

1. Notice is hereby given that the National Company Law Tribunal has ordered the commencement of a corporate insolvency resolution process of the M/S J N C CONSTRUCTIONS PRIVATE LIMITED on 30th May, 2019.
2. The creditors of M/S J N C CONSTRUCTIONS PRIVATE LIMITED, are hereby called upon to submit their claims with proof on or before 15th June, 2019 to the interim resolution professional at the address mentioned against entry No. 10.
3. The financial creditors shall submit their claims with proof by electronic means only. All other creditors may submit the claims with proof in person, by post or by electronic means.
4. A financial creditor belonging to a class, as listed against the entry No. 12, shall indicate its choice of authorized representative from among the three insolvency professionals listed against entry No.13 to act as authorized representative of the class [Home Buyers] in Form CA.
5. The claims may be submitted in their specified forms. Form B – Operational Creditor (Other than Workmen/Employee); Form C – Financial Creditor; Form CA – Financial Creditors in a class; Form D – Workmen/Employee; Form E – Authorized Representative of Workmen/Employee; and Form F – Other Creditors. Copy of the above Forms can be downloaded from https://ibbi.gov.in/downloadform.html
6. Submission of false or misleading proofs of claim shall attract penalties.

Date: 2nd June, 2019
Place: Delhi
Ajay Kumar Jain
Insolvency Professional
IBBI/IPA-002/IP-N00415/2017-2018/11188

Bank of Baroda बैंक ऑफ़ बड़ौदा
जेडओएसएआरबी, 8वीं मंजिल, बैंक ऑफ बड़ौदा भवन
16, संसद मार्ग, नई दिल्ली 110001, भारत
फोन : +91 11 23448840, 23448841 ई-मेल : [illegible]@bankofbaroda.com

ZOSARB/ND/2019/1125 दिनांक 24.05.2019
1. सूर्य लक्ष्मी ट्रेडर्स, एच–4 / 12, कृष्णा नगर, विजय चौक के पास, दिल्ली –110051
2. श्रीमती ईशना अरोड़ा : एच–4 / 12, कृष्णा नगर, विजय चौक के पास, दिल्ली –110051

आपके खाते मैसर्स सूर्य लक्ष्मी ट्रेडर्स और उसके प्रोपराइटर श्रीमती ईशना अरोड़ा इरादतन चूककर्ता के रूप में घोषणा

[illegible]

दिनांक : 01.06.2019
स्थान : नई दिल्ली
हस्ता/–
मुख्य प्रबंधक
बैंक ऑफ बड़ौदा, जेडओएसएआरबी, नई दिल्ली

निविदा सूचना
रक्षा मंत्रालय

निम्न वर्णित वाहनों की बिक्री के लिए 21.06.19 को 1600 बजे तक मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं, जिन्हें 24.06.19 को 1600 बजे खोला जाएगा:–

एस. एक्स. 4	: 2010 मॉडल (2 कार)
एंबेसडर	: 2009 मॉडल (1 कार)
एंबेसडर	: 2008 मॉडल (1 कार)
एंबेसडर	: 2007 मॉडल (1 कार)

उपरोक्त वाहनों का निरीक्षण ‘बी’ विंग सेना भवन, नई दिल्ली में 20.06.19 और 21.06.19 को 1450 बजे से 1550 बजे तक किया जा सकता है। निविदाऐं जमा करने के लिए निविदा फार्म और नियम एवं शर्तों का एक सेट रु. 50/– (अप्रतिदेय) के भुगतान पर कमरा सं. 323 तीसरा तल, ‘बी’ विंग, सेना भवन, नई दिल्ली–110011 से 03.06.19 से 21.06.19 तक 1450 बजे से 1550 बजे के बीच किसी भी कार्यदिवस में प्राप्त किया जा सकता है या विभागीय वेबसाइट (www.mod.gov.in) से निःशुल्क डाउनलोड किया जा सकता है। निविदाओं के साथ रु. 5,000/– (रुपए पांच हजार केवल) **प्रति वाहन** की निविदा राशि जमा करवानी आवश्यक है। निविदा फार्म और निविदा राशि का भुगतान किसी भी राष्ट्रीयकृत/निजी बैंक के डिमांड ड्राफ्ट द्वारा ‘लेखा अधिकारी (डी.ए.डी.) एम.ओ.डी. (सिविल), नई दिल्ली, के पक्ष में संलग्न किया जाना आवश्यक है।
सक्षम प्राधिकारी द्वारा घोषित सर्वोच्च बोलीदाता को सूचित की गई तिथि से सात कार्यदिवसों के अंदर वाहनों को अपने साथ ले जाना होगा।

(रवि कुमार चौधरी)
अवर सचिव भारत सरकार
DAVP/10125/11/0001/1920 दूरभाष: 23014289

शिल्पोत्सव
सम्पूर्ण भारत से हस्तशिल्प कारीगरों (एस.सी.) के उत्पादों की बिक्री हेतु विशेष विपणन कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक: 29 मई से 4 जून 2019
समय: प्रातः 11.00 से सायं: 8.00 बजे तक
स्थान: शिल्पवेदा मॉल, सेक्टर 13, द्वारका, नई दिल्ली–110078
मुफ्त प्रवेश
विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार

शिल्पोत्सव
सम्पूर्ण भारत से हस्तशिल्प कारीगरों (एस.सी.) के उत्पादों की बिक्री हेतु विशेष विपणन कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक: 29 मई से 4 जून 2019
समय: प्रातः 10.00 से सायं: 7.00 बजे तक
स्थान: क्रॉफ्ट म्यूजियम, भैरो मार्ग, प्रगति मैदान, नई दिल्ली–110001
मुफ्त प्रवेश

विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार

दिल्ली पुलिस
शांति सेवा न्याय

आँख बंद कर संपत्ति न खरीदें और...

अपने "प्यारे घर" के सपने को दुःस्वप्न न बनने दें

- भूमि के मालिक या एजेन्सी (जैसे डीडीए, एल एंड डीओ, हुडा, नोएडा, जीडीए इत्यादि) से प्लॉट के स्वामित्व की जांच करें।
- निर्माण की वास्तविक स्थिति जानने के लिए प्रोजेक्ट साइट/भूमि का स्वयं निरीक्षण करें।
- दस्तावेजों जैसे भवन निर्माता- खरीदार अनुबंध, सेल डीड, जीपीए, एसपीए, वसीयत आदि सावधानी से साथ पढ़ें।
- हस्ताक्षर करने से पूर्व कानूनी विशेषज्ञ से परामर्श कर लें। गैर-पंजीकृत/पूर्व-हस्ताक्षरित दस्तावेजों पर भरोसा न करें।
- लाइसेंस/स्वीकृत लेआउट या साइट प्लान/नक्शा और अन्य मंजूरी की जांच एवं सत्यापन संबंधित सिविक एजेंसियों/ टाउन प्लानर्स से करा लें।
- किसी अधिग्रहण कार्यवाही के संबंध में भूमि की स्थिति भूमि अधिग्रहण कलेक्टर (एलएसी) से, बंधक (Mortgage) हेतु सीईआरएसएआई एक्ट की सेंट्रल रजिस्ट्री से या अन्य सिविल/आपराधिक मुकदमेबाजी की जांच कर लें।
- खरीदारी केवल रजिस्टर्ड सेल डीड के माध्यम से हस्ताक्षर के साथ स्वामी के अँगूठा/अँगुली की छाप के साथ करें।
- भुगतान हमेशा स्वामी के नाम में चेक/डीडी/आरटीजीएस और अन्य बैंकिंग प्रपत्रों के माध्यम से करें।
- मूल दस्तावेजों के साथ, भूस्वामी के हस्ताक्षर एवं अँगुल छाप भुगतान के प्रमाण स्वरूप प्राप्त करें।
- अंतिम भुगतान और दस्तावेजों के निष्पादन के तुरन्त बाद वास्तविक कब्जा प्राप्त करें।

पुलिस आयुक्त, दिल्ली को ई मेल करें: cp.amulyapatnaik@delhipolice.gov.in
पुलिस आयुक्त, दिल्ली को किसी शिकायत या गोपनीय सूचना के लिए पो. बॉ. सं. 171 जीपीओ, नई दिल्ली पर लिखें।
DP/9110/19

मौसम

तापमान	नोएडा	गाजियाबाद	गुरुग्राम	फरीदाबाद
अधिकतम	43.5 डि.से.	43.5 डि.से.	44.6 डि.से.	44.1 डि.से.
न्यूनतम	27.6 डि.से.	27.6 डि.से.	27.6 डि.से.	27.5 डि.से.

कचरे का पहाड़ बन गया जिंदगी पर बोझ

मीना
नई दिल्ली, 1 जून।

'2017 में कचरे का खत्ता (लैंडफिल लाइट) गिर गया था, जिसकी वजह से 2 लोग मर गए थे, लेकिन आज भी सरकार ने इस खत्ते को हटाने के लिए कुछ नहीं किया है'। ये कहना है गाजीपुर के मोहल्ला कॉलोनी में रहने वाली बिस्मिल्ला खातून का। खातून बताती हैं कि हमारा घर तो बिल्कुल कचरे के सामने पड़ जाता है। जिस वजह से बदबू और गंदी हवा अंदर आती है।

वे कहती हैं कि मेरी गली के कई घरों में लोगों को अस्थमा है। मेरी बहु को भी है। खातून की बहू नजमा बताती हैं कि 2 साल से सांस की परेशानी है। डॉक्टर कहते हैं कि साफ सुथरी हवा में रहो, लेकिन यहां खत्ते की वजह से सांस नहीं ले पाते। जानवरों की चर्बी के जलाने से बहुत बदबू आती है और गर्मी की वजह से कई बार कचरा खुद जल जाता है, जिससे गंदा बदबूदार धुंआ घरों में घुसता है। हम बस चाहते हैं कि यहां कूड़े का मसला हल हो जाए।

मुफ्त में देते हैं बिजली का बिल

अस्थमा से पीड़ित बुजुर्ग यासीन अंसारी ने हांफती हुई आवाज में कहा कि पिछले दस सालों में यहां अस्थमा की समस्या बढ़ी है। जहरीली हवा से अस्थमा के मरीजों को सांस लेने में ज्यादा दिक्कत होती है। यहां लोगों को इस कचरे की वजह से जान का खतरा रहता है। ये गरीब कॉलोनी है। इतनी आमदनी नहीं है कि अब दूसरा घर खरीद सकें। 1984 में गाजीपुर में कचरा डालना शुरू हुआ था। अब ये लैंडफिल साइट कचरे का पहाड़ बन गया है। दिल्ली में चार बड़े लैंडफिल में से ये एक है। 2017 की घटना के बाद उपराज्यपाल अनिल बैजल ने यहां कचरा डालना मना कर दिया था, लेकिन आज भी डाला जा रहा है। शाहिदा बेगम (50) का कहना है कि यहां पीने का पानी भी बहुत गंदा आता है। 20 रुपए की बोतल रोज खरीदना पड़ता है और मुफ्त में 700 रुपए पानी का बिल हर महीने भरते हैं। गुलफ्शा और शबनम का कहना है कि यहां बोरिंग के पानी से घर के बाकी काम करने पड़ते हैं। वो भीं गंदा और बदबूदार होता है, जिससे हमारी त्वचा खराब हो रही है। त्वचा पर दाने और खुजली हो रही है।

सरकार नहीं करती सहयोग

पूर्वी दिल्ली की मेयर अंजू कमलकांत कहती हैं कि हम इस कचरे को यहां से हटाने का प्रयास कर रहे हैं। सोनिया विहार में कचरा डालने के लिए स्थान ढूंढ़ा है। जल्द ही इस पर काम शुरू होगा। कचरे को दोबारा इस्तेमाल करने का भी प्रयास कर रहे हैं। क्षेत्र में पानी की समस्या पर मेयर का कहना है कि पूरी दिल्ली में पीने के पानी की समस्या है। इसके लिए दिल्ली सरकार जिम्मेदार है। वह हमें फंड नहीं देती है। मार्स फाउंडेशन के कार्यकर्ता रविंद्र झा कहते हैं कि हम गाजीपुर में 2011 से काम कर रहे हैं। यहां कचरे की वजह से प्रदूषण भी बड़ी समस्या है। महिलाएं और बच्चे कचरे से निकलने वाली टॉक्सिक गैसों से अधिक प्रभावित होते हैं। हम लोगों को शिविर लगाकर स्वास्थ्य के प्रति जागरुक करते हैं, लेकिन सरकार इस क्षेत्र की तरफ ध्यान नहीं देती और न ही कोई सहयोग करती है। लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल में मेडिसिन विभाग में कार्यरत डॉक्टर योगेश कुशवाहा का कहना है कि गाजीपुर में ज्यादातर लोगों को दिक्कतें कचरे की वजह से है। वहां संक्रमण और पानी से होने वाली बीमारियां बढ़ रही हैं। उनका कहना है कि भूमिगत पानी की वजह से टाइफाइड और पेट से जुड़ी बीमारियां यहां के लोगों को ज्यादा होती हैं। समस्याओं से बचने का एक ही इलाज है कि पानी फिल्टर करके पीएं। मास्क लगा कर रखें। अगर कोई कचरा जलाता है तो उसकी शिकायत करें।

पदयात्रा कार्यक्रम में मुख्यमंत्री

दो महीने में बिछेगी देवली में पानी की लाइनें : केजरीवाल

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 1 जून।

देवली में जल्द ही घर तक पानी पहुंचेगा। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को कहा कि क्षेत्र का पानी संकट खत्म करने के लिए इलाके में दो माह में पानी की लाइनें बिछाने का काम शुरू होगा। मुख्यमंत्री शनिवार को क्षेत्र में मुआयना करने के लिए पहुंचे थे, जहां उन्होंने स्थानीय लोगों से बातचीत की और तत्काल पानी संकट को सुधारने के लिए पानी के टैंकर के माध्यम से पानी पहुंचाने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने जल बोर्ड को आदेश दिए हैं कि पानी संकट से निजात दिलाने के लिए क्षेत्र में टैंकरों की संख्या बढ़ाई जाए।

पदयात्रा के दौरान मुख्यमंत्री ने दो बोरवैल भी इलाके में पकड़े और जल बोर्ड के अधिकारियों को आदेश दिए कि जल बोर्ड इन्हें अपने कब्जे में ले ले। इसके अतिरिक्त पानी की चोरी करने वाले लोगों के खिलाफ एफआइआर दर्ज कराने व दोषी लोगों को जेल भेजने के आदेश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने क्षेत्र में पदयात्रा की और लोगों से उनकी परेशानियां जानने की कोशिश की। स्थानीय लोगों ने बताया कि क्षेत्र में पानी की कमी एक बड़ा

मुख्यमंत्री ने जल बोर्ड को आदेश दिए हैं कि पानी संकट से निजात दिलाने के लिए क्षेत्र में टैंकरों की संख्या बढ़ाई जाए

संकट है और इस वजह से उन्हें पानी खरीदकर पीना पड़ रहा है। उन्होंने लोगों को आश्वासन दिया कि अब उन्हें पानी खरीदकर पीने की आवश्यकता नहीं है और जल बोर्ड के माध्यम से क्षेत्र में पानी का टैंकर उपलब्ध कराया जाएगा।

उन्होंने बताया कि क्षेत्र में पानी की कमी को पूरा करने के लिए 60 नई बोरिंग करने के लिए आदेश दिए गए हैं। इससे अधिक पानी उपलब्ध हो सकेगा। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में पानी की लाइन डालने के आदेश दिए गए हैं। दो माह में लाइनें बिछाने का काम पूरा होगा और चार माह में घर के अंदर तक टंकी के माध्यम से पानी उपलब्ध कराया जाएगा। इस मौके पर उनके साथ जल बोर्ड के अधिकारी व अन्य लोग भी उपस्थित थे।

खबरों में शहर

यूपीएससी परीक्षा के लिए 6 बजे से चलेगी मेट्रो

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली,1 जून।

भारतीय प्रशासनिक सेवा (आइएएस) की प्रारंभिक परीक्षा के मद्देनजर रविवार को दिल्ली मेट्रो के सभी मार्गों पर ट्रेन सेवा सुबह 6 बजे शुरू हो जाएगी। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) के एक अधिकारी ने बताया कि संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की परीक्षा रविवार को होनी है। इस परीक्षा को देने वाले परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्रों तक समय से पहुंचने की सहूलियत देने के मकसद से यह इंतजाम किया गया है। उन्होंने कहा कि मेट्रो सेवा तीसरे चरण के तहत बनी मेट्रो लाइन आमतौर से रविवार को सुबह 8 बजे शुरू होती है लेकिन इस रविवार को सभी लाइनों पर सुबह 6 बजे से ट्रेनें चलनी शुरू हो जाएंगी। यूपीएससी प्रारंभिक परीक्षा में लाखों अभ्यर्थियों को बैठना है। यह परीक्षा दो पालियों में होगी।

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद भवन में आग

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 1 जून।

दिल्ली के भीड़भाड़ वाले इलाके कनॉट प्लेस में स्थित नई दिल्ली नगरपालिका परिषद भवन की दूसरी मंजिल पर शनिवार को आग लग गई। दिल्ली दमकल विभाग के मुताबिक इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अधिकारी ने बताया कि दमकल विभाग को आग के बारे में सूचना शाम 6:36 मिनट पर मिली और पांच दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। उन्होंने बताया कि शाम सवा सात बजे तक आग पर काबू पा लिया गया था। एनडीएमसी के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, यह आग जन शिकायत निगरानी प्रणाली और निगम आवास निदेशक के कमरों के बीच में स्थित एक रसोईघर में लगी। अधिकारी ने बताया कि आग पर फौरन काबू पा लिया गया तथा किसी रेकार्ड को कोई क्षति नहीं पहुंची है।

आज का कार्यक्रम

सभा संगोष्ठा/ विविध

इंडिया हैबिटेट सेंटर : नाटक, हैबिटेट वर्ल्ड, लोदी रोड, शाम सात बजे।

कॉलेजों में फीस बढ़ने से विद्यार्थी नाराज, आज करेंगे प्रदर्शन

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 1 जून।

दिल्ली सरकार के कॉलेजों में बढ़ाई गई फीस को लेकर हंगामा शुरू हो गया है। यह फीस दिल्ली सरकार ने 2013 में बढ़ाई थी और बाद में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आदेश से इस फीस बढ़ोतरी को रोक दिया था। अब एक बार फिर से इन विद्यार्थियों को शिक्षण संस्थानों की तरफ से नोटिस जारी किया है। इस नोटिस में बढ़ी फीस का पैसा जमा करने के आदेश दिए गए हैं। सरकार के फैसले के विरोध में रविवार को जंतर मंतर पर छात्र प्रदर्शन करेंगे।

इस मामले में एक नोटिस गणेश नगर में रहने वाले एक छात्र रिषभ गुप्ता को भी मिला है। रिषभ 2015-18 के बीच इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडी (जीजीएसआइपीयू) के छात्र थे। उन्हें 2013 में हुई बढ़ोतरी के आधार पर 50400 रुपए जमा करने के लिए कहा गया है। इस फीस के लिए 31 मई तक फीस जमा करने के लिए कहा गया है। मामले में संबंधित छात्रों का कहना है कि 6 मार्च 2016 को खुद मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को आश्वासन दिया था कि वे इस बढ़ोतरी से चिंतत न हों। इसका जल्द ही समाधान निकाला जाएगा। शिक्षा विभाग इस आदेश को वापस लेकर और सभी छात्र परीक्षाओं पर ध्यान दें, लेकिन एक बार फिर से फीस बढ़ोतरी का पैसा वसूलने की कवायद शुरू की गई है। ऐसे करीब 7 हजार छात्र बताए जा रहे हैं जो दिल्ली सरकार के इन ताजा आदेशों से प्रभावित होंगे।

संदिग्ध परिस्थितियों में छात्र हुआ लापता

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 1 जून।

बेगमपुर थाना क्षेत्र से एक छात्र संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। छात्र का नाम आकाश (17) है। घटना के समय परिजन घर के अंदर ही मौजूद थे और आकाश बाहर बच्चे के साथ खेल रहा था। परिजनों को जब घटना के बारे में जानकारी मिली तब इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने शुक्रवार को मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक, दिवाकर शर्मा अपने परिवार के साथ कैलाश कॉलोनी, बेगमपुर में रहते हैं। उनके बेटे आकाश ने इसी साल सरकारी स्कूल से 12वीं पास की है। वह इन दिनों आगे दाखिले की तैयारी कर रहा था।

बच्चों के नशे की लत छुड़ाने के लिए दिल्ली पुलिस की मुहिम

- मदर टेरेसा क्रिसेट के दिल्ली पुलिस अकादेमी फॉर स्मार्ट पुलिसिंग में आयोजित हुआ कार्यक्रम

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 1 जून।

नशे की लत से छुटकारा दिलाने के लिए दिल्ली पुलिस के 'युवा' कार्यक्रम के तहत एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मदर टेरेसा क्रिसेट के दिल्ली पुलिस अकादेमी फॉर स्मार्ट पुलिसिंग में आयोजित इस कार्यक्रम में पुलिस के आला अधिकारियों ने शिरकत की। इस मौके पर गैर सरकारी संस्थाओं के प्रतिनिधियों को भी बुलाया गया था।

वक्ताओं ने बच्चों के बीच पनप रहे नशे की लत को गंभीरता से लेते हुए सामुदायिक रूप में कार्य करने की जरूरत पर बल दिया। पुलिस ने इसके लिए युवा योजना की शुरुआत की और इसके तहत नशा विमुक्ति केंद्र, कौशल विकास प्रशिक्षण, प्लेसमेंट जाब फेअर आदि अन्य गतिविधियां शामिल की हैं। कुछ योजना जमीनी स्तर पर कार्यरूप ले चुकी हैं। इससे हजारों की संख्या में युवा मुख्यधारा में शामिल हो रहे हैं।

25 हजार रुपए का इनामी बदमाश पकड़ा गया

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 1 जून।

दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने 25 हजार के इनामी बदमाश दीपक बहादुर को गिरफ्तार करने का दावा किया है। दीपक नेपाल का है और भारत में आपराधिक वारदातों को अंजाम देने के बाद वहां भाग जाता है। शाखा के उपायुक्त के मुताबिक, पीतमपुरा में रहने वाले ओम प्रकाश नामक व्यक्ति ने अपने घर के भूतल पर दफ्तर खोला हुआ है। कुछ समय पहले रात में कुछ व्यक्ति हथियार की नोंक पर उनके भूतल के दफ्तर में घुस आए और अलमारी खोलकर लूटपाट शुरू कर दी। उस समय दीपक भी दफ्तर में था। बदमाशों ने उसे रस्सी से बांधकर वहां रखे 30 लाख रुपए लूट लिए। इस बाबत सरस्वती विहार थाना में मामला दर्ज किया गया। इस मामले की जांच के दौरान विशाल और दीपक बहादुर नामक दो युवक गिरफ्तार किए गए। कोर्ट से जमानत मिलने के बाद दीपक बहादुर फरार हो गया।

महिला ने फांसी लगाकर दी जान

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 1 जून।

डाबडी थाना क्षेत्र में एक महिला ने पंखें से फांसी का फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। महिला की पहचान दीपिका (24) के रूप में हुई है। वहीं, मायके वालों ने ससुराल वालों पर हत्या करने का आरोप लगया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच स्थानीय एसडीएम को सौंप दी है।

पुलिस के मुताबिक, दीपिका वैशाली, डाबडी में परिवार के साथ रहती थी। उसकी शादी तीन साल पहले तरुण वर्मा से हुई थी। दीपिका को डेढ़ साल की बच्ची भी है। पुलिस को सूचना मिली कि एक महिला ने फांसी लगा ली है।

कारोबारी के घर का ताला तोड़कर लाखों की चोरी

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 1 जून।

शास्त्री पार्क थाना क्षेत्र में एक कारोबारी के घर का ताला तोड़ घर में रखे आभूषण, नकदी और महंगे सामानों पर चोर हाथ साफ कर फरार हो गए। घटना के समय कारोबारी अपने पूरे परिवार के साथ हिमाचल में देवी के दर्शन करने गए हुए थे। हालांकि, पूरी घटना घर में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई।

बदमाश घर के अंदर मुंह ढक कर आए थे। कारोबारी ने शिकायत के दौरान पुलिस को बताया कि एक साल पहले भी चोरों ने उसके घर पर हाथ साफ किया था, लेकिन चोर अब तक पुलिस की गिरफ्त से दूर है। फिलहाल पुलिस ने राजेश कुमार (36) की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, राजेश कुमार अपने परिवार के साथ सी-ब्लॉक, शास्त्री पार्क में रहते हैं। राजेश का चांदी के बर्तन आपूर्ति करने का कारोबार है। बीते 23 मई को राजेश अपने पूरे परिवार के साथ देवी के दर्शन करने के लिए हिमाचल प्रदेश गए थे। बुधवार वह घर लौटे तो उन्हें घर के बाहर लगा ताला टूटा हुआ मिला। वह दौड़कर अदंर गए। अंदर सारा सामान बिखरा हुआ था। जांच करने पर उन्हें पता चला कि चोरों ने अलमारी में रखे एक लाख 60 हजार रुपए, सोने, चांदी के आभूषण के अलावा लाखों रुपए के चांदी के बर्तन लेकर फरार हो गए। राजेश ने बताया कि घर की सुरक्षा के लिए उन्होंने तीन जगह सीसीटीवी कैमरे लगवाए हुए हैं।

भाभी और भतीजे की हत्या के मामले में नाबालिग देवर गिरफ्तार

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 1 जून।

पटेल नगर इलाके में एक नाबालिग देवर पर अपनी भाभी और भतीजे की गला रेतकर हत्या करने का आरोप लगा है। बताया जा रहा है कि हत्या के बाद उसने बच्चे के शव को पंखे से लटका दिया था। पुलिस ने संदेह के आधार पर नाबालिग देवर से कई दफा पूछताछ की।

उसके पैर, चेहरे और शरीर के अन्य भागों में आई चोट के बारे में जब पुलिस ने बताने को कहा तो उसने अंत में हत्या की बात कबूल कर ली। उसे गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त चाकू, सिलबट्टा, उसका मोबाइल फोन, साबून, लुंगी आदि बरामद करने का दावा किया है। इस मामले को पटेलनगर के एसएचओ रमेश लांबा की टीम ने सुलझाया है।

मध्य जिला पुलिस के मुताबिक, गुरुवार को पटेल नगर के प्रेमनगर में एक महिला और उसके बच्चे के हत्या की गई थी। हत्या के बाद चचेरे देवर पर संदेह गया था। पूछताछ में उसने हत्या की बात मान ली। पूछताछ में उसने बताया कि हत्या के दिन उसने भाभी पर बुरी नजर से हमला किया और विरोध करने पर उसको सिलबट्टे से घायल कर दिया। देवर ने गुस्से में गला दबाकर भतीजे की भी हत्या कर शव को पंखे से लटका दिया। फिर भाभी का गला रेत दिया।

सेहत पर घातक असर डालता है ई-सिगरेट

प्रतिभा शुक्ल
नई दिल्ली, 1 जून।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर भारतीय चिकित्सा परिषद (आइसीएमआर) ने ई-सिगरेट के खतरनाक प्रभावों पर श्वेत पत्र जारी किया। परिषद ने इसके घातक रसायनों के बारे में हुए शोध के आधार पर ई-सिगरेट को भारत में पूरी तरह प्रतिबंधित करने की सिफारिश की है। आइसीएमआर के महानिदेशक डॉक्टर बलराम भार्गव ने कहा कि लोगों के स्वास्थ्य को ध्यान में रख कर व्यापक हित में निकोटीन देने वाली इलेक्ट्रिक डिवाइस पर पूरी तरह से रोक लगाई जाए क्योंकि इसमें न केवल निकोटीन है बल्कि

आइसीएमआर ने ई-सिगरेट को प्रतिबंधित करने की सिफारिश की है

इसके साल्वेंट में घातक रसायन भी शामिल हैं, जो इसका इस्तेमाल करने वाले के साथ ही उसके आसपास इसका उपयोग न करने वाले लोगों को भी (पैसिव स्मोकर) नुकसान करता है। इसे नहीं रोका गया तो भारत में इसका उपयोग महामारी का रूप ले लेगा।

आइसीएमआर ने शुक्रवार को यह श्वेत पत्र जारी किया, जिसमें कहा गया है कि इलेक्ट्रॉनिक निकोटीन डिलीवरी सिस्टम एक ऐसी डिवाइस है जो बैटरी से चलती है और इसमें नशीला पदार्थ निकोटीन होता है। इसका एक रूप ई-सिगरेट है जिसमें निकोटीन एक तरह के रसायन (साल्वेंट) में घुल कर डिवाइस के जरिए व्यक्ति के शरीर में पहुंचता है। इसके अलग-अलग तरह के स्वाद देने के लिए अलग रसायन मिलाया जाता है। इन सभी का इस्तेमाल नुकसानदेह होता है। इसे तंबाकू आधारित पारंपरिक सिगरेट व बीड़ी को छुड़ाने के लिए एक विकल्प के तौर पर लाया गया था। बावजूद इसके कि यह उसके जैसा या अधिक ही नुकसान करता है। फिर भी देश-विदेश में ई-सिगरेट के 460 तरह के ब्रांड मौजूद हैं व धड़ल्ले से बिक भी रहे हैं जो निकोटीन की अलग-अलग मात्रा देने के हिसाब से डिजाइन किए गए हैं।

DhanlaxmiBank
अंचल कार्यालय-10185ए, आर्य समाज रोड, करोल बाग, नई दिल्ली-110005

कब्जा सूचना

जैसा कि, वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन अधिनियम, 2002 (2002 के 54) के अंतर्गत धनलक्ष्मी बैंक लि. के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्त्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने मांग सूचना तिथि 19.06.2013 जारी कर ऋणधारक मै. श्री बालाजी वूड केम इंडिया पी.लि. (ऋणधारक), ए-31, सूर्या एन्क्लेव, मुल्ताननगर, दिल्ली-110056, श्री सुरेश कौशिक (निदेशक/मार्टगैजर) ए-31, सूर्या एन्क्लेव, मुल्ताननगर, दिल्ली-110056, श्रीमती रेखा कौशिक (निदेशक), ए-31, सूर्या एन्क्लेव, मुल्ताननगर, दिल्ली-110056 को सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर सूचना में वर्णित राशि रु. 4,88,19,780/- (रुपए चार करोड़ अठासी लाख उन्नीस हजार सात सौ अस्सी मात्र) वापस लौटाने का निर्देश दिया था।

ऋणधारक इस राशि को वापस लौटाने में विफल रहे, अतः एतद्द्वारा ऋणधारक तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आज, 31 मई, 2019 को अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमावली के नियम 8 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13 (4) के अंतर्गत उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने सरफैसी अधिनियम की धारा 14 के अंतर्गत माननीय मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट, वेस्ट तीस हजारी कोर्ट्स दिल्ली द्वारा पारित आदेश तिथि 2.4.2019 के अनुपालन में धनलक्ष्मी बैंक के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का भौतिक कब्जा कर लिया है।

विशेष रूप से ऋणधारकों तथा आम जनता को एतद्द्वारा सतर्क किया जाता है कि वे यहां नीचे वर्णित संपत्ति का व्यवसाय न करें तथा इन संपत्तियों का किसी भी तरह का व्यवसाय 14.6.2013 को रु. 4,88,19,780/- (रुपए चार करोड़ अठासी लाख उन्नीस हजार सात सौ अस्सी मात्र) तथा उस पर ब्याज की राशि के लिये धनलक्ष्मी बैंक लि. के चार्ज के अधीन होगा।

ऋणधारक का ध्यान प्रतिभूत परिसम्पत्तियों को विमोचित करने के लिए अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों के प्रति आकृष्ट की जाती है।

अचल सम्पत्ति का विवरण

श्री सुरेश कौशिक के नाम में भूतल, ए-31ए, सूर्या एन्क्लेव, मुल्तान नगर, दिल्ली-110036 में आवासीय सम्पत्ति, माप 81 वर्ग यार्ड्स।
चौहद्दीः उत्तरः सड़क, दक्षिणः प्लॉट नं. 32, पूर्वः प्लॉट का भाग, पश्चिमः सड़क

तिथिः 31.5.2019, स्थानः दिल्ली
प्राधिकृत अधिकारी, धनलक्ष्मी बैंक लि.

गरमी बढ़ने से मटके की मांग बढ़ी

सूखे हलक को तर कर रहा है मटके का शीतल पानी

निर्भय कुमार पांडेय
नई दिल्ली, 1 जून।

चिलचिलाती धूप, तारकोल की सड़क से निकलती गर्माहट और शरीर से बहता पसीना दिल्ली में बढ़ते तापमान की ओर इशारा कर रहा है। गर्मी की तपिश से गला सूख रहा है। फ्रिज का पानी प्यास बुझाने में नाकाफी है, लेकिन मटके की शान अभी बाकी है। यही कारण है कि बढ़ती गरमी के साथ बाजारों में मटके और सुराही की मांग बढ़ गई है।

दिल्ली के विभिन्न बाजारों में भी तरह-तरह के मटके और सुराही उपलब्ध हैं। लोगों की सुविधा के लिए जहां नल लगे मटके बिक रहे हैं। वहीं, संभाल कर रखने के लिए खास तरह के लोहे का स्टैंड युक्त मटके भी बाजार में उपलब्ध हैं, जो लोगों के बीच काफी लोकप्रिय हैं। विक्रेताओं का कहना है कि मटका, घड़ा और सुराही में लोगों की आवश्यकता के अनुसार बदलाव किया गया है। अब संपन्न लोग भी ठंडा पानी पीने के लिए मिट्टे के मटके और सुराही का प्रयोग करने लगे हैं।

भले ही आज के दौर में लोग फ्रिज का पानी ज्यादा पीते हैं, लेकिन अब भी काफी लोग मटके का पानी-पीना ठीक समझते हैं। उनका मानना है कि फ्रिज के पानी के मुकाबले मटके का पानी सेहत के लिए ज्यादा अच्छा होता है। साथ ही मटके के पानी का अलग ही स्वाद होता है। मटके का पानी-पीने से सर्दी-गर्मी की भी शिकायत नहीं होती है। इस वक्त दिल्ली के पहाड़गंज, मल्कागंज, दरियागंज और नेहरू बाजार, लक्ष्मी नगर, सत्या निकेतन, मयूर विहार फेज तीन, न्यू अशोक नगर के अलावा कई अन्य इलाकों में सड़क किनारे फुटपाथ पर मटके बेचने वाले दिख जाएंगे।

लक्ष्मी नगर में विक्रेता राम कुमार का कहना है कि अब हर वर्ग के लोग मटके खरीदने लगे हैं। यही कारण है कि पिछले कुछ सालों की तुलना में इन दिनों मटके, सुराही और छोटे घड़े की मांग बढ़ी है।

150-300 रुपए तक के मटके

विक्रेताओं का कहना है कि नल लगे मटके से पानी निकालने में कोई दिक्कत न हो। बिना नल वाले मटके की कीमत 50 रुपए से शुरू है। नल वाले मटके 150 रुपए से 300 रुपए तक हैं। मटकों के पानी की क्षमता उनकी बनावट पर निर्भर करती है।

बालाकोट हमले के बाद लागू हवाई क्षेत्र की पाबंदियां खत्म कीं भारत ने

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, एक जून।

पाकिस्तान को व्यावसायिक विमानन सेवाओं के लिए हवाई क्षेत्र खोलने का संकेत देते हुए भारतीय वायु सेना ने शनिवार को एलान किया कि बालाकोट हमले के बाद भारतीय हवाई क्षेत्र पर लगाई गईं सारी अस्थाई पाबंदियां हटा दी गई हैं। भारतीय हवाई क्षेत्र में सभी हवाई मार्गों पर लगी सारी अस्थाई पाबंदियों के हटने के बाद भारत के फैसले के अनुरूप पाकिस्तान भी भारत के साथ लगी अपनी पूर्वी सीमा पर हवाई क्षेत्र पर लगे प्रतिबंध को हटा देगा।

बालाकोट में जैश ए मोहम्मद के आतंकी शिविरों पर भारतीय वायुसेना के हमले के बाद दोनों देशों ने एक-दूसरे के वाणिज्यिक विमानों के लिए अपने-अपने हवाई क्षेत्र बंद कर दिए थे। भारतीय वायु सेना ने ट्विटर पर शुक्रवार को एलान किया, 'भारतीय वायु सेना द्वारा 27 फरवरी को भारतीय हवाई क्षेत्र में सभी हवाई मार्गों पर लगाई गई अस्थाई पाबंदियों को हटा दिया गया है।' भारत के फैसले के बाद प्रतिक्रिया देते हुए पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने ट्वीट कर कहा, 'भारत सरकार पाकिस्तान की उड़ानों पर लगी हवाई पाबंदियां हटा लेगी तो पाकिस्तान भी हवाई पाबंदियों को हटा सकता है।'

पाक भी हटाएगा पाबंदियां

पाकिस्तान के नागरिक उड्डयन अधिकारियों ने हाल में अपने हवाई क्षेत्र को बंद रखने की अवधि 14 जून तक बढ़ा दी थी। पाकिस्तान ने 27 फरवरी को अपने हवाई क्षेत्र को बंद कर दिया था। हालांकि, उसने 27 मार्च को नई दिल्ली, बैंकॉक और कुआलालंपुर को छोड़कर सभी उड़ानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को खोल दिया था।

रसायन व पेट्रोलियम मंत्रालय में नए सचिव की तैनाती

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 1 जून।

केंद्र सरकार के रसायन व पेट्रोलियम मंत्रालय में शनिवार को नए सचिव की तैनाती की गई है। आदेशों के मुताबिक विभाग के सचिव का कार्यभार वरिष्ठ भारतीय सिविल सेवा (आईएएस) अधिकारी पी. राघवेंद्र राव संभालेंगे। राघवेंद्र राव 1985 बैच के अधिकारी हैं। इन्हें इस विभाग का अतिरिक्त कार्यभार दिया गया है। इस बाबत कैबिनेट की नियुक्ति समिति के सचिव पीके त्रिपाठी ने आदेश जारी किए।

विकास बहल को यौन उत्पीड़न मामले में क्लीन चिट

मुंबई, 1 जून (भाषा)।

फिल्म निर्माता विकास बहल को रिलायंस एंटरटेनमेंट द्वारा की गई आंतरिक जांच में यौन उत्पीड़न के मामले में क्लीन चिट मिल गई है। रिलायंस एंटरटेनमेंट उनकी अगली फिल्म 'सुपर 30' की निर्माता कंपनी है। 'क्वीन' के निर्देशक पर अब बंद हो चुकी फैंटम फिल्म्स की एक पूर्व कर्मचारी ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। अनुराग कश्यप और विक्रमादित्य मोटवानी के साथ बहल इस फिल्म कंपनी के साझेदारों में से एक थे।

रिलायंस एंटरटेनमेंट के समूह मुख्य कार्याधिकारी शिवाशीष सरकार ने कहा कि आंतरिक शिकायत समिति (आइसीसी) की रिपोर्ट में बहल को आरोपमुक्त कर दिया गया है। सरकार ने एक बयान में कहा, 'हां, यह सच है कि आइसीसी समिति की रिपोर्ट में विकास को आरोपमुक्त कर दिया गया है। आइसीसी द्वारा विकास बहल को क्लीन चिट दिए जाने से अब हमारे पास उन्हें सुपर 30 के निर्देशक के रूप में श्रेय देने के सिवाय कोई विकल्प नहीं है।' यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है जब कश्यप 'सुपर 30' के निर्माण का काम देखने को सहमत हो गए थे। फिल्म में रितिक रोशन मुख्य भूमिका में हैं।

आरोपमुक्त होने के बाद बहल को मिलेगा फिल्म 'सुपर 30' के निर्देशक के रूप में श्रेय

बहल के वकील हितेश जैन ने कहा कि क्लीन चिट ने सब कुछ साफ कर दिया है। जैन ने कहा, 'कहानी खत्म हो गई है। मैं खुश हूं कि उन्हें (बहल) आरोपमुक्त कर दिया गया है।' बहल ने कश्यप और मोटवानी के खिलाफ मानहानि का मामला दायर किया था और कहा था कि उन्होंने उनके खिलाफ निराधार तथा मानहानिकारक आरोप लगाए, जिससे उन्हें अपूरणीय क्षति हुई है।

पर्यटक गाइड ने जान देकर लिद्दर नदी से पांच लोगों की बचाई जान

श्रीनगर, 1 जून (भाषा)।

कश्मीरियत की मिसाल पेश करते हुए एक पर्यटक गाइड ने जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के प्रसिद्ध पहलगाम रिसोर्ट में लिद्दर नदी से पश्चिम बंगाल के दो पर्यटक सहित पांच लोगों को बचाने के लिए जान दे दी। पर्यटकों की नौका लिद्दर नदी में अचानक तेज हवाओं के झोंके में फंसने के बाद मावुरा के समीप पलट गई। पंजीकृत पेशेवर गाइड रउफ अहमद डार ने अपनी जान की परवाह न करते हुए नदी में छलांग लगा दी। श्रीनगर से 96 किलोमीटर दूर पहलगाम में शुक्रवार शाम को जब यह घटना हुई, उस समय नौका में तीन स्थानीय लोग और पश्चिम बंगाल का एक दंपति सवार था। राज्यपाल ने पर्यटक गाइड के परिजन को पांच लाख रुपए अनुग्रह राशि देने का एलान किया।

प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से अधिकारियों ने बताया कि पर्यटक गाइड के तौर पर दंपति के साथ मौजूद डार ने देखा कि वे लोग डूब रहे हैं तो उसने बिना समय गंवाए नदी में छलांग लगा दी और उन्हें बचा लिया। इसके तुरंत बाद खोज व बचाव अभियान शुरू किया गया और राज्य आपदा त्वरित बल की टीमों ने पुलिस व स्थानीय लोगों के साथ मिलकर खोज अभियान चलाया। शुक्रवार देर रात तक तलाश जारी रही, लेकिन अंधेरे के कारण अभियान रोकना पड़ा। उन्होंने बताया कि बहादुर पर्यटक गाइड का शव भवानी पुल के समीप शनिवार सुबह बरामद किया गया और औपचारिकताओं के बाद उसके रिश्तेदारों को सौंप दिया गया।

राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने पांच पर्यटकों की जान बचाने, उसके लिए अपनी जान कुर्बान कर देने वाले रऊफ अहमद डार की बहादुरी को सलाम किया और उनके परिजन को पांच लाख रुपए अनुग्रह राशि देने का एलान किया।

मणिपुर के मोरेह में नौ रोहिंग्या गिरफ्तार

इंफल, 1 जून (भाषा)।

मणिपुर के तेंग्नौपल जिले में भारत-म्यांमा सीमा के पास स्थित मोरेह शहर से नौ रोहिंग्यों को फर्जी आधारकार्ड के साथ गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (एसपी) विक्रमजीत ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने फर्जी आधारकार्ड रखने के आरोप में 27 मई को तेंग्नौपल चौकी से दो महिलाओं समेत चार रोहिंग्यों को गिरफ्तार किया।

एसपी ने बताया कि पुलिस ने 28 मई को मोरेह शहर में एक होटल से तीन महिलाओं समेत पांच अन्य रोहिंग्यों को गिरफ्तार किया। उन्होंने कहा कि जांच में खुलासा हुआ कि ताहिर अली एक रोहिंग्या है और उसने स्थानीय मणिपुरी महिला से विवाह किया था और वह इन विदेशियों को अवैध तरीके से देश के अंदर लाने के प्रबंधों में शामिल था।

पुलिस ने कहा कि अली को शुक्रवार थौबल जिले से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा कि ताहिर अली को छोड़कर ये सभी फर्जी आधारकार्ड लेकर राज्य की राजधानी से सीमाई शहर आए थे। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार रोहिंग्या न तो हिंदी और न ही अंग्रेजी बोलना जानते हैं, जिसके कारण उनसे बात करने में परेशानी आ रही है। उन्होंने बताया कि वे भारत में कैसे घुसे और फर्जी आधारकार्ड उन्हें कैसे मिला, इस बारे में पता लगाया जा रहा है।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda
क्षेत्रीय दबावग्रस्त आस्ति वसूली शाखा
चतुर्थ तल, राजेन्द्र भवन, राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली

सार्वजनिक सूचना
संदर्भ : हमारी क्षेत्रीय दबावग्रस्त आस्ति वसूली शाखा, नई दिल्ली में
ऋण खाता : मै. ओम प्रकाश दीपक कुमार
इरादतन चूककर्ता (विलफुल डिफाल्टर) की फोटो प्रकाशन

दीपक मित्तल

एततद्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि बैंक ऑफ बड़ौदा ने बैंक के / आर. बी. आई. के वर्तमान नियमों तथा विनियमों के निबंधनों में, उनमें निर्धारित सम्यक प्रक्रिया का अनुपालन करते हुये, निम्नलिखित व्यक्तियों को "इरादतन चूककर्ता" (विलफुल डिफ़ाल्टर) घोषित किया है।

1. मै. ओम प्रकाश दीपक कुमार
2. श्री दीपक मित्तल पुत्र स्व. श्री ओम प्रकाश मित्तल प्रोप. मै. ओम प्रकाश दीपक कुमार

बैंक कर्जदार / गारंटर को बैंक द्वारा उनको "इरादतन चूककर्ता" (विलफुल डिफ़ाल्टर) घोषित किए जाने के निर्णय की जानकारी हेतु उपयुक्त सूचना प्रेषित कर चुका है।
जैसे कि भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अनुमति दी गई है, बैंक सर्वसाधारण के सूचनार्थ "इरादतन चूककर्ता" (विलफुल डिफ़ाल्टर) की फोटो प्रकाशित कर रहा है।

तिथि : 02.06.2019 — बैंक ऑफ बड़ौदा, मुख्य प्रबंधक

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda
क्षेत्रीय दबावग्रस्त आस्ति वसूली शाखा
चतुर्थ तल, राजेन्द्र भवन, राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली

सार्वजनिक सूचना
संदर्भ : हमारी क्षेत्रीय दबावग्रस्त आस्ति वसूली शाखा, नई दिल्ली में
ऋण खाता : मै. मनीष पैकेजिंग इंडस्ट्रीज
इरादतन चूककर्ता (विलफुल डिफाल्टर) की फोटो प्रकाशन

मनीष गुप्ता

एततद्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि बैंक ऑफ बड़ौदा ने बैंक के / आर. बी. आई. के वर्तमान नियमों तथा विनियमों के निबंधनों में, उनमें निर्धारित सम्यक प्रक्रिया का अनुपालन करते हुये, निम्नलिखित व्यक्तियों को "इरादतन चूककर्ता" (विलफुल डिफ़ाल्टर) घोषित किया है।

1. मै. मनीष पैकेजिंग इंडस्ट्रीज
2. श्री मनीष गुप्ता पुत्र श्री राम लाल गुप्ता प्रोप. मै. मनीष पैकेजिंग इंडस्ट्रीज

बैंक कर्जदार / गारंटर को बैंक द्वारा उनको "इरादतन चूककर्ता" (विलफुल डिफ़ाल्टर) घोषित किए जाने के निर्णय की जानकारी हेतु उपयुक्त सूचना प्रेषित कर चुका है।
जैसे कि भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अनुमति दी गई है, बैंक सर्वसाधारण के सूचनार्थ "इरादतन चूककर्ता" (विलफुल डिफ़ाल्टर) की फोटो प्रकाशित कर रहा है।

तिथि : 02.06.2019 — बैंक ऑफ बड़ौदा, मुख्य प्रबंधक

अनुसूची II
प्रपत्र बी
सार्वजनिक उद्घोषणा
(इन्सॉल्वेन्सी एंड बैंकरप्सी (परिसमापन प्रक्रिया) विनियमन, 2016 के विनियमन 12)
मोज़र बेयर सोलर लिमिटेड के हितधारकों के ध्यानार्थ

1.	कार्पोरेट ऋणधारक का नाम	मोज़र बेयर सोलर लिमिटेड
2.	कार्पोरेट ऋणधारक के निगमन की तिथि	06-03-2007
3.	वह प्राधिकरण जिसके अधीन कॉर्पोरेट ऋणधारक निगमित / पंजीकृत है	कम्पनियों के रजिस्ट्रार, दिल्ली
4.	कॉर्पोरेट देनदार की कॉर्पोरेट पहचान संख्या	U74999DL2007PLC160162
5.	कार्पोरेट ऋणधारक के पंजीकृत कार्यालय तथा प्रधान कार्यालय (यदि कोई) का पता	**पंजीकृत कार्यालय:** 43-बी, ओखला औद्योगिक इस्टेट, नई दिल्ली-110020 **प्रधान कार्यालय** : 66बी, एसईजेड उद्योग विहार ग्रेटर नोएडा (यू.पी.)
6.	इन्सॉल्वेन्सी प्रस्ताव प्रक्रिया समाप्त होने की तिथि	30-05-2019
7.	कॉर्पोरेट ऋणधारक का परिसमापन शुरू होने की तिथि	30-05-2019
8.	परिसमापक के रूप में इन्सॉल्वेन्सी प्रोफेशनल का नाम एवं पंजीकरण संख्या	**नाम: अरविन्द गर्ग** **आई पी पंजीकरण नं:** IBBI/IPA-003/IP-N00029/2017-2018/10189
9	बोर्ड के पास पंजीकृत परिसमापक का पता तथा ई-मेल	**पता:** 302-ए, पालमोहन प्लाज़ा, देशबंधु गुप्ता रोड करोल बाग, नई दिल्ली-110005 **पंजीकृत ईमेल:** arvindgarg31@gmail.com
10	परिसमापक के साथ पत्राचार हेतु इस्तेमाल किया जाने वाला पता एवं ईमेल	**पता:** 302-ए, पालमोहन प्लाज़ा, देशबंधु गुप्ता रोड करोल बाग, नई दिल्ली-110005 **पत्राचार हेतु ईमेल:** moserbaer.arvind@gmail.com
11	दावे जमा करने की अंतिम तिथि	01-07-2019

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि माननीय राष्ट्रीय कम्पनी विधि अधिकरण, प्रधान बेंच, नई दिल्ली ने 30.05.2019 को मोज़र बेयर सोलर लिमिटेड का परिसमापन शुरू करने का आदेश दिया है।
मोज़र बेयर सोलर लिमिटेड के स्टेक धारकों को आह्वान किया जाता है कि क्रम मद 10 के समक्ष वर्णित पते पर परिसमापक के पास 01.07.2019 को या उससे पूर्व अपने दावे प्रमाण सहित जमा करें।
वित्तीय क्रेडिटर्स केवल इलेक्ट्रॉनिक पद्धति से ही अपने दावे का प्रमाण जमा कर सकते हैं। अन्य सभी स्टेकधारक व्यक्तिगत या डाक द्वारा या इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से दावे का प्रमाण जमा कर सकते हैं।
दावे का गलत अथवा भ्रामक प्रमाण जमा करने पर दंडित किया जायेगा।

दिनांक: 02.06.2019
स्थान : नई दिल्ली

परिसमापक का नाम एवं हस्ताक्षर: अरविन्द गर्ग

परीक्षा फिन-इन्वेस्ट-लीज लिमिटेड
[कार्पोरेट पहचान संख्या (सीआईएन) : L74899DL1994PLC057377]
पंजी. कार्यालय : 7सी, प्रथम तल, 'जे' ब्लॉक शॉपिंग सेंटर, साकेत, नई दिल्ली- 110017
फोन नंबर : 0120 – 4193799, 4152766
वेबसाइट : www.pfil.in, ई-मेल : pariksha.delhi@gmail.com

28वीं वार्षिक सामान्य बैठक, ई-मतदान तथा बही बंदी की सूचना

एजीएम की सूचना
एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि कंपनी के सदस्यों की 28वीं वार्षिक सामान्य बैठक (एजीएम) का आयोजन एजीएम की सूचना में निर्धारित अनुसार व्यवसाय के निष्पादन के लिए शुक्रवार 28 जून, 2019 को किया जाएगा।

28वीं एजीएम की सूचना, वार्षिक प्रतिवेदन तथा उपस्थिति पर्चियों की प्रतियां उन समस्त सदस्यों को ई-मेल के माध्यम से पहले ही प्रेषित की जा चुकी हैं, जिनकी ई-मेल आईडी डिपॉजिटरी प्रतिभागी के पास पंजीकृत है। एजीएम की सूचना, वार्षिक प्रतिवेदन तथा उपस्थिति पर्चियों की वास्तविक प्रतियां उन समस्त अन्य सदस्यों को उनके पंजीकृत पतों पर प्रेषित की जा चुकी हैं, जिनकी ई-मेल आईडी डिपॉजिटरी प्रतिभागी के पास पंजीकृत नहीं है। कंपनी वार्षिक प्रतिवेदन के प्रेषण के साथ-साथ सदस्यों को ई-मेल से वार्षिक प्रतिवेदन भेजने का कार्य भी शनिवार, 01 जून, 2019 को पूर्ण कर चुकी है। 28वीं एजीएम की सूचना कंपनी की वेबसाइट www.pfil.in, स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइट अर्थात् www.bseindia.com तथा सीडीएसएल की वेबसाइट www.evotingindia.com पर भी उपलब्ध है।

ई-मतदान
कंपनी अपने सदस्यों को, अद्यतन संशोधितानुसार कंपनी (प्रबंधन तथा प्रशासन) नियमावली, 2014 के नियम 20 के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 108 तथा सेबी (सूचीयन दायित्व तथा प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियमावली 2015 के विनियम 44 के प्रावधानों के संबंध में सूचना में निर्धारित समस्त प्रस्तावों पर इलेक्ट्रॉनिक माध्यम द्वारा अपना मतदान करने की सुविधा उपलब्ध कराकर हर्षित है। ई-मतदान अवधि का प्रारंभ मंगलवार 25 जून, 2019 को प्रातः 9.00 बजे तथा समापन गुरुवार 27 जून, 2019 को सायं 5.00 बजे होगा। ई-मतदान मॉड्यूल गुरुवार 27 जून, 2019 को सायं 5.00 बजे के उपरान्त निष्क्रिय कर दिया जाएगा।

सदस्यगण इलेक्ट्रॉनिक रूप में अथवा वार्षिक सामान्य बैठक में मतपत्र के माध्यम से अपना मतदान करने के लिए योग्य हैं। ऐसे व्यक्ति जो कि सूचना के प्रेषण के उपरान्त कंपनी के सदस्य बनते हैं, वे helpdesk.evoting@cdslindia.com अथवा admin@skylinerta.com पर अनुरोध भेजकर लॉगइन विवरण प्राप्त कर सकते हैं। गुरुवार 27 जून, 2019 को सायं 5 बजे के उपरान्त इलेक्ट्रॉनिक विधि के माध्यम से मतदान की अनुमति प्रदान नहीं की जाएगी। मतपत्र के माध्यम से मतदान करने की सुविधा एजीएम में उपलब्ध होगी तथा ऐसे सदस्यगण जो एजीएम में उपस्थित हैं और जिन्होंने ई-मतदान के माध्यम से अपना मतदान नहीं किया है, वे मतपत्र के माध्यम से एजीएम में अपना मतदान करने हेतु योग्य होंगे। ऐसे सदस्यगण जो कि ई-मतदान द्वारा अपना मतदान कर चुके हैं, वे भी एजीएम में उपस्थित हो सकते हैं, परन्तु वे पुनः मतदान करने के अधिकारी नहीं होंगे। ऐसा व्यक्ति जिसका नाम कट ऑफ तिथि, शुक्रवार, 21 जून, 2019 के अनुसार डिपॉजिटरी द्वारा अनुरक्षित लाभार्थी स्वामियों की पंजिका में अथवा सदस्यों की पंजिका में अभिलेखित है, वह ई-मतदान सुविधा प्राप्त करने के साथ-साथ एजीएम में मतदान करने के लिए हकदार होगा। सदस्यों से अपेक्षित है कि वे वार्षिक सामान्य बैठक की सूचना में दी गई ई-मतदान की निम्नलिखित प्रक्रिया द्वारा इलेक्ट्रॉनिक रूप में मतदान करने के लिए अपनी लॉगइन आईडी तथा पासवर्ड का प्रयोग करें। ई-मतदान से संबंधित किसी पूछताछ के लिए आप www.evotingindia.com के डाउनलोड्स सेक्शन में उपलब्ध सदस्यों हेतु ई-मतदान प्रयोक्ता पुस्तिका तथा सदस्यों हेतु फ्रिक्वेंटली आस्क्ड क्वेश्चन्स (एफएक्यू) का संदर्भ ग्रहण कर सकते हैं अथवा श्री हरनन्द त्यागी, निदेशक, 7सी, प्रथम तल, 'जे' ब्लॉक शॉपिंग सेंटर, साकेत, नई दिल्ली-110017, दूरभाष सं. 0120-4193799 से अथवा ई-मेल pariksha.delhi@gmail.com पर सम्पर्क कर सकते हैं।

बही बंदी
कंपनी अधिनियम, 2013 के अंतर्गत विरचित नियमावली के साथ पठित उसकी धारा 91 तथा सेबी (सूचीयन दायित्व तथा प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियमावली, 2015 के विनियम 42 के अनुपालन में कंपनी के सदस्यों की पंजिका तथा शेयर हस्तांतरण पुस्तिकाएं इस एजीएम के उद्देश्य हेतु शनिवार 22 जून, 2019 से शुक्रवार 28 जून, 2019 (दोनों दिन सम्मिलित) तक बंद रहेंगी।

निदेशक मंडल के आदेश द्वारा
वास्ते परीक्षा फिन-इन्वेस्ट-लीज लिमिटेड
हस्ता / –
(हरनन्द त्यागी)
निदेशक

तिथि : 01 जून, 2019
स्थान : नई दिल्ली

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda
India's International Bank
जेडओएसएआरबी, 8वीं तल, बैंक ऑफ बड़ौदा भवन, 16, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001
फोन : 011-23448341, मो.-9584317402, ई-मेल : armdel@bankofbaroda.com

सार्वजनिक सूचना
संदर्भ: एनपीए खाता मैसर्स एनसीएमएल इंडस्ट्रीज लि. शाखा : जेडओएसएआरबी शाखा, नई दिल्ली, जानबूझकर डिफॉल्टकर्ता की फोटो प्रकाशन
जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा निम्नांकित व्यक्तियों को बैंक / रिज़र्व बैंक ऑफ इण्डिया के दिशा-निर्देशानुसार निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए जानबूझकर डिफॉल्टकर्ता घोषित किया गया है।

नाम:
1. मैसर्स एनसीएमएल इंडस्ट्रीज लि.
2. श्री मनीष जैन

बैंक ने उक्त व्यक्तियों को जानबूझकर डिफॉल्टकर्ता घोषित करने के निर्णय सम्बंधी उपयुक्त संचार भेजा था।
रिज़र्व बैंक ऑफ इण्डिया के निर्देशानुसार जनसाधारण की सूचना के लिए बैंक जानबूझकर डिफॉल्टकर्ता की फोटोग्राफ प्रकाशित करता है।

मुख्य प्रबंधक, बैंक ऑफ बड़ौदा

अपहृत की तलाश

राज

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एक लड़का जिसका नाम राज पिता मनोज वर्मा पता- मकान नं. ए-3/184, नन्द नगरी, दिल्ली जो अपने घर नन्द नगरी से अपहृत है। इस संदर्भ में प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 163/19 दिनांक 07.04.2019 धारा 363 भा.द.स. के तहत थाना नन्द नगरी, दिल्ली में दर्ज है।
अपहृत लड़के का ब्यौरा इस प्रकार है:
नाम : राज पिता का नाम : श्री मनोज वर्मा उम्र : 17 साल, कद : 5 फीट 5 इंच रंग : गोरा चेहरा : लम्बा, बनावट : पतला, पहनावा : लाल और काले रंग का चेकदार शर्ट और काला लोअर और पैरों में सफेद स्पोर्टस जूता
अगर किसी व्यक्ति को इस बारे में कोई जानकारी / सूचना मिले तो कृपया निम्नलिखित फोन नम्बरों पर सूचित करें।

वेबसाइट : http://cbi.nic.in
ई-मेल : cic@cbi.gov.in
फैक्स : 011-24368639
फोन : 011-24368638, 24368641

थानाध्यक्ष
नन्द नगरी, दिल्ली
फोन: 011-22137761
8750870730

DP/7009/NE/19

यूको बैंक UCO BANK
(भारत सरकार का उपक्रम) (A Govt. of India Undertaking)
अंचल कार्यालय, रिकवरी विभाग, प्रथम तल, 5, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001 फोन: 011-49498269, 49498261

शुद्धि पत्र

कृपया 09.05.2019 को इस समाचार पत्र में प्रकाशित 10.06.2019 को अचल सम्पत्तियों की बिक्री के लिए ई-नीलामी बिक्री सूचना (सरफेसी अधिनियम, 2002 के तहत) के विज्ञापन का संदर्भ लें। क्रम सं. 19 में आसफ अली रोड शाखा के मोईनुद्दीन सिद्दिकी खाता में सम्पत्ति के विवरण में एच नं. 3/198 की बजाय "एच नं.3/199, केवल दूसरा तल (छत के अधिकार के साथ) बसुन्धरा, सेक्टर-3, गाज़ियाबाद, उ0प्र0-201010" माप 430 वर्गफीट पढ़ा जाए। अन्य विवरण यथावत रहेंगे।

(प्राधिकृत अधिकारी, यूको बैंक)

क्षेत्रीय निदेशक
उत्तरी क्षेत्र के समक्ष
कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुच्छेद 13 के मामले में
और
जेबीएम प्रोजेक्टस एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड के मामले में
पंजीकृत कार्यालय 601, हेमकुंट चैम्बर्स, 89, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली -110019
(CIN: U45200DL2008PTC178619)
..............याचिकाकर्ता

सूचना
ऊपर वर्णित नामक याचिकाकर्ता ने कंपनी का पंजीकृत कार्यालय रा.रा.क्षे. दिल्ली से गुजरात राज्य में स्थानानांतरित करने के लिये संगम ज्ञापन के उपबंध II में बदलाव करने के लिये सोमवार, 27 मई, 2019 को हुई असाधारण आम सभा में एक विशेष संकल्प पारित किया।
कंपनी के पंजीकृत कार्यालय का बदलाव, जो कि क्षेत्रीय निदेशक (उत्तरी क्षेत्र) / अन्य उपयुक्त प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित किया जाना अपेक्षित है, प्रचालनों के प्रबंधन के लिये अधिक सुविधाजनक और किफायती माना जाता है। इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से एक माह के बाद, ज़रूरी याचिका क्षेत्रीय निदेशक (उत्तरी क्षेत्र) के समक्ष दायर की जायेगी। कोई भी व्यक्ति जिसका हित संगम ज्ञापन में प्रस्तावित बदलाव से प्रभावित होने की संभावना है, वह हित की प्रकृति और याचिका के विरोध के आधार के साथ, यदि कोई है, इस सूचना के प्रकाशन की तिथि के इक्कीस दिनों के भीतर क्षेत्रीय निदेशक (उत्तरी क्षेत्र), बी-2, दूसरा तल, पर्यावरण भवन, सीजीओ काम्पलेक्स, नई दिल्ली-110003 को सूचित कर सकता है, आपत्तियां, यदि कोई है, मूल रूप में ऊपर वर्णित कंपनी के पंजीकृत कार्यालय को एक प्रति के साथ उपर्युक्त क्षेत्रीय निदेशक को भेजी जानी चाहिये।

कृते जेबीएम प्रोजेक्ट्स एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड
हस्ता/-
(विनय माहेश्वरी)
निदेशक

स्थान: गुरुग्राम, हरियाणा
दिनांक:27.05.2019

Bank of Baroda बैंक ऑफ़ बड़ौदा
जेडओएसएआरबी, 8वीं मंजिल, बैंक ऑफ बड़ौदा भवन
16, संसद मार्ग, नई दिल्ली 110001, भारत
फोन: +91 11 23448840, 23448841, ई-मेल : armdel@bankofbaroda.com

ZOSARB/ND/2019/2072 — दिनांक: 24.05.2019

1. मैसर्स बांके बिहारी ट्रेडिंग कंपनी IX-7198, महावीर गली, गांधी नगर, दिल्ली -110031
2. श्री नितिन अरोड़ा : एच -4/12, कृष्णा नगर, विजय चौक के पास, दिल्ली -110051

आपके खाते मैसर्स बांके बिहारी ट्रेडिंग कंपनी और उसके प्रोपराइटर श्री नितिन अरोड़ा को इरादतन चूककर्ता के रूप में घोषणा।

हम 31.12.2015 को नामित वाले खाते मैसर्स बांके बिहारी ट्रेडिंग कंपनी और इसके प्रोपराइटर श्री नितिन अरोड़ा को इरादतन चूककर्ता के रूप में घोषित करने के लिए अपनी वेबसाइट bankofbaroda.com को संदर्भित करते हैं।
इस निष्कर्ष के बाद कि कंपनी ऋणदाता को इसके भुगतान / पुनर्भुगतान को पूरा करने में असफल रही है और फंड का उपयोग कहीं और कर लिया है एवम फंड को विशेष उद्देश्य के लिए प्रयोग नहीं किया गया है जिसके लिए वित्त लिया गया था, न ही अन्य संपत्तियों के रूप में यूनिट के साथ यह फंड उपलब्ध है, इन परिस्थितियों में, बैंक के इरादतन चूककर्ता पर कार्यकारी समिति (सीओई) द्वारा अपनी बैठक में कंपनी व इसके मालिक को इरादतन चूककर्ता के रूप में घोषित करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।
उपर्युक्त परिस्थितियों में, इरादतन चूककर्ता पर बैंक की समीक्षा समिति द्वारा अपनी बैठक में, कार्यकारी समिति के निर्णय को सुनिश्चित करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है।
इस प्रकार नियत प्रक्रिया का पालन करने के बाद, आपकी फर्म और उसके प्रोपराइटर को इरादतन चूककर्ता घोषित करने का निर्णय लिया गया है।
यह आपकी जानकारी के लिए है।

हस्ता / –
मुख्य प्रबंधक
बैंक ऑफ बड़ौदा, जेडओएसएआरबी, नई दिल्ली

दिनांक: 01.06.2019
स्थान: नई दिल्ली

ओरियन्टल बैंक ऑफ कामर्स (भारत सरकार का उपक्रम)
शाखा कार्यालय : न्यू रेलवे रोड गुरुग्राम
TEL.: (0124)-2326899, 2320446
E-MAIL : bm0071@obc.co.in

ORIENTAL BANK OF COMMERCE
(A GOVT. OF INDIA UNDERTAKING)
Branch Office : New Railway Road, Gurugram
TEL. : (0124)-2326896, 2320446
E-MAIL : bm0071@obc.co.in

Under Rule 8(1) of Security Interest (Enforcement) Rules 2002

POSSESSION NOTICE
(For Immovable Property)

Whereas the undersigned being the authorized officer of the Oriental Bank of Commerce under Securitization and Reconstruction of Financial Assets and Enforcement of Security Interest Act, 2002(54 of 2002) and in exercise of powers conferred under section 13(12) read with rule 9 of the Security Interest (Enforcement) Rules 2002 issued **demand notice dated 10.12.2018** of B/o Retail Asset Group, Gurgaon calling upon the **SH. Mahavir Saini(A/c No. 00717015003851) B/O- New Railway Road, Gurgaon** to repay the amount mentioned in the notice being **Rs. 836726.39** (Eight Lakh thirty six thousand seven hundred twenty six and thirty nine only) as on 30.11.2018 in Housing Loan Account (TLA/c) Within 60 days from the date of receipt of the said notice.
The borrower having failed to repay the amount, notice is hereby given to the borrower and the public in general that the undersigned has taken possession of the property described herein below in exercise of powers conferred on him/her under section 13(4) of the said Act read with rule 9 of the said rule on this **28th Day of May of the year 2019.**
The borrower in particular and the public in general is hereby cautioned not to deal with the property and any dealings with the property will be subject to the charge of the Oriental Bank of Commerce for an amount of **Rs. 836726.39, /-*** (Eight Lakh thirty six thousand seven hundred twenty six and thirty nine only) as on 30.11.2019 besides interest and other charges / expenses against each account.

Description of Immovable Property:
Primary-EQM of commercial shop No-6, on ground floor saket Commercial Complex, 56/9, New Railway Road Gurugram admeasuring 176sqft Gurgaon (Haryana), standing in the name of Sh. Mahavir Saini s/O Govind which is surrounded as East: Bhatnager Hospital West: Gautam Welding Shop, north: New Railway Road, South : Subhash Nagar.
* Plus further interest and expenses thereon till the realization of full and final amount.

Date- 28-05-2019
Place-New Railway Road,Gurgaon

Authorized Officer
Oriental Bank of Commerce

ऋण वसूली अधिकरण-I, दिल्ली
4था तल, जीवनतारा बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001

ओ.ए.नं. 852/2018

बैंक ऑफ महाराष्ट्र (आवेदक) बनाम श्री मनदीप सिंह एवं अन्य (प्रतिवादीगण)

सेवा में: 1. मै. रुद्र बिल्डवेल होम्स प्रा.लि. (प्रति. सं. 03), पंजी. कार्यालयः डी-53, ओखला फेज-1, नई दिल्ली-110020, साथ हीः ए-66, सेक्टर-63, नोएडा-201301

जैसा कि ऊपर नामित आवेदक ने रु. 44,86,285/- (रुपये चौआलिस लाख छियासी हजार दो सौ पचासी मात्र) की वसूली के लिये आपके विरुद्ध एक मामला शुरू किया है तथा जैसा कि इस अधिकरण की संतुष्टि के लिये यह साबित हो चुका है कि आपको सामान्य तरीके से सर्व करना संभव नहीं है। अतएव, विज्ञापन के माध्यम से इस सूचना के द्वारा आपको निर्देश दिया जाता है कि 10.7.2019 को 10.30 पूर्वा. में के समक्ष उपस्थित हों। ध्यान रहे कि उपरोक्त तिथि को इस अधिकरण के समक्ष उपस्थित नहीं होने पर मामले की सुनवाई तथा निर्णय आपकी अनुपस्थिति में ही की जायेगी। मेरे हाथ से तथा अधिकरण की मुहर लगाकर आज, 3 मई, 2019 को दी गई।

अधिकरण के आदेश से, रजिस्ट्रार के लिये

क्षेत्रीय निदेशक
उत्तरी क्षेत्र के समक्ष
कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुच्छेद 13 के मामले में
और
फरीदाबाद प्रैसवैल प्राइवेट लिमिटेड के मामले में
पंजीकृत कार्यालय 24, अशोका चैम्बर्स, 5-बी राजिंद्र पार्क, पूसा रोड, नई दिल्ली -110060
(CIN: U74899DL1986PTC024546)
..............याचिकाकर्ता

सूचना
ऊपर वर्णित नामक याचिकाकर्ता ने कंपनी का पंजीकृत कार्यालय रा.रा.क्षे. दिल्ली से गुजरात राज्य में स्थानानांतरित करने के लिये संगम ज्ञापन के उपबंध II में बदलाव करने के लिये सोमवार, 27 मई, 2019 को हुई असाधारण आम सभा में एक विशेष संकल्प पारित किया।
कंपनी के पंजीकृत कार्यालय का बदलाव, जो कि क्षेत्रीय निदेशक (उत्तरी क्षेत्र) / अन्य उपयुक्त प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित किया जाना अपेक्षित है, प्रचालनों के प्रबंधन के लिये अधिक सुविधाजनक और किफायती माना जाता है। इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से एक माह के बाद, ज़रूरी याचिका क्षेत्रीय निदेशक (उत्तरी क्षेत्र) के समक्ष दायर की जायेगी। कोई भी व्यक्ति जिसका हित संगम ज्ञापन में प्रस्तावित बदलाव से प्रभावित होने की संभावना है, वह हित की प्रकृति और याचिका के विरोध के आधार के साथ, यदि कोई है, इस सूचना के प्रकाशन की तिथि के इक्कीस दिनों के भीतर क्षेत्रीय निदेशक (उत्तरी क्षेत्र), बी-2, दूसरा तल, पर्यावरण भवन, सीजीओ काम्पलेक्स, नई दिल्ली-110003 को सूचित कर सकता है, आपत्तियां, यदि कोई है, मूल रूप में ऊपर वर्णित कंपनी के पंजीकृत कार्यालय को एक प्रति के साथ उपर्युक्त क्षेत्रीय निदेशक को भेजी जानी चाहिये।

कृते फरीदाबाद प्रैसवैल प्राइवेट लिमिटेड
हस्ता/-
(राजेश गोयनका)
निदेशक

स्थान: गुरुग्राम, हरियाणा
दिनांक:27.05.2019

एमबीएल इंफ्रास्ट्रक्चर्स लिमिटेड
CIN : L27109DL1995PLC338407
पंजीकृत व कारपोरेट कार्यालय : बानी कारपोरेट वन, सूट नं0 308, तृतीय तल, प्लॉट नं0 5, कॉमर्शियल सेंटर, जसोला, नई दिल्ली- 110025
फोनः +91-11-48593300, फैक्स : +91-11-48593320, www.mblinfra.com, ई-मेलः cs@mblinfra.com

31 मार्च, 2019 को समाप्त तिमाही व वर्ष हेतु स्टैण्डएलोन एवं समेकित लेखापरीक्षित वित्तीय परिणाम का विवरण

(₹ लाख में प्रति शेयर डाटा उपार्जन छोड़कर)

क्रम सं0	विवरण	स्टैण्डएलोन			समेकित		
		समाप्त तिमाही 31.03.2019 (अंकेक्षित)	समाप्त वर्ष 31.03.2019 (अंकेक्षित)	समाप्त तिमाही 31.03.2018 (अंकेक्षित)	समाप्त तिमाही 31.03.2019 (अंकेक्षित)	समाप्त वर्ष 31.03.2019 (अंकेक्षित)	समाप्त तिमाही 31.03.2018 (अंकेक्षित)
1	परिचालन से कुल आय	2,446	22,832	26,557	3,390	24,099	57,670
2	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/ (हानि) (कर, विशिष्ट और/ अथवा असामान्य मद पूर्व)	(1,406)	148	(7,380)	(2,043)	(2,183)	(15,176)
3	कर पूर्व अवधि हेतु शुद्ध लाभ/ (हानि) (विशिष्ट और/अथवा असामान्य मद उपरांत)	(29,777)	(28,223)	32,833	(30,414)	(30,554)	1,208
4	कर उपरांत अवधि हेतु शुद्ध लाभ/ (हानि) (विशिष्ट और/अथवा असामान्य मद उपरांत)	(29,535)	(24,124)	30,185	(30,212)	(26,387)	1,909
5	अवधि हेतु कुल समग्र आय [अवधि (कर उपरांत) तथा अन्य समग्र आय (कर उपरांत) हेतु लाभ/(हानि) शामिल]	(29,570)	(24,115)	30,240	(30,247)	(26,378)	1,969
6	इक्विटी शेयर पूंजी	10,475.46	10,475.46	4,145.46	10,475.46	10,475.46	4,145.46
7	आरक्षित	--	--	--	--	--	--
8	प्रति शेयर उपार्जन (असामान्य मद पूर्व/ उपरांत) (रु. 10/- प्रत्येक) (I) मूल	(1.37)	4.87	(24.06)	(34.60)	2.28	(34.77)
	(II) द्रवित	(33.83)	(27.60)	72.95	(34.56)	(30.19)	4.75

टिप्पणियां :
1. उपर्युक्त विवरण सेबी (सूचीयन देयताएं एवं प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियमन, 2015 के नियम 33 के तहत स्टॉक एक्सचेंजों को दाखिल किए गए 31 मार्च, 2019 को समाप्त तिमाही एवं वर्ष हेतु स्टैण्डएलोन एवं समेकित वित्तीय परिणाम का सारांश है। विस्तृत लेखापरीक्षित स्टैण्डएलोन एवं समेकित वित्तीय परिणाम स्टॉक एक्सचेंजों की वेबसाइट (www.bseindia.com तथा www.nseindia.com) तथा कंपनी की वेबसाइट www.mblinfra.com/financial results.php पर उपलब्ध है।
2. उपर्युक्त वित्तीय परिणाम, जो सेबी (सूचीयन देयताएं एवं प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियमन, 2015 के नियम 33 के साथ पठित सेबी परिपत्र दिनांक 5 जुलाई 2016 के अनुरूप तैयार किए गए हैं, कि समीक्षा अंकेक्षण कमेटी के सदस्यों की ओर से की गई है तथा तदोपरांत 30 मई, 2019 को आयोजित बैठक में निदेशक मंडल के सदस्यों की ओर से उसका अनुमोदन एवं अभिलेखन किया गया है। वैधानिक अंकेक्षकों की ओर से उपर्युक्त परिणाम का अंकेक्षण किया गया है।
3. पूर्ववर्ती अवधि/ तिमाही के आंकड़ों को आवश्यकतानुसार पुनर्वर्गीकृत/ पुनर्समूहित/ रद्दोबदल किया गया है।

वास्ते **एमबीएल इंफ्रास्ट्रक्चर्स लिमिटेड**
अंजनी कुमार लाखोटिया
चेयरमैन व प्रबंध निदेशक
(DIN 00357695)

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 30 मई, 2019

दूसरी नज़र

■ पी चिदंबरम

यह सबका विकास कैसे हो सकता है

भारी जनादेश हमेशा वरदान नहीं होता, एक कमजोर विपक्ष शासन को कहीं ज्यादा मुश्किल बनाता है और लगातार दूसरी पारी शासकों को कोई बहाना बनाने का मौका नहीं देती। मुझे विश्वास है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जनता की भारी-भरकम उम्मीदों से पूरी तरह वाकिफ हैं और उन्होंने अपनी मंत्रिपरिषद पर इसके लिए बड़ी जिम्मेदारी रख दी है। उनके पहले कार्यकाल को देखते हुए मुझे पक्का भरोसा है कि वे इस चुनौती को पूरा करने के लिए हरसंभव कदम उठाएंगे।

इसमें दो अड़चनें हैं। पहली तो यह कि भारत में चीजों को करने का तरीका पुराना ढर्रा लिए हुए है। दूसरी यह कि लोगों के विभिन्न वर्गों के प्रतिस्पर्धी दावों में गरीबों, सबसे कमजोर तबके, सबसे ज्यादा वंचितों और शोषितों की आवाज दब गई है। हमारा अनुभव यह रहा है कि शासनकाल के आखिर में पुराने ढर्रे वाले तरीकों से वक्त और सम्मान ही बढ़ा है, और गरीब, कमजोर, वंचित और शोषित अब भी गरीब, कमजोर, वंचित और शोषित ही बने हुए हैं।

वक्त की कसौटी और नाकामी

अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत मोदी को पुराने ढर्रे को ध्वस्त करने से करनी चाहिए। मोदी के मित्र अरविंद पनगड़िया और वेंकटेश कुमार ने इसके ये तरीके बताए हैं-

'उनके (श्री मोदी के) शासन मॉडल में मुख्य बात सचिवों के समूहों की नियुक्ति रही, इनमें सचिवों के हर समूह को आर्थिकी के प्रमुख क्षेत्रों में आने वाले साल में लागू की जाने वाली परियोजनाओं, कार्यक्रमों और नीतियों के प्रस्तुतिकरण का काम सौंपा गया... एक बार अंतिम रूप दे दिए जाने के बाद ये प्रस्तुतिकरण आगामी वर्षों के लिए प्रमुख क्षेत्रों के लिए रोडमैप बन गए।'

इसके बाद लेखक सचेत करते हैं-

'लेकिन जब यह बात क्रांतिकारी सुधारों पर आती है तो यह दृष्टिकोण, तरीका ज्यादा कारगर नहीं रह जाता है। परियोजनाओं और कार्यक्रमों को लेकर नौकरशाह काफी सचेत रहते हैं। यहां तक कि जब वे नीति में बदलावों का प्रस्ताव रखते हैं तो थोड़ा-थोड़ा करके ही आगे बढ़ते हैं और कामचलाऊ से ज्यादा बमुश्किल ही कभी कुछ हो पाता है।'

मैं उनसे पूरी तरह सहमत हूं। हालांकि मैं उनके वैकल्पिक तरीके से सहमत नहीं हूं। गौर से देखें तो पता चलता है कि यह अलग नहीं है। वैकल्पिक मॉडल में मिशन प्रमुख मंत्री का स्थान ले लेगा, सलाहकार सचिव की जगह ले लेगा और नौजवान पेशेवर संयुक्त सचिवों और उनकी टीम का स्थान ले लेंगे!

विकेंद्रीकरण ही कुंजी

ऐसे में नतीजे स्वच्छ भारत और उज्ज्वला के नतीजों से अलग नहीं होंगे। स्वच्छ भारत के मामले में कड़वी सच्चाई यह है कि भारत के किसी भी बड़े राज्य (गुजरात को छोड़ कर) ने खुले में शौच से मुक्ति की घोषणा नहीं की। ऐसे शौचालयों का प्रतिशत कितना है, जो बनने के बाद भी उपयोग नहीं किए गए या उपयोग करने लायक नहीं हैं? उज्ज्वला के मामले में सफलता या नाकामी का सबूत लाभार्थी द्वारा खरीदे गए सिलेंडर को एक साल में भरवाने की औसत संख्या है, क्या यह निराश करने वाली तीन या आदर्श आठ है? आपको भी इसके जवाब पता हैं, जैसे कि मुझे हैं।

क्रांतिकारी सुधार केवल क्रांतिकारी नीतियों और लीक से हट कर काम के जरिए ही असर दिखा सकते हैं। 1991 से 1996 के बीच हमने लाल किताब को आग के हवाले कर दिया था और विदेश व्यापार को पूरी तरह से बदल डाला था। हमने विदेशी मुद्रा विनिमय कानून को छोड़ दिया था और विदेशी मुद्रा कोष को तेजी से बढ़ाया। उद्योगों के लाइसेंस की प्रथा को खत्म किया और उद्यमियों की एक नई पीढ़ी खड़ी कर दी। शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण सड़कों व परिवहन के मामले में मोदी को कुछ ऐसा ही ठोस करने की जरूरत है। स्कूली शिक्षा के मामले में वे कांग्रेस के घोषणापत्र से भी कुछ ले सकते हैं और इसे राज्य सूची का विषय बना कर, राज्यों को पैसा देकर स्वतंत्रता दे सकते हैं, ताकि वे कुछ नया कर सकें और प्रतिस्पर्धी बन सकें। लोग अपनी-अपनी राज्य सरकारों से समय के भीतर अच्छे नतीजों की मांग करेंगे और उन्हें इसके नतीजे भी मिलेंगे।

एक प्रमुख विचार विकेंद्रीकरण का है। इसके छोटी अवधि वाले नतीजे, हो सकता है संतोषजनक न हों, लेकिन मध्यम और दीर्घअवधि में अच्छे शासन वाले राज्य आज की तुलना में बेहतर नतीजे देंगे और इससे राज्यों में भी लोगों की अच्छे शासन की मांग बढ़ेगी। विकेंद्रीकरण से सबसे तेजी से और सबसे ज्यादा लाभ प्राथमिक और माध्यमिक स्तर पर स्वास्थ्य, पेयजल, स्वच्छता, अक्षय ऊर्जा, बिजली वितरण आदि में मिलेगा।

डॉ. सुब्रमनियन की सेवाएं लें

दूसरी सबसे मुश्किल चुनौती बेहद गरीबों को लेकर है। क्योंकि ये सबसे गरीब हैं, इसलिए साक्षरता, स्वास्थ्य सूचकांकों, आवास, स्वच्छता, खाद्य और जल की खपत और सार्वजनिक वस्तुओं तथा सेवाओं में पहुंच के मामले में भी सबसे निचले पायदान पर हैं। गांव में भी आप इन्हें एकदम किनारे पर ही पाएंगे। गरीब राज्यों में आप पाएंगे कि सारे गांव ऐसी ही आबादी से भरे पड़े हैं। हमें यह स्वीकार करना चाहिए कि सरकारों ने विकास की प्रक्रिया में भारत के बेहद गरीब बीस फीसद लोगों को दरकिनार कर दिया। जो मंत्री और अफसर गांवों का दौरा करते हैं और कार्यक्रमों का निरीक्षण करते हैं वे मुख्य सड़क पर ही रुक जाते हैं या फिर रोक दिए जाते हैं। बेहद गरीब तक पहुंचने का एक ही तरीका है कि वे अपनी सहायता खुद कर सकें, इसमें उनकी मदद की जाए, उनमें उम्मीदें जगाएं, और इस उम्मीद का उनके दिलों और घरों में असर दिखाई दे, उन्हें गरीबी की जकड़ से बाहर निकालें और उनकी स्थिति सुधारें। प्रधानमंत्री-किसान योजना इसलिए मददगार नहीं होगी, क्योंकि बहुत थोड़े से किसान हैं जिनके पास अपनी थोड़ी-सी जमीन है, बाकी ज्यादातर तो खेतिहर मजदूर या दूसरे श्रमिक हैं, और बड़ी संख्या में मजदूर शहरों और महानगरों में रह रहे हैं। नीति में बदलाव से धन के सीधे हस्तांतरण से बुनियादी आय सुनिशिचत होगी। मोदी डा. अरविंद सुब्रमनियन के इस विचार को श्रेय दे सकते हैं और उन्हें वापस बुला कर विभाग का मुखिया बना सकते हैं ताकि वे योजना को तैयार कर उसे लागू कर सकें।

अगर हम छह-सात फीसद की सालाना वृद्धि दर पर ही घिसटते रहे तो कोई खास बदलाव नहीं होने वाला। अगर हम मौजूदा नीतियों को ही तोड़ते-मरोड़ते रहे और प्रशासनिक तंत्र की ठोका-पीटी करते रहे तो कुछ भी नहीं बदल पाएगा। अफसरों को असीमित अधिकारों से लैस करते जाने या लोगों को मुकदमे और जेल की धमकियां देते रहने से तो और ज्यादा नुकसान ही होगा। रूपांतरकारी बदलाव लाने का सबसे कारगर हथियार यही है कि लोगों को सशक्त बनाएं और उनके मन में, उद्योग और क्षमता में भरोसा पैदा करें।

आ अब लौट चलें

तीरंदाज

■ अश्विनी भटनागर

> वास्तव में चुनौतियों के डर से हम शहर में आकर छिप जाते हैं। रोटी का बहाना बनाते हैं और उस चूहे की तरह बन जाते हैं, जिसे रोटी तो दिखती है, पर पिंजरा नहीं दीखता, जिसमें रोटी रखी हुई है। रोटी पर जल्दी से झपट्टा मारने के चक्कर में हम पिंजरे में कैद हो जाते हैं।

कुछ दिनों से एक गाना गर्मी की लू से उठे छोटे से चक्रवात की तरह दिमाग में घूम रहा है। मैं कह नहीं सकता कि यह ज्यादा मन का बवंडर है या फिर दिमाग मट्ठा हो गया है, पर इतना जरूर जानता हूं कि यह एक भूत की तरह मेरे पीछे पड़ गया है।

जब मैं कच्ची उम्र का था, तो गर्मियों में मेरी दादी मुझे दोपहर में घर के सामने मैदान में जाने से मना करती थी। वह कहती थी कि दोपहर में बाहर जाने से भूत चिपट जाता है और वह बच्चों की तबियत ही नहीं खराब कर देता, बल्कि उन्हें पागल भी कर देता है। जरा-सी खिड़की खोल कर वे बाहर दिखाती थीं, जहां मैदान की तपती जमीन से एकाध बवंडर बल खाते हुए कागज, पत्ते और तिनकों को फर्श से उठा कर अर्श तक ले जाने की कोशिश कर रहे होते थे। दादी कहती, वो देखो भूत है। नाच रहा है। उसे बच्चों की तलाश है और जैसे ही तुम बाहर जाओगे, वह तुम पर चढ़ कर नाचने लगेगा। मैं और मेरे भाई भूत से चश्मदीद होने के बाद डर जाते थे और गर्मी भर घर में दुबके रहते थे।

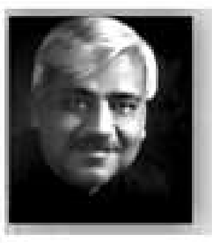

हम जिस छोटे शहर में रहते थे, वहां जेठ और आषाढ़ में अक्सर आंधी आती थी। जब धूल से आसमान भर जाता था, तो पीली आंधी आती थी। काले बादलों के बीच उठी आंधी को काली आंधी कहा जाता था। उस जमाने में आंधियां सिर्फ काली और पीली होती थीं। पीली को केसरिया आंधी कहने का चलन नहीं था।

खैर, जो गाना रह रह कर मन में उबाल मार रहा है, वह राज कपूर की एक पुरानी फिल्म 'जिस देश में गंगा बहती है' से है। फिल्म का सीन तो मुझे पूरी तरह से याद नहीं है, पर 'आ फिर लौट चलें... नैन बिछाए... बाहें पसारे... तुझको पुकारे देस तेरा' की पुकार एक गहरी बांझ घाटी से उठी गूंज की तरह मन मानस से बार-बार टकरा कर लौट रही है। 'आ अब लौट चलें' की सरगम और उसमें बसे शब्द दिमाग में ठीक उसी तरह का बवंडर उठाए हुए हैं जैसा कि मेरी दादी मुझे जेठ की गर्मी में दिखाया करती थी। उस बवंडर में जिस तरह से कागज के टुकड़े और तिनके लिपटे रहते थे, उसी तरह इस गाने ने भी कई फर्श पर अनदेखे पड़े खयालात को झिंझोड़ कर उठ खड़े होने पर मजबूर कर दिया है। 'आ अब लौट चलें... तुझको पुकारे देस तेरा' की हूक घुमड़-घुमड़ कर दिल में उठ रही है।

कुछ साल पहले मैं गांव गया था। अपना खेत-खलिहान, अपनी नहर, बड़े से आंगन वाला मकान और उसमें बना बैल घर, जिसके साथ में सटी हुई दो गायों की गौशाला को छोड़े हमारी कम से कम तीन पुश्तें गुजर चुकी हैं। पड़बाबा छोटे-मोटे जमींदार थे और उन्होंने बच्चों को शिक्षा के लिए शहर भेजा था। बच्चे ऐसा शहर गए कि लौट के ही न आए। गांव के घर की पगडंडी उनके इंतजार में ऐसी सूखी कि अब उसका मलबा ही घर के खंडहर तक जाने का पता देता है। पर जब एक बार असाइनमेंट के सिलसिले में उस इलाके में जाना हुआ, तो गांव जाने का मन हो गया था।

गांव मैं पहुंच तो गया, पर किसके पास जाता? अपने आने की खबर जिले के पुलिस कप्तान के जरिए ग्राम प्रधान तक पहले ही पहुंचवा दी थी, सो कई लोग पंचायत घर में जमा हो गए थे। वे मेरे आने को कोई सरकारी दौरा समझ कर स्वागत के लिए तैयार थे। मैं अपने गांव को पहचान नहीं पाया था। ड्राइवर ने बताया कि हम पहुंच गए हैं। बचपन से लेकर इस उम्र तक की दूरी इतनी लंबी थी कि बीच के रास्ते के सभी स्मृतिचिह्न मिट गए थे। मैं गांव के लिए अजनबी था और गांव मुझसे अनजान था।

ग्राम प्रधान ने सारा इलाका घुमाया। कहीं दूर याद में एक पोखरिया उभरी। प्रधान से पूछा उसके बारे में। उसने सिर खुजलाया और फिर मेरी जिज्ञासा शांत करने के लिए बुजुर्गों से पूछा। हां, कभी थी, उन्होंने बताया। जमाना हो गया उसे सूखे हुए। रेत का मैदान है अब वहां। और नहर? है, मगर गांव की दलबंदी ने उसे इतने घाव दे दिए हैं कि उसका पानी उतर चुका है। कुओं का भी। गांव की नालियां ही सिर्फ भरी हुई हैं, बाकी सब सून है।

अपने गांव में घूमते हुए कई खयाल घुमड़ने लगे। मैंने अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के साथ पानी, स्वछता, स्वास्थ, शिक्षा आदि पर दर्जनों गोष्ठियां और प्रोजेक्ट किए हैं। बेहतरीन प्रेजेंटेशन देखे हैं और सारगर्भित विचारों पर चिंतन किया है। मैंने अपने से पूछा, मैं अपने से पराए हुए गांव से अंतरंग संबंध पुनः स्थापित क्यों नहीं कर लेता? मैंने और पड़ताल करनी शुरू कर दी।

सब हालात सुन कर लगा गांव एक बड़ी चुनौती है। बहुत कुछ अपने पर लेना पड़ेगा। दूसरे शब्दों में, अपनी जिम्मेदारी खुद ही निभानी पड़ेगी। शहर में तो मैं लगभग सब कुछ सरकार से लेकर हाउसिंग सोसाइटी के पदाधिकारियों पर डाल कर उन्हें कोस लेता हूं और फिर अपने हाथ झाड़ कर खड़ा हो जाता हूं। पर गांव में ऐसा नहीं कर पाऊंगा। पोखर में फिर से पानी लाना या स्कूल को नया रूप देना लंबा काम है, जिसमें हर रोज मेहनत करनी होगी। इसमें प्रेजेंटेशन और डिस्कशन से काम नहीं चलेगा, हाथ में फावड़ा और कुदाल लेकर जुटना पड़ेगा। मैं डर गया। अपने आप से बहाना किया और शहर भाग आया।

वास्तव में चुनौतियों के डर से हम शहर में आकर छिप जाते हैं। रोटी का बहाना बनाते हैं और उस चूहे की तरह बन जाते हैं, जिसे रोटी तो दिखती है, पर पिंजरा नहीं दीखता, जिसमें रोटी रखी हुई है। रोटी पर जल्दी से झपट्टा मारने के चक्कर में हम पिंजरे में कैद हो जाते हैं। और फिर छटपटाते रहते हैं।

मैं गांव के परिश्रम से भागा हुआ अभागा हूं। वहां की चुनौतियों के सामने पुरुषार्थ करने से मैं कन्नी काट आया हूं। सरलीकरण का शहरी बन गया हूं। धूप से बच कर कृत्रिम ठंडक में दुबक गया हूं। 'बाहें पसारे... तुझको पुकारे देस तेरा' की पुकार हूक जरूर मरती है, पर मैं फौरन ही उसका वॉल्यूम शून्य पर कर के अपने को ट्रैफिक की चिंघाड़ में डुबा देता हूं। मेरा गांव मेरे पुरुषार्थ के लिए तरसता रहेगा। मैं भूत हो गया हूं, इसीलिए मेरे गांव का कोई भविष्य नहीं है। मेरे मन के बवंडर में वास्तव में कोई घास नहीं है।

कांग्रेस के दिन

वक़्त की नब्ज़

■ तवलीन सिंह

> कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद राहुल गांधी ने बहुत बार कहा है कि उनकी प्राथमिकता है संगठन को मजबूत करना। सवाल है कि ऐसा उन्होंने किया क्यों नहीं?

कहा जाता है मेरे बारे में कि मैं निष्पक्ष पत्रकार नहीं हूं। कहा जाता है कि कांग्रेस पार्टी का मैं कुछ ज्यादा विरोध करती हूं और नरेंद्र मोदी की भक्ति जरूरत से ज्यादा। यह आरोप कुछ हद ठीक भी है। मैंने कांग्रेस पार्टी का विरोध किया है दशकों से, लेकिन इस विरोध के कारण हैं, जिनको मैं सही मानती हूं। जबसे मैं पत्रकार बनी हूं तबसे मुझे कांग्रेस में बुराइयां ज्यादा दिखी हैं, अच्छाइयां बहुत कम। एक तो वंशवाद के खिलाफ हूं पूरी तरह, लेकिन कारण और भी हैं। इत्तेफाक से मेरी पहली नौकरी स्टेट्समैन अखबार में लगते ही इंदिरा गांधी ने इमरजंसी लगा दी थी, जिसके लगते ही जाने-माने पत्रकारों को जेल में डाल दिया गया था, सिर्फ इसलिए कि उन्होंने श्रीमती गांधी के उस कदम को गलत बताने की हिम्मत दिखाई थी।

इमरजंसी की आड़ में इंदिरा गांधी ने कांग्रेस पार्टी को अपने बेटे संजय के हवाले कर दिया था और सरकार को भी। मंत्रियों को हटाने का अधिकार दे दिया था इंदिरा गांधी ने अपने बेटे संजय को, जिसने उस समय तक कभी चुनाव तक नहीं लड़ा था। ज्यादतियां और भी थीं उस दौर में, जिनको मैंने अपनी आंखों से देखा। दिल्ली में तुर्कमान गेट पर पुरानी मुगल बस्तियों को तोड़ने के लिए जब बुलडोजर भेजे गए संजय गांधी के आदेश पर, मैं वहां थी। यहां के निवासियों को जब यमुना पार बंजर जमीनों में फेंका गया बरसात के मौसम में, मैंने उनका हाल अपनी आंखों से देखा। पुरानी दिल्ली में जब नसबंदी के लिए जबर्दस्ती उठाया जाता था बुजुर्गों और नौजवानों को, मैं गवाह थी।

कश्मीर और पंजाब की राजनीतिक समस्याओं की शुरुआत हुई कांग्रेस की गलत नीतियों के कारण और इनको गंभीर राष्ट्रीय समस्या में तब्दील होते हुए मैंने करीब से देखा। यह भी देखा कि जब चीन जैसे मार्क्सवादी देश अपनी आर्थिक नीतियों में उदारता ला रहे थे, इंदिरा गांधी उन्हीं समाजवादी आर्थिक नीतियों पर अड़ी रहीं, जिनके कारण यह देश गरीब रहा है। इन नीतियों को राजीव गांधी ने आगे बढ़ाया है और सोनिया गांधी ने भी। सो, जब नरेंद्र मोदी ने देश में परिवर्तन और विकास लाने के वादे किए और कुछ हद तक खरे उतरे इन वादों पर, तो मेरा समर्थन उनको मिला है बिलकुल वैसे जैसे इस चुनाव में देश के मतदाताओं का मिला है। मोदी की समर्थक आज भी हूं, लेकिन यह भी मानती हूं कि लोकतंत्र तभी सही ढंग से चलता है जब विपक्ष कमजोर नहीं होता।

आज कांग्रेस की हालत इतनी कमजोर है कि उनको सलाह देना मैं अपना फर्ज मानती हूं। अगर राहुल गांधी वास्तव में कांग्रेस को पुनर्जीवित करना चाहते हैं, तो उनको पहले मालूम करना चाहिए कि जमीन पर कांग्रेस के कार्यकर्ता क्यों नहीं दिखते हैं आज। एक समय था जब हर गांव में हुआ करते थे सेवा दल के ईमानदार, मेहनती लोग जो हर आपदा में नजर आते थे लोगों की सहायता करते। आज ग्रामीण भारत में जब घूमती हूं तो मुझे कहीं नहीं दिखते हैं ये सफेद गांधी टोपी पहने कार्यकर्ता। जबसे ऐसे लोग गायब होने लगे हैं, तबसे कांग्रेस कमजोर होने लगी है, खासकर इसलिए कि इनकी जगह ले ली है दरबारियों ने, जो राजनीति में आए हैं अपने परिवार की सेवा करने, जनता की सेवा करने नहीं। सुना है कि राहुल गांधी ने चुनाव हारने के बाद खुद माना कि उनके मुख्यमंत्री दिल्ली में बैठ कर अपने बेटों के लिए टिकट हासिल करने का काम कर रहे थे अपने राज्यों में, चुनाव प्रचार करने के बजाय।

कांग्रेस की सभ्यता अब दरबारियों की बन गई है और इस दरबार की ऊर्जा है वंशवाद। सोनिया गांधी के दौर में वंशवाद कांग्रेस की जड़ों तक पहुंच चुका है, सो अब सरपंच भी तभी हटते हैं अपने पद से, जब अपने किसी वारिस को उस पर बिठा लेते हैं। सो, उन लोगों को राजनीति में आने का मौका तक नहीं मिलता है, जो सेवा भाव से आना चाहते हैं। ऐसा होने से कई तकरीबन सारे विपक्षी दल कमजोर हुए हैं, लेकिन कांग्रेस का कमजोर होना लोकतंत्र को सबसे ज्यादा कमजोर करता है, क्योंकि वही एक राजनीतिक दल है, जो राष्ट्रीय स्तर पर नरेंद्र मोदी को चुनौती दे सकता है।

रही बात कांग्रेस की सेक्युलर विचारधारा की, तो यह कमजोर हुई है इतनी कि राहुल गांधी अपने आप को जनेऊधारी ब्राह्मण साबित करने में लगे रहे चुनाव अभियान से पहले ही। उनकी बहन जब सक्रिय राजनीति में उतरीं तो जहां गईं, पहले किसी मंदिर में दर्शन करने गईं। सो, शायद मुसलमानों ने इस बार मोदी को वोट ज्यादा दिया है, क्योंकि उनको लगने लगा होगा कि इन दोनों दलों में जो अंतर था कभी, अब नहीं रहा है। सो, मोदी को क्यों न दिया जाए वोट, जिसने कुछ हद तक उनके गांवों में परिवर्तन ला कर तो दिखाया है।

कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद राहुल गांधी ने बहुत बार कहा है कि उनकी प्राथमिकता है संगठन को मजबूत करना। सवाल है कि ऐसा उन्होंने किया क्यों नहीं? संगठन को मजबूत करने के बदले उन्होंने सिर्फ अपने परिवार को मजबूत करने पर ध्यान दिया है और अपने दरबार में ऐसे सलाहकारों को नियुक्त करने पर ध्यान दिया है, जिन्होंने कभी चुनाव लड़ा ही नहीं है। ऊपर से इन सलाहकारों में अहंकार इतना दिखा है कि उनके हर वक्तव्य ने कांग्रेस को थोड़ा और कमजोर किया है। सैम पित्रोदा अब गायब हो गए हैं और शायद गायब रहेंगे, लेकिन उनका 'हुआ तो हुआ' वाला बयान भुलाना मुश्किल है। पित्रोदा का यह बयान तो इतना चल रहा है कि मैंने जब एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता से पार्टी की हार के बारे में पूछा, उसने हंस कर कहा 'हुआ तो हुआ'।

हिंदी को पीटना बंद करें

बाखबर

■ सुधीश पचौरी

> सबके पास होती है दूरदर्शन से उधार ली खबर, लेकिन बेचते ऐसे हैं, जैसे वह उन्हीं की लाई खबर हो! जिस तरह सब्जी वाला बेचता है सब्जी पर पानी मार मार कर, उसी तरह हमारे चैनल बेचा करते हैं दूरदर्शन से उधार ली खबर पानी मार मार कर।

साल भर सबसे आगे रहने वाला आपका चैनल दिखाएगा आपको सबसे पहले हर पल शपथ ग्रहण समारोह की खबर।

- सबसे प्रामाणिक और सबसे जल्दी खबर देगा आपका यह प्रिय चैनल कि किसका भाग्य खुलेगा?

- अरे, वो क्या देगा असली खबर! वह भी सबसे तेजी से देंगे हम, बस कृपा बनाए रहिए, देखते रहिए हमें। एक से एक विशेषज्ञ बताएंगे आपको हर खबर के अंदर की बात।

- ये है आपका लाडला नंबर वन चैनल। दूरदर्शन हमें लाइव फीड देगा, उसे लेकर हम आपको बताएंगे कि किसके भाग्य में क्या लिखा है?

इस तरह पहली खबर देने वाला रहा दूरदर्शन और उससे उधार लेकर बताने वाले रहे निजी चैनल।

तब भी हर चैनल दावा करता रहा कि हम देंगे सबसे पहले भव्य शपथ ग्रहण समारोह की सबसे पहली खबर!

सबके पास होती है दूरदर्शन से उधार ली खबर, लेकिन बेचते ऐसे हैं, जैसे वह उन्हीं की लाई खबर हो!

जिस तरह सब्जी वाला बेचता है सब्जी पर पानी मार मार कर, उसी तरह हमारे चैनल बेचा करते हैं दूरदर्शन से उधार ली खबर पानी मार मार कर।

पापी पेट के वास्ते क्या क्या नहीं करना पड़ता? सुबह सजधज कर कैमरों के आगे आकर सिर्फ बोलते रहना है कि आज बनेगा इतिहास। आप बने रहिए हमारे साथ इतिहास के गवाह कि कौन बनेगा मंत्री, कौन बनेगा नंबर दो, नंबर तीन, चार...

तीस मई के दिन सारे चैनल यही कयास भिड़ाने में लगे रहे और जब शपथ ग्रहण समारोह हो चुका तो करने लगे व्याख्याएं कि किसे क्या मिलेगा?

शपथ समारोह के दौरान समूचा राष्ट्रपति भवन और प्रांगण तिरंगी रौशनियों में नहाया रहा। एक से एक नामी मेहमानों को कैमरे दिखाते और कहते कि ये आ रहे हैं केजरीवाल और मनीष सिसोदिया, ये रहे पूर्वमंत्री जी! देखो इनको क्या मिलता है? ये हैं वहां के राज्यपाल जी, ये रहे कल्याण सिंह जी, ये रहे रजनीकांत, ये रहीं कंगना रनौत और ये ये वो वो वो... ये आ रही हैं सुषमा जी! क्या मंत्री बनने वाली हैं वे?

कमेंटेटर अपनी कल्पना दौड़ाते रहे। ये रहे मॉरीशस के महामहिम, ये बांग्लादेश के, ये श्रीलंका के... पाकिस्तान का पत्ता बिम्स्टेक देशों ने काटा!

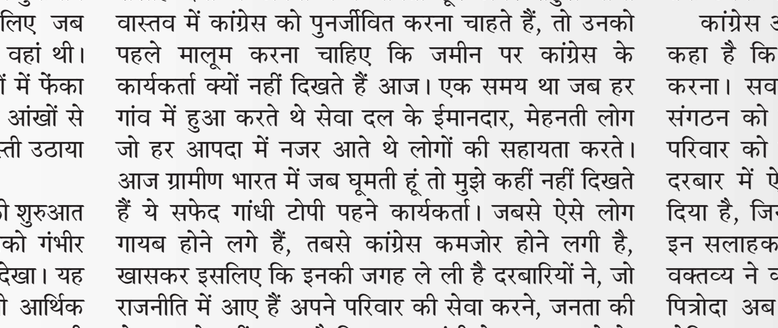

समारोह से पहले तक यह खबर चौंकाती रही कि शपथ ग्रहण समारोह में ममता दीदी पधारेंगी, फिर जैसे ही एक चैनल ने खबर दिखाई कि इस समारोह में बंगाल की चुनावी हिंसा में मारे गए चौवन भाजपा कार्यकर्ताओं के परिजन भी आएंगे, तो ममता जी का आना 'बायकाट' में बदल गया। एक अंग्रजी एंकर व्यर्थ में रोता रहा कि शपथ ग्रहण में भी राजनीति की जा रही है! लेकिन भैये! कहां नहीं हैं राजनीति?

इसके बरक्स राहुल, सोनिया और मनमोहन सिंह को शपथ ग्रहण समारोह में आया देख अच्छा लगा, लेकिन राहुल के रकीब उन एंकरों का कोई क्या करे, जो राहुल की देहभाषा पर ही आपत्ति करने लगे कि देखो वे किस तरह बैठे हैं?

इससे पहले कई एंकर और रिपोर्टर राहुल के इस्तीफे का घटाटोप बनाते रहे, फिर पूछते रहे कि इस्तीफा दिया कि नहीं दिया। कुछ कहते कि दिया था, लेकिन वापस ले लिया। फिर बताने लगते कि वापस नहीं लिया, लेकिन उसे सीडब्लूसी पर छोड़ा। कुछ एंकर फिर भी मजाक उड़ाते रहे कि राहुल का इस्तीफा राहुल ही मान सकते हैं। फिर चुटकी लेते रहे कि कुछ लोग राहुल को मनाने का नाटक कर रहे हैं और ये देखो कुछ हृष्टपुष्ट कांग्रेसी भूख हड़ताल पर भी बैठे हैं। एक एंकर ने राहुल के लिए एक सही शब्द दिया कि वे 'कोप भवन' में हैं! फिर खबर बनी कि राहुल नए अध्यक्ष के बनने तक अध्यक्ष बने रहेंगे।

परिणामों के तुरंत बाद संसद के केंद्रीय कक्ष में मोदी जी का भाषण एक यादगार भाषण रहा। 'सबका साथ सबका विकास' के साथ ज्यों ही उन्होंने 'सबका विश्वास' और जोड़ा कि 'चिर अविश्वासियों' के कान खड़े हो गए। तिस पर एमपी के कुछ लिंचरों ने अपनी नई लिंचलीला से उनको हथियार दे दिया।

एक अंग्रेजी एंकर ने इन लिंचरों से बातचीत भी दी। लिंचरों ने अपने चेहरे रूमाल से ढंके हुए थे, लेकिन वे एकदम बेखौफ होकर बोलते दिखते थे कि लोग जब बीफ ले कर जाते हैं, तो हमें गुस्सा आता है, हम उनको ठोक देते हैं... आप ठोकने वाले कौन होते हैं, के जवाब में एक बोला कि हम प्रशासन को खबर देते हैं। तब ठोकते क्यों हैं? तो बोला कि हम इनको ठोकेंगे। एंकर परेशान होकर कहता रहा कि जब ऐसों को मंत्री माला पहनाते हैं, तो इनके हौसले बढ़ जाते हैं। अंत में उसने इनको देसी 'कू क्लक्स क्लान' का नाम दिया!

इसी बीच हरियाणा में एक और 'हेट क्राइम' हो गया। एक युवक को उसकी टोपी के लिए पीटा गया। फिर खबर पर लीपापोती होती दिखी कि यह 'हेट क्राइम' न होकर 'तू तू मैं मैं' का मामला था।

सौ शुभ समाचारों को बेकार करने के लिए ऐसा एक अशुभ समाचार ही काफी होता है। एक कुघटना सारे सीन को बिगाड़ कर रख देती है। जब कोई कुघटना खबर बन कर टीवी के जरिए नाना हाथों में पड़ती है, तो उसके मानी 'अनंत' और 'अनियंत्रित' हो उठते हैं! आपके नेक इरादे भी अगले पल संदेहास्पद बताए जाने लगते हैं।

चुनाव परिणाम आने के तुरंत बाद एक दाक्षिणात्य दल के मार्फत एक अंग्रेजी चैनल ने लाइन दी कि 'इंडिया इज नॉट ए हिंदी स्पीकिंग स्टेट'!

सत्यवचन महाराज! भारत अगर 'हिंदी राज्य' नहीं है, तो वह 'तमिल राज्य' भी नहीं है और न वह 'अंग्रेजी राज्य' ही है।

जब चुनाव के परिणामों पर बस न चला, तो हिंदी को ही ठोक दिया! बिना हिंदी के इस देश को चला लोगे क्या? इसीलिए हम विनती करते हैं कि हिंदी को पीटना बंद करें प्लीज!

किताबें मिलीं

कुली लाइन्स

यह इतिहास है विश्व के सबसे बड़े पलायन और आप्रवास का, जो लगभग भुला दिया गया। लाखों लोग समंदर से जहाज पर भेजे गए, ऐसे कागजों पर हस्ताक्षर करवा कर, जिन्हें न वे समझ सकते थे, न पढ़ सकते थे। कहानी एक विशाल साम्राज्य के लालच की और हिंदुस्तानियों के संघर्ष की। हिंदुस्तान से दूर कई हिंदुस्तानों की।

हिंद महासागर के रियूनियन द्वीप की ओर 1826 ई. में मजदूरों से भरा जहाज बढ़ रहा था। यह शुरुआत थी भारत की जड़ों से लाखों भारतीयों को अलग करने की। क्या एक विशाल साम्राज्य के लालच और हिंदुस्तानियों के संघर्ष की यह गाथा भुला दी जाएगी? एक सामंतवादी भारत से अनजान द्वीपों पर गए ये अंगूठा-छाप लोग आखिर किस तरह जी पाएंगे? उनकी पीढ़ियों से हिंदुस्तानियत खत्म तो नहीं हो जाएगी?

लेखक पुराने आर्काइवों, भिन्न भाषाओं में लिखे रिपोर्ताजों और गिरमिट वंशजों से यह तफ्तीश करने निकलते हैं। उन्हें षड्यंत्र और यातनाओं के मध्य खड़ा होता एक ऐसा भारत नजर आने लगता है, जिसमें मुख्य भूमि की वर्तमान समस्याओं के कई सूत्र हैं। मॉरीशस से कनाडा तक की फाइलों में ऐसे कई राज दबे हैं, जो ब्रिटिश सरकार पर गैर-अदालती सवाल उठाते हैं। और इस जिम्मेदारी का अहसास भी कि दक्षिण अमेरिका के एक गांव में भी वही भोजन पकता है, जो बस्ती के एक गांव में। 'ग्रेट इंडियन डायस्पोरा' आखिर एक परिवार है, यह स्मरण रहे। इस किताब की यही कोशिश है।

कुली लाइन्स : प्रवीण कुमार झा; वाणी प्रकाशन, 4695, 21-ए, दरियागंज, नई दिल्ली; 299 रुपए।

जो दिखता नहीं

जीवन की विकट दुरूहताओं को अपने अनोखे कथा शिल्प से मनोवैज्ञानिक पड़ताल राजेंद्र दानी की सृजनात्मकता निकष है। पिछले लगभग चालीस वर्षों से कथा लेखन में अनवरत सक्रिय शीर्षस्थ कथाकार राजेंद्र दानी का यह पहला उपन्यास 'जो दिखता नहीं' के केंद्र में एक ऐसा निम्न मध्यवर्गीय परिवार है, जो पिछले तीन दशक में अपने तमाम संघर्षों के बलबूते अपनी विपन्नता, अपने अभाव, अपने वर्गीय तनाव, अपने संत्रास और अपनी तमाम तरह की निराशाओं से कथित रूप से उबर तो गया, पर नए और उन्नत दर्जे में पहुंच जाने के बाद उसे पता भी न चला कि कब एक अदृश्य संक्रमण के बाद उसे भव्यता और संपन्नता की लालसा में एक रसहीन और प्राणहीन जीवन को अपना लिया है, जहां एक नई अर्थहीनता की शुरुआत हो रही है, जहां कथित शिखर में निहित एक बीहड़ ढलान है और जहां शेष जीवन की अस्मिता भयावह रहस्यमयता के दुर्दमनीय शिकंजे में बुरी तरह फंस चुकी है।

अपने इस आख्यान में राजेंद्र दानी ने न केवल इस काल विशेष में अवतरित भूमंडलीकरण और उदारीकरण के दौर में चिह्नित इन भीषण, भयावह जीवन स्थितियों के नेपथ्य में निहित अदृश्य कारकों की शिनाख्त की है, बल्कि उसे अपने रचना कौशल से संप्रेषणीय और पठनीय भी बनाया है।

जो दिखता नहीं : राजेंद्र दानी; भारतीय ज्ञानपीठ, 18 इंस्टीट्यूशनल एरिया, लोदी रोड, नई दिल्ली; 270 रुपए।

पोले झुनझुने

यह अर्पण कुमार की आज के संश्लिष्ट यथार्थ की शिनाख्त करती कविताओं का संकलन है। यकीनन, यह ऐसी 'अर्द्धरात्रि' है, जब अंधेरा ही कुछ के लिए रोशनी है। वही उनकी ताकत है और वही उनका सुकून। यह हकीकत डराती है कि उन्हें उजाले की दरकार नहीं है। कवि ने अंधेरे को अलग-अलग कोणों से देखा और चीन्हा है, यहां तक कि वह दिल्ली को भी अंधेरे में देखना चाहता है, अलबत्ता उसे पता है कि अंधेरे में दिल्ली का चेहरा फक दिखेगा।

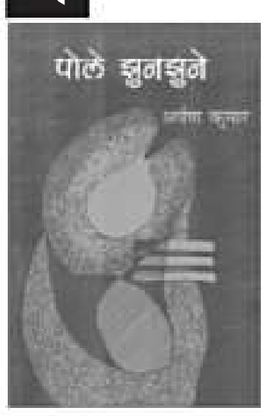

स्वीकार और स्वाद की धीमी आंच पर सींझने की ख्वाहिश, कवि को अलग पायदान पर खड़ा कर देती है। उसका यह गर्वीला कथन है कि 'मैंने किसी को नहीं दिया हक कि कोई मेरे गले की नाप ले।' उसका आत्म-केंद्रीयता या तुनकमिजाजी से वास्ता नहीं है। वह आततायियों, वधिकों और तानाशाहों के खिलाफ है। ऐसी कविताएं, आधुनिक पारदियों की बेहिचक शिनाख्त करती हैं। पोले को पोला कह कर कवि उस बच्चे की कतार में जा खड़ा होता है, जो राजा को नंगा कहने का साहस रखता है।

इन कविताओं में वैविध्य है। कवि प्रेम का आकांक्षी है और प्रेमाकुल भी। इस हिंस्र, असहिष्णु और अराजक समय में प्रेम किसी ताकत, यकीन और आश्वस्ति से कम नहीं है। प्रेम करते हुए निश्चिंत होना इसी विश्वास का प्रतिफल है। यह अकारण नहीं है कि धूप की उष्ण गोद, कवि के लिए सर्वाधिक निरापद और गर्म कोना है। अर्पण कुमार ने जागने की क्रियाओं को बड़े फलक पर उकेरा है। उनके चाक्षुष बिंब आकर्षित करते हैं। यकीनन, जागना दुनिया की सबसे खूबसूरत क्रिया है। वह बदलाव का प्रस्थान बिंदु भी है। इसी क्रम में कवि के लिए धूप से खूबसूरत कोई दूसरा उपहार नहीं है। वह जानता है कि घर न हो तो कहीं भी जाया जा सकताहै। 'हैव नॉट' के साथ खड़े इस कवि के लिए 'हैव नॉट' होना, सिर धुनने या हताशा या अवसाद का वायस नहीं है। वह 'नदी के बराबर एक और नदी उतारने' का ख्वाहिशमंद है।

पोले झुनझुने : अर्पण कुमार; लोकमित्र, 1/6588, पूर्वी रोहतास नगर, शाहदरा, दिल्ली; 250 रुपए।

उजाले की मौत

कंप्यूटर युग में कंप्यूटर के समान ही गुणग्राही है लघुकथा। आपको विश्व की कोई भी जानकारी चाहिए, दुनिया के किसी भी कोने में संदेश प्रेषित करना है- इंटरनेट पलों में आपकी समस्या का समाधान कर देता है। इसी प्रकार आज के व्यस्त जीवन से कुछ क्षण चुराकर आप साहित्य की लघु परंतु विशाल आयामों को सकेंद्रित करती इस विधा के माध्यम से बौद्धिक रसपान का आनंद ले सकते हैं।

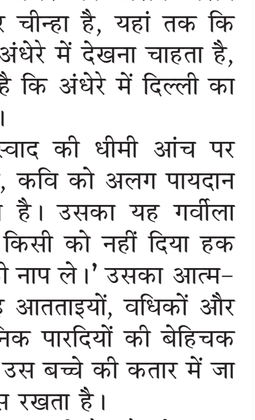

प्रसिद्ध कथाकार अशोक गुजराती की लघुकथाएं इस मापदंड पर पूरी तरह खरी उतरती हैं। इनमें उन्होंने अलग-अलग विषयों को उठाया है। समाज में व्याप्त विडंबनाओं पर व्यंग्यात्मक प्रहार करने की कला में वे निष्णात हैं। इन सभी लघुकथाओं को अद्यतन चर्चित एवं निष्पादित श्रेष्ठ लघुकथा के लिए आवश्यक पैमानों की कसौटी पर आप कस कर देखें तो पाएंगे कि हर दृष्टि से ये सारी रचनाएं परिपूर्ण हैं।

इन लघुकथाओं से गुजर कर उनके अंत को आत्मसात करने के पश्चात पाठक को ऐसा लगेगा, जैसे वह पर्वतारोहण के किसी अभियान पर निकला हो और शिखर पर पहुंचकर खुले आसमान के नीचे अपने फेफड़ों को ताजा हवा से उत्फुल्ल कर आत्मिक संतुष्टि तथा प्रफुल्लता की अनुभूति का अनुभव कर रहा हो। विकलता भरा उसका यही संतोष निर्धारित करता है इन लघुकथाओं के रचयिता की यशस्विता का!

उजाले की मौत : अशोक गुजराती; ग्रंथ अकादमी, भवन संख्या-19, पहली मंजिल, 2, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली; 350 रुपए।

रंगमंच का नया दौर

रंगमंच को जीवन का एक अनिवार्य अंग माना जाता है। मगर इसके साथ ही यह भी कहा जाता रहा है कि रंगमंच तो शौकिया करने की चीज है, इससे जीवन यापन की संभावनाएं नहीं बनतीं। हालांकि जबसे रंगकर्म को अनुदान, वजीफे आदि मिलने लगे हैं और फिल्मों में रंगमंच के लोगों का प्रवेश बढ़ा है, तबसे यह एक बढ़िया कमाई का क्षेत्र माना जाने लगा है। इसके साथ ही इस क्षेत्र में कई विकृतियां भी आई हैं, वास्तविक रंगकर्म को कई चुनौतियों का सामना भी करना पड़ रहा है। इसके बावजूद रंगमंच की प्रासंगिकता बनी हुई है। रंगमंच खुद अपनी चुनौतियों से पार पाने के उपाय तलाशता नजर आ रहा है। इस बार की चर्चा इसी पर। - संपादक

रंगमंच में पेशा और पेशेवर रंगमंच

सत्यदेव त्रिपाठी

यह रोजी-रोटी प्रधान युग है। इसी का प्रताप है कि थिएटर-कला के प्रेमी आज रोजगार की दृष्टि से बात कर ले रहे हैं, वरना कहा जाता रहा है कि थिएटर रोजगार की चीज नहीं, शौकिया करने की चीज है। उससे जीवन-यापन नहीं हो सकता, उसे पेशे के रूप में नहीं अपनाया जा सकता।

मगर मराठी में लोगों ने यह परंपरा बनाई है- बनाए रखी है। वे आज भी दर्शक के पास अपना नाटक लेकर जाते हैं, दर्शकों में लगाव और ललक जगाते हैं। थिएटर की भाषा में इसे भ्रमणशील नाटक (टूरिंग थिएटर) कहते हैं, जिसकी मराठी में सैकड़ों सालों से चली आती परम्परा है कि ये लोग गांवों-गिरावों तक जाकर नाटक करते हैं। आज भी कर रहे हैं। ऐसी ही परंपरा हिंदी में भी थी। पारसी थिएटर कंपनियों के साथ और आजादी के बाद भी कानपुर की नौटंकियों और 'दरभंगा थिएटर' आदि में। पर वह लुप्त हो गई। उसी तरह बंद हुए बाजार-दर-बाजार शामियाना लगा कर होते थिएटर, जिनके प्रचार दिन भर होते रिक्शे पर माइक लेकर और देखने उमड़ते चारों तरफ के गांव वाले। लेते चवन्नी-अठन्नी के टिकट। यही था थिएटर का रोजगार और सही था। तब जरूरतें कम थीं, इरादे नाट्यमय थे। तब लखपती बनने, एसी कार में चलने, विशाल बंगलों में रहने की चाहत भी न थी। आज ऐसा होता, तो न रोजगार की चर्चा होती, न चिंता। आज की पीढ़ी और भावी पीढ़ियां खोलें थिएटर का यह सदर दरवाजा, तो रोजगार की सही और अच्छी संभावना तो बनेगी ही, पुनर्जीवित होगी थिएटर की वह लुप्तप्राय परंपरा भी। सबसे बड़ी बात कि थिएटर आम दर्शक तक पहुंचेगा, जो कला का असली श्रेय-प्रेय होता है।

पहले की पीढ़ी में नसीरुद्दीन शाह, ओम पुरी, अनुपम खेर जैसे लोग रहे, जो प्रेरक बने थे। आज तो आ गई हैं वेब शृंखलाएं, जो और दुधारू साबित हो रही हैं। अच्छा कमा रहे हैं थिएटर के बच्चे और इसके लिए मुंबई जाने की जरूरत भी नहीं। ये सब थिएटर के ही गौण उत्पाद हैं। सो, थिएटर के ही रोजगार हुए। शायद तब 1970 के दशक में इतने मालूमात नहीं थे, इतना खुला आसमान नहीं था। वैसे तब भी प्रायोगिक सिनेमा के आंदोलन, उसके बाद टीवी पर तमाम चैनलों के खुलने और एटनबरो की फिल्म 'गांधी' के साथ थिएटर के लोगों की पर्दे के माध्यम पर जोरदार उपस्थिति ने सीढ़ी तो क्या, एक उपयोगी कार्यशाला का काम किया और तब से ही यह थिएटर जगत फिल्म उद्योग के लिए आपूर्तिकर्ता के रूप में बड़ा रोजगार बन गया। अब यह बढ़ता जा रहा है।

इसी सह-संबंध के चलते एक नया चलन शुरू होता दिख रहा है कि जब फिल्म में ही जाना है, तो थिएटर के साथ फिल्म से भी परिचित क्यों न किया-कराया जाए! लिहाजा, थिएटर वाले भी नाटक की कार्यशाला के साथ फिल्म-आस्वाद के कार्यक्रम भी कार्यशाला की ही तरह करने लगे हैं। नाट्य कार्यशाला थिएटर की भी हो, तो आते हैं फिल्म वाले ही, जो थिएटर को दगा देकर पर्दे पर चले गए हैं। इसी तरह रंगमंडल आज नाट्योत्सवों के बदले फिल्मोत्सव कर रहे हैं- बहुधंधी युग की बहुउद्देशीय वृत्ति को सार्थक कर रहे हैं। इन्हीं समारोही आयोजनों-कार्यक्रमों में छिपा है आज के थिएटर का असली रोजगार। नाट्य-पेशे की और पेशेवर (रोजगारी) होते नाट्य की मुख्यधारा आज यही है।

इसकी शुरूआत आजाद भारत के संविधान और व्यवस्था बनने के साथ हुई। लेकिन तब उसमें समारोही आयोजन इस तरह शामिल न थे। तब संस्कृति मंत्रालय के तहत नृत्य-संगीत-नाट्य और लोककलाएं आदि सभी को आगे बढ़ाने की योजनाएं बनीं और यह सब सीखने-सिखाने, करने-कराने के लिए अनुदान निर्धारित हुए। सभी प्रदेशों की राजधानियों में इन सबकी अकादमियां बनीं, जिनमें निर्देशक, अध्यक्ष, सचिव, सलाहकार, समितियों के सदस्य आदि तमाम पद निकले। इन सबके लिए बड़े-बड़े कलाकारों को राजधानी बुलाया गया और आजीविका का मामला वहीं से तभी से चल निकला। इसमें नाटक करने वालों के लिए विविध किस्म के अनुदान तय हुए। नाट्यमंडल बनाने-चलाने के लिए अनुदान,

चर्चा

चित्र: अशोक भौमिक

थिएटर जितना पेशा-पैसा कमा रहा है, उतना पेशेवर नहीं हो रहा है। पेशेवर होने का मूल मतलब आर्थिक आत्मनिर्भरता नहीं, अनुशासित और अच्छा काम होता है- यानी पेशेवर होने का सही मतलब काम से ही है, बेच कर पैसा कमाने से नहीं।

उसमें कलाकारों के लिए वेतन-अनुदान, निर्मितियों के लिए निर्माण अनुदान आदि जैसे तमाम प्रावधान बने। इस तरह की सहायताओं से चल रहे या बिना सहायताओं के भी चलने वाले रंगमंडल अपने सालाना नाट्योत्सव मनाते थे। अपने ही चुने हुए नाटकों के एकाधिक प्रदर्शनों को समारोही माहौल में करते थे- उत्सव मनाते थे। मगर इसमें रोजगारपरकता या व्यावसायिकता कैसे आई!

विभिन्न कलाओं के विकास की शृंखला में अकादमियों के समांतर ही नाटक के लिए खासतौर पर राष्ट्रीय नट्य विद्यालय का खुलना रंगक्षेत्र में युगांतकारी परिघटना सिद्ध हुआ है। इसमें निःशुल्क ही नहीं, जेबखर्ची वेतन (स्टाइपेंड) के साथ तीन सालों का प्रशिक्षण शुरू हुआ और उसके बाद विद्यालय का रंगमंडल भी बना। विद्यालय से निकले स्नातकों में से ही कुछ चयनित लोग इस रंगमंडल में वेतनभोगी रंगकर्मी के रूप में लिए जाने लगे। इस तरह कलाकार की आजीविका के अवसर बढ़े और कलाकर्म के प्रति समर्पण भाव से काम करने के लिए जरूरी निश्चिंतता भी बढ़ी- उन्मुक्त होकर नाटक करने के दिन आए। इसके अलावा नाट्य-विद्यालय के ढेरों स्नातक धीरे-धीरे रानावि के ढेरों विस्तारित पाठ्यक्रमों के रूप में पूरे देश में थिएटर को बढ़ावा देने के लिए बनी योजनाओं से भी कलाकर्म के साथ अपना जीवन-यापन करने लगे।

मगर अचानक रानावि में राष्ट्रीय स्तर का नाट्योत्सव शुरू हो गया- 'भारंगम'। पूरे देश से प्रविष्टियां मंगा कर समिति द्वारा चयन होने लगा। ठाठ से रहने, आरामदेह आवागमन के साथ फीस भी काफी अच्छी। एकाध साल तो नाटक चले नाटक की तरह, फिर 'नाटक' होने शुरू हुए- घमासान मच उठी। भारंगम से नाटक नहीं, नाटक के चयनित होने और उसकी सुविधाओं-प्राप्तियों पर तानें टूटने लगीं। समीकरण बनने लगे। फिर सारे रंग मंडलों को नाट्योत्सव के लिए अनुदान मिलने लगे, जिसमें भारी बंदरबांट होने लगी। इस तरह नाट्योत्सव-फिल्मोत्सव, नाट्य-कार्यशालाएं और फिल्म-आस्वाद के कार्यक्रम आदि समान लोभ-मोहों के ही रूप हैं।

आजकल ऐसे सारे आयोजन मिल कर थिएटर(वालों) की आय के अच्छे-खासे बड़े स्रोत बन गए हैं। कई थिएटर समूह वाले आज इसी के भरोसे पल-बढ़ रहे हैं। छोटे शहरों के अफसरान भी इस दीवानगी से परे नहीं हैं। उनके आने से समूह और कार्यक्रम का रुतबा भी बढ़ता है। वे मुख्य या विशिष्ट अतिथि आदि के रूप में पधारते हैं। सरकारी फंड से कुछ अनुदान-विज्ञापन आदि दे-दिला देते हैं। दोनों एक दूसरे के पूरक बन जाते हैं। इस प्रभाव के चलते थिएटर के लिए बड़े क्षेत्रफल की जमीनें वगैरह भी मिल जाने की संभावनाएं बनती हैं। कुल मिलाकर थिएटर एक उद्योग-प्रतिष्ठान का जरिया बनने की तरफ तेजी से आगे बढ़ रहा है।

अलकाजी साहब और बव कारंत के जमाने में रानावि और भारत भवन ने जो काम किए, वे इतिहास के स्वर्णिम पन्नों में दर्ज हैं। पर आज इन अनुदानों के खेल में काम की गुणवत्ता घटती जा रही है। अनुदान पाने वालों की फेहरिस्त, उन्हें अनुदान मिलने की बारंबारता, आने वाले अतिथियों की सूची आदि देखने से असलियत का पता लग जाएगा कि कुछ है, जो नाटकेतर है। प्रस्तुतियां देखने पर तो यकीन हो जाता है।

इस प्रक्रिया से थिएटर जितना पेशा-पैसा कमा रहा है, उतना पेशेवर नहीं हो रहा है। पेशेवर होने का मूल मतलब आर्थिक आत्मनिर्भरता नहीं, अनुशासित और अच्छा काम होता है- यानी पेशेवर होने का सही मतलब काम से ही है, बेच कर पैसा कमाने से नहीं। और कहना होगा कि यह भी हर क्षेत्र में हो रहा है। शोधछात्र किताबों में उतना सर नहीं खपाता, जितना अपने शोध निर्देशक की भक्ति में। प्राध्यापक उतनी पढ़ाई नहीं करता, जितना प्रोजेक्ट और पदोन्नति पाने के जुगाड़।

याद आते हैं फिर हबीब साहब जैसे लोग, जिन्होंने अनुदान से काम किए जरूर, पर वे लोग रंगकर्म के शैदाई रहे। थिएटर की प्रकृति भी ऐशो-आराम की नहीं। यह उसका मकसद नहीं, फितरत नहीं। लेकिन जिन ईहाओं के लिए ये लोग थिएटर के गलियारे की सीढ़ियों पर चले और चल रहे हैं, वे सीढ़ियां अगर इन महलों के सिंह-द्वार खोल रही हैं, तो ये लोग उसे नहीं छोड़ेंगे, थिएटर छोड देंगे। इस तरह थिएटर के लिए खोले जा रहे और अब खुल चुके रोजगार के ये रास्ते थिएटर को ही बेरोजगार कर देने के लक्षण दिखा रहे हैं। पेशेवर न होकर ये पेशा (धंधा) बनते जा रहे हैं। अनुदानों के ऐसे वरदानों के जलजलों के लिए ही पुराणों में भस्मासुरी वरदान की मिसालें गढ़ी गई हैं। ये वरदान भी उसी रास्ते की तरफ तेजी से कदम बढ़ा रहे हैं।

रंगमंच की नई चुनौतियां

मीना बुद्धिराजा

जब तक व्यक्ति है, मानवीय चेतना और सृष्टि है, तब तक रंगमंच खत्म नहीं हो सकता। यह अनवरत क्रियाशील, सार्थक और समसामयिक यथार्थ की अभिव्यक्ति का उत्कृष्ट माध्यम बना रहा, जिसमें समय-समय पर कथ्य, निर्देशन, अभिनय, रंगशिल्प और नाटकों की मंचीयता को लेकर नए बदलाव आते रहे हैं। स्वतंत्र भारत में भी रंगमंच को समकालीन जीवन और समाज से गहराई से जोड़ने की प्रवृत्ति निरंतर बनी रही। भारतीय रंगमंच विविध रंग छवियों का कोलाज बना रहा, जिसमें परंपरा और आधुनिकता का, संस्कृत नाटशास्त्र के तत्त्व 'रस' और पाश्चात्य के 'संघर्ष' का विविधताओं और बहुलताओं का प्रासंगिक रूप से समन्वय होता रहा है।

रंगमंच को आधुनिक मूल्यों की ओर ले जाने के लिए रंग आंदोलन में हबीब तनवीर, रतन थियम, विजय तेंदुलकर और गिरीश कर्नाड जैसे नाटककारों और रंग कर्मियों ने भारतीय रंगशैली की नौटंकी जैसी परंपराशील जड़ों और लोक से जोड़ने का सार्थक प्रयास किया, जो बहुत सफल और लोकप्रिय रहा। इसके समानांतर और साथ ही महानगरीय मध्यवर्गीय आधुनिकता से जुड़े यथार्थवादी रंगमंच का दौर गतिशील होता रहा, जो नाटकों में आधुनिक जीवन के तनाव, व्यक्ति और समाज के अंतर्विरोधों तथा विसंगतियों को सशक्त और जीवंत रूप में प्रस्तुत कर सकता था। इसी तरह नब्बे के दशक के बाद भारतीय रंगमंच में स्त्री नाटककारों और स्त्री रंग-निर्देशकों का रंगकर्म उभर कर आया, जिसने स्त्री-सशक्तिकरण और जेडंर की समानता की प्रक्रिया को प्रस्तुत करने के लिए समाज में स्त्री की पहचान और स्वतंत्र अस्मिता के प्रश्नों को उठा कर रंगमंच पर शिल्प और वस्तु दोनों को व्यापक स्तर पर बदला। ये सभी नए प्रयोग और रंगमंच में नए बदलाव समसामयिक परिवेश और उससे जुड़े गंभीर प्रश्नों के रूप में सामने आए।

निस्संदेह नाटक और रंगमंच साहिय की सबसे जीवंत विधा के रूप में हमेशा प्रासंगिक रहा, जो दर्शकों से सीधा जुड़ कर उनसे प्रत्यक्ष संवाद करता है। नाटक अपनी मूल प्रकृति और स्वभाव से ही सत्ता और व्यवस्था-विरोधी होता है और साधारण जनसामान्य के संघर्ष, सामाजिक समस्याओं, ज्वलंत मुद्दों से जुड़े प्रश्नों को उठा कर असहमति और प्रतिरोध की आवाज बनता है। जनसाधारण और आम जनता से सीधे और सार्थक संवाद का यह माध्यम समाज में एक व्यापक और सकारात्मक बदलाव की रूपरेखा भी तैयार करता है। इसलिए नाटक और रंगमंच तात्कालिक प्रभाव का हथियार न होकर उसके सार्वकालिक और स्थायी प्रभाव तथा परिवर्तन को लेकर समाज में एक बड़ा दायित्व निभाता है। अपने समय की सभी संकीर्णताओं, असहिष्णुता और अन्याय के विरुद्ध लोकतंत्र में असहमति और प्रतिरोध की प्रखर आवाज उठाने का साहस और जोखिम भी रंगमंच अपने तरीके से रंगदृष्टि और प्रस्तुति में दर्ज करता है।

दरअसल, नाटक अपनी विषयवस्तु का चुनाव समाज के भीतर से ही करता है और अभिनय और रंगमंच के माध्यम से उस विषय को पुनः अपनी जीवंत प्रस्तुति में समाज को लौटा देता है। अपने समसामयिक परिवेश की विसंगतियों और जटिलताओं को उनके आंतरिक सत्य के साथ उघाड़ कर वह समाज को सोचने के लिए आलोचनात्मक विवेक को जागृत और प्रेरित भी करता है। एक सामूहिक माध्यम के रूप में नाटक में यह संदेश भी अंतर्निहित होता है कि बदलाव की नई पहल भी हमसे ही संभव होगी और इसी में इस माध्यम की सार्थकता है। बदलते हुए सामाजिक-

चित्र: अशोक भौमिक

रंगमंच के सामने तेजी से बढ़ते तकनीकी माध्यमों और अन्य मनोरंजन कला माध्यमों के समक्ष अपने स्वंतत्र और वैचारिक अस्तित्व को बनाए रखने की कठिन चुनौती है। रंगमंच के प्रश्नों को लेकर पिछले कुछ वर्षों में गंभीर स्तर पर विचार किया जाने लगा है।

राजनीति संदर्भों में भी जिस सच को रंगमंच के माध्यम से प्रस्तुत किया जाता है, वह दर्शक और पूरे समाज का भी अनूभूत सत्य बन जाता है। एक बेहतर विकल्प और विचार के लिए स्थान बनाने की भूमिका तो नाटक और रंगमंच अपने जन्मकाल से ही निभा रहा है, जिसमें इसकी सामाजिक प्रतिबद्धता और मानवीय पक्षधरता के दायित्व का बोध भी समाहित रहा है। सबसे निर्मम और कठिन समय में शोषण, अन्याय और उत्पीड़न के विरोध में जाति-धर्म, समुदाय-वर्ग, लिंग-वर्ण के भेद से परे रंगमंच अपनी सशक्त-प्रखर उपस्थिति के साथ यथार्थ का जो प्रतिबिंब सामने रखता है, वह जनतांत्रिक स्वर के साथ सबका समन्वित संघर्ष बन कर दर्शकों से पूरी तरह जुड़ जाता है। रूढ़िवाद, कट्टर सोच और संकीर्णताओं का प्रतिरोध करते हुए रंगमंच जिस प्रगतिशील और खुली विचारधारा का पक्ष लेता है वह समाज में व्यक्ति को आपस में तोड़ने के बजाय उसे जोड़ने में सामाजिक सद्भाव में अपनी सकारात्मक भूमिका निभाने में सर्वाधिक समर्थ सिद्ध हो सकता है।

इक्कीसवीं सदी के रंगमंच के सामने तेजी से बढ़ते तकनीकी माध्यमों और अन्य मनोरंजन कला माध्यमों के समक्ष अपने स्वंतत्र और वैचारिक अस्तित्व को बनाए रखने की कठिन चुनौती है। रंगमंच के प्रश्नों को लेकर पिछले कुछ वर्षों में गंभीर स्तर पर विचार किया जाने लगा है, जिसमें उसकी संभावनाओं की दृष्टि से भी और उन खतरों पर सोचने की दृष्टि से भी, जो समकालीन रंगमंच के सामने हैं। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय जैसी संस्थाओं और भारंगम जैसे प्रयासों के साथ ही अन्य स्थलों में विविध स्तरों पर रंगमंच को दर्शक तक ले जाने और दर्शक को रंगमंच तक लाने के लिए क्या उपाय किए जा सकते है? प्रयोगशील रंगमंच को आर्थिक आधार पर किस तरह जीवित रखा जा सकता है? नाटक की रचना प्रक्रिया को रंगमंच से अधिक ईमानदारी और प्रतिबद्धता से कैसे जोड़ा जा सकता है? नाटककार और अभिनेता को रंग-प्रक्रिया का अनिवार्य अंग बना कर उन्हें एक ही धरातल पर कैसे लाया जाए, जिसमें उनकी असीम क्षमताओं पर पुनर्विचार करके रंगमंच को एक नई तैयारी के साथ समाज के केंद्र में लाया जाए और रंगमंच की दिशा निर्धारित की जाए। एक संवेदनशील लोकतांत्रिक समाज और बहुआयामी संस्कृति की संरचना में रंगमंच कैसे योगदान दे और जातीय-सांप्रदायिक भेदभाव, हिंसा, तनाव के माहौल में और एक विवेकशील जागरूक परिवेश के निर्माण में इसकी भूमिका कितनी महत्त्वपूर्ण है?

बदलते समय में व्यवस्था की विसंगतियों से संघर्षरत आम आदमी की त्रासदी से संवाद कायम करने और जमीनी स्तर पर दर्शकों तक संप्रेषित करने में रंगमंच की मौलिक दृष्टि पर भी बात होनी चाहिए। इन सभी बिंदुओं और तथ्यों को केंद्र में रख कर आने वाले समय में नए रंग-प्रयोगों और नई रंग-शैलियों के साथ हिंदी रंगमंच की एक व्यापक तस्वीर बन सकती है, जिसकी पहुंच अलग-अलग क्षेत्रों में जनमानस के अंतर्मन तक हो, जो उसकी समकालीनता और प्रासंगिकता को नया स्वरूप भी दे सकती है। मानवीय-सामाजिक सरोकारों की प्रस्तुति के लिए रंगमंच इस दृष्टि से ऐसा जीवंत माध्यम है, जिसकी बराबरी कोई विधा आसानी से नहीं कर सकती और इसकी अनंत संभावनाओं के साथ एक नए सांस्कृतिक विमर्श और समाज के निर्माण में इसकी गतिशील भूमिका निर्विवाद है।

नई दिल्ली

आहलुवालिया हो सकते हैं अगले लोकसभा अध्यक्ष

मनोज मिश्र
नई दिल्ली, 1 जून।

19 जून को लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा

- आहलुवालिया भाजपा के बड़े नेताओं में शामिल नहीं माने जाते हैं लेकिन भाजपा के सबसे पुराने सिख नेता जरूर हैं
- बंगाल में भाजपा की जड़ें जमाने में उनकी भूमिका उल्लेखनीय रही है
- पिछली बार वे पश्चिम बंगाल के दार्जीलिंग से और इस बार दुर्गापुर से सांसद चुने गए हैं

वरिष्ठ भाजपा नेता और पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर से सांसद सुरेंद्रजीत सिंह (एसएस) आहलुवालिया 17वीं लोकसभा के अध्यक्ष बन सकते हैं। वैसे कई और नाम भी चर्चा में हैं। इस बारे में अंतिम फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा अध्यक्ष (गृह मंत्री) अमित शाह करेंगें। 17 जून से इस लोकसभा का पहला सत्र शुरू हो रहा है। 19 जून को लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा। माना जा रहा है कि अधिकृत नाम की जानकारी 16-17 जून तक सार्वजनिक हो जाएगी। नए सदस्यों को शपथ दिलाने और लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव करवाने के लिए वरिष्ठ सदस्य मेनका गांधी को कार्यवाहक अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

नए लोकसभा अध्यक्ष के लिए जो नाम चर्चा में हैं उसमें मेनका गांधी से लेकर ओड़ीशा से फिर सांसद बने पूर्व केंद्रीय मंत्री जोएल ओरांव का नाम प्रमुख है। यह परंपरा है कि लोस अध्यक्ष अनुभवी सांसद ही होता है लेकिन राजनीतिक समीकरण बनाने में पहली बार के सांसद जीएमसी बालयोगी लोकसभा अध्यक्ष बन गए थे।

यह भी संभव है कि भाजपा अपने किसी सहयोगी दल के सांसद को लोकसभा अध्यक्ष बना दे, जैसा कि अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में शिवसेना के मनोहर जोशी बने थे लेकिन तब आज जैसा अकेले भाजपा को सदन में बहुमत नहीं था। 67 साल के आहलुवालिया का संसदीय जीवन काफी लंबा है। वे 1986 से राज्यसभा के सदस्य रहे। राज्यसभा में उप नेता रहने के अलावा संसदीय कार्य राज्य मंत्री भी रहे। पिछली बार वे पश्चिम बंगाल के दार्जीलिंग से सांसद थे। इस बार पश्चिम बंगाल के ही दुर्गापुर से सांसद हैं। सिख होने के कारण भाजपा की ओर से वे पहले अल्पसंख्यक लोकसभा अध्यक्ष होंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह के लिए अभी सबसे बड़ा लक्ष्य प. बंगाल में विधानसभा चुनाव जीतना है। भाजपा अध्यक्ष ने कुछ दिन पहले पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में कहा था कि वे केंद्र सरकार के गृह मंत्री बनने के बजाए एक बार और भाजपा अध्यक्ष बन कर बंगाल और केरल में पार्टी को मजबूत करना चाहते हैं। बंगाल को भाजपा ने काफी समय से चुनौती के रूप में लिया है। पिछली बार सुमित्रा महाजन को लोकसभा अध्यक्ष बनाकर भाजपा ने महिला नेतृत्व को ज्यादा महत्व देने का संदेश दिया। लगता नहीं कि इस बार भी किसी महिला को लोक सभा अध्यक्ष बनाया जाए। वैसे भी कार्यवाहक अध्यक्ष को स्थायी अध्यक्ष बनाने की परंपरा नहीं रही है। यह तो तय ही है कि लोकसभा अध्यक्ष वही होगा जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पार्टी प्रमुख अमित शाह चाहेंगे।

अगस्ता मामला : सरकारी गवाह बने राजीव सक्सेना को विदेश जाने की अनुमति

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 1 जून।

अगस्ता वेस्टलैंड वीवीआइपी हेलिकॉप्टर घोटाला मामले में गिरफ्तार कथित रक्षा बिचौलिए सुशेन मोहन गुप्ता को शनिवार को दिल्ली की एक अदालत से जमानत मिल गई। साथ ही दुबई से प्रत्यर्पित कर भारत लाए गए इस मामले के दूसरे आरोपी राजीव सक्सेना को भी इलाज के लिए विदेश जाने की अनुमति दे दी गई। दोनों 3,600 करोड़ रुपए के वीवीआइपी अगस्ता वेस्टलैंड हेलिकॉप्टर सौदे से जुड़े मामले में धनशोधन के आरोपी हैं।

इस मामले में आरोपी सुशेन गुप्ता की भी जमानत अदालत ने सशर्त मंजूर की

विशेष जज अरविंद कुमार ने मामले के आरोपी और अब सरकारी गवाह बन चुके राजीव सक्सेना को इलाज के लिए विदेश जाने की अर्जी मंजूर कर ली। सक्सेना दुबई स्थित कंपनी यूएचवाई और मैट्रिक्स होल्डिंग्स का निदेशक है। अदालत ने कहा कि सक्सेना को 50 लाख रुपए का मुचलका जमा कराना होगा। अदालत ने इलाज के लिए आठ जून से आठ जुलाई तक की विदेश रहने ही इजाजत दी।

विशेष जज के समक्ष गुप्ता की जमानत याचिका का विरोध करते हुए ईडी ने कहा कि जांच बहुत ही महत्त्वपूर्ण चरण में है। ऐसी आशंकाए हैं कि वह उन साक्ष्यों के साथ छेड़छाड़ कर सकता है जिन्हें एकत्र किया जाना है। जबकि सुशेन गुप्ता की ओर से पेश हुऐ वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ लूथरा ने कहा था कि उनके मुवक्किल ने जांच में हमेशा सहयोग किया है और जब भी जांच एजंसी को जरूरत होगी, वे हाजिर हो जाएंगे क्योंकि उनकी भारत में उनकी गहरी जड़ें हैं। वकील का दावा था कि गुप्ता के खिलाफ जांच एजंसी 22 मई को पूरक आरोपपत्र दायर कर चुकी है। जांच एजंसी जो भी पूछताछ चाह रही थी वह हो चुकी है।

जज ने गुप्ता को जमानत देते समय कई शर्तें भी लगाई। मसलन जांच में सहयोग के लिए बुलावे पर जांच एजंसी के समक्ष हाजिर होना, बिना बताए देश से बाहर नहीं जाना, गवाहों को न प्रभावित करना, साक्ष्यों से छेड़छाड़ न करना आदि शर्तों में शामिल हैं।

विशेष न्यायधीश अरविंद कुमार ने पांच लाख रुपए के निजी मुचलके और इतनी ही रकम की दो जमानत राशियों पर गुप्ता को जमानत दी। एजंसी ने 22 मई को गुप्ता के खिलाफ पूरक आरोप पत्र दायर किया था। गुप्ता को ईडी ने धनशोधन रोकथाम अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया था। एजंसी की वकील संवेदना वर्मा ने कहा कि हेलिकॉप्टर घोटाले और अन्य कई रक्षा सौदों में गुप्ता की भूमिका के सबूत हैं। ईडी को संदेह है कि गुप्ता के पास अगस्ता वेस्टलैंड वीवीआइपी हेलिकॉप्टर खरीदने के लिए 3,600 करोड़ रुपए के सौदे का भुगतान विवरण है।

फर्जी मतदाताओं की खबरों को चुनाव आयोग ने बताया गलत

नई दिल्ली, एक जून (भाषा)।

चुनाव आयोग ने लोकसभा चुनाव में फर्जी मतदाताओं के बारे में आई खबरों को शनिवार को गलत करार देते हुए कहा कि ये दावे आयोग की वेबसाइट पर डाले गए मतदान फीसद के अस्थायी आंकड़ों पर आधारित हैं।

चुनाव आयोग ने बयान में कहा, 'आयोग की वेबसाइट पर अपलोड किया गया अस्थायी मतदान फीसद सिर्फ अस्थायी संख्या है, अंतिम संख्या नहीं है। इसलिए फर्जी मतदाताओं का मिलना गलत दावा है क्योंकि ऐसा कुछ है ही नहीं।' आयोग ने कहा कि अंतिम नतीजे पर पहुंचने के लिए दो श्रेणियों के वोटों की गिनती की गई – जो ईवीएम में डाले गए थे और जो सैनिकों एवं अपने निर्वाचन क्षेत्र से बाहर चुनावी ड्यूटी पर तैनात कर्मियों के डाक मतों से प्राप्त हुए थे। आयोग ने कहा कि अस्थायी मतदान आंकड़ा चुनाव आयोग की वेबसाइट और मतदाता हेल्पलाइन मोबाइल ऐप पर फीसद के रूप में प्रदर्शित किया गया, जिन्हें सेक्टर मजिस्ट्रेटों से हासिल संभावित मतदान फीसद के आधार पर चुनाव के दिन रिटिंनग ऑफिसर/असिस्टेंट रिटिंनग ऑफिसर ने अपलोड किया था।

निर्वाचन अधिकारी से मिले दस्तावेजों की जांच के बाद सामान्य मतदाताओं (ईवीएम) का मतदान फीसद संकलित किया जाता है और उसे चुनाव आयोग की वेबसाइट पर अपलोड किया जाता है, जो मतदान केंद्रों के अस्थायी मतदान आंकड़ा पर आधारित होता है। इसे पीठासीन अधिकारी देते हैं। आयोग ने कहा कि ये सभी आंकड़ें अस्थायी हैं जो आकलन पर आधारित हैं और जो आगे चलकर बदल जाते हैं जैसा कि वेबसाइट पर दी गई सूचना से स्पष्ट है।

ट्रंप ने खत्म की भारत के लिए व्यापार में शुल्क-छूट

पेज 1 का बाकी

उत्पादों को शुल्क से छूट देकर आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए शुरू किया गया था। ट्रंप ने अपने देश के कई सांसदों के आग्रह को नजरंदाज करते हुए शुक्रवार को घोषणा की, 'भारत ने अमेरिकी माल के लिए अपना बाजार पर्याप्त ढंग से खोलने के बारे में कोई आश्वासन नहीं दिया है। इसलिए मैंने तय किया है कि पांच जून, 2019 से (जीएसपी कार्यक्रम के तहत) भारत का लाभार्थी विकासशील देश का दर्जा खत्म करना ठीक होगा।'

ट्रंप ने इस साल चार मार्च को ही भारत को इसका नोटिस दे दिया था। 60 दिन के नोटिस की अवधि तीन मई को समाप्त हो चुकी थी। मार्च में भारत के वाणिज्य सचिव अनूप वधावन ने कहा था कि अमेरिकी जीएसपी के तहत भारत के माल का निर्यात सालाना 5.6 अरब डॉलर के बराबर है और इस पर शुल्क लाभ सिर्फ 19 करोड़ डॉलर है। अमेरिका के जीएसपी कार्यक्रम के तहत कोई विकासशील देश अगर अमेरिकी कांग्रेस द्वारा तय शर्तें पूरी करता है तो वह वाहन कल-पुर्जों व कपड़ों से जुड़ी सामग्रियों सहित करीब 2,000 उत्पादों का अमेरिका को बिना किसी शुल्क के निर्यात कर सकता है। अमेरिकी कांग्रेस की जनवरी में प्रकाशित रपट के मुताबिक वर्ष 2017 में भारत इस कार्यक्रम का सबसे बड़ा लाभार्थी रहा था। उसने अमेरिका को बिना किसी शुल्क के 5.7 अरब के सामान का निर्यात किया। वहीं तुर्की 1.7 अरब डॉलर के निर्यात के साथ इस मामले में पांचवें स्थान पर रहा था।

रक्षामंत्री का काम संभाला राजनाथ ने

पेज 1 का बाकी

प्रमुख एअर चीफ मार्शल बीएस धनोआ और नव-नियुक्त नौसेना प्रमुख करमबीर सिंह के साथ बैठक की।

रक्षा राज्य मंत्री श्रीपद यशोनाइक, रक्षा सचिव संजय मित्रा और मंत्रालय के कई शीर्ष अधिकारियों ने सिंह का गर्मजोशी से स्वागत किया। अधिकारियों ने बताया कि मंत्रालय की अलग शाखाओं को भी प्रस्तुतियां तैयार करने को कहा गया है, जिनकी जल्द ही एक बैठक में समीक्षा की जाएगी।

रक्षा मंत्री के तौर पर उनकी सबसे अहम चुनौती सेना के तीनों अंगों के काफी समय से लंबित पड़े आधुनिकीकरण को तेज करने और उनकी युद्ध तैयारियों में तालमेल का ढांचा तैयार करने की होगी। उनके समक्ष एक और चुनौती चीन से लगी सीमा पर शांति व स्थिरता कायम करने और वहां चीन की किसी संभावित शत्रुता से निपटने के लिए जरूरी सैन्य बुनियादी ढांचा विकसित करने की होगी। उम्मीद जताई जा रही है कि वह सीमा पार से आतंकवाद से निपटने की दृढ़ संकल्प वाली नीति को जारी रखेंगे।

बदलते क्षेत्रीय सुरक्षा परिदृश्य और भू-राजनीतिक हालात के चलते बतौर रक्षा मंत्री सिंह को थल सेना, नौसेना और वायुसेना की युद्ध क्षमताओं को मजबूत करने की चुनौती का सामना करना होगा। सशस्त्र बल खुद को साजो सामान से सुसज्जित करने पर जोर दे रहे हैं। सरकार स्वदेशी रक्षा उत्पादन पर ध्यान केंद्रित कर रही है। सेना में कई सुधार कार्यक्रम शुरू किए गए हैं, जिनको आगे बढ़ाना होगा। सेना ने इस सिलसिले में एक खाके को भी अंतिम रूप दिया है।

रक्षा मंत्री के तौर पर राजनाथ को तत्काल जिस चीज को प्राथमिकता देनी होगी, वह है सुरक्षा बलों के लिए पर्याप्त गोले-बारूद का भंडार सुनिश्चित करना। 15 लाख सशस्त्र बलों के पास गोले-बारूद का इतना भंडार होना चाहिए कि अगर युद्ध जैसी स्थिति आई तो यह कम से कम 10 दिनों तक चल सके।

सुरक्षा और जनकल्याण सरकार की प्राथमिकताएं

पेज 1 का बाकी

वाले शुरुआती व्यक्तियों में शामिल रहे।

कार्यभार संभालने के बाद शाह ने मंत्रालय से संबंधी मुद्दों से अवगत होने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा कि बैठक के दौरान अधिकारियों ने उन्हें गृह मंत्रालय के कामकाज और अभी के महत्त्वपूर्ण मुद्दों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। जम्मू कश्मीर के राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने भी शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और उन्हें राज्य में सुरक्षा हालात के बारे में अवगत कराया। राज्य में फिलहाल राष्ट्रपति शासन है। पंद्रह मिनट चली बैठक के दौरान राज्यपाल ने गृह मंत्री को अमरनाथ यात्रा को लेकर तैयारियों की जानकारी दी।

दोनों के बीच विकास के विभिन्न मुद्दों के अलावा कश्मीर घाटी एवं सीमाई क्षेत्रों में कानून व्यवस्था की स्थिति पर चर्चा हुई। बैठक के बाद मलिक ने कहा, 'मैंने गृह मंत्री के साथ सुरक्षा मामलों और विकास के मुद्दों पर चर्चा की।' राज्यपाल ने हालांकि कहा कि राज्य में विधानसभा चुनाव कराने संबंधी मुद्दे पर चर्चा नहीं हुई क्योंकि मामला चुनाव आयोग के अंतर्गत आता है।

भाजपा के नेतृत्व वाले राजग की प्रचंड जीत के बाद दो दिन पहले उन्होंने मंत्री पद की शपथ ली थी। मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा कि उम्मीद है कि शाह आतंकवाद और अवैध घुसपैठ को कतई बर्दाश्त नहीं करने की राजग की नीति को प्राथमिकता देंगे।

नए गृह मंत्री का तात्कालिक कार्य जम्मू कश्मीर में स्थिति से निपटना होगा, जहां इस वक्त राष्ट्रपति शासन लगा है और उन्हें असम में राष्ट्रीय नागरिक पंजिका (एनआरसी) के प्रकाशन से उत्पन्न स्थिति से भी निपटना होगा।

अमित शाह के गृह मंत्री बनने के बाद आतंकवाद, अलगाववाद, नक्सलवाद के खिलाफ मोदी सरकार की जीरो टालरेंस की नीति को नई धार मिलने की उम्मीद है। पिछले पांच सालों में आतंकी व नक्सली हिंसा में काफी कमी आई है, लेकिन उन्हें पूरी तरह समाप्त नहीं किया जा सका है। अब प्रधानमंत्री मोदी ने दशकों पुरानी इन समस्याओं को जड़ से खत्म करने के लिए शाह पर भरोसा जताया है। कश्मीर में पिछले पांच साल मोदी सरकार के लिए प्रयोगों के साल रहे। अलगाववादियों को अलग-थलग करने और बड़ी संख्या में आतंकियों को मार गिराने के बावजूद घाटी में चुनौती बरकरार है। पत्थरबाजी की घटनाएं जरूर कम हुई हैं, लेकिन आतंकियों के साथ मुठभेड़ के दौरान यह अब भी जारी है। ऐसे में कश्मीर में पिछले चार दशक से जड़ जमाए आतंकी तंत्र को ध्वस्त करना जरूरी है। उम्मीद की जा रही है कि विस्तृत रणनीति बनाने और जमीनी स्तर पर उसका क्रियान्वयन सुनिश्चित कराने वाले अमित शाह इस तंत्र को ध्वस्त करने में सफल होंगे। लगभग ऐसी ही स्थिति नक्सली और पूर्वोत्तर के अलगाववादी संगठनों के साथ भी है।

ईडी ने प्रफुल्ल पटेल को पूछताछ के लिए बुलाया

पेज 1 का बाकी

पर प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि 'विमानन क्षेत्र की जटिलताओं को समझने में' जांच एजंसी के साथ सहयोग कर उन्हें खुशी होगी।

मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार में हुए करोड़ों रुपए के कथित विमानन घोटाले के सिलसिले में किसी बड़े नेता के खिलाफ यह पहली कार्रवाई है। विमानन लॉबिस्ट दीपक तलवार की गिरफ्तारी के बाद हुए कुछ खुलासों और एजंसी द्वारा जुटाए गए सबूतों के मद्देनजर पटेल से सवाल-जवाब किया जाना है। ईडी ने हाल ही में दीपक तलवार को नामजद करते हुए आरोप पत्र दाखिल किया है। उसमें कहा गया है कि तलवार लगातार पटेल के संपर्क में था।

प्रफुल्ल पटेल ने अपने बयान में कहा, विमानन क्षेत्र की जटिलताओं को समझने में प्रवर्तन निदेशालय की मदद कर उन्हें खुशी होगी। उन्होंने कहा कि यह मामला दो सरकारों के बीच उड़ान अधिकारों के आदान-प्रदान के लिए द्विपक्षीय समझौतों से संबद्ध है, जहां किसी भी निजी व्यक्ति की कोई भूमिका नहीं है। विदेशी एअरलाइनों को ट्रैफिक अधिकार भारत सरकार द्वारा नहीं, बल्कि उनके संबंद्ध देशों द्वारा दिए गए हैं। यह नीति पिछले 60 वर्षों या उससे अधिक समय से प्रैक्टिस में है, चाहे कोई भी सरकार रही हो। उन्होंने कहा कि नियंत्रक व महालेखा परीक्षक (सीएजी) इस मामले की विस्तृत समीक्षा कर चुकी है, जिसमें कहा गया है कि द्विपक्षीय अधिकारों के प्रति उदार नीति ने भारतीय यात्रियों को विकल्पों और कम शुल्क के मामले में काफी लाभ पहुंचाया।

कांग्रेस संसदीय दल की नेता चुनी गईं सोनिया

पेज 1 का बाकी

में नेताओं के नाम पर फैसला करेंगी।

यह पूछे जाने पर कि क्या राहुल गांधी अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने पर अड़े हुए हैं तो उन्होंने कहा कि राहुल गांधी पार्टी के अध्यक्ष हैं और बाकी जो भी अटकलें लगाई जा रही हैं वो सब अफवाह हैं। सोनिया गांधी के नेता चुने जाने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने ट्वीट कर कहा कि कांग्रेस संसदीय दल की नेता चुने जाने पर सोनिया गांधी जी को बधाई। उनके नेतृत्व में कांग्रेस एक मजबूत और प्रभावी विपक्षी पार्टी साबित होगी जो भारत के संविधान की रक्षा के लिए लड़ेगी।

संसदीय दल की बैठक में सोनिया ने कहा कि मैं अपने कार्यकर्ताओं का धन्यवाद करना चाहती हूं, जिन्होंने सत्तारूढ़ पार्टी की शत्रुता का सामना किया। यह उनकी मेहनत और धैर्य का परिणाम है कि देश के 12.3 करोड़ लोगों ने कांग्रेस में अपना विश्वास प्रकट किया। संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) की प्रमुख ने कहा कि मैं इस मौके पर कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी का धन्यवाद करना चाहती हूं, जिन्होंने पूरी मेहनत से प्रचार अभियान चलाया। कांग्रेस अध्यक्ष के तौर पर उन्होंने पार्टी के लिए दिन-रात एक कर दिया।

चुनावी हार और राहुल गांधी के इस्तीफे की पेशकश के बाद पैदा हुए हालात का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि संकट के इस समय में हमें यह स्वीकार करना होगा कि कांग्रेस पार्टी के सामने कई चुनौतियां हैं। कांग्रेस कार्यसमिति की कुछ दिनों पहले बैठक हुई थी, जिसमें आगे के कदमों और आगे बढ़ने के संदर्भ में चर्चा की गई। पार्टी को मजबूत करने के लिए कई निर्णायक कदमों पर चर्चा हो रही है। 25 मई को कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में राहुल ने इस्तीफे की पेशकश की थी, हालांकि सीडब्लूसी ने उनकी पेशकश को खारिज कर दिया और उन्हें संगठन में सभी स्तर पर आमूलचूल बदलाव के लिए अधिकृत किया।

'अपने 52 सांसदों के साथ हम इंच-इंच लड़ेंगे और जीतेंगे'

पेज 1 का बाकी

बचाने के लिए कांग्रेस के कार्यकर्ता 'बब्बर शेर' की तरह काम करेंगे।

चुनाव के बाद हुई संसदीय दल की पहली बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि आप स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहले ऐसे लोग हैं जो किसी राजनीतिक दल के खिलाफ नहीं, बल्कि देश की हर संस्था के खिलाफ चुनाव लड़े। ऐसी कोई संस्था नहीं थी जो लोकसभा चुनाव में आपसे लड़ी नहीं हो और आपको रोकने की कोशिश नहीं की हो। आप ऐसी हर संस्था से लड़े और लोकसभा पहुंचे। इस पर आपको गौरवान्वित होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हम उस वक्त भी कांग्रेस पार्टी के लिए लड़े जब इसके 44 सांसद थे। पिछली बार मुझे लगा था कि बहुत कठिन रहने वाला है। मुझे लगा था कि भाजपा के पास 282 सांसद हैं और हमारे पास 44, ऐसे में हम क्या करेंगे। लेकिन कुछ सप्ताह के भीतर मुझे अहसास हो गया कि हमारे 44 सांसद भाजपा के 282 सदस्यों का मुकाबला करने के लिए काफी हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि इस बार तो हमारे पास 52 सांसद हैं और ऐसे में हम 52 सांसद और मैं यह आपको गारंटी देते हैं कि इसका कोई मतलब नहीं रहेगा कि कौन सी संस्थाएं इन 52 सदस्यों के खिलाफ खड़ी रहेंगी। ये 52 सांसद इंच-इंच भाजपा से लड़ेंगे और यह बात राज्यसभा के सदस्यों पर भी लागू होती है।

उन्होंने सांसदों में जोश भरते हुए कहा कि अगर आप लड़ने जा रहें तो यह पता होना चाहिए कि किसके लिए लड़ने जा रहे हैं? आप इस देश के संविधान के लिए लड़ रहे हैं। आप इस देश के हर नागरिक के अधिकार के लिए लड़ रहे हैं चाहे उसका रंग, धर्म, लिग और राज्य कुछ भी हो। राहुल गांधी ने कहा कि यह भी समझिए कि आपके खिलाफ कौन लड़ रहे हैं? जो लोग इस संसद में हमारा विरोध कर रहे हैं वो नफरत और गुस्से का इस्तेमाल करते हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कुछ वरिष्ठ नेताओं के चुनाव हारने पर कहा कि अगर कुछ पुराने चेहरे चुनाव जीते होते तो मुझे खुशी होती क्योंकि पिछली बार 5-10 ऐसे लोग थे, जिन्होंने हमारा शानदार ढंग से सहयोग किया। अगर आज वो हमारे साथ नहीं हैं तो मुझे बहुत दुख है। बाद में उन्होंने ट्वीट कर कहा कि हम अपने संविधान और संस्थाओं की रक्षा के लिए बब्बर शेर की तरह काम करेंगे और संसद में भाजपा को वाकओवर का कोई मौका नहीं देंगे।

तीन दिन तक गरमी से राहत नहीं

पेज 1 का बाकी

पहाड़ी व समुद्र तटीय इलाकों में भी लोग तेज गरमी से बेहाल रहे।

भारतीय मौसम विभाग ने बताया कि पिछले 24 घंटे के दौरान राजस्थान के कई क्षेत्रों में मौसम के मिजाज ने तल्खी के सारे रेकॉर्ड तोड़ दिए। इस दौरान चुरू में पारा 50.8 और गंगानगर में 49.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। विभाग के अनुसार आने वाले चौबीस घंटे में भी राज्य को गर्म हवाओं से कोई राहत नहीं मिलेगी।

इसके साथ ही मौसम विभाग ने दिल्ली सहित राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, विदर्भ, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर व उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में गरमी ने जम कर कहर बरपाया। लिहाजा एक जून को इन सभी राज्यों में खतरनाक स्तर की गरमी को देखते हुए लाल रंग की चेतावनी (रेड अलर्ट) जारी की गई है। देश के पहाड़ी हिस्से जम्मू-कश्मीर के कुछ इलाके हों या दक्षिण पूर्वी समुद्रतटीय हिस्सा या सुदूर अंडमान निकोबार का इलाका, सभी जगह तापमान 41 से 46 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मौसम विभाग ने कहा है कि मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान व कर्नाटक के कुछ हिस्सों में एक जून को औसत तापमान में पांच डिग्री से भी अधिक का उछाल देखने को मिला जबकि उत्तर प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, विदर्भ, मराठवाड़ा, पूर्वी राजस्थान, केरल, कच्छ, सौराष्ट्र, तेलंगाना व अन्य हिस्सों में सामान्य तापमान में तीन से पांच डिग्री की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई। नतीजतन इन सभी इलाकों में लोगों को लू के थपेड़ों से दो-चार होना पड़ा।

मौसम विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि इस समय पश्चिमी इलाकों से तेज हवाएं बह रही हैं, जो अपेक्षाकृत शुष्क हैं। इस वजह से लोगों को तेज लू के थपेड़ों से जूझना पड़ रहा है। इसमें फिलहाल अगले 72 घंटे तक सुधार की संभावना नजर नहीं आ रही। हालांकि तीन जून या उसके बाद से तापमान में गिरावट देखी जा सकती है। दो व तीन जून को रेड अलर्ट का क्षेत्र कुछ कम हो सकता है।

राजधानी वासियों को तपिश और लू से निजात मिलती नहीं दिख रही है। विभाग का कहना है कि आने वाले कुछ दिनों में लू का चलना और उच्चतर तापमान बना रहेगा। दिल्ली में शनिवार को न्यूनतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस रेकॉर्ड किया गया है। शनिवार को अधिकतम तापमान 46 डिग्री सेल्सियस रहा। सुबह हवा में नमी का स्तर 48 फीसद था। रविवार को यह क्रमशः 28 व 46 डिग्री सेल्सियस रहने के आसार हैं। राष्ट्रीय राजधानी के कुछ इलाकों में शुक्रवार को 47 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था जो मौसम का सबसे गर्म दिन था। चार जून से दिल्ली में हल्के बादल छाने के आसार के साथ तापमान में मामूली गिरावट देखी जा सकती है।

चौटाला के अमर्यादित बयान पर खट्टर का पलटवार

पेज 1 का बाकी

ट्विटर पर चौटाला के भाषण वाली फोटो व उनके बयान को टैग करते हुए कहा, 'ओम प्रकाश चौटाला जी आपकी इसी अमर्यादित भाषा की वजह से जनता ने आपको सबक सिखाया है। आप मर्यादा तोड़ सकते हैं लेकिन मेरी शिक्षा ऐसी नहीं है। मैं भगवान से प्रार्थना करूंगा कि वे आपको सद्बुद्धि दें और आपकी उम्र लंबी करें।' मुख्यमंत्री के इस ट्वीट के बाद शनिवार को कई घंटे तक सोशल मीडिया पर भाजपा व इनेलो समर्थकों के बीच अमर्यादित बयानों को लेकर बहस भी छिड़ी रही।

उधर, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बराला ने कहा कि इस प्रकार की बातें कहना छोटी मानसिकता का परिचय है। ओपी चौटाला वरिष्ठ नेता हैं, मुख्यमंत्री भी रहे हैं, इस प्रकार की टिप्पणी उन्हें शोभा नहीं देती। बराला ने कहा कि चौधरी देवीलाल कहते थे, लोकराज लोकलाज से चलता है। लेकिन इन्होंने लोकलाज छोड़ दी और लोगों ने इन्हें छोड़ दिया। इस प्रकार की टिप्पणियों के कारण आज ये लोग सड़क पर हैं और इनका परिवार बंटा हुआ है।

भारतीय क्षेत्र में करतारपुर गलियारे का काम सितंबर तक पूरा होगा

पेज 1 का बाकी

मंत्री ने बताया कि श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए बटाला, फतेहगढ़ चूड़ियां और रामदास से डेराबाबा नानक जाने वाली सड़कों को उन्नत बनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस परियोजना पर 116 करोड़ रुपए का खर्च आएगा जिसके लिए 62 एकड़ भूमि का अधिग्रहण पहले ही कर लिया गया है।

नई दिल्ली

सऊदी अरब ने की ईरान के 'आतंकी कृत्य' की निंदा

मक्का, 1 जून (एपी)।

सऊदी अरब के बादशाह सलमान ने उनके देश को निशाना बना कर हाल में किए हमलों को लेकर ईरान की आलोचना की और उन्हें 'आतंकी करतूत' बताया। उनका कहना है कि इन हमलों से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति जोखिम में है। सलमान इस्लाम के सबसे पवित्र शहर मक्का में जमा हुए मुस्लिम नेताओं के सामने शनिवार को भाषण दे रहे थे। दो क्षेत्रीय शक्तियों के बीच हाल के हफ्तों में तनाव बढ़ने के बाद यह सलमान के अब तक के सबसे कड़े शब्द हैं।

57 सदस्यों वाले इस्लामी सहयोग संगठन (ओआइसी) में ईरान के एक नुमाइंदे ने हिस्सा लिया है, लेकिन शीर्ष नेतृत्व इससे दूर रहा। इस संगठन में खाड़ी, अफ्रीका और एशिया के मुसलिम देश शामिल हैं।

ओआईसी देशों के नेताओं से बातचीत करते हुए सलमान ने कहा कि दुनिया को आतंकवाद को पालने वालों और उनकी आर्थिक मदद करने वालों से लड़ना चाहिए।

सलमान ने कहा, 'हम जोर देकर कहते हैं

हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर साथ आए चार देश

अमेरिका, भारत, जापान व ऑस्ट्रेलिया ने नियम आधारित व्यवस्था का समर्थन किया

वाशिंगटन/सिंगापुर, 1 जून (भाषा)।

अमेरिका, भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान हिंद-प्रशांत क्षेत्र में नियम आधारित व्यवस्था को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए सामूहिक रूप से एक आसियान नीत तंत्र के समर्थन में मजबूती से सामने आए, जहां आए दिन चीन अपनी ताकत का प्रदर्शन करता रहता है। अमेरिका ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि चार देशों के वरिष्ठ अधिकारियों ने शुक्रवार को बैंकॉक में एक बैठक में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में नौवहन और विमानों के गुजरने से संबंधित अंतरराष्ट्रीय कानून और स्वतंत्रता के लिए सार्वभौमिक सम्मान बनाए रखने के अपने प्रयासों पर भी प्रकाश डाला। इसमें कहा गया कि हिंद-प्रशांत संगठन बनाने के आसियान के प्रयासों का स्वागत करते हुए, चारों देशों ने आसियान केंद्रीय और आसियान नीत क्षेत्रीय खाके के प्रति अपने मजबूत समर्थन की पुष्टि की, साथ ही इंडियन ओशन रिम एसोसिएशन और पैसिफिक आइलैंड फोरम सहित अन्य क्षेत्रीय संस्थानों के प्रति भी अपना समर्थन जताया।

इस बीच, अमेरिका के कार्यवाहक रक्षा मंत्री पैट्रिक शानाहन ने सिंगापुर में चल रहे शांगरी-ला संवाद में अपने भाषण में अन्य देशों की प्रौद्योगिकी चुराने के चीन के प्रयासों और दक्षिण चीन सागर में चौकियां बनाने को लेकर उसकी कड़ी निंदा की और कहा कि बेजिंग के खराब बर्ताव का खात्मा होना चाहिए। शानाहन ने अंतरराराष्ट्रीय मंच पर अपने पहले बड़े संबोधन में चीन और उत्तर कोरिया की चेतावनियों की तीखे शब्दों में निंदा की और कहा कि अमेरिका हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए प्रतिबद्ध रहेगा और वहां स्थायित्व लाने के लिए लाखों डॉलर का निवेश करने को तैयार है।

यद्यपि उन्होंने अपने शुरुआती संबोधन में खासतौर पर चीन का नाम नहीं लिया, लेकिन क्षेत्र में विवादित द्वीप में उन्नत हथियार तंत्र स्थापित करने की चीन की गतिविधियों का उल्लेख कर यह स्पष्ट कर दिया कि उनका निशाना किस पर है। शानाहन ने संवाददताओं से कहा कि कोई भी देश हिंद-प्रशांत में प्रभुत्व कायम नहीं कर सकता और न ही करना चाहिए।

शानाहन ने कहा कि उनका देश अपने एक बड़े 'रक्षा साझेदार' भारत के साथ अपने सैन्य संबंधों का दायरा बढ़ा रहा है। भारत-अमेरिका के बीच तेजी से बढ़ती साझेदारी के दो मुख्य क्षेत्र- रक्षा सहयोग और शांति हैं, जिसकी कल्पना (अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड) ट्रंप प्रशासन की हिंद-प्रशांत रणनीति में की गई है। उन्होंने कहा कि बीते दशकों में भारत-अमेरिका रक्षा संबंधों में उल्लेखनीय मजबूती आई है और भारत अब अमेरिका का महत्त्वपूर्ण रक्षा साझेदार है। हमारा देश भारत के साथ अपने सैन्य संबंधों का दायरा बढ़ा रहा है इसमें पहली बार इस साल के आखिर में होने वाला सेना के तीनों अंगों (थल सेना, नौसेना और वायुसेना) का अभ्यास भी शामिल है। उन्होंने कहा कि पिछले साल संचार, सुसंगतता एवं सुरक्षा समझौता (कॉमकासा) पर हस्ताक्षर करना एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। इस समझौते के बाद भारत अमेरिका से अतिमहत्त्वपूर्ण एवं संवेदनशील रक्षा तकनीक हासिल कर सकेगा।

महिला आतंकी का दावा, बगदादी को खोजने में की थी मदद

लंदन, 1 जून (भाषा)।

इराक में बंधक बनाई गई इस्लामिक स्टेट (आइएस) की सबसे आला महिला आतंकवादी ने दावा किया कि उसने आतंकवादी संगठन के सरगना अबू बकर अल-बगदादी की खोज के अमेरिका के नेतृत्व वाले अभियान में अहम भूमिका निभाई।

इराक में इरबिल से गार्जियन अखबार के अनुसार निसरिन असद इब्राहिम ने दावा किया कि उसने भगोड़े आतंकवादी नेता के सुरक्षित ठिकानों की पहचान कराने में मदद की और एक मामले में मोसुल में उसके ठिकाने का सटीक पता बताया था। निसरिन को आइएस में उम्म सय्याफ नाम से जाना जाता है।

सीरिया में चार साल पहले डेल्टा फोर्स के छापे में पकड़े जाने के बाद पहले साक्षात्कार में सय्याफ ने दावा किया कि उसने बगदादी की गतिविधियों, ठिकानों और नेटवर्कों का पता लगाने में सीआइए और कुर्दिश खुफिया एजंसियों की मदद की। उसने बताया, 'मैंने उन्हें बताया कि ठिकाना कहां है। मैं जानती थी कि वह (बगदादी) वहां है क्योंकि यह उन ठिकानों में से एक था जो उसे दिया गया था और जिसे वह सबसे ज्यादा पसंद करता था।'

29 वर्षीय निसरिन काफी विवादित रही है। वह अमेरिकी सहायता कर्मचारी कायला मूलर और कई यजीदी महिलाओं तथा लड़कियों को गुलाम रखने समेत आतंकवादी संगठन के कुछ सबसे जघन्य अपराधों में शामिल रहने की आरोपी रही है। गुलाम बना कर रखी गई लड़कियों और महिलाओं का आइएस के आतंकवादियों ने बलात्कार किया था।

इरबिल में एक अदालत ने उसे मौत की सजा सुनाई थी और उसने शहर में जेल में एक अनुवादक के जरिए गार्जियन से बात की। सय्याफ बगदादी के करीबी मित्र जिल्दी मुराद अल-तुनिस की पत्नी थी। डेल्टा फोर्स ने उसके पति को मार दिया था।

सहकर्मियों पर गोलियां चलाईं, 12 मरे

वाशिंगटन, 1 जून (भाषा)।

अमेरिका के वर्जीनिया राज्य में एक सरकारी कर्मचारी ने अपने सहकर्मियों पर अंधाधुंध गोलीबारी की जिसमें कम से कम 12 लोग मारे गए और छह अन्य घायल हुए हैं। पुलिस ने शनिवार को बताया कि गोली चलाने वाला व्यक्ति लंबे समय से सरकारी कर्मचारी था। गोली चलाने वाले व्यक्ति की पहचान जारी नहीं की गई है। वर्जीनिया बीच के पास हुई इस गोलीबारी के बाद पुलिस की जवाबी कार्रवाई में बंदूकधारी मारा गया।

पुलिस ने बताया कि संदिग्ध वजीर्निया बीच सिटी का कर्मचारी है। उसने लोगों पर बिना सोचे-समझे अंधाधुंध गोलियां चलाईं। पुलिस प्रमुख जेम्स केर्वेरा ने बताया कि पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की। इस दौरान एक पुलिसकर्मी को गोली लगी, लेकिन बुलेटप्रूफ जैकेट पहने होने के कारण उसे जानलेवा चोट नहीं आई। सीएनएन के मुताबिक मेयर बॉबी डेर ने कहा कि वर्जीनिया बीच के इतिहास में यह सबसे दुखद दिन है। इससे प्रभावित लोगों में हमारे दोस्त, सहकर्मी, पड़ोसी शामिल हैं।

वर्जीनिया सरकार के सूत्रों के हवाले से खबर में कहा गया है कि गोली चलाने वाला व्यक्ति एक असंतुष्ट सरकारी कर्मचारी था।

तालिबान ने नहीं दिए जल्द संघर्षविराम के संकेत

काबुल, 1 जून (एएफपी)।

तालिबान ने आने वाले समय में संघर्ष विराम के संकेत नहीं दिए हैं और आतंकवादी समूह के एक नेता ने शनिवार को हालांकि कहा कि अमेरिका के साथ 'वार्ता के दरवाजे' खुले रहेंगे।

कतर में पिछले महीने अमेरिका के साथ छठे दौर की वार्ता खत्म होने के बाद तालिबान के नेता हैबतुल्लाह अखूंदजादा ने यह संदेश जारी किया। वार्ता में प्रगति के कम संकेत और अफगानिस्तान में खून-खराबे के बीच यह वार्ता खत्म हुई थी।

अखूंदजादा ने ईद से पहले एक संदेश में कहा, 'वार्ता और समझौते के दरवाजे खुले रखे गए हैं और इस समय तालिबान की वार्ता टीम अमेरिकी पक्ष के साथ वार्ता कर रही है।' अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी ने इस महीने की शुरुआत में रमजान शुरू होने पर देशव्यापी संघर्ष विराम का प्रस्ताव दिया था लेकिन तालिबान ने पेशकश को ठुकरा दिया।

तालिबान ने पिछले वर्ष ईद पर तीन दिनों तक संघर्ष विराम रखा था और दशकों से चल रही हिंसा और युद्ध से त्रस्त अफगानिस्तान के नागरिकों को इस वर्ष भी एक और संघर्ष विराम की उम्मीद थी।

कार्यालय वसूली अधिकारी
ऋण वसूली अधिकरण– I, दिल्ली
चौथी मंजिल, जीवन तारा बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली–110001

आर. सी. सं. 290/18

बिक्री उद्घोषणा

कार्पोरेशन बैंक बनाम मैसर्स एडिगियर इंटरनेशनल

बिक्री की उद्घोषणा अन्तर्गत आयकर अधिनियम 1961 की द्वितीय अनुसूची के नियम 38, 52(2) बैंक और वित्तीय संस्थान की ऋण वसूली अधिनियम 1993

i) मैसर्स एडिगियर इंटरनेशनल, पंजीकृत कार्यालय: ए–40, मायापुरी, औद्योगिक क्षेत्र, फेज– I, नई दिल्ली–64
ii) श्री प्राण नाथ खन्ना, पार्टनर, मैसर्स एडिगियर इंटरनेशनल, डी–45, नारायणा विहार, नई दिल्ली
iii) श्री संजय खन्ना, पार्टनर, मैसर्स एडिगियर इंटरनेशनल, डी–45, नारायणा विहार, नई दिल्ली
iv) श्री संदीप खन्ना, पार्टनर, मैसर्स एडिगियर इंटरनेशनल,डी –45, नारायणा विहार, नई दिल्ली
v) श्रीमती अंजू खन्ना, पार्टनर, मैसर्स एडिगियर इंटरनेशनल, डी–45, नारायणा विहार, नई दिल्ली

यह सूचित किया जाता है कि ऋण वसूली अधिकरण द्वारा वसूली प्रमाणपत्र ओए सं 299/14 दिनांकित 25.07.2018 के द्वारा वसूली प्रमाणपत्र के अनुसार वाद के शुरुआत से रु. 10,40,10,564.69 (रु. दस करोड़ चालीस लाख दस हजार पाँच सौ चौसठ और पैसे उनहत्तर मात्र) साथ में दिनांक 15-10-2014 से 12 प्रतिशत वार्षिक ब्याज वसूली प्रमाणपत्र के अनुसार, साथ में खर्च लागत रु. 1,50,000/– बकाया है।

1 जहाँ पर पीठासीन अधिकारी, ऋण वसूली अधिकरण– I द्वारा वसूली प्रमाणपत्र सं 290/18, ओए सं 299/14 दिनांकित 25.07.2018 के द्वारा वसूली प्रमाणपत्र के अनुसार वाद के शुरुआत से रु. 10,40,10,564.69 (रु. दस करोड़ चालीस लाख दस हजार पाँच सौ चौसठ और पैसे उनहत्तर मात्र) साथ में दिनांक 15-10-2014 से चुकौती की तिथि तक 12 प्रतिशत वार्षिक ब्याज वसूली प्रमाणपत्र के अनुसार, साथ में खर्च लागत रु. 1,50,000/– बकाया है।

2 और जहाँ पर अधोहस्ताक्षर ने इस प्रमाणपत्र से संतुष्ट हो कर निम्नलिखितानुसार अनुसूची में संपत्ति की बिक्री का आदेश दिया है।

3 और जहाँ पर प्रतिवादी द्वारा रु. 10,40,10,564.69 (रु. दस करोड़ चालीस लाख दस हजार पाँच सौ चौसठ और पैसे उनहत्तर मात्र) साथ में दिनांक 15-10-2014 से चुकौती की तिथि तक 12 प्रतिशत वार्षिक ब्याज वसूली प्रमाणपत्र के अनुसार, साथ में खर्च लागत रु. 1,50,000/– प्रमाणपत्र देनदार से वसूल किया जाएगा।

4 सूचित किया जाता है कि स्थगन के किसी आदेश के अभाव में उक्त सम्पत्ति ई–नीलामी के द्वारा वेबसाईट : website https://bankauctions.in पर "ऑन लाईन ईलैक्ट्रॉनिक बिडींग" के माध्यम से दिनांक 10.07.2019 को अप्रा. 03.00 बजे से अप्रा. 04.00 बजे तक (अपरा.04.00 बजे के बाद 5 मिनट प्रत्येक की अवधि के विस्तार के साथ, यदि अपेक्षित है) किया जायेगा।

5 उपरोक्त नाम के प्रतिवादी की सम्पत्ति की बिक्री निम्नलिखितानुसार सम्पत्ति के लिए संलग्न देनदारियों एवं दावों को जैसा अभी तक निर्धारित किया गया है, वे प्रत्येक लॉट के लिए अनुसूची में विनिर्दिष्ट है।

6 सम्पत्ति बिक्री के लिए अनुसूची में विनिर्दिष्ट लॉट पर की जाएगी, यदि सम्पत्ति भाग की बिक्री की राशि संतुष्टि लायक होगी तो शेष के संबंध में बिक्री को तुरन्त समाप्त कर दिया जाएगा। नीलामी समाप्त होने से पूर्व बिक्री समाप्त कर दी जाएगी यदि बिक्री कर रहे अधिकारी के समक्ष प्रमाणपत्र में उल्लिखित बकाया, ब्याज शुल्क (बिक्री लागत सहित) प्रस्तुत करने होंगे अथवा उनकी संतुष्टि के साक्ष्य प्रस्तुत करना होगा कि प्रमाणपत्र, ब्याज एवं लागत अधोहस्ताक्षरी को भुगतान किए जा चुके हैं।

7 बिक्री से संबंधित कोई अधिकारी या अन्य व्यक्ति निविदा के लिए प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सम्पत्ति की बिक्री के लिए बोली, अधिग्रहण अथवा प्रयास नहीं करेगा।

8 आयकर अधिनियम 1961 के द्वितीय अनुसूची के शर्तों एवं उसके नियमों के तहत तथा निम्न शर्तों के अनुरूप ही बिक्री की जाएगी। बिक्री उद्घोषणा के अनुसूची में उल्लिखित विवरण अधोहस्ताक्षरी के सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार दर्शाया गया है परन्तु किसी त्रुटि, गलत बयान अथवा उद्घोषणा में चूक के होने पर अधोहस्ताक्षरी की जवाबदेही नहीं होगी।

8.1 आरक्षित मूल्य रु. 1190.30 लाख (रु. ग्यारह करोड़ नब्बे लाख तीस हजार मात्र) के नीचे सम्पत्ति नहीं बेची जाएगी और धरोहर राशि (ईएमडी) रु. 119.03 लाख (रु. एक करोड़ उन्नीस लाख तीन हजार मात्र)

8.2 इच्छुक निविदादाताओं को रु. 119.03 लाख (रु. एक करोड़ उन्नीस लाख तीन हजार मात्र), धरोहर राशि पे आर्डर / डिमांड के रूप में, वसूली अधिकारी– I, डी आर टी– I, दिल्ली, खाता आर सी नं. 290/18 के पक्ष में दिल्ली में देय, दिनांक 08.07.2019 को सायं 05.00 बजे तक धरोहर राशि वसूली अधिकारी– I, डी आर टी– I, दिल्ली के ऑफिस में जमा करनी होगी। उसके उपरान्त प्राप्त धरोहर राशि (ई एम डी) विचारणीय नहीं होगी। सफल बोलीदाता के लिए उपरोक्त जमा को समायोजित कर दिया जाएगा। असफल बोलीदाताओं को उनकी धरोहर राशि (ई एम डी) ई–नीलामी प्रक्रिया समाप्त होने के तुरंत बाद वसूली अधिकारी– I, डी आर टी– I, दिल्ली के ऑफिस से वापस कर दी जाएगी।

8.3 इच्छुक बोलीदाताओं जिन्होंने अपनी बोली (आरक्षित मूल्य से कम नहीं) साथ में दस्तावेज जैसे की पैन कार्ड, पहचान पत्र, निवास प्रमाण इत्यादि दिनांक 08.07.2019 को सायं 05.00 से पहले वसूली अधिकारी– I, डी आर टी– I, दिल्ली के ऑफिस में जमा कर दी है, वो दिनांक 10.07.2019 को अपराह्न 03.00 बजे से अपराह्न 04.00 बजे तक होने वाली ई–नीलामी में भाग ले सकते है। बोली यदि ई–नीलामी समाप्ति हेतु निर्धारित समय के अंतिम 5 मिनट में प्रस्तुत की जाती है तो उस दशा में ई–नीलामी बंद होने का समय 5 मिनट स्वतः बढ़ जायेगी।

8.4 निविदा राशि जहां से बिड राशि को बढ़ाया जाएगा रु. 1,00,000/– (रु. एक लाख केवल) निविदा राशि पर अथवा निविदादाता द्वारा किसी विवाद पर लॉट के लिए नीलामी को तुरंत दोबारा प्रारंभ करवाया जाएगा।

8.5 किसी भी लॉट के सर्वोच्च/उच्चतम बोलीदाता को क्रेता घोषित किया जाएगा बशर्ते की वह बोली लगाने के लिए कानूनन योग्य है एवं उसके द्वारा लगाई गयी बोली आरक्षित मूल्य से कम नहीं है। उच्चतम बोली को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरकर्ता के विवेकाधीन होगा, यदि प्रस्तावित मूल्य स्पष्टतः इतना अपर्याप्त हो जिसे प्राप्त करना अनुचित हो।

8.6 सफलतम/उच्चतम बोलीदाता को बिक्री मूल्य का 25 प्रतिशत राशि वसूली अधिकारी– I, ऋण वसूली अधिकरण– I, दिल्ली, खाता आर सी नं. 290/18 के पक्ष में बैंक ड्राफ्ट/पे–ऑर्डर के द्वारा ऑन लाईन निलामी के 24 घण्टे के अंदर तैयार करना होगा और धरोहर राशि को समायोजित करने के पश्चात् यह ऑनलाइन निलामी के बंद होने से तीन दिनों के भीतर बिक्री अधिकारी के कार्यालय में पहुँच जाना चाहिए, ऐसा ना करने पर धरोहर राशि जब्त कर ली जाएगी।

8.7 सफलतम / उच्चतम बोलीदाता सम्पत्ति बिक्री मूल्य की बकाया 75 प्रतिशत राशि वसूली अधिकारी– I, डी आर टी– I, दिल्ली, खाता आर सी न. 290/18 के पक्ष में बैंक ड्राफ्ट/पे–ऑर्डर के द्वारा सम्पत्ति की बिक्री की तिथि (उस दिन को छोड़कर) से 15वें दिन या उससे पहले वसूली अधिकारी– I, डी आर टी– I, दिल्ली के समक्ष जमा करेगा और यदि 15वें दिन रविवार या अवकाश होता है तो अगले कार्य दिवस पर (15 दिन के पश्चात्) ऐसा किया जाएगा। एवं 2 प्रतिशत रु. 1000/– तक और उसके बाद शेष राशि पर 1 प्रतिशत की दर से पाउण्डेज फीस का भुगतान रजिस्ट्रार, ऋण वसूली अधिकरण– I, दिल्ली के पक्ष में जमा करवाना होगा (75 प्रतिशत शेष जमा राशि के मामले में यदि पोस्ट के माध्यम से भेजा जाता है तो उपरोक्तानुसार में वसूली अधिकारी के ऑफिस में पहुँच जाना चाहिए)।

8.8 यदि निर्धारित अवधि के अन्दर भुगतान नहीं किया जाता है, तो सम्पत्ति को बिक्री की नई उद्घोषणा के निर्गमन के बाद पुनः बेचा जाएगा। बिक्री के खर्चों को चुकाने के बाद बची रकम यदि अधोहस्ताक्षरी इसे सही समझता है, तो सरकार के खाते में जमा कर दी जायेगी तथा दोषी क्रेता सम्पत्ति के या उस राशि के किसी भी भाग जिसके लिए उसे बाद में बेचा जा सकता है, के दावे जब्त कर लिए जायेंगें।

9 सम्पत्ति को "जहाँ है जैसा है आधार" पर बेचा जाएगा

10 अधोहस्ताक्षरी के पास बिना कोई कारण बताए किसी भी बोली को स्वीकार या अस्वीकार करने या बिक्री प्रास्थगित या निरस्त करने का पूर्ण अधिकार है।

सम्पत्तियों की अनुसूची

लॉट नं.	अन्य सह मालिकों के नाम के सहित, बेची जाने वाली सम्पत्ति का विवरण, जहाँ सम्बन्धित सम्पत्ति डिफाल्टर या जो किसी अन्य व्यक्ति के सह–स्वामित्व में है।	सम्पत्ति या उसके किसी भाग पर राजस्व जिसका मूल्यांकन किया गया है	किसी भी प्रकार के भार या विवरण जिसके लिए सम्पत्ति उत्तरदायी है	विवाद अगर कोई है जो कि सम्पत्ति के सम्बन्ध में आगे आया है एवं अन्य कोई ज्ञात विशिष्टियां जोकि इसके मूल्य एवं प्रकृति प्रभाव रखता है।
(i)	प्लॉट / शेड नं. 39, ब्लॉक–5, औद्योगिक ईस्टेट, फेज– II, ग्रोथ सेन्टर, बावल जिला रेवाड़ी, हरियाणा में स्थित, क्षेत्रफल 20347.80 वर्ग मी.	हरियाणा स्टेट इंडस्ट्रियल एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कार्पोरेशन लि. आईएमटी बावल, रेवाड़ी के समक्ष बकाया राशि रु. 8,64,758/– मेंटेनेंस शुल्क, रु. 32,64,723/– विस्तार शुल्क के समक्ष और रु. 85,32,832/– विस्तार शुल्क के समक्ष (दिनांक 31–12–2017 तक ब्याज की गणना)		

मेरे समक्ष दिनांक 22.05.2019 को मोहर किया गया

हस्ता/– (संजू स्नेही), वसूली अधिकारी– I, डीआरटी– I, दिल्ली

Bank of Baroda बैंक ऑफ़ बड़ौदा

जेडओएसएआरबी, 9वीं मंजिल, बैंक ऑफ बड़ौदा भवन 16, संसद मार्ग, नई दिल्ली 110001, भारत
फोन +91 11 23448840, 23448841, ई–मेल : armdel@bankofbaroda.com

सार्वजनिक सूचना

एनपीए खाता मैसर्स अर्बन फैशन प्राईवेट लिमिटेड हमारे जेडओएसआरबी, नई दिल्ली के साथ के संदर्भ में इरादतन चूककर्ता के फोटो का प्रकाशन

श्री शैफुद्दीन हामजा

श्रीमती जसीना शैफुद्दीन

जनसाधारण को बड़े पैमाने पर यह सूचना दिया जाता है कि बैंक ऑफ बड़ौदा ने बैंक की आरबीआई के मौजूदा नियमों और निर्धारित प्रक्रिया का अनुपालन करते हुए निम्नलिखित व्यक्तियों को इरादतन चूककर्ता घोषित किया है:

1. मैसर्स अर्बन फैशन प्राईवेट लिमिटेड 15–ए/30, डब्लू. ई ए करोल बाग, नई दिल्ली–110005
   यहां भी: 58–बी, सैक्टर–6, बवाना औद्योगिक क्षेत्र, दिल्ली– 110039
   यहां भी: सी–2580, सुशान्त लोक–1, डीएलएफ फेज–1, गुड़गांव, हरियाणा
2. श्री शैफुद्दीन हामजा पुत्र आर. के. हामजा बी–7/14, एक्सक्लूसीव फ्लौर, डीएलएफ फेज–V, गुड़गांव–122003
   यहां भी: सैकिना मंजिल, पी.ओ. चैतुपुझा, त्रिशूर , केरल–680621
3. श्रीमती जसीना शैफुद्दीन पत्नी शैफुद्दीन हामजा, डी 7/14, एक्सक्लूसीव फ्लौर, डीएलएफ फेज–V, गुड़गांव–122003

बैंक ने उक्त व्यक्तियों को इरादतन चूककर्ता घोषित करने के निर्णय के बारे में सूचित करने के लिए उपयुक्त सूचना भेजी थी।
जैसा कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अनुमति दी गई है, बैंक बड़े पैमाने पर जनता की जानकारी के लिए इरादतन चूककर्ता की फोटो प्रकाशित करता है।

दिनांक: 01.06.2019
स्थान: नई दिल्ली

हस्ता/–
मुख्य प्रबंधक
बैंक ऑफ बड़ौदा, जेडओएसएआरबी, नई दिल्ली

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

क्षेत्रीय दबावग्रस्त आस्ति वसूली शाखा
चतुर्थ तल, राजेन्द्र भवन, राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली

सार्वजनिक सूचना

संदर्भ : हमारी क्षेत्रीय दबावग्रस्त आस्ति वसूली शाखा, नई दिल्ली में ऋण खाता : मै. बालाजी ट्रैडर्स

इरादतन चूककर्ता" (विलफुल डिफाल्टर) की फोटो प्रकाशन

राजीव बंसल

एततद्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि बैंक ऑफ बड़ौदा ने बैंक के / आर. बी. आई. के वर्तमान नियमों तथा विनियमों के निबंधनों में, उनमें निर्धारित सम्यक प्रक्रिया का अनुपालन करते हुये, निम्नलिखित व्यक्तियों को "इरादतन चूककर्ता" (विलफुल डिफ़ाल्टर) घोषित किया है ।

1. मै. बालाजी ट्रैडर्स
2. श्री राजीव बंसल पुत्र श्री बाबू लाल बंसल प्रोप . मै. बालाजी ट्रैडर्स

बैंक कर्जदार/गारंटर को बैंक द्वारा उनको "इरादतन चूककर्ता" (विलफुल डिफ़ाल्टर) घोषित किए जाने के निर्णय की जानकारी हेतु उपयुक्त सूचना प्रेषित कर चुका है ।
जैसे कि भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अनुमति दी गई है, बैंक सर्वसाधारण के सूचनार्थ "इरादतन चूककर्ता" (विलफुल डिफ़ाल्टर) की फोटो प्रकाशित कर रहा है।

तिथि : 02.06.2019

बैंक ऑफ बड़ौदा, मुख्य प्रबंधक

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda
India's International Bank

जेडओएसएआरबी, 6वीं तल, बैंक ऑफ बड़ौदा भवन, 16, संसद मार्ग, नई दिल्ली–110001
फोन : 011-23448841, मो.: 9684317432, ई–मेल : armdel@bankofbaroda.com

सार्वजनिक सूचना

संदर्भ: एनपीए खाता मैसर्स इंडिया वायर शाखा : जेडओएसएआरबी शाखा, नई दिल्ली, जानबूझकर डिफॉल्टकर्ता की फोटो प्रकाशन

जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा निम्नांकित व्यक्तियों को बैंक / रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया के दिशा–निर्देशानुसार निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए जानबूझकर डिफॉल्टकर्ता घोषित किया गया है।

नाम:
1. श्री हेम चंद गुप्ता (प्रोपराइटर), पुत्र श्री राम स्वरूप गुप्ता, ए–36, विवेक विहार, फेज–II, दिल्ली–110095
2. श्रीमती शारदा रानी गुप्ता (गारंटर), पत्नी श्री हेम चंद गुप्ता, ए–36, विवेक विहार, फेज–II, दिल्ली–110095
3. श्रीमती स्वाति गुप्ता (गारंटर), पत्नी श्री शीतल गुप्ता, ए–36, विवेक विहार, फेज–II, दिल्ली–110095
4. श्री शीतल गुप्ता (गारंटर), पुत्र श्री हेम चंद गुप्ता, ए–36, विवेक विहार, फेज–II, दिल्ली–110095
5. श्री विनोद कुमार गुप्ता (गारंटर), पुत्र श्री महावीर प्रसाद गुप्ता (गारंटर मैसर्स इंडिया वायर) ए–43, योजना विहार, दिल्ली – 110092

बैंक ने उक्त व्यक्तियों को जानबूझकर डिफॉल्टकर्ता घोषित करने के निर्णय सम्बंधी उपयुक्त संचार भेजा था।
रिज़र्व बैंक ऑफ इण्डिया के निर्देशानुसार जनसाधारण की सूचना के लिए बैंक जानबूझकर डिफॉल्टकर्ता की फोटोग्राफ प्रकाशित करता है।

दिनांक : 02-06-2019

मुख्य प्रबंधक, बैंक ऑफ बड़ौदा

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda
India's International Bank

जेडओएसएआरबी, 6वीं तल, बैंक ऑफ बड़ौदा भवन, 16, संसद मार्ग, नई दिल्ली–110001
फोन : 011-23448841, मो.: 9684317432, ई–मेल : armdel@bankofbaroda.com

सार्वजनिक सूचना

संदर्भ: एनपीए खाता मैसर्स भारत एक्सपोर्ट ओवरसीज शाखा : जेडओएसएआरबी शाखा, नई दिल्ली, जानबूझकर डिफॉल्टकर्ता की फोटो प्रकाशन

जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा निम्नांकित व्यक्तियों को बैंक / रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया के दिशा–निर्देशानुसार निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए जानबूझकर डिफॉल्टकर्ता घोषित किया गया है।

नाम:
1. श्रीमती जसप्रीत कौर साहनी (पार्टनर)
2. श्री गुरजीत सिंह साहनी (पार्टनर)
पता: प्लॉट नं. 433, सैक्टर–8, आईएमटी, मानेसर, गुड़गांव, हरियाणा।

बैंक ने उक्त व्यक्तियों को जानबूझकर डिफॉल्टकर्ता घोषित करने के निर्णय सम्बंधी उपयुक्त संचार भेजा था।
रिज़र्व बैंक ऑफ इण्डिया के निर्देशानुसार जनसाधारण की सूचना के लिए बैंक जानबूझकर डिफॉल्टकर्ता की फोटोग्राफ प्रकाशित करता है।

मुख्य प्रबंधक, बैंक ऑफ बड़ौदा

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda
India's International Bank

जेडओएसएआरबी, 6वीं तल, बैंक ऑफ बड़ौदा भवन, 16, संसद मार्ग, नई दिल्ली–110001
फोन : 011-23448841, मो.: 9684317432, ई–मेल : armdel@bankofbaroda.com

सार्वजनिक सूचना

संदर्भ: एनपीए खाता मैसर्स जसप्रीत कौर साहनी शाखा : जेडओएसएआरबी शाखा, नई दिल्ली, जानबूझकर डिफॉल्टकर्ता की फोटो प्रकाशन

जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा निम्नांकित व्यक्तियों को बैंक / रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया के दिशा–निर्देशानुसार निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए जानबूझकर डिफॉल्टकर्ता घोषित किया गया है।

नाम:
1. श्रीमती जसप्रीत कौर साहनी (प्रोपराइटर)
2. श्री गुरजीत सिंह साहनी (गारंटर)
पता: प्लॉट नं. 433, सैक्टर–8, आईएमटी, मानेसर, गुड़गांव, हरियाणा।

बैंक ने उक्त व्यक्तियों को जानबूझकर डिफॉल्टकर्ता घोषित करने के निर्णय सम्बंधी उपयुक्त संचार भेजा था।
रिज़र्व बैंक ऑफ इण्डिया के निर्देशानुसार जनसाधारण की सूचना के लिए बैंक जानबूझकर डिफॉल्टकर्ता की फोटोग्राफ प्रकाशित करता है।

मुख्य प्रबंधक, बैंक ऑफ बड़ौदा

साउदर्न इन्फोसिस लिमिटेड

पंजी. कार्यालय: 402–ए, अरुणाचल बिल्डिंग, 19 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली–110001
फोन.: 011–43045402, ईमेल: southerninfosys@gmail.com, वेब: southerninfosys.com
CIN:L67120DL1994PLC059994

31 मार्च, 2019 को समाप्त तिमाही तथा वर्ष के लिये स्टैंडएलॉन अंकेक्षित वित्तीय परिणामों का सार

(रु. लाखों में)

विवरण	समाप्त तिमाही			समाप्त वर्ष	
	31 मार्च, 2019 (अंकेक्षित)	31 दिसम्बर,2019 (अनंकेक्षित)	31 मार्च, 2018 (अंकेक्षित)	31 मार्च, 2019 (अंकेक्षित)	31 मार्च, 2018 (अंकेक्षित)
परिचालनों से कुल आय (शुद्ध)	1873.9	257.31	1563.33	2187.16	1903.5
अवधि के लिये शुद्ध लाभ/ (हानि)(कर, विशिष्ट एवं /अथवा असाधारण मदों से पूर्व)	-20.47	2.43	-16.26	5.96	-13.21
कर से बाद अवधि के लिये शुद्ध लाभ/(हानि) विशिष्ट एवं/अथवा आसाधारण मदों के बाद)	-20.83	2.1	-11.54	-1.08	-9.44
अवधि हेतु कुल व्यापक आय (कर के बाद अवधि के लिये तथा कर के बाद अन्य व्यापक आय से शामिल लाभ/(हानि)	-20.83	2.1	-11.54	-1.08	-9.44
इक्विटी शेयर पूंजी	502	502	502	502	502
आरक्षित (तुलन पत्र में दर्शाई गई) पुनर्मूल्यांकन आरक्षितों के अतिरिक्त	-	-	-	1.07	2.14
आय प्रति शेयर (रु. 10/- प्रति का) (असाधारण मदों से पूर्व)					
मूल:	-0.41	0.04	-0.23	-0.02	-0.19
तरल:	-0.41	0.04	-0.23	-0.02	-0.19
आय प्रति शेयर (रु. 10/- प्रति का) (असाधारण मदों से बाद)					
मूल:	-0.41	0.04	-0.23	-0.02	-0.19
तरल:	-0.41	0.04	-0.23	-0.02	-0.19

टिप्पणी:
1. उपरोक्त अंकेक्षित वित्तीय परिणामों की ऑडिट कमिटी द्वारा समीक्षा की गई तथा उसके बाद 30 मई, 2019 को आयोजित उनकी बैठक में निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित किये गये।
2. सांविधिक अंकेक्षकों ने 31 मार्च, 2019 को समाप्त वर्ष के वित्तीय विवरणों पर संशोधित ऑडिट रिपोर्ट जारी किये हैं।
3. उपरोक्त सेबी (सूचीयन दायित्व तथा उद्घाटन अपेक्षा) विनियमन, 2015 के विनियमन 33 के अंतर्गत स्टॉक एक्सचैंज में दाखिल 31 मार्च, 2019 को समाप्त तिमाही तथा वर्ष के स्टैंडएलॉन वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का सार है। 31 मार्च, 2019 को समाप्त तिमाही तथा वर्ष के स्टैंडएलॉन वित्तीय परिणामों का सम्पूर्ण प्रारूप स्टॉक एक्सचैंज की वेबसाईट (www.bse.com) तथा कम्पनी की वेबसाईट (www.southerninfosys.com) पर उपलब्ध है।
4. उपरोक्त परिणाम कम्पनी अधिनियम, 2013 के अंतर्गत अधिसूचित भारतीय लेखा मानक (इंड एएस) के अनुपालन में हैं।

साउदर्न इन्फोसिस लिमिटेड के लिये
राकेश मोहन शर्मा
निदेशक
DIN: 02459885

स्थान: नई दिल्ली
तिथि: 30.5.2019

केनरा बैंक Canara Bank

ओवरसीज मुख्य शाखा नई दिल्ली–110001

ई–नीलामी/ बिक्री सूचना 10.07.2019

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 (6) एवं 9 के अंतर्गत ई–नीलामी (ऑन लाइन नीलामी) द्वारा अचल सम्पत्तियों की बिक्री सूचना

एतद्द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है कि वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन अधिनियम, 2002 तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्त्तन) नियमावली, 2002 के प्रावधानों के अंतर्गत कब्जे में ली गई यहां नीचे वर्णित अचल सम्पत्तियों की अधोलिखित नियमों एवं शर्तों पर ई–नीलामी द्वारा बिक्री की जाएगी। ई–नीलामी की व्यवस्था वेबसाईट www.bankeauctions.com के माध्यम में से सेवा प्रदाता मै. सी 1 इंडिया प्रा. लि. द्वारा की जाएगी।

शाखा का नाम/ ऋणधारक(कों)/ गारन्टर(रों) का नाम एवं पता	सम्पत्तियों का संक्षिप्त विवरण	निर्दिष्ट तिथि को कुल देयताएं	आरक्षित मूल्य/ धरोहर राशि भुगतान (ईएमडी) (रु. में)
केनरा बैंक, ओवरसीज मुख्य शाखा, नई दिल्ली–110001 ऋणधारकः मै. जेनिका कार्स इंडिया प्रा. लि.– श्री रशपाल सिंह टोड, पुत्र श्री अजीत सिंह गारन्टरः श्री रशपाल सिंह टोड, पुत्र श्री अजीत सिंह निवासीः डीपीएच–01,सेन्ट्रल पार्क–1, सेक्टर–42, गोल्फ कोर्स रोड, गुड़गाँव, हरियाणा–122001 2. श्री मंधीर सिंह टोड, पुत्र श्री रशपाल सिंह, निवासीः डीपीएच–01,सेन्ट्रल पार्क–1, सेक्टर–42, गोल्फ कोर्स रोड, गुड़गाँव, हरियाणा–122001	निदेशक/ गारन्टर/ मार्टगैजरः श्री रशपाल सिंह टोड तथा श्री मंधीर सिंह टोड के नाम में ऑरिएन्ट बेस्टेक बिजनेस टावर, हीरो होण्डा चौक, सेक्टर–34 गुड़गांव में भवन की सम्पत्ति चौहद्दीः उत्तरः स्पेस नं. सी–1 दक्षिणः खुला पूर्वः कॉरिडोर/ पोर्च पश्चिमः स्पेस नं. सी–1 तथा खुला	29.5.2019 को कुल देयताएंः रु. 6,35,06,000/– (रुपए छह करोड़ पैंतीस लाख छह हजार मात्र) तथा 30.5.2019 से आगे का ब्याज तथा अन्य खर्चे। स्थानीय स्वशासन का विशिष्ट बकाया (सम्पत्ति कर, पानी का टैक्स, बिजली बिल आदि) बैंक को ज्ञात नहीं	आरक्षित मूल्यः रु. 8,25,00,000/– (रुपए आठ करोड़ पच्चीस लाख मात्र) ईएमडीः रु. 82,50,000/– (रुपए बयासी लाख पचास हजार मात्र) 8.7.2019 को 5.00 बजे अप. में।
ईएमडी तथा ईएमडी जमा करने की अंतिम तिथिः रु. 82,50,000/– (रुपए बयासी लाख पचास हजार मात्र) 8.7.2019 को 5.00 बजे अप. में। दस्तावेजों की प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समयः 9.7.2019 को 5.00 बजे अप. में। ई–नीलामीः www.bankeauctions.com पर होगी।			
ई–नीलामी की तिथि एवं समयः 10.7.2019, समय 12.30 अप. से 1.30 अप. (बिक्री की पूर्णता तक प्रति 5 मिनट के असीमित विस्तार के साथ।)			

अन्य नियम एवं शर्तें:

यह बिक्री प्रतिभूति हित (प्रवर्त्तन) नियमावली 2002 में निर्दिष्ट शर्तों तथा निम्न शर्तों के अधीन होगीः

क. सम्पत्ति की बिक्री अधिभार, यदि कोई हो, सहित "जैसा है जहां है आधार" पर की जाएगी। बैंक की जानकारी में कोई अधिभार नहीं है।

ख. नीलामी/ बिक्री वेबसाईट www.bankeauctions.com के माध्यम से "ऑनलाइन इलेक्ट्रॉनिक बोली" होगी। बोलीदाता को सलाह दी जाती है कि ई–नीलामी बिक्री प्रक्रिया में भाग लेने से पूर्व विस्तृत शर्तों के लिए वेबसाईट देखें।

ग. सम्पत्ति का निरीक्षण 5.7.2019 तथा 6.7.2019 को 2.00 बजे से 5.00 बजे अप. तक को प्राधिकृत अधिकारी की पूर्व अनुमति से किया जा सकता है।

घ. सम्पत्ति को आरक्षित मूल्य से कम में नहीं बेचा जाएगा तथा भाग लेने वाले बोलीदाता नीलामी प्रक्रिया के दौरान अपने प्रस्ताव को आगे बढ़ा सकते हैं।

ङ. आरक्षित मूल्य के 10% की ईएमडी का भुगतान प्राधिकृत अधिकारी, केनरा बैंक, ओवरसीज मुख्य शाखा, नई दिल्ली– 110001 के पक्ष में डिमांड ड्राफ्ट द्वारा किया जा सकता है अथवा 8.7.2019 को 5.00 बजे अप. या उससे पूर्व केनरा बैंक, ओवरसीज मुख्य शाखा, नई दिल्ली– 110001, खाता नं. 1588295000001, आईएफएससी कोडः CNRB0001588 की खाता में क्रेडिट के लिए आरटीजीएस/ एनईएफटी/ निधि अंतरण द्वारा किया जा सकता है।

च. इच्छुक बोलीदाता के पास वैध डिजीटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र तथा ई–मेल पता होना चाहिए। डिजीटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र से संबंधित विवरणों के लिए **कृपया सेवा प्रदाता सी 1 इंडिया प्रा.लि., (श्री विनोद चौहान, मो. 09813887931), टेली. 124– 432000 (एक्स्टें. 200), प्लॉट # 301, Ila तल, उद्योग विहार, फेज– II, गुड़गांव, हरियाणा– 122001, Support@bankeauctions.com, delhi C1 India.com, वेबसाईटः https://www.bankeauctions.com** से संपर्क करें। ईएमडी राशि के भुगतान की तिथि को तत्काल बोलीदाता (यदि वैध डिजीटल हस्ताक्षर नहीं हो) डिजिटल हस्ताक्षर प्राप्त करने के लिए उक्त सेवा प्रदाता से संपर्क करें।

छ. ईएमडी के भुगतान के बाद इच्छुक बोलीदाता को केनरा बैंक, ओवरसीज मुख्य शाखा, नई दिल्ली–110001 के पास हाथों–हाथ या ईमेल द्वारा 9.7.2019 के 5.00 बजे अप. से पूर्व अधोलिखित दस्तावेजों/ विवरणों को जमा करना होगाः
(1) ईएमडी राशि के डिमांड ड्राफ्ट/ पे आर्डर, यदि आरटीजीएस/ एनईएफटी द्वारा भुगतान किया गया हो, यूटीआर नं. के साथ उसकी पावती रसीद।
(2) पैन कार्ड, आईडी प्रूफ तथा आवास के प्रमाण की फोटो कॉपी। लेकिन, सफल बोलीदाता को शेष 25% बोली राशि के भुगतान के समय में बैंक के पास इसके मूल दस्तावेजों को जमा करना होगा,
(3) बोलीदाता का नाम, संपर्क सं., पता, ईमेल आईडी,
(4) ईएमडी के ऑन लाइन रिफंड के लिए बैंक खाता का विवरण।

ज. इच्छुक बोलीदाता को पोर्टल www.bankeauctions.com पर अपना नाम पंजीकृत करना होगा तथा निःशुल्क यूजर आईडी तथा पास्वर्ड प्राप्त करना होगा। संभावित बोलीदाता सेवा प्रदाता मै. सी 1 इंडिया प्रा.लि./ (श्री विनोद चौहान, मो. 09813887931), टेली. 124–4302000 (एक्स्टें. 200), प्लॉट # 301, Ila तल, उद्योग विहार, फेज–II, गुड़गांव, हरियाणा– 122001, Support@bankeauctions.com, **delhi C1 India.com, वेबसाईटः https://www.bankeauctions.com** से ई–नीलामी पर ऑन लाइन प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं।

झ. असफल बोलीदाता द्वारा जमा की गई ईएमडी बिक्री के निपटारे के 2 दिनों के भीतर उन्हें वापस लौटा दी जाएगी। ईएमडी पर कोई ब्याज नहीं दिया जाएगा।

ञ. नीलामी उक्त आरक्षित मूल्य पर शुरू होगी। बोलीदाता रु. 10,000/– के गुणक में अपनी बोली में सुधार कर सकते हैं। जो बोली दाता 'ऑनलाइन' नीलामी की समाप्ति पर उच्चतम बोली (आरक्षित मूल्य से कम नहीं) जमा करते हैं उन्हें सफल बोलीदाता घोषित किया जाएगा। बिक्री की पुष्टि सफल बोलीदाता के पक्ष में की जाएगी जो प्रतिभूति, क्रेडीटर की पुष्टि के अधीन होगी।

ट. सफल बोलीदाता को सफल बोलीदाता के रूप में उनकी घोषणा के तत्काल बाद 25% बिक्री मूल्य (पूर्व–प्रदत्त ईएमडी सहित) का भुगतान करना होगा तथा शेष राशि का भुगतान प्रतिभूत क्रेडीटर के पास 15 दिनों के भीतर किया जाएगा। यदि सफल बोलीदाता निर्धारित अवधि में भुगतान नहीं करते हैं तो उनके द्वारा जमा की गई राशि बिना कारण बताए प्राधिकृत अधिकारी द्वारा जब्त कर ली जाएगी तथा संपत्ति की फिर से बिक्री की जाएगी।

ठ. लागू होने वाले कॉन्वीयन्स, स्टाम्प ड्यूटी तथा पंजीकरण चार्जेज आदि का भुगतान केवल सफल बोलीदाता को ही करना होगा।

ड. प्राधिकृत अधिकारी को उसका कारण बताए बिना ई–नीलामी को निरस्त/ स्थगित करने अथवा उसकी शर्तों को परिवर्तित करने का अधिकार है।

ढ. यदि कोई ऐसे बोलीदाता हों जिनके पास इन्टरनेट की सुविधा नहीं हो किन्तु वे ई–नीलामी में भाग लेने के इच्छुक हों, वे सर्किल कार्यालय या केनरा बैंक, सदर बाजार शाखा, नई दिल्ली–110006 शाखा से सम्पर्क करें जो सुविधा केन्द्र के रूप में सभी आवश्यक व्यवस्था करेंगे।

ण. 50.00 लाख से अधिक की बिक्री राशि के लिये बिक्री मूल्य के 1% की दर से टीडीएस का भुगतान किया जायेगा जिसका भुगतान सफल क्रेता को अलग से करना होगा।

त. अधिक विवरणों के लिए संपर्क करें: श्री पुनीत कुमार शर्मा, (मुख्य प्रबंधक), केनरा बैंक, ओवरसीज मुख्य शाखा, नई दिल्ली–110001 (फोन नं. 011–23319608, 23322271, 9717911588) ई–मेल आईडी: cb1588@canarabank.com अथवा सेवा प्रदाता मै. सी 1 इंडिया प्रा.लि. (श्री विनोद चौहान, मो. 09813887931), टेली. 124–4302000 (एक्स्टें. 200), प्लॉट # 301, Ila तल, उद्योग विहार, फेज–II, गुड़गांव, हरियाणा–122001, Support@bankeauctions.com, delhi@c1India.com, वेबसाईटः https://www.bankeauctions.com.

विशेष निर्देश/ चेतावनी :

अंतिम मिनट तथा सैकण्ड में अपने स्वयं के हित में बोलीदाता बोली करने से बचें। न तो केनरा बैंक न ही सेवा प्रदाता किसी चूक/ विफलता (इंटरनेट फैल्योर, पावर फैल्योर आदि के लिए विक्रेता की ओर से उत्तरदायी नहीं होंगे। इस प्रकार की आकस्मिक परिस्थितियों से बचने के लिए बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वांछित बैंक अप विद्युत आपूर्ति जैसी सभी आवश्यक व्यवस्था/ विकल्प का प्रावधान कर लें ताकि वे इस प्रकार की परिस्थिति से निपट सकें तथा नीलामी में सफलतापूर्वक भाग ले सकें।

तिथिः 1.6.2019, स्थानः नई दिल्ली

प्राधिकृत अधिकारी, केनरा बैंक

जेपी इंफ्रा : एनबीसीसी की बोली के खिलाफ मतदान की अनुमति के लिए एनसीएलएटी गए बैंक

नई दिल्ली, 1 जून (भाषा)।

दिवाला प्रक्रिया के तहत नीलाम की जा रही जेपी इंफ्राटेक के कर्जदाताओं ने सार्वजनिक कंपनी एनबीसीसी की बोली के खिलाफ वोट करने की अनुमति देने के लिए राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) में याचिका दायर की है। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

एनबीसीसी की बोली पर मतदान शुक्रवार को शुरू हुआ। यह प्रक्रिया 10 जून तक चलेगी। कर्जदाताओं की समिति (सीओसी) ने गुरुवार को कर्ज तले दबी रीयल्टी कंपनी जेपी इंफ्रा के अधिग्रहण के लिए एनबीसी की बोली पर मतदान कराने का फैसला किया था। सूत्रों के मुताबिक आइडीबीआइ बैंक की अगुआई वाली समिति ने एनसीएलएटी का रुख करते हुए गारंटी पर कर्ज देने वाले वित्तीय संस्थानों/बैंकों को एनबीसीसी की बोली या समाधान योजना के खिलाफ मतदान करने की अनुमति देने का आग्रह किया है।

न्यायाधिकरण ने पिछले महीने कर्जदाताओं को एनबीसीसी की पेशकश को खारिज करने से रोक दिया था। इस के कारण बैंकों ने एनबीसीसी की बोली के खिलाफ मतदान करने की मंजूरी देने के लिए एनसीएलएटी का रुख किया है। कर्जदाताओं ने अपनी याचिका में यह भी कहा कि जेपी इंफ्राटेक के अंतरिम समाधान पेशेवर अनुज जैन और सीओसी को अन्य विकल्प तलाशने की अनुमति देने का आग्रह किया है। इसमें नए रुचि पत्र आमंत्रित करना और अन्य कंपनियों द्वारा जमा की गई बोली पर विचार करना शामिल है।

हाल में अडाणी समूह ने जेपी इंफ्राटेक के अधिग्रहण के लिए स्वैच्छिक रूप से गैर-बाध्यकारी बोली लगाई थी। समूह ने अटकी परियोजनाओं में तेजी लाने के लिए कंपनी में 1,700 करोड़ रुपए की पूंजी डालने की प्रतिबद्धता जताई है। इसके अलावा कर्मचारियों और कर्जदाताओं के बकाए के निपटान के लिए 1,000 करोड़ और 1,000 एकड़ जमीन देने की पेशकश की है। वहीं, जेपी समूह के प्रवर्तकों ने भी कंपनी का नियंत्रण फिर से अपने हाथों में लेने के लिए 10,000 करोड़ रुपए से अधिक की बोली लगाई है।

एमएसएमई क्षेत्र में रोजगार बढ़ाने के लिए पूरी ताकत लगा दूंगा : गडकरी

नागपुर, 1 जून (भाषा)।

सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को कहा कि वह सूक्ष्म, लघु व मध्यम क्षेत्र में रोजगार के अवसर सृजित करने के लिए पूरी ताकत के साथ करेंगे। गडकरी को एमएसएमई मंत्रालय के साथ सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय की भी जिम्मेदारी दी गई है। मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में भी यह मंत्रालय गडकरी के ही पास था।

गडकरी ने अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि उन्होंने अगले डेढ़ साल में हर रोज 40 किलोमीटर सड़क बिछाने का एक नया लक्ष्य रखा है। एमएसएमई मंत्रालय की नई जिम्मेदारी मिलने पर गडकरी ने कहा कि यह पोर्टफोलियो सबसे महत्त्वपूर्ण मुद्दों- देश की आर्थिक वृद्धि और रोजगार सृजन से जुड़ा है। प्रधानमंत्री की इच्छा है कि इस क्षेत्र में रोजगार बढ़े, जोकि अभी बहुत कम है। इस क्षेत्र से रोजगार सृजन बढ़ना चाहिए। मैं इस पहलू पर अपनी पूरी ताकत के साथ काम करूंगा।

जीएसटी संग्रह मई में एक लाख करोड़ रुपए के पार

नई दिल्ली, 1 जून (भाषा)।

माल व सेवा कर (जीएसटी) संग्रह मई में एक लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया। पिछले साल मई में जीएसटी के मद में 94,016 करोड़ रुपए की वसूली हुई थी। सरकार ने शनिवार को यह जानकारी थी।

मई में जीएसटी संग्रह 1,00,289 करोड़ रुपए रहा। यह अप्रैल 2019 के 1,13,865 करोड़ रुपए के जीएसटी संग्रह की तुलना में कम है। अप्रैल में जीएसटी संग्रह अब तक का सबसे ज्यादा राजस्व संग्रह है। यह लगातार तीसरा महीना है, जिसमें जीएसटी संग्रह एक लाख करोड़ रुपए के स्तर को पार कर गया है। मार्च 2019 में 1.06 लाख करोड़ रुपए की वसूली हुई थी। मई में कुल 72.45 लाख संक्षिप्त बिक्री रिटर्न जीएसटीआर-3 बी जमा किए गए। यह अप्रैल में दाखिल किए गए 72.13 लाख रिटर्न की तुलना में अधिक है।

वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि मई में कुल जीएसटी संग्रह 1,00,289 करोड़ रुपए रहा। इसमें केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) 17,811 करोड़ रुपए, राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) 24,462 करोड़ रुपए, एकीकृत जीएसटी (आइजीएसटी) 49,891 करोड़ रुपए और उपकर संग्रह 8,125 करोड़ रुपए रहा। मंत्रालय ने बताया कि फरवरी-मार्च 2019 के लिए जीएसटी क्षतिपूर्ति के रूप में राज्यों को 18,934 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं। मंत्रालय ने कहा कि मई 2019 में जीएसटी संग्रह 2018-19 में हुए औसत मासिक जीएसटी राजस्व (98,114 करोड़ रुपए) से 2.21 फीसद अधिक है और मई 2018 के जीएसटी राजस्व से 6.67 फीसद अधिक है।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda — Stressed Asset Management Branch, Paharganj, New Delhi

PUBLIC NOTICE

Re: Advance A/c.No.830309051000012 & 830306211000038 with our Stressed Asset Management Branch, Paharganj, New Delhi

Notice is hereby given to the public at large that Bank of Baroda has declared the following persons as Wilful Defaulters, in terms of Bank's/ RBI's extant rules and regulations, complying with the due process prescribed therein.

i) M/s Ambey Ferrous Pvt. Ltd. (Borrower)
ii) Mrs. Anu Gupta (Director & Guarantor)
iii) Mr. Hari Lal Morya (Director & Guarantor)

Anu Gupta

Hari Lal Morya

Bank had sent suitable communication to the Borrower/ Guarantor informing the decision of the Bank to declare him/ them as a Wilful Defaulter.
As permitted by the Reserve Bank of India, Bank publishes the photographs of the Wilful Defaulters, for the information of the public at large.

Date : 01.06.2019 — Bank of Baroda, New Delhi
Place : New Delhi

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda — Stressed Asset Management Branch, Paharganj, New Delhi

PUBLIC NOTICE

Re: Advance A/c.No. 600409041000018 with our Stressed Asset Management Branch, Paharganj, New Delhi:

Notice is hereby given to the public at large that Bank of Baroda has declared the following persons as Wilful Defaulters, in terms of Bank's/ RBI's extant rules and regulations, complying with the due process prescribed therein.

i) M/s Pearl Vision Pvt. Ltd. (Borrower)
ii) Mr. Prabodh Kumar Tewari (Director & Guarantor)
iii) Mr. Abhieshek Tewari (Director & Guarantor)

Prabodh Kumar Tewari

Bank had sent suitable communication to the Borrower/ Guarantor informing the decision of the Bank to declare him/ them as a Wilful Defaulter.
As permitted by the Reserve Bank of India, Bank publishes the photographs of the Wilful Defaulters, for the information of the public at large.

Date : 01.06.2019 — Bank of Baroda, New Delhi
Place : New Delhi

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda — Stressed Asset Management Branch, Paharganj, New Delhi

PUBLIC NOTICE

Re: Advance A/c.No 600206211000010 with our Stressed Asset Management Branch, Paharganj, New Delhi:

Notice is hereby given to the public at large that Bank of Baroda has declared the following persons as Wilful Defaulters, in terms of Bank's/ RBI's extant rules and regulations, complying with the due process prescribed therein.

i) M/s Uttam Builders
(Proprietor- Mr. Satpal Babbar)

Satpal Babbar

Bank had sent suitable communication to the Borrower/ Guarantor informing the decision of the Bank to declare him/ them as a Wilful Defaulter.
As permitted by the Reserve Bank of India, Bank publishes the photographs of the Wilful Defaulters, for the information of the public at large.

Date : 01.06.2019 — Bank of Baroda, New Delhi
Place : New Delhi

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda — Stressed Asset Management Branch, Paharganj, New Delhi

PUBLIC NOTICE

Re: Advance A/c.No.830309051000018 & 830306211000042 with our Stressed Asset Management Branch, Paharganj, New Delhi:

Notice is hereby given to the public at large that Bank of Baroda has declared the following persons as Wilful Defaulters, in terms of Bank's/ RBI's extant rules and regulations, complying with the due process prescribed therein.

i) M/s Eco Transmission Pvt. Ltd. (Borrower)
ii) Mrs. Anu Gupta (Director & Guarantor)
iii) Mrs. Mamta Sharma (Director & Guarantor)

Anu Gupta

Mamta Sharma

Bank had sent suitable communication to the Borrower/ Guarantor informing the decision of the Bank to declare him/ them as a Wilful Defaulter.
As permitted by the Reserve Bank of India, Bank publishes the photographs of the Wilful Defaulters, for the information of the public at large.

Date : 01.06.2019 — Bank of Baroda, New Delhi
Place : New Delhi

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda — Stressed Asset Management Branch, Paharganj, New Delhi

PUBLIC NOTICE

Re: Advance A/c.No. 600409051000094, 600406211000083 with our Stressed Asset Management Branch, Paharganj, New Delhi:

Notice is hereby given to the public at large that Bank of Baroda has declared the following persons as Wilful Defaulters, in terms of Bank's/ RBI's extant rules and regulations, complying with the due process prescribed therein.

i) M/s Pearl Studio Pvt. Ltd. (Borrower)
ii) Mr. Prabodh Kumar Tewari (Director & Guarantor)
iii) Mr. Abhieshek Tewari (Director & Guarantor)

Prabodh Kumar Tewari

Bank had sent suitable communication to the Borrower/ Guarantor informing the decision of the Bank to declare him/ them as a Wilful Defaulter.
As permitted by the Reserve Bank of India, Bank publishes the photographs of the Wilful Defaulters, for the information of the public at large.

Date : 01.06.2019 — Bank of Baroda, New Delhi
Place : New Delhi

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda — Stressed Asset Management Branch, Paharganj, New Delhi

PUBLIC NOTICE

Re: Advance A/c.No.604209041000044 with our Stressed Asset Management Branch, Paharganj, New Delhi:

Notice is hereby given to the public at large that Bank of Baroda has declared the following persons as Wilful Defaulters, in terms of Bank's/ RBI's extant rules and regulations, complying with the due process prescribed therein.

i) M/s Fahrenheit Automobiles Pvt. Ltd. (Borrower)
ii) Mr. Kunal Ramchandani (Director & Guarantor)
iii) Mr. Sumit Nanda (Director & Guarantor)

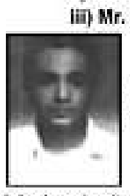
Kunal Ramchandani

Sumit Nanda

Bank had sent suitable communication to the Borrower/ Guarantor informing the decision of the Bank to declare him/ them as a Wilful Defaulter.
As permitted by the Reserve Bank of India, Bank publishes the photographs of the Wilful Defaulters, for the information of the public at large.

Date : 01.06.2019 — Bank of Baroda, New Delhi
Place : New Delhi

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda — Stressed Asset Management Branch, Paharganj, New Delhi

PUBLIC NOTICE

Re: Advance A/c.No. 603109041000019, 603109051000001, 603106511100009, 603106511100010, 603106511100012, 603106511100013, 603106511100015, 603106511100016, 603106511100018, 603106511100020 with our Stressed Asset Management Branch, Paharganj, New Delhi:

Notice is hereby given to the public at large that Bank of Baroda has declared the following persons as Wilful Defaulters, in terms of Bank's/ RBI's extant rules and regulations, complying with the due process prescribed therein.

i) M/s VAngelz Technologies Pvt. Ltd. (Borrower)
ii) Mr. Rupinder Singh Khurana (Director & Guarantor)
iii) Mr. Narinder Singh Azad (Director & Guarantor)

Rupinder Singh Khurana

Narinder Singh Azad

Bank had sent suitable communication to the Borrower/ Guarantor informing the decision of the Bank to declare him/ them as a Wilful Defaulter.
As permitted by the Reserve Bank of India, Bank publishes the photographs of the Wilful Defaulters, for the information of the public at large.

Date : 01.06.2019 — Bank of Baroda, New Delhi
Place : New Delhi

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda — Stressed Asset Management Branch, Paharganj, New Delhi

PUBLIC NOTICE

Re: Advance A/c.No. 604706211000015 with our Stressed Asset Management Branch, Paharganj, New Delhi:

Notice is hereby given to the public at large that Bank of Baroda has declared the following persons as Wilful Defaulters, in terms of Bank's/ RBI's extant rules and regulations, complying with the due process prescribed therein.

i) M/s Guru Kripa Iron Trading Pvt. Ltd. (Borrower)
ii) Mr. Mohan Singh (Director & Guarantor)
iii) Mr. Sajan Kalra (Director & Guarantor)

Mohan Singh

Sajan Kalra

Bank had sent suitable communication to the Borrower/ Guarantor informing the decision of the Bank to declare him/ them as a Wilful Defaulter.
As permitted by the Reserve Bank of India, Bank publishes the photographs of the Wilful Defaulters, for the information of the public at large.

Date : 01.06.2019 — Bank of Baroda, New Delhi
Place : New Delhi

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda — Stressed Asset Management Branch, Paharganj, New Delhi

PUBLIC NOTICE

Re: Advance A/c.No. 603606211000075 with our Stressed Asset Management Branch, Paharganj, New Delhi:

Notice is hereby given to the public at large that Bank of Baroda has declared the following persons as Wilful Defaulters, in terms of Bank's/ RBI's extant rules and regulations, complying with the due process prescribed therein.

i) M/s Jai Road Carrier
(Proprietor-Mr.Ravinder Singh Chandok)

Ravinder Singh Chandok

Bank had sent suitable communication to the Borrower/ Guarantor informing the decision of the Bank to declare him/ them as a Wilful Defaulter.
As permitted by the Reserve Bank of India, Bank publishes the photographs of the Wilful Defaulters, for the information of the public at large.

Date : 01.06.2019 — Bank of Baroda, New Delhi
Place : New Delhi

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda — Stressed Asset Management Branch, Paharganj, New Delhi

PUBLIC NOTICE

Re: Advance A/c.No. 600409051000065 with our Stressed Asset Management Branch, Paharganj, New Delhi:

Notice is hereby given to the public at large that Bank of Baroda has declared the following persons as Wilful Defaulters, in terms of Bank's/ RBI's extant rules and regulations, complying with the due process prescribed therein.

i) M/s Century Communications Ltd. (Borrower)
ii) Mr. Prabodh Kumar Tewari (Director & Guarantor)
iii)) Mr. Abhieshek Tewari (Director &Guarantor)
iv) Mr. Anand Kumar Tewari (Director & Guarantor)

Prabodh Kumar Tewari

Anand Kumar Tewari

Bank had sent suitable communication to the Borrower/ Guarantor informing the decision of the Bank to declare him/ them as a Wilful Defaulter.
As permitted by the Reserve Bank of India, Bank publishes the photographs of the Wilful Defaulters, for the information of the public at large.

Date : 01.06.2019 — Bank of Baroda, New Delhi
Place : New Delhi

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda — Stressed Asset Management Branch, Paharganj, New Delhi

PUBLIC NOTICE

Re: AdvanceA/c.Nos. 600406211000103, 600409051000400, 600409051000399, 600409121000006, 600409121000007 with our Stressed Asset Management Branch, Paharganj, New Delhi:

Notice is hereby given to the public at large that Bank of Baroda has declared the following persons as Wilful Defaulters, in terms of Bank's/ RBI's extant rules and regulations, complying with the due process prescribed therein.

i) M/s Vedika Nut Craft Pvt. Ltd. (in liquidation) (Borrower)
ii) Ms. Ritu Garg (Director & Guarantor)
iii) Mr. Anurag Garg (Director & Guarantor)
iv) M/s. Salasardham Technobuild Pvt. Ltd. (Corporate Guarantor)
v) M/s A R Com Pvt. Ltd. (Corporate Guarantor)
vi) M/s BNG Trade Links Pvt. Ltd. (Corporate Guarantor)
vii) M/s Art Global Pvt. Ltd. (Corporate Guarantor)
viii) M/s Nut Craft Expo Pvt. Ltd. (Corporate Guarantor)

Ritu Garg

Anurag Garg

Bank had sent suitable communication to the Borrower/ Guarantor informing the decision of the Bank to declare him/ them as a Wilful Defaulter.
As permitted by the Reserve Bank of India, Bank publishes the photographs of the Wilful Defaulters, for the information of the public at large.

Date : 01.06.2019 — Bank of Baroda, New Delhi
Place : New Delhi

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda — Stressed Asset Management Branch, Paharganj, New Delhi

PUBLIC NOTICE

Re: Advance A/c.No. 830309051000011 & 830306211000040 with our Stressed Asset Management Branch, Paharganj, New Delhi:

Notice is hereby given to the public at large that Bank of Baroda has declared the following persons as Wilful Defaulters, in terms of Bank's/ RBI's extant rules and regulations, complying with the due process prescribed therein.

i) M/s Samsun Cables Pvt. Ltd. (Borrower)
ii) Mr. Rajesh Gupta (Director & Guarantor)
iii) Mrs. Mamta Sharma (Director & Guarantor)

Rajesh Gupta

Mamta Sharma

Bank had sent suitable communication to the Borrower/ Guarantor informing the decision of the Bank to declare him/ them as a Wilful Defaulter.
As permitted by the Reserve Bank of India, Bank publishes the photographs of the Wilful Defaulters, for the information of the public at large.

Date : 01.06.2019 — Bank of Baroda, New Delhi
Place : New Delhi

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda — Stressed Asset Management Branch, Paharganj, New Delhi

PUBLIC NOTICE

Re: Advance A/c.No 604306211000004 with our Stressed Asset Management Branch, Paharganj, New Delhi:

Notice is hereby given to the public at large that Bank of Baroda has declared the following persons as Wilful Defaulters, in terms of Bank's/ RBI's extant rules and regulations, complying with the due process prescribed therein.

i) M/s Saini Dewatering
(Proprietor-Mr.Kirpal Singh)

Kirpal Singh

Bank had sent suitable communication to the Borrower/ Guarantor informing the decision of the Bank to declare him/ them as a Wilful Defaulter.
As permitted by the Reserve Bank of India, Bank publishes the photographs of the Wilful Defaulters, for the information of the public at large.

Date : 01.06.2019 — Bank of Baroda, New Delhi
Place : New Delhi

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda — Stressed Asset Management Branch, Paharganj, New Delhi

PUBLIC NOTICE

Re: Advance A/c.No. 600409051000094, 6004061100083 with our Stressed Asset Management Branch, Paharganj, New Delhi:

Notice is hereby given to the public at large that Bank of Baroda has declared the following persons as Wilful Defaulters, in terms of Bank's/ RBI's extant rules and regulations, complying with the due process prescribed therein.

i) M/s Pixion Vision Pvt. Ltd. (Borrower)
ii) Mr. Prabodh Kumar Tewari (Director & Guarantor)
iii) Mr. Anand Kumar Tewari (Director &Guarantor)

Prabodh Kumar Tewari

Anand Kumar Tewari

Bank had sent suitable communication to the Borrower/ Guarantor informing the decision of the Bank to declare him/ them as a Wilful Defaulter.
As permitted by the Reserve Bank of India, Bank publishes the photographs of the Wilful Defaulters, for the information of the public at large.

Date : 01.06.2019 — Bank of Baroda, New Delhi
Place : New Delhi

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda — Stressed Asset Management Branch, Paharganj, New Delhi

PUBLIC NOTICE

Re:AdvanceA/c.Nos.603609511000110, 603609511000111, 603609511000112, 603609511000113 with our Stressed Asset Management Branch, Paharganj, New Delhi:

Notice is hereby given to the public at large that Bank of Baroda has declared the following persons as Wilful Defaulters, in terms of Bank's/ RBI's extant rules and regulations, complying with the due process prescribed therein.

i) M/s Creative Home Fashions Pvt. Ltd. (Borrower)
ii) Mr. T.O. Joseph (Director & Guarantor)
iii) Mrs. Elizabeth Thomas (Director & Guarantor)
iv) Mrs. Sophy Joseph (Director & Guarantor)
v) M/s Well Computers Exim Pvt. Ltd. (Corporate Guarantor)
vi) M/s. G. K Products Pvt. Ltd. (Corporate Guarantor)
vii) Mrs. Geeta Advani (Director/ Guarantor)

T.O.Joseph

Elizabeth Thomas
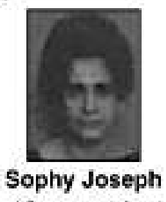
Sophy Joseph

Bank had sent suitable communication to the Borrower/ Guarantor informing the decision of the Bank to declare him/ them as a Wilful Defaulter.
As permitted by the Reserve Bank of India, Bank publishes the photographs of the Wilful Defaulters, for the information of the public at large.

Date : 01.06.2019 — Bank of Baroda, New Delhi
Place : New Delhi

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda — Stressed Asset Management Branch, Paharganj, New Delhi

PUBLIC NOTICE

Re: Advance A/c.No. 600409051000053, 600409051000068, 600406211000071 with our Stressed Asset Management Branch, Paharganj, New Delhi:

Notice is hereby given to the public at large that Bank of Baroda has declared the following persons as Wilful Defaulters, in terms of Bank's/ RBI's extant rules and regulations, complying with the due process prescribed therein.

i) M/s SVIL Mines Ltd. (Borrower)
ii) Mr. Sanjay Jain (Director & Guarantor)
iii) Mr. Rajiv Jain (Director & Guarantor)

Sanjay Jain
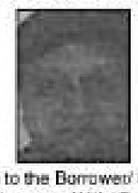
Rajiv Jain

Bank had sent suitable communication to the Borrower/ Guarantor informing the decision of the Bank to declare him/ them as a Wilful Defaulter.
As permitted by the Reserve Bank of India, Bank publishes the photographs of the Wilful Defaulters, for the information of the public at large.

Date : 01.06.2019 — Bank of Baroda, New Delhi
Place : New Delhi

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda — Stressed Asset Management Branch, Paharganj, New Delhi

PUBLIC NOTICE

Re: Advance A/c.No 711309511000003 with our Stressed Asset Management Branch, Paharganj, New Delhi:

Notice is hereby given to the public at large that Bank of Baroda has declared the following persons as Wilful Defaulters, in terms of Bank's/ RBI's extant rules and regulations, complying with the due process prescribed therein.

i) M/s Tanishqa Industries
(Proprietor- Mr. Rakesh Gupta)

Rakesh Gupta

Bank had sent suitable communication to the Borrower/ Guarantor informing the decision of the Bank to declare him/ them as a Wilful Defaulter.
As permitted by the Reserve Bank of India, Bank publishes the photographs of the Wilful Defaulters, for the information of the public at large.

Date : 01.06.2019 — Bank of Baroda, New Delhi
Place : New Delhi

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda — Stressed Asset Management Branch, Paharganj, New Delhi

PUBLIC NOTICE

Re: Advance A/c.No. 600409051000104 with our Stressed Asset Management Branch, Paharganj, New Delhi:

Notice is hereby given to the public at large that Bank of Baroda has declared the following persons as Wilful Defaulters, in terms of Bank's/ RBI's extant rules and regulations, complying with the due process prescribed therein.

i) M/s Pixion Media Pvt. Ltd. (Borrower)
ii) Mr. Prabodh Kumar Tewari (Director & Guarantor)
iii) Mr. Anand Kumar Tewari (Director &Guarantor)

Prabodh Kumar Tewari

Anand Kumar Tewari

Bank had sent suitable communication to the Borrower/ Guarantor informing the decision of the Bank to declare him/ them as a Wilful Defaulter.
As permitted by the Reserve Bank of India, Bank publishes the photographs of the Wilful Defaulters, for the information of the public at large.

Date : 01.06.2019 — Bank of Baroda, New Delhi
Place : New Delhi

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda — Stressed Asset Management Branch, Paharganj, New Delhi

PUBLIC NOTICE

Re: Advance A/c.No. 951406511300002, 951406511300003, 951406511300004, 951406511300011, 951400301000058, with our Stressed Asset Management Branch, Paharganj, New Delhi:

Notice is hereby given to the public at large that Bank of Baroda has declared the following persons as Wilful Defaulters, in terms of Bank's/ RBI's extant rules and regulations, complying with the due process prescribed therein.

i) M/s Sai Garments VGL Pvt. Ltd. (Borrower)
ii) Mr. Vinish Arya (Director & Guarantor)
iii) Mr. Girish Kumar (Director & Guarantor)

Vinish Arya

Girish Kumar

Bank had sent suitable communication to the Borrower/ Guarantor informing the decision of the Bank to declare him/ them as a Wilful Defaulter.
As permitted by the Reserve Bank of India, Bank publishes the photographs of the Wilful Defaulters, for the information of the public at large.

Date : 01.06.2019 — Bank of Baroda, New Delhi
Place : New Delhi

कांग्रेस उम्मीदवार की हत्या में दो गिरफ्तार

ब्रह्मपुर, 1 जून (भाषा)। ओड़ीशा के गंजम जिले में कांग्रेस उम्मीदवार की हत्या के मामले में पुलिस ने मुठभेड़ के बाद दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

अस्का विधानसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार मनोज जेना को मतगणना से एक दिन पहले 22 मई को गोली मार दी गई थी। घायल जेना की 24 मई को मौत हो गई थी। चुनाव परिणाम के मुताबिक वह विधानसभा चुनाव भी नहीं जीत सके। हत्या के संबंध में शुक्रवार देर रात दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने शनिवार को बताया कि गोपनीय सूचना मिलने पर गोलंथारा क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी गई। पुलिस को देखने के बाद दो लोगों ने गोलीबारी शुरू कर दी और भागने की कोशिश की।

ब्रह्मपुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार राउत्रे ने बताया कि पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की और दो लोगों को पकड़ लिया। इस दौरान तीन अन्य लोग भागने में सफल रहे। पुलिस अधिकारी ने कहा कि मुठभेड़ में दो आरोपी और दो पुलिसवाले घायल हो गए। घायल पुलिसकर्मियों को उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। राउत्रे ने कहा कि घटनास्थल से दो देसी पिस्तौल, तीन कारतूस और एक मोटर साइकिल बरामद हुई।

संदिग्धों को पीटने के आरोपी पुलिसकर्मी थाने से फरार

सूरत, 1 जून (भाषा)। गुजरात के सूरत में तीन संदिग्धों को बुरी तरह से पीटने के आरोप में एक पुलिस निरीक्षक समेत आठ पुलिसकर्मियों को शनिवार को गिरफ्तार किया गया। उनकी पिटाई की वजह से एक संदिग्ध के गहरी सिर में चोट आई है। सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) पीएल चौधरी ने बताया कि शहर के खतोदरा थाने में गिरफ्तारी के बाद आरोपी पुलिसकर्मियों को जमानत दी जा रही थी, लेकिन वे फरार हो गए हैं और उन्हें पकड़ने की कोशिश की जा रही है।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

बी-2/1, ज्वाला हेरी मार्केट के निकट, पश्चिम विहार, नई दिल्ली- 110063
सम्पर्क नं.- 9152941158

[नियम 8 (1)] कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति के लिये)

जैसा कि, वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (2002 के 54) के अंतर्गत देना बैंक- अब बैंक ऑफ बड़ौदा के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के [नियम 3] के साथ पठित धारा 13 (12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने मांग सूचना तिथि 14.6.2007 जारी कर ऋणधारक श्रीमती नीलम खुल्लर एवं श्री विनोद खुल्लर को सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर सूचना में वर्णित राशि रु. 1307782 (रुपये तेरह लाख सात हजार सात सौ बयासी मात्र) तथा अ-प्रभारित ब्याज एवं 1.5.2017 से देय अन्य चार्जेज वापस लौटाने का निर्देश दिया था।

ऋणधारक इस राशि को वापस लौटाने में विफल रहे, अतः एतद्द्वारा ऋणधारक तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आज, 29 मई, 2019 को अधोहस्ताक्षरी ने उक्त प्रतिभूति हित प्रवर्तन नियमावली 2002 के नियम 8 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (4) के अंतर्गत उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का कब्जा कर लिया है।

विशेष रूप से ऋणधारकों/ गारन्टरों/ मार्टगैजरों तथा आम जनता को एतद्द्वारा सतर्क किया जाता है कि वे यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का व्यवसाय न करें तथा इन सम्पत्तियों का किसी भी तरह का व्यवसाय रु. 1307782 तथा उस पर ब्याज की राशि के लिये देना बैंक- अब, बैंक ऑफ बड़ौदा के चार्ज के अधीन होगा।

ऋणधारक का ध्यान प्रतिभूत परिसम्पत्तियों को विमोचित करने के लिए उपलब्ध समय के संदर्भ में अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों के प्रति आकृष्ट की जाती है।

अचल सम्पत्ति का विवरण

मैन चावड़ी बाजार, दिल्ली- 110006 में स्थित सम्पत्ति सं. 900 एवं 901, सम्पूर्ण दूसरा तल, माप 100 वर्ग यार्ड्स, बिना छत/ टैरेस के अधिकार के, का सभी भाग तथा हिस्सा।

तिथि: 29.05.2019, स्थान: नई दिल्ली — सहा. महा प्रबंधक/ प्राधिकृत अधिकारी

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda — India's International Bank

बी 2/1, ज्वालाहेरी मार्केट के निकट, पश्चिम विहार, नई दिल्ली-110063
सम्पर्क नं.-9152941158

[नियम 8 (1)] कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति के लिये)

जैसा कि, वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (2002 के 54) के अंतर्गत देना बैंक-अब बैंक ऑफ बड़ौदा के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के [नियम 3] के साथ पठित धारा 13 (12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने मांग सूचना तिथि 14.6.2007 जारी कर ऋणधारक श्री संतोष बनर्जी एवं श्रीमती मीनाक्षी बनर्जी को उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर सूचना में वर्णित राशि रु. 1513633/- (रुपये पन्द्रह लाख तेरह हजार छः सौ तैंतीस मात्र) तथा 1.5.2017 से उस पर अप्रभारित ब्याज तथा अन्य चार्जेज वापस लौटाने का निर्देश दिया था।

ऋणधारक इस राशि को वापस लौटाने में विफल रहे, अतः एतद्द्वारा ऋणधारक तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आज, 29 मई, 2019 को अधोहस्ताक्षरी ने उक्त प्रतिभूति हित प्रवर्तन नियमावली 2002 के नियम 8 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13 (4) के अंतर्गत उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का कब्जा कर लिया है।

विशेष रूप से ऋणधारकों तथा आम जनता को एतद्द्वारा सतर्क किया जाता है कि वे यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का व्यवसाय न करें तथा इन सम्पत्तियों का किसी भी तरह का व्यवसाय रु. 1513633 तथा उस पर ब्याज की राशि के लिये देना बैंक-अब बैंक ऑफ बड़ौदा के चार्ज के अधीन होगा।

ऋणधारक का ध्यान प्रतिभूत परिसम्पत्तियों को विमोचित करने के लिए उपलब्ध समय के संदर्भ में अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों के प्रति आकृष्ट की जाती है।

अचल सम्पत्ति का विवरण

निर्मित सम्पत्ति सं. 900 तथा 901, पुराना नं. 316, क्षेत्रफल माप 100 वर्ग यार्ड्स जो चावड़ी बाजार, दिल्ली राज्य, दिल्ली की आबादी में स्थित है, का प्रथम् तल, बिना छत के अधिकार के।

तिथि: 29.05.2019, स्थान: नई दिल्ली — सहा. महा प्रबंधक/प्राधिकृत अधिकारी

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया Union Bank of India

कब्जा नोटिस [प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 8(1) के अन्तर्गत]

यद्यपि, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण व पुनर्गठन एवं प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13 (12) तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 3 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का अनुप्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी, यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया का प्राधिकृत अधिकारी है ने निम्न ऋणियों को देय नोटिस जारी कर बकाया राशि तथा उस पर ब्याज का भुगतान 60 दिनों के भीतर करने को कहा था। ऋणियों के द्वारा निर्धारित समय के भीतर बकाया राशि का भुगतान न किये जाने पर एतद् द्वारा ऋणियों और सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकृत अधिकारी द्वारा उपरोक्त अधिनियम की धारा 13, उपधारा 4 के साथ पठित उपरोक्त नियम 8 के अंतर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए नीचे उल्लिखित सम्पत्तियों पर कब्जा कर लिया है। ऋणियों का ध्यान, बंधक सम्पत्तियों को मुक्त कराने हेतु उपलब्ध समय सीमा से सम्बन्धित, अधिनियम की धारा 13 की उप धारा 8 की तरफ आकर्षित किया जाता है। ऋणियों को विशेष रूप से तथा सर्वसाधारण सामान्यतः चेतावनी दी जाती है कि निम्नलिखित सम्पत्तियों में किसी भी प्रकार का लेन-देन/व्यवहार न करें। सम्पत्तियों के सम्बन्ध में किया गया संव्यवहार, यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया की देय राशि व उस पर ब्याज व अन्य व्यय आदि के अधीन होगा।

ऋणी/बंधककर्ता/गारन्टर का नाम व पता	देय नोटिस की दिनांक एवं बकाया राशि, कब्जे की तिथि	बन्धक सम्पत्ति का विवरण
शाखा - ए.डी.ए., आगरा		
मै0 जेएमडी इन्फ्रास्ट्रक्चर सोल्यूशन, प्रोपराइटर, श्री मुकेश चन्द दोनों निवासी सम्पत्ति मकान नम्बर 62, अवधपुरी, शाहगंज, आगरा। 1. श्री मुकेश चन्द मकान नम्बर 266 सेक्टर 47 गुड़गांव हरियाणा-122001 2. श्री शैलेन्द्र अग्रवाल, मकान नम्बर 119, इटावा रोड, सिरसागंज, शिकोहाबाद, फिरोजाबाद-205151 3. श्री महेश चन्द 6, 1, पैंठगढ़ 1/2, बंगालका, किरावली, आगरा (यू.पी.) 283101 4. मै0 प्राश्री इन्फ्राटेक प्रा लि0 35 बी, प्रथमतल, प्राश्री एन्क्लेव, निकट बैंक ऑफ इण्डिया, शास्त्रीपुरम, आगरा, उत्तर प्रदेश-282007	दि.17.12.2018 रु. 3,90,58,374.32 + ब्याज व अन्य खर्च दि.29.05.2019	सम्पत्ति का विवरण जिस पर कब्जा लिया गया-1. साम्यिक बंधक सम्पत्ति आवासीय जमीन खसरा नम्बर 124 और खसरा नम्बर 298 मौजा मंगाई, लोहामण्डी वार्ड, आगरा क्षेत्रफल 2700 वर्ग मीटर सम्पत्ति मै0 प्राश्री इन्फ्रा स्टेट प्रा0 द्वारा डायरेक्टर श्री मुकेश चन्द के नाम चौहद्दी: उत्तर: ब्रजेश अग्रवाल की सम्पत्ति, दक्षिण: पप्पू सिंह की सम्पत्ति, पूर्व: 9 मीटर चौड़ा रोड, पश्चिम: पप्पू सिंह की जमीन खसरा नम्बर 308 2. साम्यक बंधक सम्पत्ति प्लाट नम्बर 36 ए, भाग खसरा नम्बर 184, स्वदेशी कॉलोनी मौजा कबरई, लोहामण्डी, आगरा, क्षेत्रफल 124.49 वर्ग मीटर्स सम्पत्ति श्री महेश चन्द पुत्र श्री हीरा लाल के नाम चौहद्दी: उत्तर: मंदिर की सम्पत्ति, दक्षिण: अन्य का प्लाट नम्बर 36, पूर्व: अन्य का प्लाट नम्बर 20, पश्चिम: कॉलोनी रोड 30 फुट चौड़ा

दिनांक: 29.05.2019, स्थान: आगरा — प्राधिकृत अधिकारी

मुंबई ऋण वसूली न्यायाधिकरण

प्रपत्र क्र.२४ (विनियमन ३३ (२))

मुंबई ऋण वसूली न्यायाधिकरण क्र.२, मुंबई.
वसूली अधिकारी, डीआरटी–२ का कार्यालय
तिसरी मंजिल, एमटीएनएल भवन, कोलाबा मार्केट, कोलाबा, मुंबई ४०० ००५
वसूली की कार्यवाही क्र. १६३/२०१८

प्रदर्शित क्र. १०
अगली तारीख: १३.०६.२०१९

बैंक ऑफ बड़ौदा ... प्रमाणित धारक
विरुध्द
होलीस्टार नेचरल रिसोर्सेस प्रा. लि. एवं अन्य ... प्रमाणित देनदार

मांग नोटीस

मा. पीठासन अधिकारी, डी.आर.टी.२ द्वारा ओ.ए. क्र.११५/२०१४ में निर्गमित वसूली प्रमाणपत्र के अनुसार, रु.२४,०९,४८,६०४/- (रुपया चौबीस करोड़ नौ लाख अड़तालीस हजार छः सौ चार सिर्फ) एवं ब्याज की रकम आपसे देय है।

आपको इस द्वारा निर्देशित किया जाता है कि उक्त रकम इस नोटीस की प्राप्ती से पंद्रह दिनों में जमा करें अन्यथा इसकी वसूली कानूनी तौर पर की जाएगी।

उक्त रकम के अलावा निम्नस्वरूप रकम भरना आपका दायित्व होगा:

(अ) क्रियान्वयन कार्यवाही की इस नोटीस के तहेत तुरन्त प्रारंभ होनेवाले कालावधी के लिए देय ब्याज।

(ब) इस नोटीस को सौंप देने के बारेमें तथा देय रकम की वसूली के लिये की जानेवाली अन्य कार्यवाही के लिए सभी मूल्य, शुल्क एवं खर्चा।

मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायाधिकरण की मुद्रा के साथ दिनांक १५ मई २०१९ को निर्गमित।

हस्ताक्षर/-
(सुजीत कुमार)
वसूली अधिकारी
ऋण वसूली न्यायाधिकरण क्र.२ मुंबई

मुद्रा

प्रति,
१ होलीस्टार नेचरल रिसोर्सेस प्रा. लि.
१२९-बी, [illegible], नई दिल्ली – ११००२९ ..... प्रमाणित देनदार क्र.१
२. मै. [illegible] इन्फ्रास्ट्रक्चर लि.
६०१, [illegible], आश्रम रोड, अहमदाबाद – ३८०००९ ..... प्रमाणित देनदार क्र.४

क्षेत्रीय निदेशक

उत्तरी क्षेत्र के समक्ष
कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुच्छेद 13 के मामले में
और
जेबीएम कॉर्पोरेट सर्विसिज प्राइवेट लिमिटेड के मामले में
पंजीकृत कार्यालय 601, हेमकुंट चैम्बर्स, 89, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली -110019
(CIN: U74140DL2011PTC227157)

..............याचिकाकर्ता

सूचना

ऊपर वर्णित नामक याचिकाकर्ता ने कंपनी का पंजीकृत कार्यालय रा.रा.क्षे. दिल्ली से गुजरात राज्य में स्थानानांतरित करने के लिये संगम ज्ञापन के उपबंध II में बदलाव करने के लिये सोमवार, 27 मई, 2019 को हुई असाधारण आम सभा में एक विशेष संकल्प पारित किया।

कंपनी के पंजीकृत कार्यालय का बदलाव, जो कि क्षेत्रीय निदेशक (उत्तरी क्षेत्र)/अन्य उपयुक्त प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित किया जाना अपेक्षित है, प्रचालनों के प्रबंधन के लिये अधिक सुविधाजनक और किफायती माना जाता है। इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से एक माह के बाद, जरूरी याचिका क्षेत्रीय निदेशक (उत्तरी क्षेत्र) के समक्ष दायर की जायेगी। कोई भी व्यक्ति जिसका हित संगम ज्ञापन में प्रस्तावित बदलाव से प्रभावित होने की संभावना है, वह हित की प्रकृति और याचिका के विरोध के आधार के साथ, यदि कोई है, इस सूचना के प्रकाशन की तिथि के इक्कीस दिनों के भीतर क्षेत्रीय निदेशक (उत्तरी क्षेत्र), बी–2, दूसरा तल, पर्यावरण भवन, सीजीओ काम्पलेक्स, नई दिल्ली–110003 को सूचित कर सकता है, आपत्तियां, यदि कोई हैं, मूल रूप में ऊपर वर्णित कंपनी के पंजीकृत कार्यालय को एक प्रति के साथ उपर्युक्त क्षेत्रीय निदेशक को भेजी जानी चाहिये।

कृते जेबीएम कॉर्पोरेट सर्विसिज प्राइवेट लिमिटेड
हस्ता/–
(विनय माहेश्वरी)
निदेशक

स्थान: गुरुग्राम, हरियाणा
दिनांक:27.05.2019

सुदेव इंडस्ट्रीज लिमिटेड

पंजी. कार्यालय: 847, बरा दरवाजा, कायस्थवाडा, सिकन्दराबाद, बुलन्दशहर, उ.प्र.–203205
CIN:L25201UP1992PLC018150, टेली.: +91–9350461080, ईमेल: info@sudev.co.in

31.03.2019 को समाप्त तिमाही के लिये अंकेक्षित परिणामों का विवरण

(ऑकड़े रु. "लाख" में)

क्रम सं.	विवरण	समाप्त तिमाही 31.3.2019 (अंकेक्षित)	समाप्त तिमाही 31.3.2018 (अंकेक्षित)	समाप्त तिमाही 31.3.2018 (अंकेक्षित)	तिथि तक वर्ष 31.3.2019 (अंकेक्षित)	तिथि तक वर्ष 31.3.2018 (अंकेक्षित)
1.	प्रचालनों से आय	–	–	–	–	3.75
2.	शुद्ध बिक्री/प्रचालनों से आय करने से पूर्व सामान्य क्रियाकलापों से लाभ/(हानि)	(3.23)	(2.39)	(3.26)	(7.08)	(4.78)
3.	कर से बाद सामान्य क्रियाकलापों से लाभ/(हानि)	(3.23)	(2.39)	(3.26)	(7.08)	(4.78)
4.	अवधि के लिए शुद्ध लाभ (+)/ हानि (–)	(3.23)	(2.39)	(3.26)	(7.08)	(4.78)
5.	प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी (रु. 10/– प्रति पूर्णतः प्रदत्त का इक्विटी शेयर)	350.07	350.07	350.07	350.07	350.07
6.	आय प्रति शेयर (असाधारण मदों से पूर्व) रु. प्रति (वार्षिकीकृत नहीं)					
	क) मूल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	ख) तरल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
7.	आय प्रति शेयर (असाधारण मदों के बाद) रु. प्रति (वार्षिकीकृत नहीं)					
	क) मूल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	ख) तरल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00

वित्तीय परिणामों की संलग्न टिप्पणियों को देखें

टिप्पणी:

1. उपरोक्त विवरण 30.05.2019 को आयोजित उनकी बैठक में निदेशक मंडल द्वारा अभिलेख में लिये गये हैं।
2. चूंकि, कम्पनी का व्यावसायिक क्रिया कलाप एकल खंड में आता है, खंड–वार विवरण लागू नहीं है।
3. तिमाही के दौरान निवेशक से कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई।
4. जहां भी जरूरी हुआ, पूर्व अवधि के आँकड़े पुनर्वर्गीकृत/पुनर्व्यवस्थित किये गये हैं।
5. कम्पनी के इन वित्तीय परिणामों को कम्पनी भारतीय लेखा मानक नियमावली, 2015 के नियम 3 तथा कम्पनी भारतीय लेखा मानक संशोधन नियमावली, 2016 के साथ पठित कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 133 के अनुपालन में कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय द्वारा अधिसूचित भारतीय लेखा मानक (इंड ए एस) के अनुसार तैयार किया गया है।

सुदेव इंडस्ट्रीज लिमिटेड के लिये
हस्ता./–
राजीव अग्रवाल
निदेशक

स्थान: उत्तर प्रदेश
तिथि: 30.05.2019

सिंडिकेटबैंक SyndicateBank

एसएमई फरीदाबाद शाखा
आईएफ/ 20, एनआईटी बस स्टैंड के सामने, फरीदाबाद– 121001, फोन: 2429146

संदर्भ सं. 8238/ सरफैसी सूचना/ 2009 — तिथि: 2.5.2019

वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13 (2) के अंतर्गत सूचना

सेवा में,
मै. ए वन ट्रेड लिंक्स द्वारा उसके प्रॉप्राईटर श्री करण कुमार भाटिया
निवासी: 5ई 22, बंगला प्लॉट, एनआईटी फरीदाबाद– 121001
श्री करण कुमार भाटिया, प्रॉप्राईटर मै. ए वन ट्रेड लिंक्स
निवासी: 5ई 22, बंगला प्लॉट, एनआईटी फरीदाबाद– 121001
गारन्टर/ स्युरिटी:
श्रीमती निकिता भाटिया पत्नी श्री करण कुमार भाटिया,
निवासी: 5ई 22, बंगला प्लॉट, एनआईटी फरीदाबाद– 121001

1. हमने आपके अनुरोध पर रु. 17000000/– की कुल राशि के लिये ऋणधारक/ कों को विविध साख सीमायें स्वीकृत की है तथा हम यहां स्वीकृत विविध सुविधाओं का सम्पूर्ण विवरण दे रहे हैं:

क्रम सं.	खाता नं.	सुविधा की राशि	30.4.2019 को विशिष्ट बकाया	एनपीए की तिथि
1.	एसओडी– 8238140000091	1,70,00,000/–	1,99,70,603.02	29.4.2019
	कुल		1,99,70,603.02	

2. चूंकि आपने देयताओं के पुनर्भुगतान में चूक की है, हमने भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी निर्देशों अथवा दिशानिर्देशों के अनुसार आपकी खाताओं को गैर–प्रचालन परिसम्पत्ति के रूप में वर्गीकृत कर दिया है।
3. ऋण दस्तावेजों के स्वीकृत शर्तों के विरुद्ध भुगतान में लगातार चूक को देखते हुए सम्पूर्ण राशि देय हो गया है। अतः 01.05.2019 से ब्याज तथा लागत के साथ रु. 19970603.02 (रुपये एक करोड़ निन्यानवे लाख सत्तर हजार छः सौ तीन तथा पैसे दो मात्र) की राशि बकाया है।
4. हम आपको यह भी सूचित करते हैं कि हमें देय सम्पूर्ण बकाया राशि के लिये पुनर्भुगतान के लिये हमारी बार–बार की सूचनाओं तथा मौखिक अनुरोधों के बावजूद आपने अभी तक उसका भुगतान नहीं किया है।
5. आप जानते हैं कि हमारे द्वारा स्वीकृत विभिन्न सीमाऐं अधोलिखित परिसम्पत्तियों द्वारा प्रतिभूत है:
श्री करण कुमार भाटिया के स्वामित्व में दो मंजिला बिल्डिंग जिसमें भू तल पर कार्यालय यूनिट तथा 266.66 वर्ग यार्ड्स के प्लॉट जो बंगला प्लॉट नं. 5ई/22, बी.पी. एनएच–5, एनआईटी जिला फरीदाबाद का भाग है, पर आवासीय यूनिट के साथ एक गोदाम है जिसकी चौहद्दी इस प्रकार है:
उत्तर: रोड़, दक्षिण: रास्ता, पूर्व: एच नं. 5ई/21 बीपी. पश्चिम: एच.नं. 5ई/22 (पश्चिमी भाग)
6. ऊपर वर्णित कारणों से हम आपको निर्देश देते है कि इस सूचना की तिथि से 60 दिनों के भीतर हमारे प्रति अपनी सम्पूर्ण देयताओं को निष्पादित करें अन्यथा हम ऊपर वर्णित प्रतिभूत परिसम्पत्तियों के विरुद्ध वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम की धारा 13 के अंतर्गत शक्तियों का प्रयोग करेंगे। अधिनियम की धारा 13 के अंतर्गत हमें उपलब्ध शक्तियों में अन्य बातों के साथ शामिल हैं:
क) प्रतिभूत परिसम्पत्तियों की उगाही के लिये पट्टा, एसाइन्मेन्ट अथवा बिक्री द्वारा अंतरण के अधिकार सहित ऋणधारक की प्रतिभूत परिसम्पत्तियों को कब्जे में लेना,
ख) प्रतिभूत परिसम्पत्तियों की उगाही के लिये पट्टा, एसाइन्मेन्ट अथवा बिक्री द्वारा अंतरण के अधिकार सहित व्यवसाय के प्रबंधन का अधिग्रहण तथा हमारे द्वारा प्रतिभूत परिसम्पत्ति का किसी प्रकार के स्थानांतरण से अंतरिती को प्रतिभूत परिसम्पत्ति के संदर्भ में सभी अधिकार उसी तरह से प्राप्त होगा मानो यह अंतरण आप ने ही किया हो।
7. उपरोक्त शक्तियों के प्रयोग से वसूल की गई राशि का सर्वप्रथम उन सभी लागतों, चार्जेज तथा खर्चे के भुगतान में किया जायेगा जो हमारे विचार में हमारे द्वारा उपयुक्त रूप में वहन किये गये हैं अथवा उससे संबंधित अन्य कोई अनुषांगित खर्चे में वहन किये गये हैं तथा द्वितीयतः उसका प्रयोग भुगतान की तिथि से वास्तविक वसूली की तिथि तक अनुबंधित ब्याज के साथ उपरोक्त हमारी बकायों के निष्पादन में किया जायेगा तथा शेष धन, यदि कोई हो, का भुगतान आपको किया जायेगा।
8. कृपया ध्यान रहे कि इस सूचना की प्राप्ति के बाद बैंक (प्रतिभूत क्रेडीटर) की लिखित पूर्व अनुमति के बिना आप इस सूचना में वर्णित प्रतिभूत परिसम्पत्तियों का बिक्री, पट्टा अथवा अन्य किसी रूप से अंतरण नहीं करेंगे। यदि ऐसा किया जाता है तो वह अधिनियम की धारा 29 के अंतर्गत एक दंडनीय अपराध होगा।
9. आपका ध्यान प्रतिभूत परिसम्पत्तियों को विमोचित करने के लिये उपलब्ध समय के संदर्भ में अधिनियम की धारा 13 की उप–धारा (8) के प्रावधानों के प्रति आकृष्ट की जाती है।
10. कृपया ध्यान रहे कि यह सम्पूर्ण बकाया राशि अथवा उगाही की तिथि तक देय ब्याज तथा लागतों के साथ उसके किसी भाग की वसूली के लिये डीआरटी/सक्षम न्यायालय के समक्ष आप सभी के विरुद्ध जाने के लिये बैंक के अधिकारों के प्रति पूर्वाग्रह रहित है।

स्थान: फरीदाबाद — प्राधिकृत अधिकारी
तिथि: 2.6.2019 — सिंडिकेट बैंक

POLYCAB — Connection Zindagi Ka

POLYCAB INDIA LIMITED

CIN: U31300DL1996PLC266483
Regd. Off.: E-554, Greater Kailash-II, New Delhi -110048, India
Phone: 011 - 29228574
E-mail ID: investor.relations@polycab.com Web: www.polycab.com

NOTICE OF 23rd ANNUAL GENERAL MEETING AND INFORMATION ON E-VOTING & BOOK CLOSURE

Notice is hereby given that the Twenty-third (23rd) Annual General Meeting ("AGM") of Polycab India Limited ("the Company") will be held on Wednesday, June 26, 2019 at 09:00 A.M. (IST) at Air Force Auditorium, Subroto Park, New Delhi-110010, to transact the business as mentioned in the Notice of the AGM, which has been sent to all Members at their Registered Addresses or to the email IDs provided by them, together with the Annual Report. A copy of the same is made available on the website of the Company www.polycab.com

Pursuant to Section 108 of the Companies Act, 2013 read with Rule 20 of the Companies (Management and Administration) Rules, 2014 and Regulation 44 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, the Company is pleased to provide its members with the remote e-voting facility to cast their votes electronically on the resolutions mentioned in the AGM Notice, using the electronic voting platform provided by Karvy Fintech Private Limited. The voting rights of Members shall be in proportion to the shares held by them, as on the cut-off date i.e. Wednesday, June 19, 2019.

Any person, who acquires shares of the Company and becomes a Member of the Company after the dispatch of the Annual Report and holding the shares as on the cut-off date i.e. Wednesday, June 19, 2019 may obtain the login ID and password by sending a request at evoting@karvy.com by mentioning your Folio/DP ID and Client ID No. or may also contact Mr. Rajeev Kumar of Karvy, at telephone no. +91 04067161512.

The members may note that:

a) The remote e-voting period shall:
Commence: On Sunday, June 23, 2019 at 9.00 a.m.
End: On Tuesday, June 25, 2019 at 5.00 p.m.

b) Once a vote is cast by the Member, he/she shall not be allowed to change it subsequently.

c) The facility for voting through electronic means shall be made available at the AGM venue for the members who have not cast their vote by remote e-voting; and

d) The members who have cast their vote through remote e-voting shall not be entitled to cast their vote again. If a member casts votes by both the modes, then voting done through remote e-voting shall prevail and voting cast through electronic means at the AGM venue shall be treated as invalid. In case of any queries pertaining to e-voting, members may refer to the Frequently Asked Questions (FAQs) for members and e-voting user manual for members available at the Downloads section of https://evoting.karvy.com/ or write an e-mail to evoting@karvy.com

Book Closure

Pursuant to Section 91 and other applicable provisions, if any, of the Companies Act, 2013 and Regulation 42 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, the Register of Members and Share Transfer Books of the Company will remain closed from Thursday, June 20, 2019 to Wednesday, June 26, 2019 (both days inclusive) for the purpose of ascertaining the eligible members who shall be entitled to receive the dividend, if approved by the members at the 23rd AGM of the Company.

The dividend be payable to those members whose names will appear in the Register of Members as on the close of business hours of Wednesday, June 19, 2019.

In respect of the Shares held in demat mode, the dividend will be paid to those members whose names shall appear as beneficial owners as at end of the business hours on Wednesday, June 19, 2019, as per the details furnished by the Depositories viz. National Securities Depository Limited (NSDL), and Central Depository Services Limited (CDSL).

The dividend as recommended by the Board of Directors, if declared by the members at the AGM, will be paid on or before Thursday, July 25, 2019.

For Polycab India Limited
Sd/-
Sai Subramaniam Narayana
Company Secretary & Compliance Officer
Membership No. F5221

Place: New Delhi
Date: June 2, 2019

Adfactors 114 R

पंजाब नैशनल बैंक ...भरोसे का प्रतीक! punjab national bank ...the name you can BANK upon!

शाखा कार्यालय: सिकन्दराबाद, जिला–बुलन्दशहर, उ.प्र., फोन: 05732–281724, फैक्स: 05732–283502
ई–मेल: bo0441@pnb.co.in

कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति के लिये) प्रतिभूति हित (प्रवर्तन नियमावली) 2002 के नियम 8(1)

जैसा कि, वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्त्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत पंजाब नेशनल बैंक के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्त्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने मांग सूचना प्रत्येक खाता के समक्ष वर्णित तिथि को जारी कर नीचे वर्णित ऋणधारकों/मार्टगैजरों/गारन्टरों को उक्त सूचना तिथि/ सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर सूचना में वर्णित राशि वापस लौटाने का निर्देश दिया था।

नीचे वर्णित ऋणधारक इस राशि को वापस लौटाने में विफल रहे, अतः एतद्द्वारा ऋणधारक/मार्टगैजर्स/गारन्टरों तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि नीचे तालिका में वर्णित तिथि को अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमावली के नियम 8 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13 (4) के अंतर्गत उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का सांकेतिक कब्जा कर लिया है।

ऋणधारक/गारन्टर/मार्टगैजर का ध्यान प्रतिभूत परिसम्पत्तियों को विमोचित करने के लिए उपलब्ध समय के संदर्भ में अधिनियम की धारा 13 की उप–धारा (8) के प्रावधानों के प्रति आकृष्ट की जाती है।

विशेष रूप से ऋणधारकों तथा आम जनता को एतद्द्वारा सतर्क किया जाता है कि वे यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का व्यवसाय न करें तथा इन सम्पत्तियों का किसी भी तरह का व्यवसाय आगे के ब्याज तथा अन्य चार्जेज/खर्चे के अतिरिक्त यहाँ नीचे वर्णित राशि के लिये पंजाब नेशनल बैंक के चार्ज के अधीन होगा।

यदि ऋणधारक/गारन्टर इस प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर बकाये को वापस नहीं लौटाते हैं तो बकाये की वसूली के लिये निर्दिष्ट रूप में सम्पत्ति की बिक्री कर दी जायेगी।

ऋणधारक/ मार्टगैजर, गारन्टर का नाम	गिरवी सम्पत्ति का विवरण	मांग सूचना तिथि एवं बकाया राशि (धारा 13(2) के अंतर्गत सूचना में वर्णित)	कब्जा की तिथि
मै. धरमवीर ज्वैलर्स– प्रॉप. श्री हरीश कुमार वर्मा, निवासी: काजीबाड़ा, सिकन्दराबाद, जिला बुलन्दशहर, उ.प्र. तथा श्रीमती मधु ऊर्फ मुन्नी, पत्नी श्री धरम वीर सिंह, ग्राम सराई घासी, सिकन्दराबाद, जिला बुलन्दशहर, उ.प्र. तथा श्रीमती नौशाद बेगम पत्नी श्री साबिर, निवासी: एच.नं. 160, सराई झज्जन सिकन्दराबाद, जिला बुलन्दशहर, उ.प्र.	1. श्रीमती नौशाद बानो, पत्नी श्री मोह. साबिर के नाम में बुक नं. 1, वॉल 2059, पेज 27–28 में क्रम सं. 3016 तिथि 25.6.2017 में उप–रजिस्ट्रार सिकन्दराबाद जिला बुलन्दशहर के कार्यालय में पंजीकृत सराई झज्जन, सिकन्दराबाद, जिला बुलन्दशहर में स्थित आवासीय सम्पत्ति, एक मकान माप 41 वर्ग मीटर का इक्विटैबल मार्टगैज। चौहद्दी: पूर्व: रास्ता गली, पश्चिम: खेराती एल, पुत्र जुम्मा का प्लॉट उत्तर: डा. जहीर अहमद का मकान दक्षिण: बस्गर अली का मकान	24.1.2019	30.5.2019 (सांकेतिक)
	2. श्रीमती मधु, ऊर्फ मुन्नी, पत्नी श्री धरमवीर सिंह के नाम में बुक नं. 1, वॉल: 1478/1486, पेज 353–354 में क्रम सं. 1977 तिथि 7.6.1987 में उप–रजिस्ट्रार सिकन्दराबाद जिला बुलन्दशहर के कार्यालय में पंजीकृत सराई झज्जन, सिकन्दराबाद, जिला बुलन्दशहर में स्थित आवासीय सम्पत्ति, एक मकान माप 79 वर्ग मीटर का इक्विटैबल मार्टगैज। चौहद्दी: पूर्व: रास्ता, पश्चिम: महेन्द्र गुप्ता का प्लॉट, उत्तर: शिवराज एवं तेजवीर का मकान, दक्षिण: छतर पाल का मकान।	24.1.2019 को रु. 34,19,204.56 (रु. चौंतीस लाख उन्नीस हजार दो सौ चार एवं पैसे छप्पन मात्र) के साथ 1.1.2019 से अनुबंधित दर पर आगे के ब्याज जिसमें 1.1.2019 के बाद वसूली यदि कोई हो, की कटौती की जायेगी।	
	3. श्रीमती मधु ऊर्फ मुन्नी, पत्नी श्री धरमवीर सिंह के नाम में बुक नं. 1, वॉल. 1541/1544, पेज 187/43–44 में क्रम सं. 2855, तिथि 30.07.1988 में उप–रजिस्ट्रार सिकन्दराबाद जिला बुलन्दशहर के कार्यालय में पंजीकृत सराई झज्जन, सिकन्दराबाद, जिला बुलन्दशहर में स्थित आवासीय सम्पत्ति, एक मकान माप 20 वर्ग मीटर का इक्विटैबल मार्टगैज। चौहद्दी: पूर्व: आरजी गंगासरण, पश्चिम: रास्ता गली फिर मधु ऊर्फ मुन्नी का मकान, उत्तर: आरजी देवेन्द्र कुमार, दक्षिण: रास्ता गली		

तिथि: 28.5.2019 — स्थान: बुलन्दशहर — प्राधिकृत अधिकारी, पंजाब नेशनल बैंक

कार्यालय: रिकवरी अधिकारी–I, ऋण वसूली अधिकरण–III, दिल्ली

4था तल, जीवनतारा भवन, पार्लियामेंट स्ट्रीट, पटेल चौक, नई दिल्ली–110001

बिक्री उद्घोषणा

आर.सी. नं. 251/2017 — तिथि: 3.5.2019

बैंक तथा वित्तीय संस्थानों के बकाए ऋणों की वसूली अधिनियम, 1993 के साथ पठित आयकर अधिनियम, 1961 की द्वितीय अनुसूची के नियम 38, 52 (2) के अंतर्गत बिक्री उद्घोषणा

यूको बैंक बनाम प्रतिमा शर्मा एवं अन्य

सीडी नं. 1. सुश्री प्रतिमा शर्मा, पत्नी श्री निरंजन शर्मा, सी–6/77, प्रथम तल, सेक्टर–5, रोहिणी, दिल्ली–110085
साथ ही: सी/ओ शर्मा ट्रेडिंग क., एल–74, प्रथम तल, सेक्टर–1, डीएसआईडीसी इंडस्ट्रियल एरिया, बवाना, दिल्ली–110039
साथ ही: फ्लैट नं. 95, दूसरा तल, पॉकेट–11, सेक्टर–24, रोहिणी, दिल्ली–110039
सीडी नं. 2. श्री निरंजन शर्मा, पुत्र श्री अवधेश शर्मा, सी–6/77, प्रथम तल, सेक्टर–5, रोहिणी, दिल्ली–110085
साथ ही: सी/ओ शर्मा ट्रेडिंग क., एल–74, प्रथम तल, सेक्टर–1, डीएसआईडीसी इंडस्ट्रियल एरिया, बवाना, दिल्ली–110039
साथ ही: फ्लैट नं. 95, दूसरा तल, पॉकेट–11, सेक्टर–24, रोहिणी, दिल्ली–110039

जैसा कि आप प्रमाणपत्र के अनुसार 20.1.2014 से 10.25% प्रति वर्ष की दर से साधारण ब्याज के साथ देय लागत, अनुषांगिक खर्चे के साथ पीठासीन अधिकारी, ऋण वसूली अधिकरण–III, दिल्ली द्वारा जारी ओ.ए.नं. 223/2015/ डीआरटी–III में तैयार रिकवरी प्रमाणपत्र के अनुसार रु. 38,17,441/– (रुपये अड़तीस लाख सत्तरह हजार चार सौ इकतालिस मात्र) का भुगतान करने में विफल रहे हैं जो आप पर बकाया हो गया है। तथा जैसा कि अधोहस्तक्षरी ने उक्त प्रमाण पत्र की संतुष्टि के लिए नीचे तालिका में वर्णित सम्पत्ति की बिक्री का आदेश दिया है।

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि स्थगन आदेश की अनुपस्थिति में 12.7.2019 को 11.00 बजे पूर्वा. में न्यायालय द्वारा नियुक्त नीलामीकर्ता श्री हरीश मेहता, अधिवक्ता, मो.नं. 9818879943 द्वारा सार्वजनिक नीलामी द्वारा सम्पत्ति के साइट पर नीचे वर्णित सम्पत्ति की बिक्री की जायेगी। नीलामीकर्ता द्वारा 2.30 बजे अप. तक दस्तावेजों के साथ ईएमडी स्वीकार की जायेगी तथा बोली 3.00 बजे अप. में शुरू होगी। अधिक विवरणों के लिये सम्पर्क करें: श्री नेमी चन्द बलोटिया, सीएच बैंक के सहायक महा प्रबंधक, मोबाईल नं. 8447776715, फोन नं. 011–23753178 इच्छुक बोलीदाता निरीक्षण के लिये सीएच बैंक के उपरोक्त प्राधिकृत अधिकारी से सम्पर्क कर सकते हैं।

यह बिक्री नीचे तालिका में नामित उपरोक्त प्रतिवादियों की संपत्ति की होगी तथा उक्त संपत्ति से जुड़ी देयताएं एवं दावे, जो अब तक सुनिश्चित हैं, वे प्रत्येक लॉट के समक्ष अनुसूची में निर्दिष्ट हैं।

संपत्ति को अनुसूची में निर्दिष्ट लॉट में बिक्री पर रखा जाएगा। यदि वसूल की जाने वाली राशि संपत्ति के भाग की बिक्री से पूरी हो जाती है तो शेष के मामले में तुरंत बिक्री रोक दी जाएगी। यदि बिक्री संचालक अधिकारी के पास अनुसूची में वर्णित बकाए; ब्याज लागत (बिक्री लागत सहित) जमा कर दी जाती है अथवा उक्त प्रमाणपत्र की राशि, ब्याज एवं लागत अधोहस्ताक्षरी के पास जमा कर दिए होने का उनकी संतुष्टि के लिए प्रमाण जमा कर दिया जाता है तो किसी भी लॉट की नीलामी से पूर्व बिक्री तत्काल रोक दी जाएगी।

ऐसे किसी भी अधिकारी या अन्य व्यक्ति बिक्री के सिलसिले में कोई कर्त्तव्य निर्वहन का दायित्व हो, प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से, वे बेची जा रही संपत्ति को अर्जित करने के लिए बोली लगाने या कोई हित अर्जित करने के लिए प्रयास करने में अक्षम होंगे। यह बिक्री आयकर अधिनियम, 1961 की द्वितीय अनुसूची में निर्दिष्ट शर्तों तथा उसके अंतर्गत निर्मित नियमों तथा आगे की निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगी।

संलग्न अनुसूची में निर्दिष्ट विवरण अधोहस्ताक्षरी की सर्वश्रेष्ठ जानकारी के अनुसार प्रस्तुत की गई है, लेकिन, इस उद्घोषणा में किसी गलती, त्रुटि अथवा खामी के लिए अधोहस्ताक्षरी उत्तरदायी नहीं होंगे।

1. सम्पत्तियों, आरक्षित मूल्य जिससे कम में सम्पत्ति की बिक्री नहीं की जायेगी तथा ईएमडी का विवरण इस प्रकार है:

क्रम सं.	सम्पत्तियों का विवरण	आरक्षित मूल्य/ईएमडी
1.	सम्पत्ति दूसरा तल, बिना छत के अधिकार के, मकान सं. 95, पॉकेट–11, सेक्टर–24, रोहिणी, दिल्ली, माप 60 वर्ग मी.	रु. 29,00,000/– (रुपये उन्नतीस लाख मात्र) ईएमडी: रु. 2,90,000/– (रुपये दो लाख नब्बे हजार मात्र)

2. वह राशि जिसके द्वारा बोली बढ़ाई जाएगी रु. 1,00,000/– (रु. एक लाख मात्र) है। यदि बोली राशि अथवा बोलीदाता से संबंधित कोई विवाद उत्पन्न होता है तो लॉट को फिर से बिक्री पर लगाया जाएगा। यदि कोई बोलीदाता अपनी बोली बढ़ाने के लिये आगे नहीं आते हैं तो अधोहस्ताक्षरी द्वारा आगे विचार के लिये प्रथम प्राप्त ईएमडी सुरक्षित रख ली जायेगी।
3. उच्चतम बोलीदाता को किसी भी लॉट का क्रेता घोषित किया जाएगा। यदि प्रस्तावित मूल्य स्पष्ट रूप से अपर्याप्त होता है तथा ऐसा करना व्यवहारिक नहीं होता है तो अधोहस्ताक्षरी स्वेच्छा से उच्चतम बोली को स्वीकार/ अस्वीकार कर सकते हैं।
4. ईएमडी का भुगतान रिकवरी अधिकारी–I, डीआरटी–III दिल्ली के पक्ष में देय डीडी/ पे आर्डर द्वारा नीलामी स्थल पर न्यायालय नीलामीकर्ता के पास किया जायेगा जिसके साथ पैन कार्ड की प्रति, निवास के प्रमाण तथा पहचान के प्रमाण, ई–मेल आईडी, मोबाईल नं. तथा यदि वे अपनी ओर से या अपने प्रधान की ओर से बोली कर रहे हों तो उद्घोषणा जमा किया जायेगा। बाद में मामले में उन्हें उसका प्राधिकार जमा करना होगा अन्यथा बोली निरस्त कर दी जायेगी तथा कंपनी के मामले में कंपनी के बोर्ड के सदस्यों द्वारा पारित प्रस्ताव की प्रति अथवा कंपनी की प्रतिनिधित्व/ अटार्नी की पुष्टि करने वाले अन्य कोई दस्तावेज तथा उस जमा की रसीद/ काउंटर फाइल नीलामीकर्ता के पास जमा की जायेगी।
5. सफल बोलीदाता को अगले बैंक कार्य दिवस के 3.00 बजे अप. तक ऊपर पैरा 4 में वर्णित विवरणों के अनुसार उक्त खाता में ईएमडी समायोजित करने के बाद अपनी अंतिम बोली राशि के 25% का भुगतान करना होगा।
6. क्रेता को संपत्ति की बिक्री की तिथि से 15वें दिन या उससे पूर्व तथा यदि 15वां दिन अवकाश या रविवार होता है तो 15वें दिन के बाद प्रथम बैंक कार्य दिवस में ऊपर पैरा 4 में वर्णित निर्धारित प्रक्रिया में अंतिम बोली राशि के शेष 75% का भुगतान करना होगा। उपरोक्त के अतिरिक्त क्रेता को रु. 1000/– तक 2% की दर से तथा रु. 1000/– की उक्त राशि के अधिक पर 1% की दर से रजिस्ट्रार, डीआरटी–III, दिल्ली के पक्ष में डीडी के माध्यम से रिकवरी अधिकारी–II, डीआरटी–III, दिल्ली के पास पाउंडेज शुल्क का भी भुगतान करना होगा।
7. संभावित बोलीदाता 29.6.2019 को 11 बजे पूर्वा. से 3 बजे अप. तक सम्पत्ति का निरीक्षण कर सकते हैं।
8. निर्धारित अवधि के भीतर भुगतान में चूक करने पर बिक्री की नई उद्घोषणा जारी करने के बाद संपत्ति की फिर से बिक्री की जाएगी। बिक्री के खर्चे को डेफ्रे करने के बाद यदि अधोहस्ताक्षरी उपयुक्त समझते हैं तो जमा की गई राशि सरकार के पक्ष में जब्त कर ली जाएगी तथा चूक करने वाले क्रेता उस संपत्ति अथवा उस राशि जिसके लिए बाद में उसकी बिक्री की जाएगी के प्रति अपने सभी दावे से वंचित हो जाएंगे।
9. संपत्ति की बिक्री **'जैसा है जहां है तथा जो भी वहां है'** आधार पर की जा रही है।
10. इस समय अधोहस्ताक्षरी की जानकारी में सम्पत्ति पर राजस्व/अधिभारों का कोई विवरण उपलब्ध नहीं है। लेकिन, संभावित बोलीदाता को सलाह दी जाती है कि ईएमडी जमा करने से पूर्व अपने स्वयं के हित में बिजली/पानी/मकान कर के बिलों के बकाये अथवा किसी अन्य अधिभारों के विषय में अपना स्वयं का ड्यू डिलिजेन्स कर लें।
11. अधोहस्ताक्षरी को किसी या सभी बोली को स्वीकार करने अथवा अनुपयुक्त पाते हैं तो अस्वीकार करने अथवा बिना कोई कारण बताए किसी भी समय नीलामी को स्थगित करने का अधिकार प्राप्त है।
12. असफल बोलीदाता को निर्देश दिया जाता है कि अपने ईएमडी के रिफंड के लिये आरसी की सुनवाई की निर्धारित तिथि को या उससे पूर्व डीआरटी–III के रजिस्ट्री में पहचान के प्रमाण के साथ आवेदन दाखिल करें जो तदनुसार आरसी की सुनवाई की निर्धारित/परवर्ती तिथि को वापस लौटाई जायेगी।
13. उपरोक्त विवरण अधोहस्ताक्षरी की सर्वश्रेष्ठ जानकारी के अनुरूप हैं, लेकिन इस उद्घोषणा में किसी त्रुटि, खामियों अथवा गलत विवरणों के लिये अधोहस्ताक्षरी उत्तरदायी नहीं होंगे।

मेरे हाथ से तथा मुहर लगाकर 03 मई, 2019 को दी गई।

(अनिल कुमार यादव)
रिकवरी अधिकारी–I, डीआरटी–III, दिल्ली

श्रीलंकाई पारी के अंत में नाटकीय मोड़

श्रीलंका की पारी के अंतिम क्षणों में नाटकीय मोड़ भी आया। करुणारत्ने ने पुल करके डीप स्क्वायर लेग पर सैंटनर को कैच दे दिया था। कैच की वैधता जानने के लिए तीसरे अंपायर की मदद ली गई। रीप्ले से कुछ स्पष्ट नहीं हो रहा था और अंपायर ने बल्लेबाज के पक्ष में फैसला सुना दिया।

न्यूजीलैंड ने श्रीलंका को दस विकेट से रौंदा

कार्डिफ, 1 जून (भाषा)।

मैट हेनरी और लॉकी फर्गुसन की घातक गेंदबाजी के बाद सलामी जोड़ी की शानदार बल्लेबाजी से न्यूजीलैंड ने अपने पहले मैच में श्रीलंका को दस विकेट से करारी शिकस्त दी। अभ्यास मैच में भारत को हराने वाले न्यूजीलैंड ने केवल 16.1 ओवर में बिना किसी नुकसान के 137 रन बनाकर अपने अभियान का जोरदार आगाज किया। मार्टिन गुप्टिल (51 गेंदों पर नाबाद 73) और कोलिन मुनरो (47 गेंदों पर नाबाद 58) ने कीवी टीम को आसानी से लक्ष्य तक पहुंचाया। न्यूजीलैंड ने विश्व कप में रेकार्ड तीसरी बार दस विकेट से जीत दर्ज की।

इससे पहले मैट घातक गेंदबाजी से न्यूजीलैंड ने श्रीलंका को विश्व कप मैच में 29.2 ओवर में 136 रन पर ढेर कर दिया। हेनरी (29 रन देकर तीन) ने शीर्ष क्रम झकझोरा तो फर्गुसन (22 रन देकर तीन) ने मध्यक्रम लड़खड़ाने में अहम भूमिका निभाई। श्रीलंका की तरफ से कप्तान दिमुथ करुणारत्ने (नाबाद 52) ही गेंदबाजों का डटकर सामना कर पाए। वह विश्व कप में रिडले जैकब्स (नाबाद 49, वेस्ट इंडीज बनाम आस्ट्रेलिया, मैनचेस्टर 1999) के बाद पूर्ण पारी में शुरू से लेकर आखिर तक नाबाद रहने वाले दूसरे बल्लेबाज हैं।

तीन ही बल्लेबाज दोहरे अंक में पहुंचे

करुणारत्ने के अलावा श्रीलंका की तरफ से कुसाल परेरा (29) और तिसारा परेरा (27) ही दोहरे अंक में पहुंचे। हेनरी ने दिन की दूसरी गेंद पर ही लाहिरू तिरिमाने (चार) को पगबाधा आउट कर दिया। हेनरी के पास नौवें ओवर में हैट्रिक बनाने का मौका था। कुसाल परेरा (29) ने उनकी गेंद पर हवा में कैच लहराया जबकि कुसाल मेंडिस 'गोल्डन डक' बने। मार्टिन गुप्टिल ने स्लिप में उनका बेहतरीन कैच लपका।

गेंदबाजों का दबदबा जारी रहा

विकेट गिरने का क्रम जारी रहा। फर्गुसन ने धनंजय डिसिल्वा को पगबाधा आउट किया। हेनरी ने लगातार सात ओवर किए और उनकी जगह गेंद संभालने वाले कोलिन डि ग्रैंडहोम (14 पर एक) ने भी कप्तान केन विलियमसन को निराश नहीं किया। उन्होंने एंजेलो मैथ्यूज (शून्य) को आउट किया जबकि जीवन मेंडिस (एक) ने फर्गुसन की गेंद पर कैच दिया जिससे श्रीलंका का स्कोर छह विकेट पर 60 रन हो गया।

तिसारा जब 18 रन पर थे तब उन्हें जीवनदान भी मिला लेकिन स्पिनर मिशेल सैंटनर (पांच पर एक) के सामने वह फिर से हवा में शॉट खेल बैठे जिसे लांग ऑन पर खड़े ट्रैंट बोल्ट ने कैच कर दिया। करुणारत्ने ने बोल्ट की गेंद पर दो रन लेकर अपना तीसरा वनडे अर्धशतक पूरा किया।

श्रीलंका को हराने के बाद जश्न मनाते कोलिन मुनरो और मार्टिन गुप्टिल।

203 गेंद शेष रहते हुए न्यूजीलैंड टीम ने दर्ज की जीत

52 रन की सबसे बड़ी साझेदारी हुई श्रीलंका की ओर से

दिलचस्प बातें

दिमुथ करुणारत्ने विश्व कप में रिडले जैकब्स (नाबाद 49, वेस्ट इंडीज बनाम आस्ट्रेलिया, मैनचेस्टर 1999) के बाद पूरी पारी में शुरू से लेकर आखिर तक नाबाद रहने वाले दूसरे बल्लेबाज हैं।

आस्ट्रेलिया ने अफगानिस्तान को सात विकेट से हराया

ब्रिस्टल, 1 जून (भाषा)।

कप्तान आरोन फिंच और डेविड वार्नर की नाबाद अर्धशतकीय पारी से आस्ट्रेलिया ने अफगानिस्तान को सात विकेट से हराया। आस्ट्रेलिया ने 34.5 ओवर में 209 रन बनाकर जीत हासिल की।

इससे पहले पैट कमिंस और एडम जंपा के तीन-तीन विकेट की मदद से मौजूदा चैंपियन आस्ट्रेलिया ने अफगानिस्तान को 38.2 ओवर में 207 रन पर समेट दिया। कमिंस ने 40 रन देकर तीन और जंपा ने 60 रन देकर तीन विकेट लिए। मार्कस स्टोयनिस ने 37 रन देकर दो विकेट हासिल किए। वहीं मिशेल स्टार्क ने 31 रन देकर एक विकेट लिया।

अफगानिस्तान की तरफ से नजीबुल्लाह जादरान ने सर्वाधिक 51 रन बनाए जबकि रहमत शाह ने 43 और कप्तान गुलबदीन नैब ने 31 रन का योगदान दिया। राशिद खान ने आखिर में 11 गेंदों पर तीन छक्कों और दो चौकों की मदद से 27 रन बनाए जिससे टीम 200 रन के पार पहुंची। विश्व कप में यह लगातार चौथा मैच है जब पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम रही।

ICC CRICKET WORLD CUP ENGLAND & WALES 2019

अफगानिस्तान के कप्तान नैब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया लेकिन दोनों सलामी बल्लेबाजों के खाता खोले बिना पवेलियन लौटने से उनका यह निर्णय उलटा पड़ गया। स्टार्क ने मोहम्मद शहजाद को तीसरी गेंद पर आउट करके पिछले विश्व कप की यादें ताजा कर दी जब उन्होंने पहले ओवर में विकेट निकाला था। तब आस्ट्रेलिया चैंपियन बना था।

कमिंस ने अगले ओवर में हजरतुल्लाह जाजई को विकेट के पीछे कैच कराकर अफगानिस्तान का स्कोर दो विकेट पर पांच रन कर दिया। रहमत शाह और हशमुतुल्लाह शाहिदी (18) ने तीसरे विकेट के लिए 51 रन जोड़कर टीम को शुरुआती झटकों से उबारने की कोशिश की लेकिन आस्ट्रेलिया ने दो विकेट निकालकर मैच पर अपना शिकंजा कस दिया।

लेग स्पिनर जंपा ने अपने पहले ओवर में शाहिदी को अलेक्स कैरी के हाथों स्टंप आउट कराया। शाह ने 60 गेंदों का सामना किया लेकिन 20वें ओवर में जंपा की गेंद पर गलत टाइमिंग से शॉट लगाकर शार्ट कवर पर खड़े स्टीवन स्मिथ को कैच दे दिया। स्मिथ ने इसके बाद मोहम्मद नबी (सात) को अपने चपल क्षेत्ररक्षण से रन आउट किया।

आस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले से पहले फिट हो जाएंगे गेल-रसेल

नॉटिंघम, 1 जून (भाषा)।

वेस्ट इंडीज के कप्तान जैसन होल्डर ने क्रिस गेल और आंद्रे रसेल की फिटनेस को लेकर जताई जा रही चिंताओं को दूर कर दिया है। उन्होंने कहा कि आस्ट्रेलिया के खिलाफ गुरुवार को टीम के विश्व कप के दूसरे मुकाबले से पहले दोनों फिट हो जाएंगे। पाकिस्तान के खिलाफ शुक्रवार को टीम के पहले मैच में गेल ने 33 गेंद में अर्धशतकीय पारी खेल टीम को सात विकेट से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी।

रबादा ने कोहली को बताया अपरिपक्व

नई दिल्ली, 1 जून (भाषा)।

दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कागिसो रबादा ने भारतीय कप्तान विराट कोहली को अपरिपक्व करार देते हुए कहा कि वह छींटाकशी सहन नहीं कर सकते। रबादा और कोहली के बीच आइपीएल में दिल्ली कैपिटल्स और रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु के मैच के दौरान बहस हो गई थी। कोहली आरसीबी के कप्तान हैं जबकि रबादा दिल्ली की तरफ से खेलते हैं।

कोहली के साथ आइपीएल मैच के दौरान बहस के बारे में पूछे जाने पर रबादा ने कहा कि मैं केवल खेल के लिए अपनी रणनीति के बारे में सोच रहा था लेकिन विराट ने मुझ पर चौका लगाया और फिर कुछ बातें कहीं और जब उसे जवाब दो तो वह गुस्सा हो जाता है। रबादा ने ईएसपीएनक्रिकइन्फो से कहा कि मुझे वह समझ में नहीं आते। हो सकता है कि इससे उन्हें कुछ फायदा होता हो लेकिन मेरे लिए यह बेहद अपरिपक्व है। वह बेहतरीन खिलाड़ी हैं लेकिन वह छींटाकशी सहन नहीं कर सकते।

उन्होंने कहा कि कोहली मैदान पर हमेशा गुस्से में दिखते हैं। रबादा ने कहा कि लेकिन उस शाम को बस से होटल लौटते समय मैंने खुद से कहा, 'यह इंसान (कोहली) मैदान पर हमेशा गुस्से में लगता है। क्या वह वास्तव में गुस्से में होता है। फिर मैंने सोचा कि अगर वह गुस्से में होगा तो मेरा क्या बिगाड़ लेगा।'

बांग्लादेश के खिलाफ वापसी की कोशिश में द. अफ्रीका

लंदन, 1 जून (भाषा)।

शुरुआती मैच में इंग्लैंड से मिली शिकस्त के बाद दक्षिण अफ्रीका की टीम रविवार को अपने दूसरे मुकाबले में बांग्लादेश का सामना करेगी। दक्षिण अफ्रीका को गुरुवार को इंग्लैंड ने 104 रन के बड़े अंतर से हराया था। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इस मुकाबले में इंग्लैंड ने आठ विकेट पर 311 रन बनाए थे लेकिन, जोफ्रा आर्चर की कातिलाना गेंदबाजी का टीम के पास कोई जवाब नहीं था। इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका की पारी को 207 रन पर समेट दिया।

दक्षिण अफ्रीका की टीम के पास द ओवल में अब वापसी का मौका होगा। उसके कप्तान फाफ डुप्लेसिस ने कहा कि टीम को घबराने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि 10 देशों के इस टूर्नामेंट में हर टीम को नौ मैच खेलने का मौका मिलेगा और शीर्ष पर रहने वाली चार टीमें सेमी फाइनल में पहुंचेंगी, ऐसे में हमारे पास वापसी का मौका होगा।

डुप्लेसिस ने कहा कि हमारे लिए यह सुनिश्चित करना महत्त्वपूर्ण है कि हम विश्व कप की अहमियत को समझें। आपको पता है आप कहां खेलने जा रहे हैं। आपको मजबूत टीमों के खिलाफ मैदान में उतरना होगा। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड की टीम तीनों विभाग में हमसे बेहतर थी। उसने हमें दिखाया कि अच्छी क्रिकेट टीमें कैसी होती हैं। मेरे लिए यह जरूरी है कि हम अपनी गलतियों पर ध्यान दें और आगे बढ़ें।

दक्षिण अफ्रीका के लिए यह टूर्नामेंट का दूसरा मुकाबला होगा तो वहीं बांग्लादेश इस मैच से अपने अभियान की शुरुआत करेगा। पिछले विश्व कप (2015) में क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय करने वाले बांग्लादेश की कोशिश इस बार उससे आगे जाने की होगी।

भारत के खिलाफ अभ्यास मैच में मंगलवार को कप्तान मशरफे मुर्तजा की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था लेकिन उन्हें उम्मीद है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वह टीम का नेतृत्व करेंगे।

यूएस गोल्फ ओपन में कट हासिल किया अदिति ने

चार्लस्टन (अमेरिका), 1 जून (भाषा)।

भारतीय गोल्फर अदिति अशोक ने दूसरे दौर के अंतिम नौ होल में तीन बर्डी के दम पर इवन पार 71 के स्कोर के साथ यूएस वुमेन ओपन में कट हासिल किया। शुक्रवार को दूसरे दौर के अपने खेल के बाद अदिति का कुल स्कोर एक ओवर 143 है और वह संयुक्त रूप से 33वें स्थान पर हैं। दूसरे दौर का खेल हालांकि अभी पूरा नहीं हुआ है। खराब मौसम के कारण खेल लगभग दो घंटे तक रुका रहा। जापान की मामिको हिगा ने छह अंडर 65 का स्कोर किया और एक शॉट की बढ़त के साथ शीर्ष पर काबिज हैं। उन्होंने पहले दौर में इवन पार 71 का कार्ड खेला था।

लाहिड़ी और शुभंकर ने कट में प्रवेश किया : भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा ने हमवतन अनिर्बान लाहिड़ी के साथ मेमोरियल गोल्फ टूर्नामेंट के दूसरे दिन कट में प्रवेश किया। शुभंकर ने पहले दौर में 73 और दूसरे दौर में इवन पार 71 का कार्ड खेला जिससे उनका कुल स्कोर इवन पार रहा जिससे वह संयुक्त रूप से 55वें स्थान से कट में जगह बनाने में कामयाब रहे। लाहिड़ी ने दूसरे दौर में चार ओवर 76 का कार्ड खेला और उनका कुल स्कोर एक अंडर 143 रहा जिससे वह संयुक्त 44वें स्थान पर रहे। जबकि पहले दौर के बाद वह संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर चल रहे थे।

नई पोशाक में दिखेंगे हॉकी खिलाड़ी

भुवनेश्वर, 1 जून (भाषा)।

हॉकी इंडिया ने शनिवार को भारतीय हॉकी टीम की नई आधिकारिक पोशाक जारी की। भारतीय पुरुष टीम छह जून से शुरू हो रहे एफआइएच पुरुष सीरीज फाइनल्स में इस नए पोशाक में दिखेगी। महिला टीम 15 जून से जापान के हिरोशिमा में शुरू हो रहे एफआइएच महिला सीरिज फाइनल्स में नई पोशाक में नजर आएगी।

टीम की नई पोशाक को आधिकारिक पोशाक साझेदार शिव नरेश ने तैयार किया है जो गहरे नीले रंग का है। इसमें बांह और गर्दन के पिछले हिस्से में भारतीय तिरंगे का प्रिंट है। इसे ऐसे कपड़े से तैयार किया गया है जिसमें खिलाड़ियों को कोई परेशानी नहीं हो।

भारतीय पुरुष टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह ने कहा कि हमें भारतीय टीम की पोशाक पहन कर काफी गर्व महसूस होता है और कई युवा खिलाड़ी इस पोशाक को पहनने के लिए पूरे साल मेहनत करते हैं। आधिकारिक पोशाक हर खिलाड़ी के लिए खास होती है और हम एफआइएच पुरुष सीरीज फाइनल्स से पहले नए लुक, नई डिजाइन की पोशाक पाकर रोमांचित हैं।

पंजाब नैशनल बैंक ...भरोसे का प्रतीक !

सांकेतिक कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति हेतु)

सिक्योरिटीआइजेशन एवं रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फाइनेंशियल असेट्स इनफोर्समेंट ऑफ सिक्योरिटी इन्ट्रेस्ट एक्ट 2002 के अन्तर्गत तथा सिक्योरिटी इन्ट्रेस्ट (एनफोर्समेंट) नियमों 2002 के साथ पढ़ते हुए अनुच्छेद 13 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए पंजाब नैशनल बैंक के प्राधिकृत अधिकारी ने सम्बन्धित ऋणी/ऋणियों/गारन्टरों को प्रत्येक के नाम के सामने दर्शाए गए खाते में उनके नामों के सामने दी गई तारीखों पर नोटिस की तारीख/उक्त नोटिस की प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के भीतर बकाया राशि अदा करने के लिए मांग नोटिस जारी किया था। ऋणी/ऋणियों/गारन्टरों द्वारा राशि अदा करने में असफल होने पर ऋणी/ऋणियों/गारन्टरों और जन सामान्य को नोटिस दिया जाता है कि प्राधिकृत अधिकारी ने प्रत्येक खाते के सामने दी गई तारीखों पर उक्त नियमों के नियम 8 के साथ पढ़ते हुए उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के अन्तर्गत उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे दी गयी सम्पत्ति/सम्पत्तियों का **सांकेतिक अधिग्रहण** कर लिया है। ऋणी/ऋणियों/गारन्टरों/बंधककर्ताओं को विशेष रूप से एवं जनसामान्य को सामान्य रूप से चेतावनी दी जाती है कि वे उक्त सम्पत्ति/सम्पत्तियों के सम्बन्ध में किसी प्रकार का लेन-देन न करें। इन सम्पत्ति/सम्पत्तियों से किसी प्रकार का लेन-देन पंजाब नैशनल बैंक को देय राशि एवं उस पर अर्जित ब्याज के खर्चों के पूर्ण भुगतान के पश्चात ही किया जा सकता है।

क्र0 सं0	शाखा का नाम	खाते का नाम	ऋणकर्ता का नाम और पता	बंधक सम्पत्ति का विवरण	मांग नोटिस की तिथि, मांग नोटिस के अनुसार बकाया राशि	सांकेतिक कब्जे चिपकाने की तिथि	प्राधिकृत अधिकारी का नाम
1.	गंगा नगर, मेरठ	श्री अरविंद कुमार पुत्र श्री रूप सिंह	श्री अरविंद कुमार पुत्र श्री रूप सिंह, पता: फ्लैट नंबर -701, 7 वीं मंजिल, ब्लॉक-ए, पैराडाइज अपार्टमेंट, गंगा नगर, मेरठ।	फ्लैट संख्या 701 ए, सातवीं मंजिल, टॉवर-ए, पैराडाइज अपार्टमेंट, गंगा नगर, मवाना रोड, मेरठ (यूपी)। स्वामित्व अरविंद कुमार पुत्र श्री रूप सिंह सीमायें:- पूर्व: मलियारा से लगा हुआ, पश्चिम: खुला क्षेत्र से लगा हुआ, उत्तर: फ्लैट नं. 702 से लगा हुआ, दक्षिण: खुला क्षेत्र से लगा हुआ।	26.11.2018 रु. 13,18,744.89 दिनांक 01.10.2018 से ब्याज व अन्य खर्चे	31.05.2019	श्री एस. के. गोयल
2.	दौराला, मेरठ	मैसर्स हरिओम ट्रेडिंग कं.	श्री हरिओम सिंह पुत्र श्री छोटन सिंह, प्रोपराइटर- मैसर्स हरिओम ट्रेडिंग कं. पता: आदर्श कालोनी सरधना रोड दौराला।	प्लाट नं 81 का भाग, क्षेत्रफल 48.20 वर्ग गज यानी 40.30 वर्ग मीटर, खसरा सं. 897 स्थित ग्राम मटौर परगना दौराला तहसील सरधना जिला मेरठ। स्वामित्व श्री हरिओम सिंह पुत्र श्री छोटन सिंह, सीमायें:-पूर्व: 20 फीट 8 इंच / 6 मीटर चौड़ी सड़क, पश्चिम: कोई नहीं/प्लॉट नं. 84, उत्तर: 45 फीट/प्लॉट नं. 81 का भाग, दक्षिण:- 42 फीट/चार दीवारी	04.02.2019 रु. 13,46,430.46 दिनांक 01.01.2019 से ब्याज व अन्य खर्चे	31.05.2019	श्री एस. के. गोयल
3.	दौराला, मेरठ	श्री शिव नारायण पुत्र श्री जयपाल सिंह	श्री शिव नारायण पुत्र श्री जयपाल सिंह पता: ग्राम अजहौटा पोस्ट लावड़ जिला - मेरठ।	एक उत्तर फेसिंग दुकान, क्षेत्रफल 19.5 वर्ग गज स्थित लावड़ रोड, दौराला परगना दौराला तहसील सरधना जिला मेरठ। स्वामित्व श्री शिव नारायण पुत्र श्री जयपाल सिंह, सीमायें शीर्षक विलेख के अनुसार :- पूर्व: 22 फीट/ननवा की दुकान, पश्चिम: 22फीट/विनोद की दुकान, उत्तर: 8 फीट/ रास्ता, दक्षिण: 8 फीट/ विनोद कुमार का मकान।	02.02.2019 रु. 6,44,309.00 दिनांक 01.01.2019 से ब्याज व अन्य खर्चे	31.05.2019	श्री एस. के. गोयल
4.	दौराला, मेरठ	श्री विजय सिंह (ऋणकर्ता) पुत्र स्वर्गीय श्री हरकेश	श्री विजय सिंह (ऋणकर्ता) पुत्र स्वर्गीय श्री हरकेश श्रीमती पवित्रा देवी (गारंटर) पत्नी श्री विजय सिंह, सभी निवासी : मकान नंबर -6, मेहंदी मौहल्ला, कंकरखेड़ा, मेरठ यूपी	एक दुकान नगर निगम नं. 421/1, क्षेत्रफल 13.33 वर्ग गज यानी 11.15 वर्ग मीटर खसरा नं. 5313/1 एम, स्थित मोहनपुरी पटरी नाला, मेरठ स्वामिनी श्रीमती पवित्रा देवी पत्नी श्री विजय सिंह, सीमायें शीर्षक विलेख के अनुसार:- पूर्व: 15 फीट/श्रीमती सुमन लता का प्लॉट, पश्चिम: 15 फीट/ विक्रेता का प्लॉट, उत्तर: 8 फीट/रास्ता (नाला पटरी इसके बाद अबू नाला), दक्षिण: 8 फीट/ विक्रेता का शेष भाग	02.02.2019 रु. 8,76,462.00 दिनांक 01.01.2019 से ब्याज व अन्य खर्चे	31.05.2019	श्री एस. के. गोयल
5.	गढ़ रोड, मेरठ	मौहम्मद अब्दुल अजीज (ऋणकर्ता) श्रीमती रुखसाना अजीज (ऋणकर्ता)	मौहम्मद अब्दुल अजीज (ऋणकर्ता) पता: 220, प्लॉट नं. 33 बी का भाग, जाकिर हुसैन कॉलोनी, मेरठ श्रीमती रुखसाना अजीज (ऋणकर्ता) पता: 220, प्लॉट नं. 33 बी का भाग, जाकिर हुसैन कॉलोनी, मेरठ	एक आवासीय मकान असर नगर निगम नं. 220/ए, मकान नंबर 220 का भाग, एक आवासीय प्लॉट नंबर 33-बी के भाग पर निर्मित, मिनजुमली खसरा नंबर 3632 स्थित जाकिर हुसैन कॉलोनी, हापुड़ रोड, मेरठ, संपत्ति श्री मौहम्मद अब्दुल अजीज पुत्र स्वर्गीय अब्दुल गनी के नाम पर भूमि क्षेत्रफल 62.70 वर्गमीटर। सीमायें:-पूर्व: नूरजहां के मकान नंबर 220 का शेष भाग, पश्चिम: इस्लामुद्दीन का मकान नं- 220/1, उत्तर: मौहम्मद रफी साहब का मकान, दक्षिण- रास्ता 16 फीट चौड़ा	02.02.2019 रु. 32,41,967.65 दिनांक 01.01.2019 से ब्याज व अन्य खर्चे	01.06.2019	श्री एस. के. गोयल

दिनांक:- 01.06.2019 स्थान:- मेरठ प्राधिकृत अधिकारी

भारतीय स्टेट बैंक

ई-नीलामी बिक्री सूचना

प्राधिकृत अधिकारी का विवरण: शाखा का पता: आरएसीपीसी, एससीओ-98, 1ला एवं 2रा तल, सेक.-16, फरीदाबाद

नाम: संचिता बनर्जी शाखा का फोन नं.: 0129-2289222

मोबाईल नं. 800344420 शाखा का ईमेल आईडी: sbi.11528@sbi.co.on

चल/अचल सम्पत्तियों की बिक्री के लिये ई-नीलामी के लिये सार्वजनिक सूचना

ईएमडी तथा दस्तावेजों (हार्ड कॉपी) जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय: 14.6.2019, 17.00 **बजे तथा ईएमडी एवं दस्तावेजों (ऑन लाइन) जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:** 14.6.2019, 17.00 **बजे**

वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत बैंक के पास चार्ज्ड चल एवं अचल परिसंपत्तियों की बिक्री भारतीय स्टेट बैंक के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में अधोहस्ताक्षरी ने सरफैसी अधिनियम की धारा 13(4) के अंतर्गत निम्न सम्पत्तियों का कब्जा कर लिया है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि बैंक के बकाये की वसूली के लिये निम्न मामले में चार्ज्ड सम्पत्ति/यों की ई-नीलामी (सरफैसी अधिनियम, 2002 के अंतर्गत) ''जैसा है जहाँ है तथा जो भी वहाँ है आधार'' पर आयोजित की जायेगी।

ऋणधारक (कों)/गारन्टर (रों) का नाम एवं पता	बकाया राशि जिसकी वसूली के लिये सम्पत्ति/यों की बिक्री की जा रही है एवं मांग सूचना तिथि	टाइटल डीड धारक का नाम	सम्पत्तियों का विवरण	आरक्षित मूल्य / ईएमडी / बोली बृद्धि राशि	सम्पत्ति के निरीक्षण की तिथि एवं समय	ई-नीलामी की तिथि/समय
ऋणधारक(कों)/ गारन्टर(रों) का नाम एवं पता: 1. श्री जॉय दीप सेन, पुत्र श्री दीपक सेन मकान सं. डी-103, प्रथम तल, प्रतीक लॉरेल प्लॉट नं. जीएच-01, सेक्टर-120, नोएडा: 201301 अन्य पता: 1) सी/ओ निहारिका इंजीनियर्स, 1176, बाबा इंड. कम्पाउण्ड, बाबा नगर, मेरठ रोड, गाजियाबाद-201010 ii) ए-102, श्री बालाजी रेजीडेन्सी, आकाश खंड-II, इन्दिरापुरम, गाजियाबाद-201010 iii) सुश्री पल्लवी सेन, पत्नी श्री जॉयदीप सेन मकान सं. डी-103, प्रथम तल, प्रतीक लॉरेल प्लॉट नं. जीएच-01, सेक्टर-120, नोएडा: 201301 साथ ही पता: i) ए-102, श्री बालाजी रेजीडेन्सी, आकाश खंड-II, इन्दिरापुरम, गाजियाबाद-201010 ii) माइक्रो फाइनांस इंस्टीच्यूशन, 705, 7 वाँ तल, टावर-बी, मिलेनियम प्लाजा, सुशांत लोक-I, ईफको चौक के निकट, गुड़गाँव-1220013	मांग सूचना तिथि 5.12.2016 तथा बकाया राशि: 4.12.2016 को रु. 8890083/-	श्री जॉय दीप सेन तथा श्रीमती पल्लवी सेन	फ्लैट नं. डी 103, प्रथम तल, प्रतीक लॉरेल प्लॉट नं. जीएच-01, सेक्टर-120, नोएडा (उ.प्र.)	रु. 8835750/- / रु. 883575/- / रु. 50,000/-	10.6.2019 11.00 बजे पूर्वा. से 5.00 बजे अप.	तिथि: 17.06.2019 11.00 बजे पूर्वा. से 1.00 बजे अप. तक (प्रति 5 मिनट के असीमित विस्तार के साथ)

नियम एवं शर्तें: 1. ई-नीलामी ''जैसा है जहां है तथा जो भी वहां है आधार'' पर ''ऑन लाइन'' आयोजित होगी। यह नीलामी बैंक के स्वीकृत सेवा प्रदाता ई-प्रोक्योरमेंट टेक्नोलॉजीज लि. अहमदाबाद की वेब पोर्टल (http://sbi.auctiontiger.net) पर आयोजित होगी। ई-नीलामी निविदा दस्तावेज से शामिल ऑन लाइन ई-नीलामी बोली प्रपत्र, उद्घोषणा, ऑनलाइन ई-नीलामी बिक्री के विस्तृत नियम एवं शर्तें वेबसाईट पर उपलब्ध है। सम्पत्तियों का विवरण www.auctiontiger.net पर उपलब्ध है।

2. प्राधिकृत अधिकारी की सर्वश्रेष्ठ ज्ञान एवं जानकारी में इन संपत्तियों पर कोई अधिभार नहीं है। लेकिन अपने स्वयं के हित में इच्छुक बोलीदाता अपनी बोली जमा करने से पूर्व अधिभारों, नीलामी पर रखी गई संपत्तियों के टाइटल तथा संपत्ति को प्रभावित करने वाले दावे/ अधिकारों/ बकायों की स्वंयं जांच कर लें। यह ई-नीलामी विज्ञापन बैंक की किसी प्रतिबद्धता अथवा प्रतिनिधित्व का द्योतक नहीं है तथा उसे ऐसा नहीं माना जाएगा। संपत्ति की बिक्री वर्तमान तथा भविष्य के सभी अधिभारों चाहे बैंक को ज्ञात हो या नहीं, के साथ की जा रही है। प्राधिकृत अधिकारी/ प्रतिभूत क्रेडीटर किसी थर्ड पार्टी के दावे/ अधिकारों/ बकायों के लिए उत्तरदायी नहीं होंगे।

3.इच्छुक क्रेता/ बोलीदाता को खाता सं. 30794911787, खाता का नाम, एजीएमआरए एसएमई सीसीसी-सीयूएमएसएआरसी फरीदाबाद, लाभभोगी का नाम: एजीएम, सुश्री वंदना शर्मा खाता (आरएसीपीसी) आईएफएससी कोड: SBIN0011528 में एनईएफटी/ आरटीजीएस द्वारा अथवा भारतीय स्टेट बैंक खाता (आरएसीपीसी) एसबीआई, आरएसी पीसी सेक्टर-16, फरीदाबाद के पक्ष में देय किसी राष्ट्रीयकृत या अनुसूचित बैंक के डिमांड ड्राफ्ट द्वारा ईएमडी का भुगतान करना होगा।

4.बोलीदाता के पास मेल आईडी होना चाहिये (इच्छुक बोलीदाता के लिये ई-मेल आईडी परमावश्यक है क्योंकि सभी संबंधित जानकारी तथा मैं. ई-प्राक्योर्मेन्ट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड अहमदाबाद द्वारा आईडी एवं पास्वर्ड का आवंटन ई-मेल द्वारा ही किया जायेगा। सपोर्ट के लिये सम्पर्क- श्री राम शर्मा- 08000023297, लैंड लाइन नं. 079-68135417/ 416/ 419/ 420, ईमेल आईडी: up@auctiontiger.net, ramprasad@auctiontiger.net एवं support@auctiontiger.net)

5. इच्छुक बोलीदाता को ईएमडी जमा करने के साक्ष्य जैसे ई-नीलामी में भागीदारी के लिए अनुरोध पत्र के साथ यूटीआर नंबर, i) पहचान के प्रमाण (केवाईसी) जैसे वोटर आईडी कार्ड/ड्राइविंग लाइसैन्स/पास्पोर्ट आदि, ii) वर्तमान पता-पत्राचार का पता, iii) बोलीदाता का पैन कार्ड, iv) वैध ईमेल आईडी, v) सम्पर्क नम्बर (मोबाईल लैंडलाइन) की स्वतः सत्यापित प्रति भारतीय स्टेट बैंक, शाखा आरएसीपीसी तथा पता-I ला एवं II रा तल, सेक्टर-16, फरीदाबाद के पास दिनांक 14.6.2019 के 5.00 बजे अप. तक जमा करना होगा। इन दस्तावेजों के ऑरिजिनल्स की स्कैन की गई प्रति प्राधिकृत अधिकारी के ई-मेल आईडी पर जमा की जाएगी।

6. योग्य बोलीदाता के नाम की पहचान भारतीय स्टेट बैंक, शाखा आरएसीपीसी द्वारा पोर्टल (https://sbi.auctiontiger.net) पर ऑनलाईन ई-नीलामी में भाग लेने के लिए की जाएगी। मैं ई-प्रॉक्योर्मेंट टेक्नोलॉजीज लि. (Auction Tiger) द्वारा योग्य बोलीदाता के पैन की उपयुक्त जॉच के बाद यूजर आईडी तथा पास्वर्ड आवंटित की जाएगी।

7. अपनी बोली जमा करने से पूर्व संपत्ति के निरीक्षण कर स्वयं को संतुष्ट करने का उत्तर दायित्व योग्य बोलीदाता का होगा।

8. उपरोक्त संपत्ति की ई-नीलामी/बोली, बोलीदाता के बीच इंटर-से बिडिंग द्वारा प्रत्येक संपत्ति के समक्ष वर्णित अनुसूचित तिथि एवं समय में की जाएगी। बोलीदाता प्रत्येक संपत्ति के समक्ष ''बोली बृद्धि राशि'' के कॉलम में वर्णित राशि के गुणक में अपनी बोली में सुधार कर सकते हैं।

यदि बोली अंतिम 5 मिनट में रखी जाती है तो ई-नीलामी का समय स्वतः 5 मिनट आगे बढ़ जाएगा। जो बोलीदाता उच्चतम बोली राशि (आरक्षित मूल्य से कम नहीं) जमा करते हैं, नीलामी प्रक्रिया की पूर्णता पर उन्हें सफल बोलीदाता घोषित किया जाएगा तथा इस आशय की सूचना उन्हें इलेक्ट्रोनिक पद्धति से दी जाएगी जो प्राधिकृत अधिकारी/ प्रतिभूत क्रेडीटर की स्वीकृति के अधीन होगी।

9. सफल बोलीदाता की धरोहर राशि (ईएमडी) सुरक्षित रखी जाएगी तथा असफल बोलीदाता की ईएमडी वापस लौटा दी जाएगी। धरोहर राशि पर कोई ब्याज नहीं दिया जाएगा। सफल बोलीदाता को प्राधिकृत अधिकारी द्वारा बोली राशि की स्वीकृति के तत्काल बाद 25% बोली मूल्य का भुगतान करना होगा तथा शेष बिक्री मूल्य का भुगतान बिक्री के 15 दिनो के भीतर अथवा प्राधिकृत अधिकारी की स्वेच्छा पर लिखित में स्वीकृत विस्तारित समय में किया जाएगा। सफल बोलीदाता द्वारा भुगतान में चूक करने पर पहले से जमा की गई उनकी संपूर्ण राशि जब्त कर ली जाएगी तथा संपत्ति की फिर से बिक्री की जाएगी तथा चूक करने वाले क्रेता का संपत्ति/ राशि के लिए कोई दावा/ अधिकार नहीं होगा।

10. योग्य संभावित बोलीदाता मै. ई-प्रॉक्योर्मेन्ट टेक्नोलॉजीज लि. से ई-नीलामी की तिथि से पूर्व ई-नीलामी पर ऑनलाइन प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। न ही प्राधिकृत अधिकारी/ बैंक अथवा मै. ई-प्रॉक्योर्मेन्ट टेक्नोलॉजीज लि. इंटरनेट संबंधी समस्या/ पावर फैल्योर/ अन्य किसी तकनीकी चूक/ फैल्योर के लिए उत्तरदायी होंगे। ऐसी आकस्मिक परिस्थितियों से बचने के लिए बोलीदाता से अनुरोध है कि वे पर्याप्त पावर बैक-अप आदि से पूरी तरह से तकनीकी रूप से सुसज्जित रहें ताकि वे ई-नीलामी कार्यक्रम में सफलतापूर्वक भाग ले सकें।

11. क्रेता को लागू होने वाले स्टाम्प शुल्कों/ अतिरिक्त स्टाम्प शुल्कों/ अंतरण चार्जेज तथा साथ ही सांविधिक/ गैर-सांविधिक बकायों, करों, रेट्स, गणना चार्जेज, किसी भी व्यक्ति को देय शुल्कों आदि का वहन करना होगा।

12. प्राधिकृत अधिकारी/ बैंक उच्चतम प्रस्ताव को स्वीकार करने के लिए बाध्य नहीं है, तथा उसे उसका कोई भी कारण बताए बिना किसी या सभी प्रस्तावों को स्वीकार या निरस्त करने अथवा ई-नीलामी को स्थगित/निलंबित/ रद्द करने तथा संपत्ति या उसके भाग को ई-नीलामी बिक्री प्रक्रिया से वापस लेने का अधिकार प्राप्त है।

13. बिक्री प्रमाणपत्र क्रेता(ओं)/ आवेदक(कों) के नाम में ही जारी की जाएगी तथा किसी अन्य नाम में जारी नहीं की जाएगी।

14. यह बिक्री वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत निर्दिष्ट नियमों/ शर्तों के अधीन होगी।

इसे सरफैसी अधिनियम 2002 के अंतर्गत 30 दिनों की सांविधिक बिक्री सूचना मानी जाये।

तिथि: 28.5.2019, **स्थान: फरीदाबाद** **प्राधिकृत अधिकारी, भारतीय स्टेट बैंक**

रजिस्ट्रेशन नं. डी.एल.-21047/03-05, आरएनआई नं. 42819/83, वर्ष 36, अंक 196, ***हवाई शुल्क:*** इंफल-पांच रुपए, गुवाहाटी-चार रुपए, रायपुर-दो रुपए और पटना-एक रुपए।

दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड के लिए आर. सी. मल्होत्रा द्वारा ए-8, सेक्टर 7, नोएडा- 201301, जिला गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित और मेजनीन फ्लोर, एक्सप्रेस बिल्डिंग, 9-10, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 से प्रकाशित। फोन: (0120) 2470700/2470740, ई-मेल: edit.jansatta@expressindia.com, फैक्स: (0120) 2470753, 2470754, **बोर्ड अध्यक्ष: विवेक गोयनका, कार्यकारी संपादक: मुकेश भारद्वाज***, *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेवार। कापीराइट: दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड। सर्वाधिकार सुरक्षित। लिखित अनुमति लिए बगैर प्रकाशित सामग्री या उसके किसी अंश का प्रकाशन या प्रसारण नहीं किया जा सकता।

जनसत्ता रविवारी
● 2 जून, 2019 ●

राजनीति में महिला भागीदारी

विधायिका में महिलाओं की एक तिहाई हिस्सेदारी सुनिश्चित करने के मकसद से तैयार किया गया तैंतीस फीसद आरक्षण संबंधी विधेयक आज तक संसद में पारित नहीं हो सका है। हालांकि इस विधेयक को लेकर सभी राजनीतिक दलों में सहमति है, पर किसी न किसी बहाने इस पर मंजूरी के वक्त कन्नी काट ली जाती है। अभी स्थिति यह है कि भारतीय संसद में महिलाओं की भागीदारी पंद्रह फीसद भी नहीं है, जबकि आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़े दुनिया के अनेक देश इस मामले में हमसे बहुत आगे हैं। महिला आरक्षण पर राजनीतिक दलों के रुख और इससे संबंधित विधेयक के पारित न हो पाने के पीछे की वजहों, दुनिया की विभिन्न संसदों में महिलाओं की स्थिति आदि का जायजा ले रहे हैं **श्रीश चंद्र मिश्र**।

सत्रहवीं लोकसभा के चुनाव नतीजे आ गए। स्वाभाविक ही महिला सांसदों की संख्या पर सबकी नजर टिक गई। मगर इस बार भी संतोषजनक स्थिति नहीं है। लंबे समय से दावा और वादा महिलाओं को हर क्षेत्र में तैंतीस फीसद आरक्षण दिलाने का होता आ रहा है, लेकिन सड़सठ साल के संसदीय इतिहास में लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व पंद्रह फीसद तक भी न पहुंच पाना एक अलग ही संकेत देता है। लोकसभा के पिछले दो कार्यकाल की बात करें तो 2009 में महिला सांसदों की संख्या उनसठ थी, जो 2014 में बढ़ कर इकसठ हो गई। यानी कुल सांसदों का करीब-करीब ग्यारह फीसद। इस बार संसद में कुल अठहत्तर महिलाएं चुनाव जीत कर पहुंची हैं। ऐसे में महिलाओं के तैंतीस फीसद आरक्षण का सवाल जस का तस बना हुआ है।

राज्य विधानसभाओं में भी स्थिति कोई ज्यादा अलग नहीं है। नगालैंड की विधानसभा में पिछले चौवन साल में एक भी महिला विधायक का प्रवेश नहीं हो पाया है। वहां पिछले साल हुए चुनाव में उस समय इतिहास बनने की संभावना जगी, जब पांच महिला उम्मीदवारों में से फकत एक एनडीपीपी की उनतालीस साल की अवान कोनयाक ने अबोइ निर्वाचन क्षेत्र से शुरुआती बढ़त ले ली, लेकिन आखिरकार वे 905 वोटों से हार गईं। नगालैंड से अब तक लोकसभा में भी सिर्फ एक महिला रानो एम शैजा पहुंच पाई हैं। वे भी 1977 की जनता लहर में किसी तरह जीत गई थीं। यह हालत तब है जब नगालैंड में महिला मतदाताओं की संख्या पुरुष मतदाताओं से ज्यादा है। मामला सिर्फ एक राज्य का नहीं है। बाकी राज्यों में आंकड़े अपेक्षाकृत कुछ बेहतर जरूर हैं, लेकिन कुल मिला कर आधी आबादी को संसद और विधानसभाओं में वह नुमाइंदगी नहीं मिली है, जिसका वादा बरसों से हर राजनीतिक पार्टी करती आ रही है। सवाल है कि महिलाओं को विधायिका में तैंतीस फीसद आरक्षण देने का लक्ष्य पूरा न हो पाने के पीछे आखिर अड़चन क्या है?

राजनीतिक मानसिकता बाधा

पिछले साल तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री को पत्र लिख कर महिला आरक्षण बिल लोकसभा में तत्काल पास कराने का आग्रह किया था। उस पर कोई पहल न होनी थी, न हुई। सोनिया गांधी भी उस औपचारिक अपील के बाद मौन हो गईं। विपक्ष में इस मुद्दे पर आम सहमति बनाने की उन्होंने कोई कोशिश नहीं की। मामला फिर नेपथ्य में चला गया। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। विधायिका में महिलाओं को तैंतीस फीसद आरक्षण देने की बात तो सालों से हो रही है, पर उसे अमली जामा पहनाने में हमेशा कोई न कोई अड़चन आती रही है। राजनीतिक मतभेद इस मुद्दे पर उभरते ही रहे हैं। 2016 में स्थानीय निकाय चुनाव में महिलाओं को तैंतीस फीसद आरक्षण दिए जाने के विरोध में नगालैंड में जिस तरह हिंसा हुई, उससे साफ हो गया कि समाज भी महिलाओं की राजनीति में भागीदारी स्वीकार करने को राजी नहीं है। खास बात यह है कि विरोध उस पूर्वोत्तर राज्य में हुआ, जहां जन जातीय गुटों में महिला प्रधान पारिवारिक व्यवस्था को कथित रूप से मान्यता मिली हुई है।

राजनीतिक नजरिया भी इस मामले में अलग नहीं है। सैद्धांतिक रूप से हर पार्टी महिलाओं को तैंतीस फीसद सीटें दिए जाने के पक्ष में है। लेकिन इस पर अमल नहीं होता। इस समय संसद में पंद्रह फीसद से भी कम महिलाएं हैं। देश की विधानसभाओं में उनका फीसद सिर्फ नौ ही है। राजनीति में वही महिलाएं आ पा रही हैं, जो किसी राजनीतिक परिवार की हैं या उन्हें किसी बड़े राजनेता का संरक्षण प्राप्त है।

राजनीति में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को लेकर विभिन्न पार्टियों का रुख एक जैसा है। महिला सशक्तिकरण पर जब भी बहस छिड़ती है, अक्सर राजनीति में महिलाओं के कम प्रतिनिधित्व पर अफसोस जताया जाता है। समाज और राजनीति में महिलाओं को बराबर की हिस्सेदारी देने की बात सार्वजनिक मंचों पर आए दिन होती है, लेकिन उस पर अमल करने में सभी पार्टियां उदासीनता बरतती आई हैं। यह असलियत है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश में विधायिका स्तर पर महिलाओं का प्रतिनिधित्व अन्य देशों के मुकाबले काफी कम है। हर साल अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर जारी होने वाली इंटर पार्लियामेंटरी यूनियन (आईपीयू) की रिपोर्ट यही बताती है कि भारत की संसद या विधानसभा में महिला जनप्रतिनिधियों की काफी कम उपस्थिति महिलाओं के प्रति भेदभावपूर्ण राजनीतिक मानसिकता का प्रतीक है। 2015 की आईपीयू की रिपोर्ट में इस मोर्चे पर भारत को एक सौ तीनवें नंबर पर रखा गया। इस सूची में पहले दस नंबर पर रवांडा, बोलिविया, अंडोरा, क्यूबा, सेशेल्स, स्वीडन, सेनेगल, फिनलैंड, इक्वेडोर और दक्षिण अफ्रीका जैसे देश हैं। पड़ोसी देशों में सिर्फ श्रीलंका से बेहतर स्थिति में भारत है। 2014 में आईपीयू ने 189 देशों की संसद में महिला प्रतिनिधियों की संख्या के आधार पर जो वरीयता सूची बनाई थी, उसमें भारत का स्थान एक सौ ग्यारहवां था। तब भी और आज भी सीरिया, नाइजर, बांग्लादेश, नेपाल और पाकिस्तान के अलावा चीन और सिएरा लियोन जैसे देश इस मामले में भारत से आगे हैं।

सुधार हुआ, मगर मामूली

इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि 1952 के पहले आम चुनाव से लेकर 2014 के चुनाव तक महिला सांसदों की संख्या बेहद धीमी रफ्तार से बढ़ी है। 1952 में बीस महिला चुनाव जीत पाईं। यह संख्या लोकसभा के कुल सदस्यों का 4.1 फीसद थी। बाद के चुनाव में महिलाओं के मैदान में उतरने की संख्या तो बढ़ती गई, लेकिन उस अनुपात में वे लोकसभा तक नहीं पहुंच सकीं। 1957 में पैंतालीस महिलाओं ने चुनाव लड़ा, जिसमें से बाईस ने चुनाव जीत कर सदन में अपनी उपस्थिति 4.5 फीसद दर्ज कराई। तीसरे आम चुनाव में 1962 में इकतीस महिलाएं संसद में पहुंचीं, जो कुल सांसदों का 6.3 फीसद थीं। तब छियासठ महिलाएं चुनाव मैदान में उतरी थीं यानी कुल उम्मीदवारों का महज 3.2 फीसद। 1967 में तो यह फीसद 2.8 रह गया, लेकिन सड़सठ महिलाओं ने चुनाव लड़ा। यह बात अलग है कि उनमें से उनतीस ही जीत पाईं और लोकसभा में उनका प्रतिनिधित्व घट कर 5.6 फीसद रह गया। यह 1971 में गिर कर 4.1 फीसद रह गया। कुल उम्मीदवारों की तीन फीसद यानी छियासी महिलाओं ने चुनाव लड़ा, लेकिन जीत सकीं इक्कीस ही। 1977 में तो स्थिति और गड़बड़ा गई। महिलाओं की उम्मीदवारी सिकुड़ कर 2.9 फीसद पर आ गई। सत्तर महिलाओं में से उन्नीस ही जीत पाईं और लोकसभा में उनका हिस्सा सबसे कम 3.5 फीसद रहा। 1980 का चुनाव इस मायने में अहम रहा कि पहली बार महिला उम्मीदवारों की संख्या ने सौ का आंकड़ा पार कर लिया। उस साल 143 महिलाओं ने चुनाव लड़ा। हालांकि यह संख्या कुल उम्मीदवारों का 3.1 फीसद ही था। अट्ठाईस महिलाएं चुनाव जीत पाईं। उसके बाद से महिला उम्मीदवारों की संख्या लगातार बढ़ती गई। हालांकि कुल उम्मीदवारी में उनका फीसद कम ही बढ़ा।

1984 में इंदिरा गांधी की हत्या की पृष्ठभूमि में हुए चुनाव में 162 महिलाएं यानी कुल उम्मीदवारों का तीन फीसद मैदान में उतरीं। बयालीस को सफलता मिली, जिसके बल पर लोकसभा में उन्होंने अपनी हिस्सेदारी 8.2 फीसद कर ली। 1989 में कुल उम्मीदवारों में 3.2 फीसद यानी 198 महिला उम्मीदवार थीं। लेकिन जीत पाईं केवल उनतीस ही और पिछली बार लोकसभा में हिस्सेदारी का फीसद 8.2 से घट कर 5.5 पर आ गया। 1991 में कुल 326 महिलाएं मैदान में थीं। उम्मीदवारी में 3.8 फीसद का यह हिस्सा सैंतीस सीटों पर जीत के साथ लोकसभा में महिलाओं की 7.1 फीसद उपस्थिति दर्ज हुई। 1996 में चालीस महिलाएं लोकसभा पहुंचीं। यह कुल सदस्य संख्या का 7.4 फीसद था। लेकिन तब पांच सौ निन्यानबे महिलाओं ने चुनाव लड़ा था। और कुल उम्मीदवारों में उनका फीसद पहली बार चार को पार कर 4.3 हुआ था। 1998 में महिला उम्मीदवारों की संख्या घट कर 274 रह गई, लेकिन उस चुनाव में तिरालीस महिलाओं ने जीत दर्ज कर लोकसभा में अपनी हिस्सेदारी 7.9 फीसद कर ली।

यह सिलसिला 1999 में भी जारी रहा। तब चुनाव हालांकि 284 महिलाओं ने ही लड़ा, लेकिन कुल उम्मीदवारी में अपना हिस्सा 6.1 फीसद कर लिया। तीन साल में तीन चुनाव होने की वजह से कुल उम्मीदवारों की संख्या वैसे भी उस साल कम रही थी। बहरहाल, 1999 में उनचास महिलाओं ने चुनाव जीता और अपना हिस्सा नौ फीसद कर लिया। 2004 में 355 महिलाएं चुनाव लड़ीं और पैंतालीस (कुल सांसदों का 8.3 फीसद) जीत गईं। 2009 में हुए आम चुनाव में 556 महिलाएं मैदान में उतरीं। यह संख्या कुल उम्मीदवारों का 6.9 फीसद थी। खास बात यह है कि पहली बार महिलाओं ने पचास का आंकड़ा पार कर उनसठ सीटें जीतीं और पहली बार लोकसभा में उनकी उपस्थिति दहाई तक पहुंच कर 10.9 फीसद हो गई। 2014 में लोकसभा में महिलाओं का फीसद ग्यारह को पार कर गया। इस बार उनकी संख्या चौदह फीसद से कुछ ऊपर है। इस तरह बासठ साल के सफर में महिला सांसदों की संख्या बीस से अठहत्तर हो पाई है।

यह सिर्फ लोकसभा की तस्वीर नहीं है। कई राज्यों के विधानसभा चुनाव में तो ऐसे मौके भी आए हैं, जब एक भी महिला चुनाव नहीं जीत पाई। केरल, उत्तराखंड, नगालैंड और मेघालय जैसे राज्य जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में अग्रणी माने जाते हैं वहां की विधानसभा में महिलाओं का प्रतिनिधित्व सबसे कम है। अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर व मेघालय के किसी भी विधानसभा चुनाव में महिला उम्मीदवारों की संख्या कभी भी दहाई तक नहीं पहुंच पाई है। सफलता के मामले में रिकार्ड बना 2013 में हुए मेघालय विधानसभा चुनाव में, जहां चार महिलाएं चुनाव जीत कर विधायक बनीं। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड की विधानसभा में सिर्फ एक बार महिलाओं का प्रतिनिधित्व क्रमशः नौ और आठ फीसद रहा। पुरुषों के मुकाबले महिलाओं की संख्या केरल में ज्यादा है। वहां भी विधानसभा में महिलाओं की उपस्थिति आमतौर पर अपवाद के रूप में 1996 को छोड़ कर छह फीसद के आसपास ही रही है।

कई देश काफी आगे

राजनीतिक पार्टियां महिलाओं को ज्यादा उम्मीदवार बनाने में विशेष रुचि नहीं लेतीं। पूरी दुनिया में राजनीति में महिलाओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। आईपीयू की वरीयता सूची में रवांडा आश्चर्यजनक रूप से पहले स्थान पर है। सितंबर 2013 में वहां हुए चुनाव में 63.8 फीसद महिलाएं जीतीं। यह पूरी दुनिया में पहला मौका था, जब किसी देश में महिला सांसदों की संख्या साठ फीसद के पार पहुंची। बाद के नौ स्थानों पर अंडोरा, क्यूबा, स्वीडन, दक्षिण अफ्रीका, सेशेल्स, सेनेगल, फिनलैंड इक्वेडोर और बेल्जियम जैसे देश हैं। इस सूची में कनाडा का चौवनवें और अमेरिका का बहत्तरवें स्थान पर होना भारतीय राजनीति के पैरोकारों को सुखद लग सकता है, लेकिन दक्षिण एशिया के पड़ोसी देशों से तुलना की जाए तो श्रीलंका को छोड़ कर बाकी सभी देशों की स्थिति भारत से बेहतर है। श्रीलंका की 225 सदस्यों वाली संसद में महिलाओं की संख्या केवल तेरह है। यह हालत तब है, जब श्रीलंका में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री का पद महिला संभाल चुकी हैं। नेपाल की संसद में तीस फीसद महिलाएं हैं। सूची में उसका स्थान पैंतीसवां है। नेपाली संसद में हर तीन सांसद में एक महिला है। चीन में करीब पच्चीस फीसद सांसद महिलाएं हैं। रैंकिंग में वह तिरपनवें नंबर पर निचले सदन में चौबीस फीसद महिलाओं की वजह से है। जहां तक महिला अधिकारों और समानता की बात है, मुसलिम बहुल दो पड़ोसी देशों- बांग्लादेश और पाकिस्तान की स्थिति अच्छी नहीं मानी जाती, लेकिन संसद में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ने के मामले में ये दोनों देश भारत से आगे हैं। पाकिस्तान में ऊपरी सदन में सत्रह फीसद और निचले सदन में इक्कीस फीसद महिलाएं हैं। बांग्लादेश में बीस फीसद सांसद महिला हैं। अरसे से राष्ट्राध्यक्ष के पद पर दो बेगमों के होने को देखते हुए यह संख्या ज्यादा नहीं है, लेकिन भारत के ग्यारह फीसद से तो यह ज्यादा है ही।

अफगानिस्तान के दोनों सदनों में सत्तानबे महिला प्रतिनिधि हैं। पिछले पांच साल में वैश्विक स्तर पर महिलाओं की राजनीति में स्थित सुधरी है। जिन सदनों में महिलाओं की नुमाइंदगी तीस फीसद से ज्यादा है, उनकी संख्या पांच साल में पांच से बढ़ कर बयालीस हो गई है। चालीस फीसद से ज्यादा महिला प्रतिनिधियों वाले सदनों की संख्या इस अरसे में एक से तेरह हो गई है। चार सदनों में महिलाओं की संख्या पचास फीसद से ज्यादा है। बहरहाल, यूरोप के विकसित देशों में स्थिति अब ज्यादा अच्छी नहीं रही है। 1995 में आईपीयू की सूची में पहले दस स्थान पर यूरोपीय देशों का दबदबा था। 2015 की रिपोर्ट में पहले दस देशों में चार सब सहारा अफ्रीका के हैं। 1995 की सूची के फिनलैंड, सेशेल्स और स्वीडन जैसे देश ही 2015 में टॉप टेन में अपनी जगह बचाए रख पाए।

महिला आरक्षण बिल पर अमल से इस स्थिति को सुधारा जा सकता है। महिलाओं को लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं में तैंतीस फीसद आरक्षण देने के लिए लगभग हर पार्टी सैद्धांतिक रूप से सालों से सहमत है। सार्वजनिक मंच पर इसे वैचारिक बहस का मुद्दा जरूर बना दिया जाता है, लेकिन जब इस पर कानून बनाने की बात आती है, तो सभी बगलें झांकने लगते हैं। आधे-अधूरे तर्कों के सहारे महिला आरक्षण का विरोध किया जाता है और उसके पैरोकार इसी को बहाना बना कर कदम पीछे खींच लेते हैं। कुछ समय के लिए सत्ता में रही एचडी देवगौड़ा सरकार ने 1996 में पहली बार लोकसभा में महिला आरक्षण बिल पेश किया। 1997 में लोकसभा भंग होने के साथ ही बिल भी मर गया। अगली बार भी यही हुआ। 1998 में अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने बिल पेश किया लेकिन अप्रैल 1999 में लोकसभा भंग हो जाने की वजह से बिल अपनी मंजिल तक नहीं पहुंच सका। 1999 में अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की सरकार बनी। 2004 में कार्यकाल खत्म होने से कुछ पहले ही बिल पेश करने की रस्मअदायगी कर दी गई। बिल पर और धूल जमती चली गई। यूपीए सरकार के पहले कार्यकाल में 2008 में कहीं जाकर प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने बिल पेश किया। यूपीए सरकार के दूसरे कार्यकाल में 2010 में राज्यसभा ने बिल पास कर दिया। मामला लोकसभा में अटक गया। और तबसे अटका हुआ है।

चित्र: नरेंद्रपाल सिंह

मेरे भी बच्चे हैं न...

कहानी

मधु अरोड़ा

मीना भी न, बेकार ही परेशान होती रहती है। अब इतना बड़ा घर है, तो फैलाव तो होगा ही। बेटियां भी नहीं हैं कि घर की सफाई में कुछ हाथ बंटा दें। वैसे जिन सहेलियों की बेटियां हैं, वे ही कौन-सी खुश हैं। वे अपनी बड़ी होती बेटियों की चिंता में दुबली हुई जा रही हैं... साथ में बेटियों की बढ़ती फरमाइशें। आखिर कितने कपड़े खरीदे जाएं, बजट भी कोई चीज होती है।

छोटे शहरों में तो फिर भी बच्चों को कुछ सुकून मिल जाता होगा, लेकिन मुंबई में तो हर किसी को हर चीज के लिए संघर्ष करना पड़ता है। रेणु और वेणु दोनों सुबह पांच बजे उठते। उसे साढ़े चार बजे उठना होता। उनके लिए नाश्ता, टिफिन और फिर दोपहर के तीन बजे का एक टिफिन बनाना होता। अपने लिए भी टिफिन बनाना होता। जल्दी में ब्रेड बटर, एक-एक कप दूध, जिसमें कॉम्प्लान डाल देती।

वे बोलते रहते, 'देर हो रही है, दूध न दो, तो भी चल जाएगा।' वह सुनती रहती और दूध को बड़े भगोने में डाल कर ठंडा करके दे देती। वे बोलते रहते और अंततः दूध पीकर बैग कंधे पर लटका कर, पैरों में जूते पूरे घुसाए बिना भाग लेते।

वेणु तीन वर्ष का था, जब उसके पापा का ट्रांसफर हो गया था और वह और रेणु उनको छोड़ने स्टेशन गए थे। स्टेशन पर उसने स्लाइस पीते हुए कहा था, 'पापा, जैसे आप हमें अकेला छोड़ कर जा रहे हैं, मैं भी बड़ा होकर आपको अकेला छोड़ कर चला जाऊंगा।' उस समय वह अंदर तक कांप गई थी और इमोशनल भी हो गई थी। उसने बात बदलते हुए कहा था, चलो रेणु, अब हम घर चलते हैं। दूर जाना है। पापा को बाय कर दो।'

और वह उसका हाथ पकड़ कर चल दी थी, बिना कोई बात किए। दसवीं में सभी बच्चों के हारमोन परिवर्तित होते हैं। रेणु में भी यह परिवर्तन दिख रहा था। वह हंसता तो खूब था, पर बोलने कम लगा था। हो भी क्यों न! पढ़ाई का बोझ बढ़ता जा रहा था। उन दिनों कंप्यूटर नया आया था।

रेणु घर आकर अपने छोटे भाई पर बहुत रोब झाड़ता था। मसलन, जूते उतार दो... कपड़े बदल कर खाना लगाओ। जबकि दोनों भाई एक ही स्कूल में थे और एक साथ आते और जाते थे। छोटा बेटा वेणु डर के मारे काम कर देता था।

एक दिन कमाल हुआ। मीना शाम को ऑफिस से आई तो छोटा बेटा किचन में चाय बना रहा था। वह जल्दी से वहां पहुंची तो अपनी बड़ी-बड़ी आंखें घुमाता और गंभीर होकर बोला, 'मम्मी, आप भइया को समझा लो। आज उसने मुझे दाएं गाल पर थप्पड़ मारा।'

उसने वेणु को पुचकारा और उसके हाथ से शक्कर का डिब्बा लेते हुए बोली थी, 'बेटा, बुरा मत माना करो। वह तीन-तीन क्लास जाने की तैयारी कर रहा है। दसवीं है न... उसके हार्मोन बदल रहे हैं। मैं मना कर दूंगी।' तब जाकर मामला सुलटा था।

जब मीना ने रेणु से जवाब तलब किया तो साहबजादे बोले, 'मैं बड़ा हूं। यह मेरा अधिकार है। उस दिन आपने मुझे मारा था और आज मैंने इसको मारा। बड़ा हूं न! कंट्रोल नहीं किया तो बिगड़ जाएगा।' एक तरह से सच था, पर उसने ताकीद कर दी, 'रोज रोज नहीं चलेगा।' दोनों के सिर हिले थे।

बड़ा बेटा रेणु बारहवीं में आ गया। कैरियर का वर्ष। रात-दिन मेहनत करता। महत्त्वाकांक्षी था और उसका लक्ष्य भी तय था। आईआईटी से इंजीनियरिंग करना था उसे। उसके पेपर हो गए। उसने आईआईटी की प्रवेश परीक्षा दे दी, पर अफसोस कि वह आईआईटी क्लीयर नहीं कर पाया। उसे थोड़ी तो निराशा हुई, पर उसने कहा कि वह ए ट्रिपल आई में पास हो गया है। यह आईआईटी के ही समकक्ष है।

उसे दूसरे शहर में जाना होगा और वह जाने के लिए तैयार था। एक तरह से उसने खुद को तैयार कर लिया। उसने धीरे-धीरे खुद को घर से डिटैच करना शुरू कर दिया। यानी एक तरह से अलग और अकेले रहने की मानसिक तैयारी करने लगा था।

अब सवाल था कि रेणु के तनाव को दूर कैसे किया जाए। इस सवाल का उत्तर उसने ही दिया- 'गिटार विल डू।' आनन-फानन में उसके लिए गिटार लाया गया और वह दूसरे उपनगर में गिटार सीखने जाने लगा था। बड़ी मस्ती और मन से सीख रहा था।

वही रेणु सच में आज इंजीनियरिंग के लिए मुंबई से बाहर जा रहा था। वह उसकी तैयारी में लग गई थी। वह अपने पापा के साथ ट्रैकिंग पर तो कई बार गया था, पर चार साल के लिए अकेले पहली बार जा रहा था।

लेकिन यह क्या हुआ, रेणु को अचानक बुखार आ गया। जाने में दो दिन बाकी थे। तुरंत डॉक्टर को दिखाया, तो बोले, 'वायरल है।' रेणु बुखार में बोलता, 'मुझे जाना है। साल बेकार नहीं होने दूंगा। दवा की खुराक ज्यादा कर दो।'

वह भी कैसी पगली थी, उसने सच में सेप्ट्रॉन दिन में तीन के बजाय चार बार कर दी। उसका बुखार धीरे-धीरे उतरने लगा था और उसके पापा उसे छोड़ने के लिए दूसरे शहर गए थे और इस बहाने उसका हॉस्टल देख आए थे। सब कुछ अच्छा था और उसे तसल्ली हुई थी।

उसका भी कारण है। उसके पापा के ट्रांसफर के बाद उसने मीना के अकेलेपन को देखा है और उसे सकारात्मक सहयोग दिया है। उसने बचपन में कभी जिद नहीं की, पर मंहगी चीजों का शौकीन रहा है। सस्ती चीजें न तो खाता है और न खरीदता है।

एक बार उसके दादाजी बोले थे, 'मीना, आज रेणु को मैं बाहर खिला कर लाता हूं। तुम लोग घर में बना कर खा लेना।' उसने हंस कर कहा था, 'सोच लीजिए, अगली बार आप उसे नहीं खिलाने ले जाएंगे।' वे हंसते हुए रेणु को लेकर चले गए थे।

जब दो घंटे बाद वे लोग डिनर करके घर लौटे, तो ससुरजी ने हंस कर कहा था, 'मीना, तुम्हारा कहना बिल्कुल सच था... रेणु ने मेन्यू में सबसे मंहगी आइस्क्रीम और सबसे मंहगा डोसा मंगाया था। बड़ा मंहगा पोता मिला है। तुम क्या कम मंहगी हो, ब्रांडेड कपड़े ही पहनती हो। मेरा बेटा तो लुट जाएगा।' इस पर वह हंस कर ही रह गई थी।

रेणु जब छात्रावास में रह रहा था, उसे अचानक धुन लगी कि वह मैक डॉनल्ड में पार्ट आइम वेटर का काम करेगा। मीना हैरान रह गई थी। जब बहुत पूछा तो उसने कहा, 'इस नौकरी में खाना फ्री मिलता है और उसे बर्गर बहुत पसंद है।'

वह सिर धुन कर रह गई थी। उसने अपनी सहेली की मां को फोन किया था, 'आंटीजी, आप रेणु की लोकल गार्जियन हैं। वह सप्ताह के अंत में छुट्टी के दिन वेटर का काम करना चाहता है... आप उसके लिए कुछ करें। मैं पढ़ाई तो अधूरी नहीं छुड़वा सकती।'

इस पर वे हंस कर बोली थीं, 'चिंता मत करो। उसके पास गिटार है। हम अपने गुरु के पास सीखने के लिए भेज देंगे।' इस पर मीना आश्वस्त हुई थी और रेणु का फोन आया था, 'मैं गिटार सीख रहा हूं। अमोल की मम्मी ने कहा है। अब तो खुश!' इस पर वह खूब हंसी थी।

छोटे बेटे की अलग तस्वीर है। बोलता बहुत कम है। बोलेगा तो लगता है कि मीठी गोली दुनाली से निकली हो। वह अपने बड़े भाई की नकल करने लगा है। पढ़ने में बेशक अपने बड़े भाई जैसा तेज नहीं है, पर किसी की नाक में दम करने में माहिर है।

उसने मीना से पहले ही कह दिया था, 'मम्मी, मैं भइया की तरह लंबी और ऊंची पढ़ाई नहीं कर सकता। मुझसे कोई उम्मीद मत रखना।' यह सुन कर वह अवाक रह गई थी। फिर भी बात को संभालते हुए कहा था, 'मैंने कब कहा! जो भी बनो, करो, पढ़ो।'

दोनों बेटों के बीच सात साल का अंतर है। निश्चित रूप से बड़ा बेटा छोटे बेटे की ध्यान रखता है, पर डॉमिनेट भी खूब करता है।

हुआ यों कि बड़े बेटे की विज्ञान की टीचर छोटे बेटे की क्लास में आईं पढ़ाने के लिए। छोटे बेटे ने, जो शायद दूसरी में था उस समय, टीचर से पूछा, 'मैम, मेरा भाई पढ़ने में कैसा है?'

टीचर हैरान कि बड़ा भाई छोटे की पढ़ाई के बारे में पूछता है। इधर तो उल्टा है। वे बोलीं, 'ठीक है वह, पर तुम क्यों पूछ रहे हो?' इस पर छोटा बोला, 'भाई हूं न, उसका खयाल रखना पड़ता है।'

टीचर ने बड़े बेटे को हंसते हुए बताया और शाम को जब मीना घर आई ऑफिस से तो घर में महाभारत की पूरी तैयारी थी। छोटा बेफिक्र होकर गेम खेल रहा था और बड़ा पैर पर पैर चढ़ाए बैठा था।

मीना के घर में पैर रखते ही वह उबला था। उसने पूछा, 'मम्मी, तुम्हारे बेटों में कौन बड़ा है और किसको किसका खयाल रखना चाहिए?' मीना ने कहा, 'तुम बड़े हो, तुम्हारी जिम्मेदारी है।' तब उसने भन्नाते हुए पूरा किस्सा सुनाया।

उसने हंसी दबाते हुए छोटे की ओर देखा तो वह पजल गेम खेल रहा था, मानो कुछ सुना ही नहीं। बड़ा बोला, 'आप इससे कह दो कि मेरे मामले में इन्क्वायरी करने की जरूरत नहीं है।'

छोटे बेटे को भी बड़े भाई की तरह गिटार सीखने की सूझी। पता चला कि मिस्टर रेग घर सिखाने आते हैं। सप्ताह में एक बार और एक सीटिंग के पांच सौ रुपए। अगर बच्चे को दिलचस्पी है, तो वे उसी फीस में दो घंटे भी सिखा देते हैं। संपर्क किया तो वे बहुत खुश हुए और बोले, 'मैडम, हर बुधवार को आपके एरिया में आता हूं। अगर सूट करे तो बताएं।' वेणु उछाह में था, सो मान गया।

मीना के दोनों बेटों ने कभी नहीं सताया और न बताया है कि वे कंप्यूटर पर क्या कर रहे हैं। वेणु ने भी कब ऑनलाइन फॉर्म भर दिया, पता ही नहीं चला और एक दिन बोला- 'मेरा पुणे में वोकशनल कोर्स में दाखिला हो गया है। मुझे अगले सप्ताह जाना है।'

उनके पापा हैरान थे, 'ये कब कर लिया! हम तो अपने पिताजी से पूछे बिना कोई काम कर ही नहीं सकते थे।' इस पर कोई कुछ नहीं बोला। फीस का इंतजाम करना था। यह प्राइवेट संस्थान था। एक साल की फीस एक लाख रुपए थी। रहने, खाने का इंतजाम अलग। खैर, वह कोई बड़ी बात नहीं थी। एजुकेशन लोन बड़ी आसानी से मिल जाता है। जुलाई में वेणु भी हॉस्टल चला गया था। रेणु की नौकरी लग गई थी। अचानक वह खाने के प्रति अतिरिक्त रूप से सतर्क हो गया था।

आज रेणु सुबह गाना गा रहा था। आश्चर्य। मीना ने पूछ लिया, 'आज बहुत खुश हो। बहुत दिनों बाद तुम्हारे मुंह से गाना सुना।' इस पर हल्का-सा मुस्करा कर बोला, 'आपसे झगड़ने का मूड बना रहा हूं। आपसे झगड़ने के बाद मैं तरोताजा हो जाता हूं।' बस, दो मिनट बाद ही हवाओं का रुख बदल गया। पुत्तरजी बोले, 'आज अंकुरित चीज नहीं है नाश्ते में। एक ही दिन दिया था।'

मीना का तेवर बदलने में कितनी देर लगती है, सो कह दिया, 'आज तैयार नहीं हुआ मूंग। वैसे ज्यादा अंकुरित चीजें खाने से कॉन्स्टिपेशन हो जाता है।' पर वह यह बोलते हुए निकल गया कि आज ज्यादा समय नहीं है झगड़ने का। आज का कोटा पूरा हो गया है।'

बदलाव सुकून भी देता है, तो कभी-कभी परेशान भी पैदा करता है। कहीं अवचेतन में बच्चों से हुआ वार्तालाप जिंदा है आज भी। बच्चों का बचपन, फिर वयःसंधि और फिर युवा होना, इनमें उनके बोलने-चालने में कितना फर्क आता है।

एक दिन रेणु ने आकर कहा था, 'मम्मी, कल आलू की खूब तीखी चटपटी सब्जी बना कर देना। अज्जू की जीभ बेस्वाद हो गई है।' इस पर उसने हंसते हुए कहा था, 'उसकी मम्मी तो बहुत अच्छा खाना बनाती है।'

उस दिन अज्जू ने फोन पर उसे चीज सैंडविच बनाना सिखाया था। उसने बताया कि चीज को ब्रेड पर खूब घिसना चाहिए और इतना ज्यादा होना चाहिए कि ब्रेड न दिखाई दे। टिफिन में चेंज चाहिए होता है। मीना को ये सारी यादें बहुत तरोताजा रखती हैं।

अब वह डाइटिशियन के हिसाब से खाना खाता है। उसके लिए एक्जीक्यूटिव लंच घर से बन कर जाता है। सिक्स सिग्मा डिब्बेवालों के आदमी घर-घर जाकर बच्चों के टिफिन उठाते हैं। दोपहर साढ़े बारह बजे तक क्रमशः ऑफिस में पहुंचाते हैं। कई बार भरा हुआ टिफिन वापस आता है। पूछने पर वही रटा-रटाया उत्तर, 'मीटिंग थी मम्मी। उसी में नाश्ते और खाने का इंतजाम रहता है।' पता है लंच कितने बजे किया, पांच बजे।' वह चुप रह जाती है।

'मम्मी, आप हमारी कंपनी की ऐजेंसी ले लो।' उसने हंस कर पूछा था, 'कितना नावां लगेगा?'

'सात लाख।' 'कोई और काम बताओ।' इस पर रेणु बोला था, 'आप अचार का बिजनेस शुरू कर दो। अच्छे डालती हो और आपके हाथ के अचार खराब नहीं होते हैं।'

इस पर उसने तपाक से कहा था, 'अगर नहीं बिके, तो क्या मैं अचार खाकर पेट भरूंगी? उल्टे-सीधे काम मत बताया करो।' तब रेणु बोला था, 'फिर आप क्या सोचती हो, वैसे आप स्नैक्स भी अच्छे बना लेती हो। पानी पूरी का स्टॉल खोल लो।'

'हां, अब अक्कल की बात की। इसमें ज्यादा इन्वेस्ट नहीं करना पड़ता। शाम को तीन घंटे काफी हैं बेचने के लिए। ग्राहक तोड़ना आसान है। मार्केट में पंद्रह रुपए की छह मिलती हैं। मैं दस रुपए में पांच बेचूंगी। क्वालिटी अच्छी रखूंगी।'

इस पर वह बिना देर किए बोला, 'ग्राहक की बात बाद में। पहले यह बताओ, घर में कब बना रही हो? आजकल आलसी हो गई हो।... मम्मी, सच में बहुत दिन हो गए आपके हाथ की पानी-पूरी खाए।'

वेणु चुप रहता है। वह सभी के लिए छोटा बच्चा है। पेंपर्ड बच्चा। पर बिगड़ा नहीं, सुधरा हुआ। जब उसकी उंगलियां गिटार पर थिरकती हैं, देखते ही बनता है। वह पूरे परिवार का बहुत प्यारा बच्चा है। ये बच्चे भी न, वह पानी-पूरी का पानी बनाने के लिए किचन की ओर चल दी है। ❑

बदलाव सुकून भी देता है, तो कभी-कभी परेशान भी पैदा करता है। कहीं अवचेतन में बच्चों से हुआ वार्तालाप जिंदा है आज भी। बच्चों का बचपन, फिर वय:संधि और फिर युवा होना, इनमें उनके बोलने-चालने में कितना फर्क आता है।

भीड़ के पीछे सुबकता एक बूढ़ा

ललित प्रसंग

सुरेश सेठ

एक नेता जी ने दूसरे नेता जी से माफी क्या मांग ली, लगता है अब देश के कोने-कोने से माफीनामों की बरसात होने लगेगी। यह क्या गजब हुआ? इस देश में तो आत्मावलोकन का चलन नहीं। लीजिए, यह चलन भी शुरू हो गया। अब न जाने कितने महापुरुष अपना-अपना माफीनामा लेकर आगे बढ़ते नजर आएंगे।

अब हमारे जैसे तुच्छ, हकीर और फकीर आदमी इन माफीनामों को पढ़ेंगे और अपनी किस्मत के और भी बिगड़ जाने पर आठ-आठ आंसू रोते नजर आएंगे। लेकिन आत्मावलोकन का जमाना है न, इसलिए हमें आंसू बहाते देख हमारे अंदर से ही कोई अट्टहास करता है, तेरी किस्मत संवरी ही कब थी इन सत्तर बरसों में ए बौड़म, जो अब तू उसके बिगड़ जाने का बहाना बना, आंसुओं की गिनती करने लगा। गिनती ही करनी है तो इस बात की कर कि आज तेरा कौन से नंबर का सपना टूटा। इज्जत और शराफत से अपने लिए रोटी, कपड़ा और मकान जुटाने के सपने को तो तूने जाने कितने वर्ष पहले दफन कर दिया था।

हां, जिन्होंने अपनी इज्जत और शराफत के नाम माफीनामा लिख दिया, वह कल फटीचर साइकल पर चलते थे, आज आयातित गाड़ी चलाते हैं। कल जनसेवा के प्रति समर्पण का दम भरते थे, आज इसके नाम माफीनामे का खत लिख कर दिया तो राजनीति के उड़न खटोले पर देश-विदेश घूम रहे हैं और प्रशंसकों से 'मेरा भारत महान' के नारे लगवा रहे हैं।

नारों की इस भीड़ के पीछे एक बूढ़ा सुबक कर रोया, लेकिन किसी को दिखाई नहीं दिया। यह वही बूढ़ा था न, जिसका एकमात्र सपूत रोजगार दफ्तर की बंद खिड़की के बाहर काम पाने के लिए वर्षों अपनी एड़ियां रगड़ता रहा, फिर कपूत बन कर हेरोइन या सफेद पाऊडर के किसी अंधेरे में डूब कर दम तोड़ गया। वह सुबकता हुआ बूढ़ा अपनी इस त्रासदी के लिए भी माफीनामा चाहता है। लेकिन एक-दूसरे से माफियों का आदान-प्रदान करने वाले बड़े लोगों को अपने विजयघोष के कोलाहल में सुबकते बूढ़ों को माफीनामा प्रेषित करने की फुर्सत कहां?

अरे, हम ऐसे माफीनामे लिखने चलें तो किस-किस के नाम लिखते रहेंगे? इससे बेहतर नहीं कि आपस में ही इसकी शीरनी बांट लें, और नेपथ्य से उभरती इन सुबकती आवाजों से बेनियाज हो मुंह ढक के सो जाएं।

अगर इनकी पहचान कर माफीनामों की सौगात बांटने चलें, तो कर चुके हम राजनीति। यह सौगात तो स्कूलों-कॉलेजों से ही शुरू हो जाती है, जिन्हें कभी शिक्षा मंदिर कहा जाता था। वे आज बिना भाड़े की दुकान हो गए हैं, क्योंकि आज का नौजवान फीस यहां चुकाता है, और असल भाड़ा अध्यापक जी के ट्यूशन सेंटर में देता है, जहां सफलता के शार्टकट से लेकर नकल और पर्चा जांचने वाले की कीमत के बीजमंत्र तक बिकते हैं। आपने वह कीमत नहीं चुकाई और विद्यालयों के शिक्षा मंदिर होने के बीते युग जैसे सपने पर भरोसा किया, तभी तो आज नेपथ्य में मुंह छिपा कर रोने की नौबत आई है।

मगर अपनी कंजी आंखें मिचमिचा कर शर्तिया वीजा लगवा देने का भरोसा देने वाला हमारा पड़ोसी ट्रेवल एजेंट कहता है— आपने आइलिट पास नहीं की, परीक्षा में छह बैंड नहीं लिए, तो क्या परेशानी? हम किसी गायन यात्रा पर विदेश की ओर प्रस्थान करते महान गायक का साजिंदा बनवा कर आपको विदेश भिजवा देंगे। किसी अंतरराष्ट्रीय पहलवान को पकड़ लेंगे। वह जब अपना प्रायोजित दंगल लड़ने के लिए विदेश जाएगा, तो आप उसका लंगोटा उठाने वाले सहकारी के रूप में पैक हो सकते हैं। विदेश पहुंच गए, तो गायक या पहलवान की अर्थपूजा कर प्रवासी अजनबी भीड़ में गुम हो जाइए। क्या हुआ, जो आपको अब वहां गुमनाम दोयम दर्जे के नागरिक की जिंदगी जीनी पड़ेगी। इस देश में भी तो आप गुमनाम थे और तिस पर तीसरे दर्जे के नागरिक अलग से। कम से कम वहां जाकर आपका दर्जा तो बढ़ कर दोयम हो गया।

'होता है यही तमाशा दिन-रात मिरे आगे।' कोई किसी से माफी नहीं मांगता। न वे प्रवासी दुल्हिनें, जो अपनी फीस लेकर अस्थायी पति विदेश ले जाकर छुट्टा छोड़ देती हैं और इसे भारत मां के कंधों पर लदे हुए बेकारों के बोझ को कम करने की राष्ट्र भक्ति के लिए माफीनामा नहीं, प्रशस्ति पत्र चाहती है। जी हां, ऐसी कामयाब कबूतरबाजी को ही तो प्रशस्ति पत्र मिलता है। वह नाकामयाब हो जाए तो अंधेरी कोठरी में सड़ना। वहां से तो सुबकते हुए माफीनामे भी आपको छुटकारा नहीं दिला सकते।

लेकिन नहीं, हर जगह ही यह माफीनामा बेअसर नहीं हो गया। आपके शहर में कोई उप-चुनाव नहीं हो रहा, तो इंतजार कीजिए, आने वाले आम चुनावों का। तब बरसात के मौसम में निकल आने वाली बीर बहूटियों की तरह अपने सत्ता के प्रकोष्ठों से निकल कर नेतागण आपकी गलियों में आएंगे। उनके हाथ में दो कागज रहेंगे। पहला तो एक माफीनामा कि मैं शासन करते हुए अपने वंशजों के चेहरे याद रखते हुए तुम सबके चेहरे भूल गया, इसलिए माफी। लेकिन दूसरे कागज में तुम्हारे लिए सपनों, वायदों और घोषणाओं की बारात सजी होगी। तुम इस माफीनामे को स्वीकार करके अपने लिए सजे सपनों की बारात के आगे-आगे नाचना, क्योंकि यही तुम्हारी आदत है। ❑

यह सौगात तो स्कूलों-कॉलेजों से ही शुरू हो जाती है, जिन्हें कभी शिक्षा मंदिर कहा जाता था। वे आज बिना भाड़े की दुकान हो गए हैं, क्योंकि आज का नौजवान फीस यहां चुकाता है, और असल भाड़ा अध्यापक जी के ट्यूशन सेंटर में देता है, जहां सफलता के शार्टकट से लेकर नकल और पर्चा जांचने वाले की कीमत के बीजमंत्र तक बिकते हैं।

आपका कर्म, आपका भाग्य

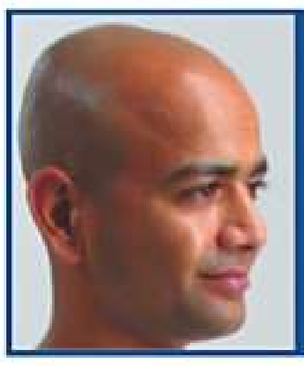

योग दर्शन

डॉ. वरुण वीर

एक काफिला यात्रा के दौरान अंधेरी सुरंग से गुजर रहा था, तभी यात्रियों ने अनुभव किया कि उनके पैरों में कंकड़ियां चुभ रहीं हैं। कुछ यात्रियों ने इस विचार से कि किसी दूसरे आने वाले यात्री को ये कंकड़ियां न चुभें यह सोच कर कंकड़ियां उठा कर अपनी जेब में रख ली। कुछ ने कम उठाई, तो कुछ ने ज्यादा। जैसे ही सुरंग समाप्त हुई, तो उन यात्रियों ने अनुभव किया कि वे कंकड़ियां नहीं, बल्कि हीरे हैं। जिन्होंने कम उठाए, उन्हें दुख हुआ कि उन्होंने और क्यों नहीं उठाई? उनमें कुछ यात्री ऐसे भी थे, जिन्होंने कंकड़ियां यह सोच कर नहीं उठाई थी कि मैं क्यों उठाऊं, जो यात्री आएगा अपने आप उठा लेगा या अपने आप संभल कर अंधेरी सुरंग से निकल जाएगा। यही जीवन है। जीवन भी एक सुरंग की तरह है। अगर हम दूसरों के रास्ते के कष्टों को समाप्त करते हैं, तो हमें आगे चल कर वे हीरे की तरह जीवन में मिलते हैं। परोपकार कर्म की भावना रखते हुए हम सभी को कार्य करना चाहिए।

यं तु कर्माणि यस्मिन्स न्यायुडक्त प्रथमं प्रभुः।
स तदेव स्वयं भेजे सृज्यमानः पुनःपुनः॥

जो मनुष्य जिस प्रकार के कर्म करता है, परमात्मा उसे उसी प्रकार की योनि में भेज देता है। कर्म तीन प्रकार के होते हैं। सात्विक, राजसी तथा तामसी। सरल भाषा में हम इसे आचार, अनाचार तथा अत्याचार कर्म भी कहते हैं ।

नियतं सङ्गरहितमरागद्वेषतः कृतम्।
अफलप्रेप्सुना कर्म यत्तत्सात्त्विकमुच्यते ।।

जो कर्म शास्त्र विधि के अनुसार नियत किया गया हो, कर्तापन के अभिमान से रहित, फल की इच्छा के बिना, राग द्वेष रहित किया गया हो तथा आचार कर्म की श्रेणी में वह कर्म आते हैं, जो किसी का अहित नहीं करते हैं। अहिंसा का पालन, सत्य बोलना, चोरी, गाली-गलौच, अपमान, चुगली, निंदा आदि कर्म न करना। वह कर्म जिसके करने से प्रसन्नता, उत्साह तथा दूसरों को प्रेरणा मिले, इस प्रकार के कर्म आचार कर्मों की श्रेणी में आते हैं यानी इस प्रकार के कर्मों को सात्विक कर्म कहा गया है।

अनुबन्धं क्षयं हिंसामनवेक्ष्य च पौरुषम्।
मोहादारभ्यते कर्म यत्तत्तामसमुच्यते ॥

जो कर्म बहुत परिश्रम से किया जाता है, ऊपर से भोग इच्छा से या अहंकार से किया जाता है तथा वह कर्म जिसके करने से धैर्य का त्याग, असत् कर्मों का ग्रहण, अत्यधिक भौतिक इच्छाओं की पूर्ति, निरंतर विषयों का सेवन आदि राजसी अर्थात अनाचार कर्म है।

यत्तु कामेप्सुना कर्म साहङ्कारेण वा पुनः ।
क्रियते बहुलायासं तद्राजसमुदाहृतम्॥

वह कर्म जो परिणाम, हानि, हिंसा और सामर्थ्य को ध्यान में रखे बगैर किया जाता है तथा अज्ञान की वजह से किया जाता है वह कर्म तामसी कहा गया है। अर्थात अत्याचार कर्म में क्रूरता, हिंसा, अत्यंत आलस्य, नास्तिकता, अत्यंत लोभ, असत्य, चोरी, अन्याय तथा दूसरों को पीड़ा देना आदि कर्म आते हैं।

हम सभी मनुष्यों को तामसिक कर्म से राजसी, तथा राजसी कर्म से सात्विक कर्म की ओर बढ़ना चाहिए। आज आधुनिक युग में कर्मों के विधान को इतनी गहराई से कोई नहीं देख रहा है। भारतीय समाज आंख बंद कर धन की दौड़ में भागा चला जा रहा है। जीवन का लक्ष्य क्या है? सुख का मूल क्या है? इन भावनाओं

को त्याग कर जीवन में सुख को पाने के लिए केवल भौतिक सुख साधनों की खाई में गोते लगा रहा है। एक समय था, जब भारत विश्व गुरु हुआ करता था। केवल ज्ञान विज्ञान में नहीं, बल्कि राजनीतिक न्याय-व्यवस्था, शिक्षा, चिकित्सा तथा जीवन शैली किस प्रकार की होनी चाहिए यह विश्व के अनेक राष्ट्र हमसे सीखने भारतवर्ष आया करते थे। पारिवारिक संबंध, सामाजिक व्यवहार तथा राष्ट्रीय व्यवहार किस प्रकार का होना चाहिए हमारे ऋषि-मुनियों ने इस विषय पर अनेकों अनुसंधान किए थे।

बुद्धि युक्तो जहातीत उभे सुकृतदुष्कृते।
तस्माद्योगाय युज्यस्व योगः कर्मसु कौशलम्॥

बुद्धिमान मनुष्य इस जगत में सुख और दुख दोनों ही प्रकार के कर्म में आसक्ति को छोड़ देता है इसलिए योग मार्ग पर चलने का प्रयत्न करें। कर्म को श्रद्धा और निपुणता से करना चाहिए। योग द्वारा अच्छे और बुरे कर्मों की पहचान करनी आवश्यक है। कौन-सा कर्म लोक कल्याण कारक है? कौन-सा कर्म बंधन कारक है? सब पर बुद्धि पूर्वक विचार कर कर्म करना ही कर्मयोग है। मनुष्य को सदा इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि राग-द्वेष से रहित यानी आत्मा से सत्य कर्म जाने तथा उसी कर्म को करना चाहिए, जैसे जब कोई चोरी तथा कोई बुरा कर्म करता है तभी उसके अंतकरण में भय, लज्जा तथा शंका उत्पन्न होती है तब व्यक्ति को समझ जाना चाहिए कि यह उत्तम कर्म नहीं है लेकिन यह वही मनुष्य अधिक अनुभव कर सकता है, जिसकी बुद्धि और जीवन-शैली सात्विक तथा पवित्र बनी हुई है। दुष्ट व्यक्ति लगातार लंबे समय से चोरी, असत्य तथा हिंसक कर्म कर रहा है, तो वह अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनने में असमर्थ भी हो सकता है। इसलिए अपने कर्म को मुख्य रूप से अच्छाइयों की ओर चलाना चाहिए।

सत्यं माता पिता ज्ञानं धर्मो भ्राता दया स्वसा।
शान्तिः पत्नी क्षमा पुत्रः षड़ते मम बान्धवाः॥

प्रसन्न चित्त आनंदमय योगी के स्वरूप और व्यवहार को देख कर किसी ने पूछा, योगीवर आपके आनंद का राज क्या है? योगी बोले मेरे जीवन की हर गतिविधि सत्य पर टिकी हुई है। सत्य मेरी मां के समान है। ज्ञान मेरे पिता समान है, जो मेरा लालन पोषण करता है 'धर्म' मेरा भाई है। प्राणी मात्र में दया की भावना रखना मेरी बहन है। शांति मेरी पत्नी है तथा क्षमा शीलता मेरा पुत्र है। ये छह गुण अगर हम अपने जीवन में अपना लें तो समस्त परिवार और समाज आनंदमय हो सकता है। वर्तमान समय में भौतिकवादी युग में पारिवारिक तथा सामाजिक संबंध कच्चे पड़ गए हैं। संबंधों में विश्वास समाप्त हो चुका है। पति-पत्नी तथा पत्नी-पति पर विश्वास नहीं कर पा रही है। सभी प्रकार के संबंधों को संदेह की दृष्टि से देखना हमारी पुरातन संस्कृति को कमजोर कर रहा है।

आज भारत में भारतीयता दिखाई नहीं देती है। कुछ वर्ष पहले मैं बैंकॉक के हवाई अड्डे से टैक्सी लेकर शहर की ओर चला तब मैंने बहुत बड़ा बोर्ड देखा, जिसमें अभिवादन करने के तीन चित्र बने हुए थे और थाई भाषा में कुछ लिखा हुआ था। मैंने अपने थाईलैंड के सहयोगी मित्र से पूछा कि यह क्या है? तब उसने बताया कि बोर्ड में दर्शाया गया है कि किस प्रकार से अभिवादन करना चाहिए जैसे अगर हम समान उम्र वाले व्यक्ति से मिलते हैं तो सीधे हाथ जोड़ तथा खड़े होकर अभिवादन करें, अगर माता-पिता तथा अध्यापक हैं तो थोड़ा झुक कर अभिवादन करें और अगर पुजारी या संन्यासी हैं तो नब्बे डिग्री के एंगल पर झुक कर अभिवादन करें। यह शिक्षा वहां की सरकार अपनी जनता को सिखाती है। यह सरकार का ही कर्तव्य है कि वह अच्छे से अच्छे संस्कार से नागरिकों के चरित्र को विनम्र, सहनशील, संतोषी, अहिंसक तथा परोपकारी बनाएं। स्कूल, अस्पताल, सड़क, पुल आदि भौतिक विकास तो जरूरी हैं, लेकिन देश के नागरिकों का बौद्धिक तथा आध्यात्मिक विकास भौतिक विकास से कहीं अधिक आवश्यक है। परिवार में सबके साथ किस प्रकार का व्यवहार किया जाए, यह केवल माता-पिता का दायित्व नहीं, बल्कि अध्यापक का भी दायित्व है। तथा अध्यापक कहां से सीखे? यह मूल रूप से सरकार का दायित्व है कि विद्यालयों के स्तर से ही नैतिक शिक्षा का पाठ पढ़ाया जाए तथा किस प्रकार से उसे व्यवहार में लाना है यह भी सिखाया जाए। आज भारत को सभ्य बनाने की अत्यंत आवश्यकता है। भारत के नागरिक अपने अधिकारों के लिए तो सड़कों पर उतरकर धरना प्रदर्शन करते दिखाई देते हैं लेकिन अपने कर्तव्यों के प्रति आलसी और निकम्मे दिखाई देते हैं। देश में चारों ओर तामसिक और राजसी कर्म ही दिखाई देता है। सरकार शिक्षा में बड़े परिवर्तन की तैयारी करें और राष्ट्र का चरित्र निर्माण करे। तभी मनुष्य उत्तम कर्म करेगा और तभी उसके उत्तम भाग्य का निर्माण होगा। ■

नरगिस दत्त

जन्म : 1 जून 1929
निधन : 3 मई 1981

नरगिस दत्त की गिनती हिंदी सिनेमा जगत की सबसे महान अभिनेत्रियों में होती है। लोग उनकी अदाकारी के आज भी दीवाने हैं। नरगिस दत्त लगभग तीन दशक तक अपनी अदाकारी से सिनेमा प्रेमियों के दिलों पर राज करती रहीं। उन्होंने फिल्मों में पांच साल की उम्र से काम करना शुरू कर दिया था। फिल्म तलाश-ए-हक (1935) के साथ एक छोटी भूमिका से उन्होंने शुरुआत की, हालांकि उनका अभिनय करियर फिल्म तमन्ना (1942) से शुरू हुआ। नरगिस ने पचास से ज्यादा फिल्मों में काम किया। 1957 में फिल्म 'मदर इंडिया' के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के फिल्मफेयर पुरस्कार से नवाजा गया।

शख्सियत

बचपन

नरगिस का जन्म पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में हुआ था। उनका असली नाम फातिमा राशिद था। उनके पिता अब्दुल रशीद थे, जो मूल रूप से पंजाब प्रांत के रावलपिंडी से थे। उनकी माता का नाम जद्दनबाई था, जो उस जमाने की जानी-मानी शास्त्रीय संगीत गायिका और भारतीय सिनेमा के अग्रदूतों में से एक थीं। कहा जाता है कि नरगिस डॉक्टर बनना चाहती थीं, लेकिन मां की इच्छा और घर में सिनेमा का माहौल होने के कारण उन्हें सिनेमा जगत की ओर अपना रुख करना पड़ा।

सिनेमा जगत

चौदह साल की उम्र में नरगिस फिल्म निर्देशक महबूब खान की फिल्म तकदीर में नजर आईं। बस इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़ कर कभी नहीं देखा। उन्होंने 1940 और 1950 के दशक में कई हिंदी फिल्मों में अभिनय किया, जैसे बरसात, अंदाज, आवारा, दीदार, श्री 420, चोरी चोरी आदि। नरगिस और राजकपूर ने दर्जनों फिल्मों में साथ काम किया। बाद में राजकपूर के साथ संबंधों को लेकर वे काफी विवादों में भी रहीं।

मदर इंडिया और एकेडमी अवॉर्ड

महबूब खान द्वारा निर्देशित फिल्म 'मदर इंडिया' के लिए नरगिस को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का फिल्मफेयर पुरस्कार मिला था। मदर इंडिया एक फिल्म भर नहीं थी, यह फिल्म हिंदी सिनेमा जगत में खासा स्थान रखती है। नरगिस की अदाकारी ने इस फिल्म को अमर कर दिया। इस फिल्म से हिंदी सिनेमा जगत के दर्शकों के दिलों पर जो छाप छोड़ी है, उसे सालों तक भुलाया नहीं जा सकता है। 'मदर इंडिया' फिल्म के लिए उन्हें एकेडमी अवॉर्ड के लिए भी नामांकित किया गया था।

साल 1958 में सुनील दत्त से शादी कर नरगिस से नरगिस दत्त बन गईं। शादी के बाद उन्होंने फिल्मों में काम करना कम कर दिया था। करीब दस साल बाद उन्होंने फिल्म 'रात और दिन (1967)' में काम किया। इस फिल्म के लिए उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पहला मौका था जब किसी अभिनेत्री को राष्ट्रीय पुरस्कार दिया गया।

अभिनेत्री से संसद तक का सफर

1970 के दशक की शुरुआत में नरगिस दत्त 'द स्पास्टिक सोसाइटी ऑफ इंडिया' की पहली संरक्षक बनीं और इसके साथ काम करते हुए उन्होंने एक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में भी अपनी पहचान बनाई। उन्होंने अभिनेत्री से सामाजिक कार्यकर्ता और सामाजिक कार्यकर्ता से 1980 में संसद भवन तक का सफर तय किया। यह सफर नरगिस के लिए बहुत आसान नहीं था। 1981 में अग्नाशय कैंसर से उनका निधन बॉलीवुड के लिए महान क्षति थी। ■

व्यंजन, परंपरा और प्रयोग

हमारा देश विविधताओं का देश है। खानपान में जितनी विविधता हमारे यहां है, उतनी शायद ही कहीं होगी। इसकी बड़ी वजह है कि हर जगह का अपना विशिष्ट खानपान है, फिर हर घर में अपने ढंग से भोजन बनाने का हुनर है। जब हम भोजन पकाते हैं, तो उसमें अपने ढंग से कुछ नया प्रयोग करते हैं। भोजन पकाने में प्रयोग करते रहना चाहिए। इस तरह एक ही व्यंजन का अलग-अलग स्वाद मिलता रहता है। जिन देशों में मशीन से बना डिब्बाबंद भोजन खाने का रिवाज अधिक है, उन्हें यह सुख नहीं मिलता। सो, इस बार कुछ पारंपरिक व्यंजनों में नए प्रयोग।

लौकी का परांठा

दाना-पानी

मानस मनोहर

गरमी में लौकी का उत्पादन बहुतायत में होता है। दरअसल, लौकी मुख्य रूप से गरमी की सब्जी है। बेशक अब यह बारहों महीने उपलब्ध रहती है, पर जो मजा गरमी में लौकी खाने का है, वह सर्दी में नहीं आता। लौकी की सब्जी, कोफ्ते आदि तो आमतौर पर खाए जाते हैं। इसकी मिठाई भी बनती है, पर इसका परांठा बना कर खाएं, लाजवाब बनता है। बहुत सारे लोगों के लिए सुबह के नाश्ते का मतलब ही है परांठा। सो, उनके लिए लौकी का परांठा एक नया व्यंजन हो सकता है।

लौकी का परांठा बनाना बहुत असान है। जैसे मूली, गोभी वगैरह का परांठा बनाते हैं, वैसे ही लौकी का परांठा बनाया जाता है। इसके लिए ताजा कच्ची लौकी लें। ध्यान रहे कि उसके बीज मोटे न हों। लंबी वाली मुलायम लौकी का स्वाद अच्छा रहता है। लौकी का छिलका उतार कर मोटे छेद वाले कद्दूकस पर कस लें।

अब जितनी लौकी ली है, उतनी ही मात्रा में आटा लें। जैसे आधा किलो लौकी ली है, तो आधा किलो ही अटा लें। उसमें कद्दूकस की हुई लौकी डालें। निचोड़ें नहीं। उसमें बारीक कटी कुछ हरी मिर्चें, धनिया पत्ता, एक चम्मच अजवाइन, एक चम्मच सब्जी मसाला, आधा से एक चम्मच कुटी लाल मिर्च, एक चम्मच धनिया पाउडर और जरूरत भर का नमक डालें और इन सबको मिलाते हुए गूंथ लें। अगर परांठा खस्ता बनाना चाहते हैं, तो इसमें एक से डेढ़ चम्मच तेल या घी गरम करके डाल लें। लौकी के रस में आटा काफी हद तक नरम हो जाएगा। फिर ऊपर से पानी का छींटा देते हुए आटा गूंथ लें। आटे को ज्यादा नरम न रखें, क्योंकि लौकी बाद में भी रस छोड़ सकती है। इस आटे को आधे घंटे के लिए सेट होने को रख दें। अब आटे की छोटी-छोटी लोइयां लेते हुए सूखा आटा लगा कर रोटी की तरह बेलें। ऊपर से तेल या घी चुपड़ कर उसे दो-तीन परत में मोड़ कर फिर से परांठे की शक्ल में बेल लें। आप अपने ढंग से परांठे को आकार दे सकते हैं। अगर खस्ता परांठा खाने का मन हो, तो इससे लच्छे परांठे भी बनाए जा सकते हैं।

तवा गरम करें और मध्यम आंच पर तेल लगा कर चित्तीदार होने तक सेंक लें। गरमागरम परांठा नाश्ते के लिए तैयार है। कुछ लोग भरा हुआ परांठा पसंद करते हैं। मगर लौकी का भरवां परांठा वैसे स्वादिष्ट नहीं बनता, जैसे मूली और गोभी का बनता है। इसलिए लौकी को आटे में गूंथ कर ही बनाएं और दही या रायता और हरी चटनी के साथ आनंद लें।

मिर्च के पकौड़े

कहते हैं, अगर गरमी में मिर्च का उपयोग अधिक करें, तो उससे लू लगने की संभावना कम हो जाती है। मिर्च खाने से प्यास अधिक लगती है और आप बार-बारी पानी पीते हैं। इस तरह निर्जलीकरण यानी डिहाइड्रेशन से बचा जा सकता है। ऐसे में मिर्च के पकौड़े शाम के नाश्ते में बेहतर विकल्प हो सकते हैं।

मिर्च के पकौड़े राजस्थान और महाराष्ट्र में खूब खाए जाते हैं। मिर्च के पकौड़े बनाने के लिए मोटी हरी मिर्चों का इस्तेमाल होता है, जो आजकल हर जगह आसानी से मिल जाती हैं। इन मिर्चों को धो-पोंछ कर साफ कर लें।

इसमें भरने के लिए आलू की पिट्ठी तैयार करनी पड़ती है। इसके लिए आलू परांठे के लिए पिट्ठी तैयार करते हैं, वैसे ही पिट्ठी तैयार करें। उबले आलुओं को कद्दूकस कर लें। उसमें कुटी लाल मिर्च, गरम मसाला, धनिया पाउडर, आमचूर, चुटकी भर हींग, बारीक कटी हरी मिर्च, हरा धनिया, अदरक और जरूरत भर का नमक डाल कर ठीक से मसल कर मिला लें। अगर इसमें प्रयोग करना चाहते हैं, तो इस पिट्ठी को डोसे की पिट्ठी की तरह हल्के तेल में राई-जीरे का तड़का लगा कर हल्का भून सकते हैं।

अब पकौड़ों के लिए बेसन का घोल तैयार करें। इसके लिए चार-पांच चम्मच बेसन लें। उसमें हल्दी पाउडर, चुटकी भर हींग, आधा चम्मच गरम मसाला और आधा चम्मच अजवाइन डालें। कुछ लोग इस घोल को फ्लफी बनाने के लिए खाने का सोडा या ईनो डालते हैं। कुछ लोग अंडा भी डालते हैं। पर अगर बेसन को ठीक से फेंट लिया जाए, तो इन सब चीजों की जरूरत नहीं पड़ती। बेसन में हमेशा थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए फेंटना चाहिए। बेसन को तब तक एक ही दिशा में फेंटते रहें, जब तक कि उसका रंग पीला से हल्का सफेद न होने लगे। घोल को गाढ़ा ही रखें, ताकि वह मिर्चों के ऊपर आसानी से चढ़ जाए। अब मिर्चों में एक तरफ लंबाई में चीरा लगाएं और उसके बीजों को सावधानी निकाल लें। इसी चीरे की तरफ से आलू की पिट्ठी भरें और फिर हथेली में मुट्ठी बनाते हुए मिर्चों के बाहरी हिस्स में भी ऊपर से पिट्ठी की परत चढ़ा लें।

एक कड़ाही में भरपूर तेल गरम करें। जब तेल गरम हो जाए तो आंच को मध्यम कर दें। भरी हुई मिर्चों को बेसन के घोल में डुबोते हुए गरम तेल में डालते जाएं। सुनहरा-भूरा होने तक तलें।

पकौड़े तैयार हैं। इन्हें मीठी या फिर हरी चटनी के साथ गरमागरम खाएं। ■

चर्म रोग सोरायसिस से बचें

सेहत

उतरन' और 'नागिन-3' जैसे टीवी धारावाहिकों से पहचान बनाने वाली अभिनेत्री रश्मि देसाई काफी समय से छोटे पर्दे से दूर हैं। पिछले दिनों एक साक्षात्कार के दौरान रश्मि ने बताया कि वे त्वचा संबंधी बीमारी सोरायसिस से जूझ रही हैं। सोरायसिस के उपचार के दौरान उनका वजन भी काफी बढ़ गया था। यही कारण है कि वे टीवी धारावाहिक में नजर नहीं आ रहीं। त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ दीपाली भारद्वाज का कहना है कि सोरायसिस एक त्वचा संबंधी रोग है, लेकिन यह आम त्वचा रोगों से काफी अलग होता है। यह रोग प्रतिरोधक तंत्र में गड़बड़ी होने की वजह से होता है, जिसमें त्वचा पर लाल और सफेद चकत्ते पड़ जाते हैं, जिसके ठीक होने में महीनों लग जाते हैं।

क्या है सोरायसिस

सोरायसिस तभी होता है जब रोग प्रतिरोधक तंत्र स्वस्थ कोशिकाओं पर हमला करते हैं। दरअसल, श्वेत रुधिर कणिकाएं (डब्ल्यूबीसी) शरीर को बीमारियों से बचाने का काम करती हैं। वहीं जब ये श्वेत रुधिर कणिकाएं त्वचा की कोशिकाओं पर हमला कर देती हैं, तो त्वचा की ऊपरी कोशिकाएं (एपिडर्मिस) काफी तेजी से बढ़ने लगती हैं। यह वृद्धि असंतुलित होती है, जिसकी वजह से त्वचा पर सूखे, कड़े, लाल और सफेद चकत्ते पड़ जाते हैं। त्वचा में शुष्कता आ जाती है, हालांकि इसमें खुजली नहीं होती है। खुजली तब होती है, जब इस बीमारी की शुरुआत हो रही होती है।

यह समस्या ज्यादातर सिर, हाथ-पैर, हथेलियों, पांव के तलवें, कोहनी और घुटने में होती है। वैसे यह बीमारी शरीर के किसी भी हिस्से में हो सकती है।

सोरायसिस के प्रकार

प्लाक सोरायसिस : यह सबसे आम रूप होता है। आमतौर पर इसमें कोहनी के पीछे, घुटनों के सामने और निचले हिस्से में लाल चकत्ते पड़ जाते हैं।

ग्यूटेट सोरायसिस : ये शरीर पर स्केली और दानों के रूप में नजर आता है।

इन्वर्स सोरायसिस : यह शरीर के मुड़ने या जोड़ वाली जगहों पर होता है।

पस्ट्युलर सोरायसिस : इसमें लाल चकत्तों के आसपास सफेद चमड़ी जमा होने लगती है।

एरिथ्रोडर्मिक सोरायसिस : यह सोरायसिस का सबसे खतरनाक रूप है जिसमें खुजली के साथ तेज दर्द भी होता है।

लक्षण

- कुछ दिनों तक लगातार खुजली का होना
- त्वचा पर पपड़ी जैसी परत बनना
- त्वचा पर सफेद और लाल धब्बे और चकत्ते का होना
- सूखी-फटी त्वचा, जिसमें खून रिसता हो
- कोहनी, घुटनों, कमर के पास लाल पपड़ी बनना
- त्वचा में सूजन
- संकरे या उभरे हुए नाखून

उपचार

कई बार मरीज त्वचा रोग और सोरायसिस में अंतर नहीं कर पाता है और दवा की दुकान से स्टेरॉयड क्रीम या टैबलेट लाकर सेवन करने लगता है। डॉक्टर की राय में ऐसा करने से यह बीमारी बढ़ सकती है। जिन लोगों के खून में इस बीमारी की प्रवृत्ति हो, उन लोगों में गर्भावस्था के दौरान भी इस बीमारी के होने की संभावना होती है। सोरायसिस मधुमेह की तरह ही स्व-प्रतिरक्षित रोग है, जो खून से होता है। इस बीमारी से पीड़ित मरीजों को विशेष उपचार की आवश्यकता होती है। सही उपचार न मिलने के कारण मरीज के ठीक होने की संभावना बहुत कम होती है। इसके उपचार में स्टेरॉयड क्रीम, लाइट थेरेपी और बायोलॉजिक्स जैसी दवाएं शामिल है। हालांकि दुनिया में सबसे बेहतरीन इलाज का तरीका बायोलॉजिक्स कहलाता है। बायोलॉजिक्स के इंजेक्शन होते हैं। सोरायसिस मरीज को इनफिल्कसीमैब के पांच इंजेक्शन लेने होते हैं, जिसके बाद यह बीमारी ठीक हो जाती है और धब्बे न के बराबर रहते हैं।

एहतियाती उपाय

शरीर में किसी भी तरह की खुजली या चकत्ते होने पर डॉक्टर की सलाह लें। डॉ दीपाली भारद्वाज कहती हैं कि लंबे समय से सोरायसिस से पीड़ित होने पर रुमेटीइड गठिया यानी हड्डियों में दर्द जैसी समस्या हो सकती है और मरीज बिस्तर पकड़ सकता है। इस बीमारी में दवाओं के साइड इफेक्ट से बचने के लिए डॉक्टर समय-समय पर मरीज को खून की जांच की सलाह देते हैं। आमतौर पर सोरायसिस में डिस्प्रिन जैसी गोली लेने से भी मरीज को साइड इफ्केट हो सकता है। इसलिए मरीज को खुद का डॉक्टर बनने से बचना चाहिए।

परहेज है जरूरी

ऐसे मरीजों को प्याज, लहसुन, काली मिर्च टमाटर और चाय का सेवन नहीं करना चाहिए। आम खाने से भी यह बीमारी बढ़ सकती है। ■

खुशनसीब हूं कि मुझे आज भी दर्शक प्यार करते हैं – सलमान खान

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान पिछले पच्चीस सालों से फिल्मों में सक्रिय हैं और उनकी लोकप्रियता बरकरार है। जब भी उनकी कोई नई फिल्म आने वाली होती है, तो उनके प्रशंसक उसका बेसब्री से इंतजार करते हैं। अपनी पच्चीस साल की लोकप्रियता का मंत्र वे क्या मानते हैं? ईद पर रिलीज होने वाली अपनी फिल्म 'भारत' की सफलता को लेकर वे कितने आश्वस्त हैं? सलमान खान ने आरती सक्सेना के साथ खास बातचीत में ऐसे कई सवालों के दिलचस्प जवाब दिए।

ईद पर रिलीज होने वाली फिल्म 'भारत' का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। इस फिल्म में ऐसा क्या खास है, जो दर्शकों को प्रभावित करेगी?

❑ इस फिल्म की कहानी इमोशन, कॉमेडी, एक्शन से भरपूर है। मैंने इस फिल्म में सत्तर साल की जिंदगी को जिया है, जिसमें मैं पांच रूपों में नजर आऊंगा। वैसे तो पांचों किरदारों की अपनी अलग खासियत है। खास बात यह है कि मेरे मेकअप मैन दीपक ने, जो मेरी पहली फिल्म 'मैंने प्यार किया' से मेरे साथ हैं, मेरा अलग-अलग गेटअप किया है और ये गेटअप एक-दूसरे से बिल्कुल नहीं मिलते। मैं हर गेटअप में अलग लगता हूं, जैसे कि मुझे बचपन, जवानी, अधेड़ उम्र और बुढ़ापा, सत्तर साल वाला भी दिखाया गया है। इसमें मुझे बचपन का किरदार निभाना कठिन लगा, क्योंकि मुझे अपनी बचपन की यादें धुंधली धुंधली याद हैं। जवानी का किरदार निभाना भी मुश्किल था, क्योंकि मुझे अपनी जवानी के वीडियो फोटो देखने पड़े कि मैं उस दौरान कैसा था, कैसे व्यवहार करता था। उसके बाद बूढ़े का किरदार भी मैंने काफी ट्रिकी स्टाइल में निभाया है।

● ***अमिताभ बच्चन एक ऐसे स्टार थे, जिन्होंने अपनी जवानी के दिनों में ही कई फिल्मों में बूढ़े आदमी का किरदार निभाया था। आपने अब जाकर बूढ़े व्यक्ति का किरदार किया है। क्या बूढ़े का किरदार निभाने में इस बात का डर लगता है कि आपको लोग कहीं बूढ़े वाली छवि में ही न बांधने लगें?***

❑ नहीं, ऐसा नहीं होगा, क्योंकि मेरा बूढ़े वाला किरदार बहुत कम समय का है। इसमें भी मैं कोई ढीला-ढाला बीमार किस्म का बूढ़ा नहीं बना हूं, बल्कि ऊर्जावान बूढ़ा बना हूं, जो भले सत्तर साल का है, लेकिन उसकी ऊर्जा चालीस साल के जवान की है। जहां तक छवि का सवाल है, तो मैं सत्तर साल की उम्र में भी जवान आदमी का ही किरदार करूंगा, जो फिल्मी स्टाइल में एंट्री मारेगा और बोलेगा- मां मैं स्कूल से आ गया।

● ***आपको अभिनय के दौरान सबसे मुश्किल क्या लगता है?***

❑ मुझे अपने किरदार के लिए वजन कम करना और फिर वजन बढ़ाना बहुत मुश्किल काम लगता है। पहले वजन कम करना, बढ़ाना आसान था। लेकिन अब एक बार वजन बढ़ जाए, तो कम करना बहुत मुश्किल होता है। 'सुल्तान' के बाद अब 'भारत' में मुझे कई बार वजन घटाने और बढ़ाने के दौर से गुजरना पड़ा, जो बहुत मुश्किल होता है।

● ***आपने प्रेस कान्फ्रेंस में कहा था कि कैटरीना कैफ आपको 'भाई जान' नहीं, बल्कि 'माई जान' कहें। क्या आप कैटरीना से ऐसी उम्मीद करते हैं?***

❑ अरे, वह तो मैंने मजाक किया था। मेरा ऐसा कोई मकसद नहीं था कि मैं कैटरीना से प्यार का इजहार करूं। वैसे भी अब मैं शादी के सवाल से काफी आगे बढ़ गया हूं। लोग मेरे काम के बारे में अब ज्यादा पूछने लगे हैं, जिसे सुन कर अच्छा लगता है।

● ***इस फिल्म में कैटरीना कैफ के साथ आपकी केमिस्ट्री काफी अच्छी लग रही है। कैटरीना के बारे में क्या कहेंगे?***

❑ कैटरीना बहुत मेहनती और हुनरमंद हीरोइन है। इस फिल्म में उसने इतना अच्छा काम किया है। मुझे लगता है कि उसको इस फिल्म के लिए अवार्ड भी मिल सकता है। कैटरीना अपने काम के प्रति पूरी तरह समर्पित है। मुझे उसकी यही बात अच्छी लगती है। यही वजह है कि मैं उसके साथ फिल्म करने में असहज महसूस नहीं करता। मैं उससे मस्ती और छेड़छाड़ भी करता हूं। वह मेरी छेड़छाड़ पर बहुत हंसती है। वह मेरी अच्छी 'को-स्टार' होने के साथ सबसे अच्छी दोस्त भी है। इसलिए उसके साथ काम करना हमेशा अच्छा रहता है।

● ***असल जिंदगी में आपने काफी उतार-चढ़ाव देखे हैं। आप अपनी जिंदगी का कौन-सा अध्याय दोहराना चाहेंगे और कौन-सा मिटाना चाहेंगे?***

❑ यह तो बहुत मुश्किल है। मेरी जिंदगी का हर पन्ना मेरे लिए महत्त्वपूर्ण है। मैं किसी को न तो दोहराना चाहूंगा और न ही मिटाना चाहूंगा। अगर मेरे कुछ पल मीठे और यादगार हैं, तो कुछ कड़वे पलों ने मुझे आज यह मुकाम भी दिया है कि मैं एक अच्छा अभिनेता और अच्छा इंसान बनने में सफल हो पाया हूं।

● ***आप पिछले पच्चीस सालों से उतने ही लोकप्रिय हैं, जितने पहले थे। आपकी सफलता का मंत्र क्या है?***

❑ सच कहूं तो मुझे खुद नहीं पता कि मेरी लोकप्रियता की वजह क्या है। मेरे खयाल में सब नसीब का खेल है। मेरी झोली में अपार लोकप्रियता आई, लिहाजा मैं इसको 'एन्जॉय' कर रहा हूं। बहुत सारे लोगों ने ऐसी लोकप्रियता पाने की कोशिश की, लेकिन वे सफल नहीं हो पाए। मैं खुशनसीब हूं कि मुझे आज भी दर्शक उतना ही प्यार करते हैं, जितना पहले करते थे।

● **ऐसा कौन-सा ऐतिहासिक किरदार है, जो आप परदे पर जीना चाहेंगे?**

❑ अगर कभी मौका मिला, तो मैं चंगेज खान का किरदार निभाना चाहूंगा।

● **क्या आपका फिल्म निर्माण के बाद फिल्म निर्देशन का भी इरादा है?**

❑ मैं अपने करिअर की शुरुआत बतौर डायरेक्टर ही करना चाहता था। मैंने शुरू में कुछ फिल्मों में असिस्ट भी किया। बतौर निर्देशक। मगर बाद में मैं हीरो बन गया। अब हीरो वाली दुकान अच्छी चल रही है, तो फिलहाल डायरेक्शन का इरादा रोक रखा है। भविष्य में जब फिल्मों में अभिनय कम करूंगा तब इस बारे में जरूर सोचूंगा। ❑

टैबलेट और मां

कहानी

सोनाली मिश्रा

स्कूल से लौटी ईशू ने जैसे ही घंटी की तरफ हाथ बढ़ाया, उसकी नजर ताले पर गई। 'उफ, मां फिर आज नहीं हैं।' वह भनभना कर बोली। फिर अचानक खुश हो गई। 'आज तो मन भरके टीवी देखूंगी।' और वह जाकर बगल वाली आंटी से चाबी ले आई। ताला खोल कर जल्दी से कपड़े बदले और डाइनिंग टेबल पर खाना देखा। दाल और चावल रखे हुए थे। यह पीली दाल उसे बहुत पसंद है।

'मगर मां गई कहां हैं?' ईशू ने सोचा, पर वह कुछ सोच नहीं पाई। उसने देखा, मां का लैपटॉप और फोन भी घर पर है। यह देख कर ईशू को लगा कि शायद मां आसपास गई होंगी। लैपटॉप देख कर ईशू खुश हो गई। मां जब देखो तब लैपटॉप पर अपना काम करती रहती हैं, और उसे नहीं देतीं। ईशू मन ही मन सोच रही थी कि आज वह जी-भर कर लैपटॉप पर वीडियो देखेगी। उसने जल्दी-जल्दी खाना खत्म किया और लैपटॉप की तरफ बढ़ी। काला चमकीला लैपटॉप, जिसमें न जाने कितने सारे वीडियो थे और दुनिया भर की जानकारियां। सारी सहेलियां अपने पापा के लैपटॉप की बातें करती हैं, मगर एक उसी की मां है जो अपना लैपटॉप छूने नहीं देतीं। न जाने क्यों। कल रात भी मां से उसका काफी झगड़ा हुआ था। हालांकि मां ने उसे हर जरूरी चीज देखने दी थी। तभी तो उसने नेट से अपने सारे जरूरी सवाल हल कर लिए थे, मगर उसके बाद जैसे ही वह कार्टून देखने बैठी, मां धम से धमक आईं और लैपटॉप ले लिया। मां ने उसके लिए समय तय कर रखा है।

उसकी आंखों में आंसू आ गए। मां की आंखों में भी कल आंसू आ गए थे, जब उसने मां से कहा था, 'सबके पापा देते हैं लैपटॉप अपने बच्चों को, मेरे भी पापा होते तो मुझे देते, आप नहीं देतीं।'

ईशू रोती हुई अपने कमरे में चली गई थी और मां की तरफ ध्यान नहीं दिया। पापा की फोटो लेकर रोती रही थी वह। पापा को उसने देखा ही नहीं था। वह मां के साथ अकेली रहती थी। मां उसकी छोटी से छोटी इच्छा पूरी करती हैं। उसकी सहेलियों से अच्छी फ्रॉक लाती हैं, ड्रेस लाती हैं। जब वह कहती है तब पिज्जा और मोमोज भी लाती हैं।

एक रात पहले मां के लिए मन में भरा हुआ गुस्सा अब मां के इंतजार में धीरे-धीरे प्यार में बदल गया। ईशू ने लैपटॉप ऑन किया। गूगल पर गई, यू-ट्यूब खोला। अपना कार्टून लगाया, मगर उसका मन नहीं लगा। अब तक ऐसा नहीं हुआ था कि मां इतनी देर तक बाहर रही हों। मां घर से ही काम किया करती थीं। मां को नौकरी तो मिल सकती थी, मगर उन्होंने उसके लिए नौकरी नहीं की कि उसकी देखभाल कैसे होगी।

ईशू को स्कूल से आए दो घंटे हो गए थे और अब उसका जी यू-ट्यूब से उब चुका था। उसकी आंखें बार-बार दरवाजे की तरफ जाती थीं। मां अब तक क्यों नहीं आईं? कहीं उन्हें कुछ हो तो नहीं गया? कहीं कोई दुर्घटना तो नहीं हो गई! धीरे-धीरे समय बीतता जा रहा था और ईशू को मां का पता नहीं लग पा रहा था।

ईशू को मां के साथ झगड़े की सारी बातें याद आ रही थीं कि कैसे वह लड़ती है छोटी-छोटी बातों पर। उसकी सहेलियां उसकी चीजों की तारीफ करती हैं, और कहती हैं कि उनके पापा भी नहीं ला पाते ऐसी चीजें। उसकी मां कितनी प्यारी हैं और वह है कि बस जिद करती रहती है। कभी नई ड्रेस की जिद, तो कभी...। अगर मां न होती तो?

घड़ी में छह बजने को थे और अंधेरा होने लगा था। ईशू का मन अब लैपटॉप में नहीं लग रहा था। अब उसे डर लगने लगा था। कहीं मां भी पापा के पास तो नहीं चली गईं। क्या वह मां को भी खो देगी?

वह डरते-डरते रोने लगी। वह दौड़ कर अंदर वाले कमरे में भागी। मां वहीं पूजा करती थीं। वह जोर-जोर से भगवान के सामने बोलने लगी, 'प्लीज गॉड, मेरी ममा को भेज दीजिए। अब मैं कभी जिद नहीं करूंगी। मुझे लैपटॉप में कुछ नहीं देखना। मुझे बस मेरी ममा चाहिए।'

वह जोर-जोर से रो रही थी। रोते-रोते उसकी आंखें लाल हो गई थीं। तब तक साढ़े छह बज गए थे। वह दरवाजे पर ही बैठ गई थी। तभी उसे अचानक से अपने बालों में किसी का हाथ महसूस हुआ। उसने देखा, उसकी मां सामने खड़ी हैं और उनके हाथों में एक काले रंग की कोई चमकीली चीज है। एकदम लैपटॉप जैसी। मां बहुत थकी लग रही थीं।

'बाहर क्यों बैठी हो ईशू। मच्छर नहीं काटेंगे क्या?' वह डांटते हुए बोलीं। आज ईशू को अपनी मां की डांट बहुत प्यारी लग रही थी। उसने रोते-रोते पूछा, 'आप आ गईं, मुझे लगा कि कल की बात से आप इतना गुस्सा हुईं कि...'

'... कि मैं घर छोड़ कर चली गई?' मां हंसने लगीं। ईशू उनसे लिपट गई- 'हां।'

'नहीं मेरी बच्ची, तुम्हारे लिए पढ़ाई वाला टैबलेट लेने गई थी।' ईशू मां से लिपट गई, 'मुझे बस आप चाहिए और आपके अलावा कुछ नहीं।' उसने लैपटॉप से आंखें फेर कर मां को और कस कर जकड़ लिया। ❑

कविता

जगदीश शर्मा

चिड़िया रानी

पंख फैलाए चिड़िया रानी
उड़-उड़ दूर तक जाती है
भर-भर चोंच लाती है
सपने खूब सजाती है।

चीं चीं चूं चूं चीं चीं चूं चूं
खूब मचा है शोर घोंसले में
खुले मुंह आवाज लगाते
मां की राह ताकते बच्चे।

दूर खेत तक उड़ती जाती
यहां वहां से दाने चुनती
चीं चीं चूं चूं चीं चीं चूं चूं
मचे शोर में जल्दी आती।

बरसे मेघ या तपे सूरज
कभी न थकती चिड़िया रानी
आती-जाती भर चोंच है लाती
क्या क्या लाती चिड़िया रानी।

छोटी सी दुनिया चिड़िया तेरी
खूब सजाती मेहनत से इसको
दिन भर चैन नहीं है तुमको
पर बड़े सुकून की दुनिया तेरी।

शब्द-भेद

कुछ शब्द एक जैसे लगते हैं। इस तरह उन्हें लिखने में अक्सर गड़बड़ी हो जाती है। इससे बचने के लिए आइए उनके अर्थ जानते हुए उनका अंतर समझते हैं।

निर्माण / निर्वाण

निर्माण का अर्थ है रचना या बनाना। गढ़ या ढाल कर कोई नई चीज तैयार की जाती है, तो उसे निर्माण कहते हैं। निर्वाण का अर्थ मुक्ति या मोक्ष से होता है। यह मृत्यु से परे की अवस्था है। निर्वाण प्राप्त करने वाला व्यक्ति जन्म-मृत्यु के चक्र से मुक्ति पा जाता है।

बेर / बैर

बेर सर्दी के मौसम में मिलने वाला एक फल है, जो स्वाद में खट्टा-मीठा होता है। वहीं बैर का अर्थ किसी से दुश्मनी मोल लेना या शत्रुता करना है। बैर बदला लेने की भावना को भी कहते हैं।